

नई बिस्सी, शनिवार, विसम्बर 24, 1983 (पौष 3, 1905) **सं**0 52]

No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 24, 1983 (PAUSA, 3 1905)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रला संक्रनत के इस्त में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

PUBLISHED BY AUTHORITY

माय ।।।...चण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च स्यायात्रयों, निवस्त्रक और महातेष्ठापरीक्षक, संव लोक सेवा आयोग, रेत्र विभाग और सरकार के संलग्न और अधीन कार्यात्रयों द्वारा जारी की गई अधिसुवनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of Indial

केम्बीय सतर्केक्षा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1983

2/20/82-प्रशासन---केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायी वरिष्ठ निजी सहायक श्री एल० यगनानारायणन, जो स्थानापम रूप से अनुसंधान अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, का केन्द्र तथा राज्य संबंध आयोग में प्रतिनिधियुक्ति पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर खयन होने पर इस आयोग से बिनांक 14 नवस्वर, 1983 पूर्वाह्न से पद भार विमुक्त हो गए।

विनांक 26 नवम्बर 1983

सं० 2/1/83-प्रशासन--केन्द्रोय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा इस आयोग के स्थायो सहायक श्री जगदीण चन्द्र ्कपूर को स्थानापन्न रूप से तदर्थ अनुभाग अधिकारी के पद पर रू० 650 (710)-30-740-35-810 द ¥0-40-1000-द० अ०-40-1200 के वेतामान में विनांक 31-10-83 से 28-1-1984 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 नवस्बर 1983

सं० 2/1/83-प्रशासन-केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतव, हारा इस आयोग के श्री महेन्द्र लाल जुनेजा, स्थायो निजी सहायक को स्थानापन्न रूप से सदर्घ वरिष्ठ निजी सहायक के पद पर रू० 650-1040 के वेक्षनमान में दिनांक 31-10-83 से 28-1-1984 तक मा अगले अ।वेश क्षक, जो भी पहलेहो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 दिसम्बर 1983

सं० 2/17/83-प्रशासन--केन्द्रोय सत्तर्कता आयुक्त एसद् द्वारा निर्वाचन अध्योग के स्थाया अनुभाग अधिकारः श्र सूरज प्रकाश खुराना को क्रुन्द्रोय सतर्कता आयोग में प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थाना दुन्न रूप से अनुभाग अधिकार। पद पर दिनांक 14 नवम्बर, 1983 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश सक, रू० 650-1200 के वेतनमान तथा वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 10 (24) -ई-ा∏ (बं.)/60, दिनांक 4-5-1961 जो समय समय पर संगोधित किया गया है, के अनुसार प्रक्षिनियुक्ति भर्ते पर नियुक्त करते हैं।

(22647)

सं ० 2/17/83-प्रशासन — केन्द्रीय सहकीं आयुक्त एहं द् इति मुख्य प्रशासन अधिकारी, रक्षा मझालय के कार्यालय के सहायक निविलियन स्टाफ आफिसर, श्री पी० एस० राठौर की प्रहितियुक्ति के आधार पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 24 नवम्बर, 1983 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश तक केन्द्रीय सहकीं आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद पर रू० 650-1200 के वेजनमान तथा वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 10 (24)-ई०-Ш (बी)/60 दिनांक 4-5-1961 जी समय समय पर संशोधित किया गया है, के अनुसार प्रक्षिन्यिक्त भत्ते पर नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा अवर सचित्र उते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1983

सं० ए-20023/11/83-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरी एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री भरत सिंह रघुवंशी को दिनांक 14-11-1983 के पूर्वाह्न से अस्थायी रूप से लोक अभीयोजक, केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

राम स्वरूप नागपाल प्रशासनिक अधिकारी, (स्थापना) केन्द्रीय अम्बेषण ध्यूरी

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली--110003, दिनांक 28 नवम्बर 1983

सं० एफ०-2141/83 स्थापना—राट्रपति केन्द्रीय रिर्जव पुलिस वल के निम्मलिखित चिकित्सा अधिकारियों को उनके नाम के आगे लिखी तारीख तथा ऊपर दशीये गये ग्रेड में सहर्ष स्थायी करते हैं। स्थायी की तारीख का उनकी आपसी परिष्ठता पर कोई प्रभाव नहीं होगा :—

मिनियर चिकित्या अधिकारी

1 डा० सतन्जय गुण्ना —	3-11-82
जनरल ड्टटी ग्रा फिस र ग्रेड ∼1	
। डा० एस० पो० मिश्रा	24-9-82
2. डा० पी० के० दास'	10-2-83
3 डा॰ सत्यानन्द पटनायकः	20-1-83
अनरल ड्यूटो आफि श्चर र्यंड ∼2	
1 डा० (श्रीमती) यन्हे गुप्ताः	30-8-82
2 डा (श्रमती) उमा जैन	1-8-82
3 इति (श्रीमतो) स्रोति नामाई नायक	12-7-82
4. डा ० असिल कुम }र	4-11-82
5. डां० विजय बहादुर	3-11-82

 हा० एच० आर० राभवत 	5-3-83
7. डा॰ सदानस्य कृमार	18-3-83
8. डा ं टी०के० विजय सारथी	31-3-82
 का० के० नरसिंहम्मा राव 	15-7-82
10 डा० सुरेंदर पाल	4-7-82
11 डा॰ चन्द्रा माल	19-6-82
12. डा० के० के० बी० धीमरे	28-2-83
13. डा॰ वलिप पराटे	12-7-82

दिनांक 29 नवम्बर 1983

सं० ओ० हो० 1890/83 स्थापना--राब्द्रपति डाक्टर गोविन्द सिंह रोटन को अस्थायो रूप से आगामी आवेण जारी होने तक केन्द्रीय रिफर्ज पुलिस बल में जी०डी० ओ० ग्रेड -II (डि० एस० पो०/ कम्पनीकमास्डर) के पद पर 15 नवम्बर 1983 पूर्वाह्म से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने को वर्त पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

विनांक 30 नवम्बर 1983

सं० ओ० दो० 1765/82— स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर प्रमुख्ता कुमार बोहरा को 2 नवम्बर 1983 पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले ही उस तारीख तक केन्द्रीय-रिजर्व पुलिस बल से कनिष्ट अधिकारी के पद पर तबर्थ रुप से सहर्थ नियुक्त किया है।

सं० घो० दो० 1783/83-स्थापना--राष्ट्रपति जी ने डा० क० श्रोकृष्ण पद्यस्त् , जनरल डयूटी आफिसर ग्रेड, II (डि॰ एस॰ पी०/ कम्पनी कमान्डर) का त्याग पत्र दिनांक 1 नवम्बर 1983 अपराह्न से सहर्ष स्थीकार कर लिया है।

विनांक 1 विसम्बर 1983

सं० एक० 2125/83-स्थापना--राष्ट्रपति, डाक्टर एस० के० मिश्रा जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड 1 को उनकी पदोस्नति के फलस्वरूप 19 नवस्वर 1983 पूर्वीहन से आंगामो आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सिनियर मेडिकल आफितर (कमाण्डेन्ट) के पद पर स्थानापन्न हप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 दिसम्बर 1983

मं० ओ० दो० 1761-82-स्थानता--महानिदेशक, केन्द्राय रिजर्व पुलिन बल ने डाक्टर (श्रीमता) पुरामा प्रधान को 5 जुलाई 1983 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उन पर पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस हाराख हा केन्द्राय रिजर्व पुलिस बल में कानिट्ट चिकिटना अधिकारी के पद पर सदर्थ रूप से महर्ष नियुक्त किया है।

सं शों वो 1761/82-स्थापना महानिषेशक, केन्द्रीय रिंजर्व पुलिस बल ने बाक्टर (श्रीमती) पूरामा प्रधान को 6 अक्तूबर 1983 पूर्वाम्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारी का तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ विकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रुप से सहर्ष नियुक्त है।

ए० के० सूरी सहायक निवेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीशोगिक सुरक्षा बल नई दिल्लो 110003, दिनांक 24नवम्बर 1983

सं० ई०-32099/2/83-सा० प्रणा०-11--सेनानिवृति की आयु प्राप्त करने पर, श्री वाई० पी० जोगेवर ने 30 सितम्बर, 1983 के अपराह्म से सहायक कमांडेंट, के० ग्री० सु० ब० यूनिट, बी० आई० एल० मिलाई, के पद का कार्यमार छोड़ विया ।

> सुरन्द्र नाथ मह।निदेशक, के० भौ०स्०४०

भारत के महारजिस्ट्रार का कायलिय नई दिल्लो, दिनांक 5 दिसम्बर 1983

सं० 11/102/79-प्रणा० I(2)--इस कार्यालयकी तारीखं 23 जून, 1983 की समसंख्याक अधिसुचन। के अनुक्रम में, राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक निदेशक जनगणना कार्य को उनके नामों के सक्षम दिश्वत राष्यों के कार्यालयों में तारीख 29 फरवरी, 1984 तक की भीर अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो विद्यमान शतौं पर पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर पदोन्नति द्वारा उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:-

क्रम	স হি	कारी	का	ı	जिस	काय	लिय	में	कार्यपत	₹ 3
सं०		नाम								
1		2					3		.,	
, 1	श्री	सी०	ही०	भट्ट	जनग	गना	कार्य	निवे	शालय,	संघ

1 श्री सी० डी० भट्ट जनगणना कार्य निर्वेशालय, संघ राज्यक्षेत्र चण्डीगढ़, चण्डोगढ़

2 श्री एस॰ एल॰ वहल जनगणना कार्य निदेशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़

तं वे 13/8/83-प्रशां - I -- अधिविविता की आयु होने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्ति के परिणामस्वरूप श्री के० के० प्रभाकर ने तारीख 31 अक्टूबर, 1983 के अपराह्म से मारत के महार्राजस्ट्रार के कार्यालय से अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार छोडा ।

> विजय पाल पाण्डे भारत के संयुक्त महारजिस्ट्रार

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई विल्ली, दिनांक 1 विसम्बर 1983

सं० 24/3/74-प्रशा०-I---राष्ट्रपति महोदय श्री संतोख सिंह को सरकारी परिक्षक प्रश्नास्पद प्रलेख कलकरता में सरकारी परीक्षक प्रश्नास्पद के पद पर 1100-50-1600 रूपये के वेतनमान में दिनाक 14 नम्बबर 1983 (पूर्वाहन) से अगले आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> बी० आर० कल्याणपुरकर महानिवेशक पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

विस्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

सीमा शुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपीत अधिकरण नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

सं० 345 (6) सी० मु० उ० मु० स्व० नि० अ० अ० 83---श्री टी० बी० श्रीनियासन, सीमा मुस्क केम्ब्रीय उत्पाद शुरूक ग्या स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण के सहायक पंजियक जो कि पहले, केन्द्रीय उत्पाद अम्तरिक लेखा परीक्षा विभाग, मद्रास में परीक्षक के पद पर कार्यरात थे, सेवा निवृत्त की अविध में पहुंच कर 30 नवम्बर 1983 को सेवा निवृत हुए।

सं० 346(2) सी० मु० उ० मु० स्व० ति० अ० अ० /83—शी मनीहर सिंह तकनीकी अधिकारी, सीमा मुल्क केन्द्रीय उत्पाद मुल्क तथा स्वर्ण नियत्वण अपील अधिकरण विल्ली बेंच नई दिल्ली जो कि पहले केन्द्रीय उत्पाद मुल्क समाहर्तालय विल्ली में अधीक्षक के पद पर कार्यरत ये, सेवा निवृत्ति की अवधि में पहुंच कर 30 नवम्बर 1983 अपराह, न को सेवा निवृत्त हुए ।

सं० 6/सी० मु० उ० शु० स्व० नि० अ० अ०/ 83—-श्री हरबंस लाल ने दो कि पहले संस्पवा निवेशालय के निर्मीण एवं आवास मंद्रालय नयी विस्ली में सहायक निवेशक के पद पर कार्यारत थे, 1 विसम्बर, 1983 पूर्वाह्न से सीमा शुल्क केन्द्रोम उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण विस्ली बैंच नई दिल्ली में सहायक पंजीकार के पद का कार्यभार प्रहुण कर लिया है।

> फौजा सिंह गिल अध्यक्ष

वित्त आयोग

मई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

सं० 8 वि० आ० 2(30)-ए/82:--लेखा परीक्षा निदेशक के कार्यालय के लेखा परीक्षा अधिकारी श्री आर० एल० खन्ना जो आठवें वित्त आयोग में अनुसंधान अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर थे, अधिवाधिकी की आयु प्राप्त करने पर 30 नवम्बर, 1983 के अपराहन सेवा-निवृत्त हो गये है।

तरलोक चन्व नन्दा प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, बिहार (स्थानीय भ्रकेक्षण विभाग)

राची, दिनांक 28 नवम्बर 1983

सं० एल० ए०/प्रशा० [स्था०-1/3752-महालेखाकार बिहार, राची अपने कार्यालय के स्थानीय श्रंकेक्षण प्रशाखा के श्री किस्टो कुमार पाडे, अनुभाग अधिकारी (अकेक्षण) को दिनांक 25-11-83 के पूर्वाहन से अगले आवेश होने तक स्थानापन्न सहायक स्थानीय लेखा परीक्षा के पद पर सहर्ष पदीन्तत करते हैं।

श्री० मुखर्जी स्थानीय लेखा परीक्षक, बिहार

निदेशक लेखा परीक्षा काकार्यालय पु० सी० रेलवे

मालीगाव, दिनांक 30 नवम्बर 83

स० प्रशा० 51-6/79/35ए/7394——निवेशक लेखा परीक्षा , पू० सी० रेलवे मालीगाव गुवाहाटी —11 के कार्यालय के सैक्शन आफीसर सेवा के स्थायी सदस्य श्री बी० मुखोपाध्याय तथा श्री एम० एम० शिकदर को वेतनमान 840-40-1000 ई० बी० 40- 1200 रू० में दिनांक 12-8-83 से अगले आदेश तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाया है।

बी० एल० बाईपाई निवेशक लेखा परीक्षा

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक, पश्चिमी-ब्लाक, 5,पोस्ट बैंग सं०-1

नई विल्ली-110066 दिनांक 14नवम्बर 83

सं० प्रणा०/1/1401/4/III — राष्ट्रपति, निम्नलिखित लेखा अधिकारियो को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ समयमान (रूपये 700-1300) में, स्थानापन्न के रुप मे कार्य करने के लिए, प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शाई गई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त सहवे नियुक्त करते हैं:

ऋ० सं०	नाम	तारीख जिससे नियुक्त किए गए
1*	2	3
- -	 र्वश्री	سیا میں سے جو سے سیا میں ہوا ہیں ہیں سے شو ہیں سے
1.	ए० जानकी रामन	02-06-83
2.	प्रवेश कुमार सहगल	02-06-83
3	मान सिंह	24-08-83
4.	एल० एन० नाथमुनी	25-08-83
5	ज्योति लाल	29-08-83
6	डी॰ कृष्णामूर्ति	02-06-83
7.	लच्छा सिंह	02-06-83
8.	टी० एम० कुष्णन् सतीश चन्द्र	30-08-83
9 10	सतीश चन्द्र राम रतन	18-08-83
11	रान रतन सी० आर० मजूमदार	01-09-83 02-06-83
12.	६० आर० चक्रवर्ती	26-08-83
13	ए० जम्बुनाथन्	29-08-83
14	के० वी० वर्धीस	22-08-83
13	सी० सूर्यनारायणन्	02-06-83
16.	डीं० के० क।र	02-06-83
17.	टी॰ एस॰ माछवन्	11-08-83
18	एन० आर० रामानाथन्	17-08-83
19	सुरिन्दर मोहन मल्होत्रा	30-08-83
20.	महेन्द्र सिंह -1	23-08-83
21.	पीं० के० थेवन	20-08-83
22.	राघ्रेण्याम पाल	22-08-83
23	एस० एस० दुबे	22-08-83
24.	सी० राधाकृष्णन्	12-09-83
25	त्रिलोक सिंह नायर	29-08-83
26.	ए० मादास्वामी	18-08-83
27.	वी० एन० राम	18-08-83
28.	रती राम	11-08-83
29	महेन्द्र सिंह-II	16-08-83
30	शिव घरण सिंह	09-09-83
31.	जगन नाथ	30-08-83
32.	वी० जी० दातार	17-08-83
33	के० वी० रामनन्	05-09-83
34.	आर० एम० जोशी	18-08-83

वी॰ एस॰ जफा रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

उद्योग मंसालय

ग्रीद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1983

सं ए-19018 (632)/82-प्रशासन (राज):-राष्ट्रपति आर्किनेन्स फैक्टरी, अम्बाझारी, नागपुर के चार्जमैन,
प्रेड--1 (पात्रिकी) श्री बी० राष्ट्रवेन्द्रन को उत्पादन केन्द्र
निदेशालय, एट्टुमनुर के अधीन विस्तार केन्द्र, एटिंगल में
दिनांक 14 अक्सूबर, 1983 (पूर्वाह्म) से, अगले आवेशों
तक, सहायक निदेशक ग्रेड--1 (पांत्रिकी) के रूप में नियुक्त
करते हैं।

सं० ए-19018 (702) | 83-प्रशासन (राज०) :--विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान,
कानपुर के लघु उद्योग संबद्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण)
श्री सुनील सरवार्हः को दिनांक 1 नवम्बर, 1983 (पूर्वाञ्च)
से, तदर्घ प्रतिनियुक्ति आधार पर, उसी संस्थान में हिन्दी
अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

विनांक 3 विसम्बर, 1983

सं० ए-19018 (42)/73-प्रशा० (राज०):-विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली के आई० टी० ई० सी० कार्यक्रम
के अधीन दो वर्ष की अवधि के लिए जाम्बिया में प्रतिनियुक्ति
हो जाने पर, श्री वी० मुरलीधरन, ने विनांक 19-9-83
(अपराह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद में सहायक
निदेशक, ग्रेड-1 (आ०अ०/उ०स्०) के पद का कार्यभार
छोड दिया।

विनांक 5 दिसम्बर, 1983

सं० ए-19018 (188)/75-प्रणा० (राज०)विदेश मंत्रालय के आई० टी० ई० सी० कार्यक्रम के अधीन
दो वर्ष की अवधि के लिए जाम्बिया में प्रतिनियुक्ति हो
जाने पर श्री आर० एन० शर्मा ने दिनांक 19 सितम्बर,
1983 (अपराह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर
के उप निदेशक (रसायन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया \
सी० सी० राय

उप निवेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महामिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली दिनांक 28 नवम्बर, 1983

सं० प्र-6/247 (614)—-राष्ट्रपति, श्री पी० एफ० मिल्लर, निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-III वस्त्र णाखा) को दिनांक 31-10-1983 के पूर्वाह्म से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले

हो, तदर्थ आधार पर उपनिदेशक निरीक्षण (बस्त्र) भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रुप "ए के ग्रेड—II वस्त्र शाखा) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। श्री पी० एफ० मिल्लर की पदीन्नति दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित सिविल रिट याचिका सं० 1457/81, 1590/81 तथा 1973/81 के अन्तर्गत 3 एल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83 तथा 69/83 के निर्णय के अधीन होगी।

श्री पी॰ एफ॰ मिरुलर की तबर्थ आधार पर नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का कोई हक नहीं होगा तथा उनके द्वारा तबर्थ आधार पर की गई मेवा उस ग्रेड में बरियता, पदोन्नति की पान्नता और स्थायी करण के लिए नहीं गिनी जाएगी।

3. श्री मिल्लर ने निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल नई दिल्ली के कार्यालय में विनांक 31-10-1983 के पूर्वीह्म से निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) केपद का कार्याभार छोड दिया और 31 अक्तूबर, 1983 के पूर्वीह्म से नई विल्ली स्थित मुख्यालय में उप निदेशक, निरीक्षण (वस्त्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 3 दिसम्बर, 1983

सं० ए०-17011/228/83-प्र० 6-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षक निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय के भण्डार परीक्षक (यांत्रिकी) श्री आई० के० मर्मा को इस महानिदेशालय के अधीन कलकत्ता निरीक्षणालय में दिनांक 10 अक्तूबर, 1983 से आगामी आदेशों सक पूर्णतया तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण मधिकारी (यांत्रिकी) के पद परस्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> एस० एल० कपूर, उप निवेशक (प्रशा०), कृते महानिवेशक पूर्ति तथा निपटान

प्रशासन अनुभग -1

नई दिल्ली, विनांक 30 नवम्बर 1983

सं० प्र०-1/1 (292) — पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय नई दिल्ली में स्थाई निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रेड-1) श्री आर० एन० सेठी निवृत्तमान आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 नवम्बर, 1983 के अपराह्म से सरकारी सेवा से मिवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 1 दिसम्बर, 1983

सं० प्र०-1/1(1225)--महानिषेशक पूर्ति तथा निपटान एतव्दारा पूर्ति तथा निपटान निषेशालय, कलकत्ता के कार्यालय में कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी श्री पी० एन० गुहा को उसी कार्यालय में दिनांक 3 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्र से पूर्णत: तवर्षे आधार पर सहायक निवेशक (ग्रेड-(II) के पद पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री पी० एन० गुहा की तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा की गई नृदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरिष्ठता नथा पदांशित श्रीर स्थायी-वतता हेतु नहीं गिनी जाएगी ।
- 3. श्री गृहा ने विनांक 3 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्म को पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकता के कार्यालय में किनष्ठ क्षेत्र अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया और कलकता में उसी कार्यालय में विनांक 3 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्म से सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद का कार्याभार सम्भान लिया।

प्र० सं०/1/1(1226)—महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान एसद्वारा पूर्ति तथा निपटान निवेशालय, मद्रास में कनिष्ठ प्रगति अधिकारी श्री बी० मार्गबन्धु को विनोक 9 नवम्बर, 1983 में पूर्वीह्न से पूर्ति तथा निपटान निवेशालय बम्बई में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न क्ष्प में महायक निवेशक (ग्रेड—II) के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री बी० मार्गेबन्धु की सहायक निवेशक (ग्रेड-II) के रूप में तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का वावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा की गई तदर्थ सेश उस ग्रेड में विरिष्ठता श्रीर पबोन्नति तथा स्थायी-वतता हेत् नहीं गिनी जाएगी।
- 3. श्री मार्गबन्धु ने दिनांक 31-10-83 (अपराह्म)
 मे पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, मद्रास में कनिष्ठ प्रगति
 अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ा श्रौर दिनांक 9-11-83
 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में सहायक निदेशक (ग्रेड) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० बालासुब्रमणियन उप निवेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

सं० प्र०-6/57 (8) भाग-10-इस महानिधेशालय की दिनांक 5-7-83 की समसंख्यक अधिसूचना के कम सं० 42 के सामने अधिकारी का नाम "सिस्ति कान्ति बसु के स्थान पर "सिसर कान्ति बसु पढ़ा जाए।

> एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग)

कलकत्ता-70001, दिनांक 25 नवम्बर 1983 सं० 9369-बी०/ए०-32014 (2-ए० जी०)81-19 बी०---भारतीय भूदैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक भारतीय मूर्वैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित विरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूमौतिकी कार्यशाला) को सहायक भूमौतिकीविद (उप-करण) के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 12-9-83 के पूर्वाह्म में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं::--

- 1. श्री एस० पी० चौधरी
- 2. श्री एस० के० राय

दिनांक 30 नवम्बर, 1983

सं० 9513 बी०/ए०-19012 (3-एम० आई०)/83-19 बी०--भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण के महानिदेणक, डा० मोह० ईशाक को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 ६० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 24-9-83 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 9531 बी०/ए०-19012 (उ-जी० एन०)/8319 बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक,
श्री गौतम नियोगी को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या
वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40
-1000-द० रो०-40-1200 ६० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा
मामला हो, अस्थायी क्षमता में, आगामी आवेश होने तक
30-9-1983 के पूर्वाह्म मे नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1983

सं० ए०-19011 (66)/83-स्था० ए०-----राष्ट्रपति, विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिण पर श्री जी० एन० सिन्हा खनिज अर्थणास्त्री (आसूचना) को दिनांक 5 नथम्बर 1983 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरी में स्थानापन्न रूप से अधीक्षक खनिज अर्थणास्त्री (आसूचना) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

विनांक 2 दिसम्बर 1983

सं० ए०-19011 (335)/83-स्था० ए०---राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिण पर श्री बी० एस० कुंदुरकर, सहायक खनन भूविज्ञानी, भारतीय खान ब्यूरो को कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन्न रूप से दिनांक 11 नवम्बर, 1983 के पूर्वाझ में महर्ष नियुक्त करने हैं।

> आशाराम कम्पय वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी भारतीय खान प्र्रो कृते महानियक्रक

सूचना भ्रौर प्रसारण मद्रालय विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निवेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनाक 29 नवस्वर 1983

स० ए०-12026/5/83-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, वरिष्ठ लेखाकार (तवर्ष) श्री आर० एस० डी० तयाल को इस निवेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय, कंगलीर में 15 नबम्बर, 1983 के पूर्वाह्म से श्री श्रार० डी० चारी, लेखा ग्रिकारी, जो श्रवकाण पर हैं, के स्थान पर स्थान।पन्न कप से लेखा अधिकारी नियक्त करते हैं।

श्रीमती एस० एल० भारद्वाज उप निवेशक (प्रशासम) कृते विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निवेशक

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एव निरीक्षण निदेशालय फरीवबााद, दिनांक 5 दिसम्बर 1983

स॰ ए०-19023/5/82-प्र०-III— इस निदेशालय के अधीन नागपुर में विपणन अधिकारी (वर्ग-III) के पद पर श्री एस० एस० बिम्बरा की तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 28-3-83 से 9 महीने की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढाया गया है।

स० ए०-19023/7/83-प्र०-III—संध लोक सेवा आयोग की सस्तुतियों के अनुसार श्री बी० के० धर्मा को दिनांक 12-10-83 (पूर्वाझ) से अगले आदेण होने तक इस निवेश्यालय के अधीन फरीदाबाद में स्थानापन्न विषणन विकास अधिकारी (सी० एस० आर०) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

उन्हें दिनाक 11-10-83 अपराह्म नई विल्ली म सहायक विपणन प्रविकास ग्रधिकारी के पद में कार्यमुक्त कर विया गया है।

> गोपाल शरण शुक्ल, कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

भारतीय वन सर्वेक्षण

वेहरावून, दिनांक 1 विसम्बर 1983

क्रमांक 4-4-79-प्रशासन—श्री एस० एस० पाण्डे महायक वन सरक्षक महाराब्द्र सरकार, जो कि भारतीय वन, सर्वेक्षण, केन्द्रीय श्रचल, नागपुर में सहायक निर्देशक के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर तक्ष्यं कार्य कर रहे थे, की सेवाए महाराब्द्र सरकार को 2 अप्रैल, 1983 की पूर्वाह्र से सौंप दी गई हैं।

एन० के० **अग्रवा**स नि**र्देश**क

भाभा परमाणु अनुसधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, विनाभ 14 नवम्बर 1983

सं० पी० ए०/76 (1)/83/भरती-III216---भियलक भाभा परमाणु अनुसंधाम केन्द्र श्री किसोर चन्द्र मधुरस्याम, हांहा, अस्थायी सहायक लेखाकार को विमांक 10 अक्तूबर 1983 (अपराह्म) से आगामी आवेश जारी होने तक तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

भ्रो० पी० बन्ना उपस्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, विनांक 1 विसम्बर 1983

स० पी० ए०/43 (2)/83-भ०-4/1510 -- निवेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा० पुण्य जत दोवे को निवासी चिकित्सा अधिकारी के पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रोन केन्द्र में विनांक सितम्बर 1, 1983 पूर्वाह्न से अगस्त 11, 1984 अपराह्म तक तवर्ष रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० सी० पास उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग निर्माण तथा सेवा वर्ग

बम्बई-400094, दिनाक 23 नवम्बर, 1983

स० सी० एण्ड एस० जी०/ए०/2 (6)—परमाणु ऊर्जा विभाग के निर्माण तथा सेवा वर्ग के निर्देशक ने श्री एन० पी० गणेशन को 31 अक्तूबर, 1983 के पूर्वान्त्र से अगला आदेश होने तक के लिए निर्माण तथा सेवा वर्ग में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता-ग्रेड एस० श्री० के पद पर अस्थायी से नियुक्त किया है।

सैं० सी० एफ० डी०/ए०/2/16—परमाणु ऊर्जा विभाग के निर्माण तथा सेवा वर्ग के निवेशक ने भाभा परमाणु अनु-मंक्ष्मन केन्द्र के स्थायी सहायक लेखाकार और परमाणु ऊर्जा विभाग के निर्माण तथा सेवा वर्ग के स्थानापल सहाबक लेखाकार श्री आरे० बी० पिल्ले को 20 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्म से 3 दिसम्बर, 1983 तक के लिए इस वर्ग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर मियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्रीमती एन० एस० राजाध्यक्ष के स्थान पर की गई है जो छुट्टी पर गई हैं।

> एच० वी० आवतरमानी प्रशासनिक अधिकारी

क्रय और भण्डार निदेशालय

धम्बई-400001, विनांक 22 नवम्बर, 1983

सं० डी० पी० एस०/2/1 (26)/83-प्रशा०/37631—परमाणु ऊर्जा विभाग के कय और भन्डार निवेशालय के निवेशक ने स्थायी कय सहायक, श्री एन० एस० पिल्ले को क्षये 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—40—1200 के वेतनमान में तारीख 11-11-83 (पूर्वाह्म) से अग्रिम आवेश होने तक नियमित आघार पर इसी निवेशालय में स्थानापश्च रूप से सहायक कय प्रिध-कारी नियुक्त किया है।

दिनांक 30 नवम्बर, 1983

सं० की० पी० एस०/41/2/83 प्रशा०/38519—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भण्डार निर्देशालय के निर्देशक ने सहायक भंडार अधिकारी श्री एम० एस० गंगनायक को भंडार अधिकारी के पद पर पदोन्नत किए जाने पर स्थायी भंडापी एम० सी० राय को रूपये 650-30-740-35-35-880 810-द० रो०-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान म तारीख 8-8-1983 (पूर्वाह्र) से 23-9-83(अपराह्म) तक के लिए तवर्थ आधार पर इसी निदोशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईधन सम्बन्ध

हैदराबाद-500762, दिनोंक 30 नवम्बर 1983

संक का व प्रव भव | 0704 | 3486 -- नाभिकीय हैं वन सम्मिश्र के उप मुख्य कार्यपालक जी (प्रशासन), सहायक लेखाकार श्री सी अगर प्रभाकरन को दिनांक 23 नवम्बर, 1983 से 22 विसम्बर, 1983 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त जो भी पूर्व घटित हो, रुपए 650 -- 30 -- 740 -- 35 -- 880 -- व े रो | -40 -- 960 के वेतन मान में सदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

अ० व**० छान,** प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन ना कार्यालय मह विल्ली, दिनांक 26 नक्टकर 1983

सं० ए०-32013/5/83-ई०-1---इम कार्यालय की दिनांक 26 अगस्त, 1983 की अधिसूचना सं०ए०-32013/5/83-ई०-1 के कम में राष्ट्रपति ने श्री बाई० पी० बाबा को उप निदेशक (अनुसंद्रान एवं विकास) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 5 अक्टूबर, 1983 से 4 अप्रैल, 1984 तक की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने की तारीबा तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति दे दी है।

ओ० पी० जैन, सहायक निदेशक प्रशासन

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई विल्ली, दिनांक 28 नवस्वर 1983

सं० 35/83---श्री बी॰ एन॰ भाटली ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मेरठ में अधीक्षक, ग्रुप 'ख' के पद पर तैनात थे, निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, के दिनांक 24 सितम्बर, 1983 के पत्र सं० सी॰ 1041/50/82 हारा इस निदेशालय के गाजियाबाद स्थित उत्तर प्रादेशिक यूनिट में दिनांक 2 नवम्बर, 1983 पूर्वाह्म से निरीक्षण प्रक्षिकारी, ग्रुप 'ख'के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ए० सी० सल्डाना, निरीक्षण निवेशक

केन्द्रीय राजस्व नियन्त्रणक प्रयोगशालाः नई विल्ली, विनांक 25 नवस्वर 1993

रसायन स्थापना

सं० 7/1983—श्री आरं० सी० वर्मी, स्थायी रसायन सहायक ग्रेड-1को दिनांक 30 अप्रैल, 1983 से आगामी आदेशों तक जारी होने तक नई दिल्ली केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगशाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक रूप से (प्रोविजनली) नियुक्त किया है।

सं० 8/1983—-श्री परिमल दास, स्थायी रसायन सहायक ग्रेड-1 केन्द्रीय राजस्व नियन्त्रक प्रयोगशाला नई दिल्ली को दिनांक 7 नवम्बर, 1983 से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक रूप से (प्रोविजनली) नियुक्त किया गया है।

एस० पी० आनम्ब उप मुक्य रसायनज्ञ

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 29 नवम्बर 1983

सं० ए०-19012/947/81-स्था०-पांच--विभागीय पदो भिति समिति (समूह ख) की सिफारिणों पर, अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग, श्री धूपनाथ सिंह, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इन्जीनियर, केन्द्रीय जल आयोग को 9 अगस्त, 1982 की पूर्वान्न से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त/ सहायक निवेशक/सहायक इन्जीनियर के ग्रेड में उक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

> ्एस० महादेव अय्यर अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिवेशालय

किन्द्रीय लोक निर्माण विभाग -

नई दिल्ली, विनाक 28 नवम्बर 1983 •

सं० 27 एस० पी०/(6) /71 ई० सी०-2--राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक इन्जीनियर (मिविल) श्री एच० पी० पटेल द्वारा स्त्रेच्छा से सेवा निवृत्ति के दिनाक 20 दिसम्बर, 1979 के नोटिस की कार्योत्तर स्वीकृति प्रवान कर दी है। तदनुसार श्री पटेल 19 मार्च, 1980 (दोपहर बाद) सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

श्रीमती नीना गर्ग, उप निदेशक (प्रशासन्)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रलय

कम्पनी कार्य विभाग, कम्पनी विधि बोड

कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं बर्मा शेल प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के निषय में ।

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर, 1983

सं० 651/18655/560(3)कम्पनी स्रधिनियम 1956 को धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-'द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर बर्मा शेल प्रापटींज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित निकथा गया हो तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटिन कर दी जाएगी।

2-386GI/83

कम्पर्ना अग्निनियम, 1956 एव वेनको केमिकल्स्

प्राइवेट लिम्हिड के विषय में

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर 1983

मं० 648/1541/0560 (3) कत्यनो श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वेनको के सिकल्स प्राइवेट निमिटेड का नाम इपके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं निला प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ं बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर, 1983

सं० 653/15182/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर जिला प्रायटीं प्राइवेट निमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उनत कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं वैकम कम्पोनेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर 1983

मं० 660/15573/560(3)—कम्पनी अधिनियम,1956 की धारा 560 की उपधार: (3) के अपुपरण में एनइ— हारा यह सूचना दो जाती है कि इस नारीख में तीन मास के अवसान पर बैकन कम्मोनेन्द्स प्राहतेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशान न किए गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्मनी विपटिन कर दी जाएगी।

बम्बई, दिनांक 19 नसम्बर 1983

सं० 667/4747/560(4)—-यतः दी रात्रर जतरत स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन किया जा रहा है।

और अतः अधोस्ताक्षरकर्ता के पास यह विश्वास करने को उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है।

समापक और यह कम्पनी के कार्यकलाप का पूर्णतया परिसमापन हो गया है। समापक द्वारा दी जाने वाली अपेक्षित विवरणियां (विवरिणियां $\times\times$ छै कमवर्ती मास का अविध की नहीं दी गई है)

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उप धारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि उस सूचना की तारीख से तीन मास का अवधान होनें पर दी रावर जनरल स्टोसें प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किए जाने पर रजिस्टर में से काट दिया जाएगा और कम्पनी को विषटित कर दिया जाएगा।

ओ० **पी० जैन,** कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्ब**र्**

कम्पनी अधिनियम 1956 और बाला जी केडिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना-800001, दिनांक 28 नवम्बर, 1983

सं० (1027) 560/318—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारी ख से तीन मास के अधसान पर बाला जी केडिट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण न दिणान किया गया तो रजिस्टर से नाम काट दिया जाएगा और उकन कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मगध दूरिस्ट होटल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना~800001, दिनांक 28 न**ब**स्बर 1983

सं० (1151)/560/पी० एस०/321—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एनद्शारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर मगध टूरिस्ट होटल प्रह्मेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जाएगा और उकत कम्पनी विष्टित कर दी जाएगी।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 और नीतरतन माइ एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में पटना -800001, दिनाक 28 नवम्बर 1983

सं० (1168)/56//325--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एतद्दार हाय सूचना दी जाती है कि इस तारीज़ से तीन मास के अवसान पर नील रतन शाह एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिाया जाएगा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इनलैण्ड वेसेल्स मैनुफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में

पटना 8000041; विनांक 29 नवम्बर, 1983

सं० 1342/560/328—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एतद्हारा यह सूचना जी जाती है कि इस तारींख से तीन मास के अवसान पर इनलैण्ड वेस ल्स मैनुफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिंगत न किया गय तो रिजस्टर से नाम काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटिंत कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मालबेन (इण्डिया) लिमिटेड के विषय में।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 और पुष्पांजिल इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । पटना-800001, दिमाक 29 नवम्बर 1983

सं० 1380/560/334— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एतद्दार यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसाना, पर पुष्पौजलि इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस क्रिक्त कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1965 और बिहार कोम्प्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। पटना-800001, टिनाव29 नवम्बर 1983

सं० 1403/560/337—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बिहार कोम्प्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर सें नाम काट दिया जाएगा और उन्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

ए० वह्**ःब** अंसारी कम्पनीः रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

प्रकृष् बार्ड . टी . एम् . एस् . -------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म् (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 37974/82-83-- अतः मुझे, मंजु माधवन

प्रायंकर प्रश्नित्यम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जवत प्रश्नितवम' कहा वया है), की घारा 269-ध के प्रश्नोन सच्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मूह्य 25,000)- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो 3 कास जय भारती नगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1983

को प्योंक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के स्थमान नितिक्त के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे पह विश्वाम करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का वृद्ध प्रतिश्वात से मुश्रिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरित। (मन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:---

(क) म्रन्तरण सं हुई किसी भाष की बाबस, उक्त भाष्टि। नियम के अधीन कर देने के भक्तरक के वायित में कभी करन या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या

> को, जिन्हों भारतीय आय-कोर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विभाके लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एम० सी० कुमार, सोमेश्वरा एक्टेंशन, अपोजिट सरकारी कालेज, तुमकूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० एस० कृष्णय्या शेट्टी,
नं० 1176/32,
 4, कास, श्रीरामपुरम,
 बेंगल्र।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसची

(दस्तावेज सं० 3811/82-83, ता० 31-3-83)। सब सम्पर्कि जिसकी सं० 7/14 है में सं० 5 जो 3कार्य जय भारती नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर

तारीख : 9-11-83

मोहर 🖫

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बेगलूर

बेगलूर,दिनांक 9 तदम्बर 1893

निदेश स० नोटिस सं० 37975/8 2-83---अत. मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है तथा जो 3 कास जय भारती नगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से भींगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, शिवाजा नगर में रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 7 मार्च, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एम० सी० कुमार, सोमेक्बरा एक्सटेशन, अपोजिट सरकारी कालेज, तुमकूर।

(अन्तरक)

' (2) श्री एन० के० अश्वतराम, नं० 1175/32, 4 कास,श्रीरामपुरम, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 3812/82-83, ता० 7-3-83)। सव सम्पत्ति जिसकी सं० 7/14 में सं० 6 है जो 3 कास, जय भारती नयग, बेंगलूर में स्थित है।

> मजुमाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर.

मतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीख : 9-11-1983

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनाक 9 नवम्बर 1983

निदेश स० नोटिस स० 37976/82-83--अत मुझे, मजुमाधवन

'अ।य'कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 7/14 ने 4 है तथा जो III कास जयभारता नगर, बेगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, णिवाजी नगर में रिजस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन, तारीख 7 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहियमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एम० र्सा० दुमार, सोमेक्यरा एक्सटेशन, अपाजिट सरकारी कालेज, तुमकूर।

(अन्तरक)

(2) श्री अस्माष्ट्रल्ला खान, न० 4, ई० न० 1 स्ट्रोट, शिवाजी रोड कास, खेगलूर-51 ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 3813/82-83, ता० 7-3-83)। सब सम्पत्ति जिसकी स० 7/14 में $4 \stackrel{+}{=} 7$ जो 111 कास जय भारती नगर, बेगलूर में स्थित है।

> मजु माधक्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

तारीख . 9--11-1983 मो**ह**र: प्ररूप बाई टी एन एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनाम 9 नदम्बर 1983

निदेश स० नोटिंग स० 37977/82-83-अतं. मुझे, मजुमाधदन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसका स० 3 है तथा जो III कास जय भारती नगर, बेगलूर में स्थित है (और इसस उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय, णिवाजा नगर में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, नारीख 7 सार्च, 1083

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है.——

- (क) अतरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के शतरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान म सिनिधा को लिए;

भत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रा एम० मा० कुमार, सोमेण्दरा एक्सटेशन, अपीजिट सरकार। कालेज, तुमकूर ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमिती अयेशा बेगम, 4 ई० न० 1, स्ट्रोट णिवाजी रोड कास, बेगलूर।

(अन्तारता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति क अर्जन क लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सपर्तित के सम्बन्ध म काई आक्षप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से -4,5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील स 30 दिन की अत्रिध, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दवार,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा आहुन्ताक्षरा के पास लिमित में किए जा सकाग ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 3819/82-83, ता० 7/2/83) । एम० न० 7/14 में खाला जगह न० 3 जो III काम जय भारतो नगर, बेगलूर में स्थित है ।

मजु मायेक्स सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेगलुर

नाराय ५-१1-1983

मोहर:

जर्थ आई टी एन **ए**स.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209 व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्याकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलूर बगलूर,दिनाक 9 नवम्बर 1983

निदेश स० नोटिन स० 37978/82-83---अतः मुझे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 1 है तथा जो ।।। क्रांस जय भारती नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 7 मार्च, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संप्र्यत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल स्रे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करन या रसमें बचने में सृविधा के लिए, और/मा
- ल) एमी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-वर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गर्या था विया जाना चाहिए था, ठियान मा सुविधा के लिए,

अत[.] अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्राएम० सो० कुमार, सोमेश्वरा एक्सटेशन, अपोजिट सरकारी कालेज, तुमकू।

(अन्तरिक)

(2) श्री एम० ताज मोहस्मद खान, 43-44, मेकान रोड, बगलुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिको पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवण्या,
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधार्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों कर एशे ता जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अभ्याय में दिया गया है। ग्यां हैं।

अनुसूत्री

(दस्तावेज सं० 3815/82-83, ता० 7-3-83) । सं० एम नं० 7/14 में खालो जगह सं० 1 जो III कास जय भारती नगर, बंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधत्रन सक्षत प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वंगलूर

तारीख: 9-11-1983

मोहरः

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 9 नवम्बर 1983 निदेश सं० नोटिंग मं० 37979/82-83 --अतः मुझे, मंजु माधवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह त्रिस्त्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो III काप जय भारती नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, णिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निश्निलिस उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्बत में बास्तिबक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण में हुई फिसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे बजने में स्विधा के सिए; और/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे सिए;

 श्री एम० सी० कुमार, सोमेश्वरा एक्तर्टेशन, अपीजिट सरकारी कालेज, मुमकूर।

(अन्तरक)

(2) श्री सैय्यद मुर्तजा, नं० 10, देवोग रोड, रिचर्डस टाऊन, बंगलूर-5।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, को उक्छ अधिनियम, के बध्याय 20 -क में प्रिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3816/82-83, ता० 7-3-83)। सब सम्पत्ति जिसको सं० 7/14 में सं० में 2 है जो 111 कास जयभारतो नगर, बंगलूर हृस्थित है।

> ांजु नाधवा पक्षत प्राप्तिकारी गृह्यक अधिकर आध्युक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बगलुअ

कतः अव, उत्कत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक में, मैं, उत्कत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत् १---

तारीख: 9--11-1983

मोहरः

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

न्नायकर मिनियम; 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीतण)

अर्जन रेज, बगलूर बगलूर, दिनाक 9 नवम्बर 1983 निदेण स० नोटिस सं० 37980/82-83--अन मुझे, मंजुमाधवन

भाय तर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन ग्राम्थ श्रीकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उवित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में श्रीका है

और जिसकी स० 7/14 में न० 8 है तथा जो 4 काम, ज्य-भारती नगर, बंगलूर में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हे), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 मार्च, 1983

को पूर्व क्ल गंपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है.——

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी आय भी बादत उनत ग्रवि-नियम ने ग्रधीत कर देने ने ग्रन्तरन ने दायि-व में कभी करने या उभम बाने में मुविधा के निए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किया आप ना किती गाया प्रत्य आस्तियों को, को, कितें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनियम, या धन-रर अधिनियम, या धन-रर अधिनियम, वा धन-रर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती और प्रकट नहीं किया गाया या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3—386G1/83

(1) श्री एम० सी० कुमार, सोमेश्वरा एक्स्टेशन, अपोजिट गवर्नमेट कालेज, तुमकूर।

(अन्तरक)

(2) श्री याराबा खान,णिवाजी रोड काम,बगलूर-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना शारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेत्र !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन में दिए उने स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जासकर।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुवन जन्दी भीर पड़ी का, जो उक्त भिवियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हागा, जो जा अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

•(दस्तावेज म० 3817/82-83, ता० 7-3-83)। सब सम्पत्ति है जिसकी म० 7/4 में न० 8 है जो 3 क्रास, जय भारतो नगर, बगलूर में स्थित है।

> मनुं माधवन पत्रम प्राविकारी परायक आयकर आयुवत (निरीक्षण अर्जन रेज, बगल्र

नारीख: 9-11-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- । (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर,दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश सं० नोटिस सं० 37981/82-83---अतः मुझे,

मंजुमाधवन पासन अधिकी

आयकर अनिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कूहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है,

और जिसकी सं० 7 है तथा जो 3 काय, जर भारती नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उराबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, णिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अयोन, तारीख 7 मार्च, 1983

की पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में., मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री एम० पो० कुपार, सोमेश्वरा एक टेंशन, अपोजिट सरकारी कालेज. तुमकूर।

(अन्तरक)

(2) श्रो मैं य्यद मुस्ताफा, न० 10, देवोस रोड, रिचडमेंन टाऊन, बगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रही इक् करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस रचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

र्यस्टीकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

(दस्तावेज सं० 3818/82-83, ता० \jmath -3-83)। सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 7/14 में सं० 7 है जो 3 कास, जय भारती नगर, बंगजूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बगलूर

तारीख : 9-11-1983

मोहर:

प्ररूप बाई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 289-च (1) के ब्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश सं० नोटिय सं० 37964/82-83---अतः मुझें, . मंजु माधवन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आरा 269-ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक ह

कुौर जिसकी सं० 9 है तथा जो 3 काप, जयभारती नगर, बेगलूर में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रो कर्ता अधिकारी के कार्यावन, जिवाजी नगर में रिजिस्ट्रो करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्ते यह विश्वास करन के कारण है कि यथापर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रात्फल ता. एस दश्यमान प्रात्फल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित सहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत., उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा का जुए, और/था
- (ख) ऐग किनी नार म किना ना म कर आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या ब्वन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकटनहीं किया गय-या या किया जाना चाहिए था, फ्रिपाने में मृतिधा के लिए;

ब्त:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० चित्रपा,
 नं० 33/2, तम्बू चेट्टी रोड,
 काका टाऊन,
 बगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रोणन के का जियर,
नं 1175/32,
4 कास, श्रीरामपुरम,
बंगलूर।

(अन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन जी तारीख़ है 45 दिन के भौतर उपल स्थानर सम्पत्ति म हित-बद्ध किसी अला करीत द्वारण. अध्येहस्तातरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

धन्स्ची

(दसावेज स० 3803/82-83, क्षां० 7-3-83)। सव संपत्ति है जिसकी सं० 7/12 में सं० 9 है जो 3 कान, जयगारती तगर, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 9-11-1983

मोहर :

प्ररूप बाई . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्या नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर वंगलूर, दिनाक 9 नवम्बर 1983 निदेश म० नोटिम सं० 37965/82-83--अतः मुझे, मंजुमाधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी स० 7/12 में नं० 12 है तथा जो III का उजय भारती नगर, बगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणा है), रिल्स्ट्राकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अजीन, तारीख 1 मार्च, 1983

को प्रवेक्ति संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उवत् अतरण तिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त जिथिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिशा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

(1) श्री एम० चिन्नप्पा,
 नं० 33/2, तम्बू चेट्टी रोड,
 काक्स टाऊन,
 वगलूर-5।

(अन्तरक)

(2) श्रो के० सत्यनारायण, न० 1175/32, IV कास, श्रोरामपुरम, वगलूर-21 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पन्मि लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्स ग्या हैं।

अन्सुची

(दस्रावेज म० 3804/82-83, ता० 7-3-83)। न० 7/12 म खाला जगह 12 जी III ऋस जय भारती नगर, बंगलूर में स्थित है।

मजु माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, वंगलूर

तारीख: 9-11-1983

मोहर:

प्ररूप ग्राई- टी र एन० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 265-व (1) के अधीन मूचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 37966/82-83--अतः मुझें, मंजुमाधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269'-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं ० 10 है तथा जो 3 कास जब मा रती नगर, बंगलूर में स्थित है (और इमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूणै रूप से विज्ञत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिवाजी नगर में रिजस्ट्रीइएण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन ताराख 7 मार्च. 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ वधीन, निम्ननिक्ति व्यक्तियों, अधीतः——

- (1) श्रां एमं चित्रथ,
- नं ० 33/2, तम्बु चेही शेड. कार्स टाऊन, बंगपूर ।

(अन्तरका)

(2) श्री णान्ति लाल,नं० 56.II मेन रोड,रामचन्द्र पुरन,बंगल्र ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीनर उबत म्थावर मंगित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मकेंगे।

स्पद्भीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दम्ताबेज सं० 3805/82-83, ता० 7-3-83)। सब सम्यन्ति जिनको सं० 10 है जो स० 7/12 में है और III कास, जय भाग्नी नरग, बंगलूर में स्थित है।

मनु माधवन सक्षम प्राधिकारी संज्ञाया अध्यार अध्यक्त (निरोक्षण) र्हा ी, बल्गर

तारीख: 9-11-1983

मोहर 🖫

पका आई. टी. एन. एस. -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के ब्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज्ञ, बंगलूर वंगलूर, दिनां ३ १ जवम्बर 1983

निर्देश म्॰ नोटिस नं॰ 37969/82-83--अतः मुझें, मंजु माध्यन

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है त्या जो III त्रास जय भारती नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच, में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्र, क्या अदिकारों के दार्यालय, णिक्ष जोतन्तर में रजिल्हीं रण अतिवित्तम 1908 (1908 (1909 वर्ष 16) के अदीन, ताराख 7 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रातफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर - देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- ्स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अर्थ:, अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, भी, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसिन त्यिक्तयों, अर्थीत :--- (1) श्री एम० चिन्नपा, नं० 33/2, सम्बूचेट्टी रोड, काक्स टाऊन, बगलूर ।

(अन्तरका)

(2) श्रा एस० हारा चन्द, नं० 41, के० बी० जी० रीड, नागपा ब्याक, श्रोरामपुरम, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कृरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के मास लिखित भे किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां गया है।

अन्सूची

(दस्तावेज सं० 3806/82-83, ता० 7-3-83)। सब सम्पन्ति जिसकी सं० 7/12 में सं० 4 है जो III कास जय भारती नगर बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

तारोख : 9-11-19**8**3

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/12 में 2 है तथा जो III क्रास जय भारती नगर, वंगलूर से स्थित है (ओर तससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिलस्ट्रायती अधिकारी के कार्यालय, शिक्षजो नगर से रिजस्ट्रावरण अधिनियम, 1908 (1908 से(का 16) के अधीन कारीख 7 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करें के का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित 'बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिरात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्मानिस्य व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एम० चित्रप्त,
 नं० 33/2 सम्ब चेट्टी रोड,
 काक्स टाऊन,
 बगलूर-5।

(अन्तरका)

(2) श्री सन्तोप कुमारी,नं० 64, [[काम,श्री राम पुरम,बगलर -21 ।

(अं रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्तः सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दि। की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

(दस्तिकि म० 3807/82-83, ता० 7-3-1983)। सब सम्यत्ति जिसकी सं० 7/12 में नं० 2 जो III क्रास जय भारती नगर, बंगल्र मे स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख 9-11-1983

मोहर:

प्ररूप बाइ े.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलून, दिनां ते 9 नवम्बर, 1983

निर्देश मं० 37971/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी यं० 5 ई. :था जो क्राय जयभारती नगर, बंगपूर में न्यि: है (ओर उनसे उपाबद्ध अनुमूची में और पणं का ने जंगार है), र्राज्यकी तो अधिरात्री के रायित्य, जित्राजीनमार में र्राप्युं हरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अबीन सारोख 7-3-1983 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) लौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त गीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दौयत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिनिया व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री एम० चिन्नपा, नं० 33/2, हम्बु चेट्टी रोड काक्म टाऊन, बंगलूर।

(अव्रहरक)

(2) श्री परासमल सुराना नं० 27, कलील बिल्डिंग, चिक्क्पेट, बंगलुर।

से (अन्तरितां)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्त्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थातर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास न्वित में किए जा सकी।

स्पच्टौकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 3808/82-83 तारीख 7-3-83) सत्र सम्मन्ति जिपकी सं० 7/12 में सं० 5 है, जो III कास, जयभारतीनगर, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयवर आयुक्त (निर्मक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 9-11-1983

मोहर :

प्रकप बाई • टी • एन • एस •---

मायकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 मा (1) के ग्रंथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 नवम्बर, 1983

निर्वेश सं० 37972/82-83---यतः मुझें मंजु माधवन मायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एः. से अधिक हैं और जिसकी सं० 8 है, तथा जो III कास जयभारती नगर बंगलूरों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-3-1983 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का छित्रत बाजार मूल्य, इसके पृत्रयमान प्रतिफाल से, ऐसे पृत्रयमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती भुग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित प्रदेश्य से एक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आयं की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औटु/या
- (ब) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उन्त विविधिम की धारा 269-म के अनुसरण में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा '(1)' भीतः, निम्नलिचित व्यक्तियों, वैधित् :— -386GI/83 (1) श्री एम० चिन्नप्पा, नं० 33/2, तम्बु चेट्टी रोड काक्स टाउन, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री परशुमल सुराना, नं० 27, क्लील बिल्डिंग, चिक्कपेट, बंगसूर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 3809/82-83 तारीख 7-3-83) सब सम्पत्ति जिसकी सं० 7/12 में सं० 8 है जो कास III कास, जयभारतीनगर, बंगलूर में स्थित है।

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 9-11-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 9 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 37973/82-83—यतः मुझे मजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है, तथा जो III क्रास जयभारती नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दागित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या धन-कार भी नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्थिनी देवारा प्रकट नहीं किया गया था या विकास जाना काहिए था, छिपाने में मृतिधा, की लिए;

(1) श्रो एम० चिन्नप्पा, नं० 33/2, तम्बु चेट्टी रोड, काक्स टाउन, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री ताराचन्द नं० 1257/42, III क्रास, श्रीरामपुरम, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3810/82-83 तारीख 7-3-84) सब सम्पत्ति जिमकी सं० 7/12 में सं० 7 है जो III कार्स जयभारतोनगर, बंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीन; ---

तारीख: 9-11-1983

मोहर:

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस्. ----

जाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनादः 12 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 38308/32-83—यतः मुझें मंजु माधवन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 131 हैं, तथा जो बं० एम० कावल विलेज केंगेंरी होक्ली बंगलूर सीत तालक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, बेगनूर गाउथ तालुक में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को प्रांक्त संपत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वेंकित संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रस्थित सं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण भीं, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री एम० गालप्पा
 श्रीमती दवेरम्मा
 श्रीमती नरसम्मा
 श्रीमती जयम्मा तालागुणी विलेज, आगरा दा किला कोंगेरी होब्ली,
 बंगसूर साउथ तालुक।

(अन्तरक)

(2) आल एहसन फैडरेशन, नं० 31, इनफैन्ट्री रोड, बंगलूर-1।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायिल हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अम्स्ची

(दस्तावेज सं० 7359/82-83 ताराख 17-3-83) सम्पत्ति जिसका सर्वे सं० 131 है जो बी० एम० कावल विलेज, केंगेंरी होव्ली बेगेलूर माउथ तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्र

तारीख: 12-11-1983

मोहर 🛚

प्रकल कार्यं .टी. एन . एव . -----

प्रायक्तर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के स्वीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 14 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 38340/82-83---यतः मुझें मंजु माधवन, बायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-४० से अधिक है

और जिसकी सं० कारपोरेशन नं० 5 (पुराना नं० 16) है, तथा जो मस्तान साहेब रोड, रानासिंगपेट बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन तारीख 5-5-1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उच्चित् बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षियत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरकृ से हुई किती काय की बाबता, उक्त् अधिनियम् के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सूबिधा के लिए; जाँदि/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त बिधिनयम, या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अध्वरित्ती हारा प्रकट नहीं किया गया बा वा किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के सिए;

 श्री जनाब पी० ए० नियामत्तुल्ला, नं० 19/1, राणासिंगपेट, बेंगलूर सिटी

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वेंकटेंशय्या,
नं० 197, तिलकनगर,
VI ज्लाक, जयनगर,
वेंगलुर 11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पृतित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचित क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्यारा;
- (थ) इस स्वाना के राज्यन में प्रकाशन की रारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 134/83-84 तारीख 5-5-83) सब सम्पत्ति जिसका सं० 25 (पुराना नं० 16) है जो मस्तान साहेब रोड, राणासिंगपेट, बंगलूर सिटी में स्थित है।

> मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

बतः वन, उक्त निभिनियम की भारा 269-ए के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के नुभीए क्रिक्टनिविस व्यक्तियों, वर्णात् क्र-

तारीख: 14-11-1983

मोहर:

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस. -------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बगलूर

बंगलूर, दिनाक 12 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 38304/82-83---यतः मुझें मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी गं० मर्वे मं० 131 है, तथा जो बो० एम० कावल विलेज, कंगरी होब्ली, बेंगलूर माउथ तालुक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर साउथ तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 17-3-1983 को

को पूर्वीक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राता गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिया, अर्थात्ः—

- (1) 1. श्री हनुमानस्मप्पा
 - 2. श्री रामानरसप्पा
 - श्री मुनिहन्मथप्पा
 - 4. श्री बजरप्पा
 - 5. श्री गंगुप्पा
 - 6. श्रीमती चिक्कम्मा
 - 7. श्री करियणा
 - 8. श्री रंगप्पा

- 9. श्री मनिसरसप्पा
- 10. श्री तिम्माहनुमप्प।
- 11. श्री गिरियप्पा
- 12 श्री मारप्पा
- 13. श्री तिम्मन्ना
- 14. श्री केम्पन्ना तातागुणी विलेज, आगरा दाकिला कोंगेरी होक्ली बेंगलुर साउथ ताल्का।

(अन्तरक)

(2) आल एहसन फाउन्डेशन नं० 31, इनफैन्ट्री रोड, बंगलूर-1।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तारेज मं० 736082/-83 तारीख 17-3-73) सम्पत्ति जिमका सर्वे सं० 131 है जो बी० एम० कावल विलेज, कोंगेरी होब्ली बंगलूर साउथ तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 12-11-1983

भोहर 🕄

प्ररूप बाइ .टी. एन्. एस .-----

बादकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगल्र

बंगलूर, दिनांक 17 मार्च, 1983

निर्वेश सं० 38305/82-83--यतः मुझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे सं० 131 है, तथा जो बी० एम० कावल विलेज, केंगेरी होंब्ली बंगसूर साउथ तालुक में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर साउथ तालुक में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 17-3-1983 को

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर/या
- (क्ष) एं जी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाला थाहिए था, किपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों., अर्थात् :—

- (1) 1. श्री हनुमनसरय्या
 - 2. श्री रामनरसप्पा
 - 3. श्री मुनिहन्मय्या
 - 4. श्री वज्रपा
 - श्री गगंपा
 - श्रीमती चिक्कम्मा

- 7. श्री कारियणा
- 8. श्रो रगण्य।
- 9. श्री मुनिनरराय्या
- 10. श्री तिम्महनुमय्या
- 11. श्री गिरियणा
- 12. श्रो मारधा
- 13. श्री विम्मश्रा
- 14. श्री केम्पना

तातागुणि विलेज

आगरा दाक्तिला

केगेरी होब्ली,

बंगलूर भाउथ तालुक।

(अन्तरक)

(2) आल एहमन फाउँउणन नं० 31, इनफैट्रा रोड, . बेंगलूर-1

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सर्कां।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और उदा दा, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्रया ही।

अनुसुधी

दस्तावेज सं० 7361/82-83 तारीख 17-3-82) सम्पत्ति जिसका स० सर्वे तं० 131 है जो बी० एम० कावल विलोज कोंगेरी होइली बंगलूर साउथ तालुका में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकरी सहत्यक आयक्त अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलर.

तारीख: 12-3-1983

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक, 1 नवस्वर, 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3927——अतः ने टेक्सिक प्रदेश

मुझे, देवप्रिय पन्त भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं और जिसकी संख्या महान नंबर 106 (ओल्ड 84) जवाहर मार्ग, इंदौर है। तथा जो इदौरमें स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30 मार्च, 1983 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के एरयमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्ग्रदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो पयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था रा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिरारें, अर्थात् :--- (1) श्रो चन्द्रसेन राव पिता गोविन्द राव मतकर निवासी--3, रेजीडेंसी एरिया, ए० बी० रोड इंदौर.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला पत्नी श्री जनदिन महाशब्दे द्वारा श्रीमती सरला पत्नी स्व० श्याम नारायण नागू

106, जवाहर मार्ग, इंदौर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शार्रा ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सारेगा

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस</u>ची

मकान नंबर 106 (पुराना नंबर 84) का भाग, जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोरी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोगाल

नारीख:-- 1-11-1983 मोहरध प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर आय्**क्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, भोपाल

> > भौपाल, दिनांक 1 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भीपाल/3928--अत: मुझे, देवप्रिय पन्त

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नंबर 21, सीताराम पार्क कालोनी है, लया जो इंधीर में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची है और रूप से पणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदीर में, रजिस्ट्रीकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) कर वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क कें दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) श्रो कन्हैयाताल पिता किशोरीलालजी मित्तल निवासी-61-62, पोरगली, इंदौर.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वेदवन्तीबाई पत्नी श्री छोगालालजी 2. कलावती पत्नी प्रकाशचंद जी, निवासी-57, रामगंज (जिन्सी) मेन रोड, इंदौर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों शर पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाष्ट्रित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

प्लाट नंबर 21, मीना राम पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोरी विल्डिंग, चौथी मंजिल, टो० टो० नगर, भोगाल.

तारीख:- 1-11-1983 मोहर:--

प्ररूप थाई० टी॰ इत० प्रत०----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

गारक सक्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

भोपाल दिनांक 1 नवम्गर, 1983

निर्देश स० आई० ए० सी०-अर्जन/भोवाल/3929---

अतः मुझे, देवप्रिय पन्ते प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपमे इसके पश्चार्ष 'उक्त व्यविनयम' कहा गया है), की धारा 260-ख के बजीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वा करते का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार पृस्य 25,000/• द• में प्रक्षिक है

और जिमकी सद्ध्या मकान है तथा जो मेधवा मे स्थित है (और इपसे उपाबद्ध अनुसूची हु और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेधवा मे रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबोन, दिनाक 4 मार्च, 1983

को पूर्वीका सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के बृश्यवान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की यह है और मृतं यह विश्वास करने का काउण है कि स्यापूर्वीक्त सम्बत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डाह प्रतिकृत प्रशिक है और अग्तरण (प्रस्तरकों) और बन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के निये त्य पाना गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धण्तरण निकित में वास्त्रिक कर से कंगिन नहीं किया गया है।—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, उक्त अधित्यम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बक्ते में सुविभा से लिए; बॉर्ड/या
- (क) ऐसी किसी बाम वा किसी बन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बामकर बांधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिविनम, या बन-कर अविनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रबोजनार्व सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या किया जाना चाहिए वा, छिवाने में सुविधा के निए।

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों,, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 5—386GI/83

(1) श्री प्रदोप कुनार पिता चादमल गाधी नितासी—सेधवा

(अन्तरक)

(2) श्री विनायक राव पिता श्यामराच निवासी-संधवा.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्वकाद्दियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस गुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .
 45 दिन की बनिध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की सबिद, जो भी
 भविद्य बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धी जरण :--- इसमें प्रयुक्त कक्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रास्थाय 20-क में परिकाधित (है, नहीं अर्थ होगा, जो उस कब्बाय में वियां गया है।

मनुस्ची

एक मजिना प्रकान, संधवा मे स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकरायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल)
गगोरी बिल्डिंग, चौथी मजिल
टो० टी० नगर, घोपाल

तारीख .~ 1-11-1983 मोह्र ⊞ प्रकृष बाहै ही दन् प्रा. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा 269-म (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोमाल

भोपाल दिनांक 1 नवस्थर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भीपान/3930---अतः मुझे, वेवप्रिय पन्त श्रायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके उश्कात् 'उक्त ग्रिष्ठिनियम' कहा गया है); की बारा 269-व के यधीन सवाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिषत बाजार म्हय 25,000/- एत. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट नं० 12/493 है, तथा जो मिसरा निवास रोड, रतलाम में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनसुची ह और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्टीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 26 मार्च, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास काइने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उपित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

> (क) मन्तरण से हुई किसी मान की बाबत, उक्त मधिनियम के नधीन कर दोने के मृत्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; बौद्/वा

षास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

(च) ऐ ते ते तो आत्र ति ति विष्या या पाम साहित वो को, जिन्ह भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत सिविनयम, या धन-कर सिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के तिए;

म्हाः धनः, उन्त मिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्हा अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित ज्यक्तियों, मुर्थात् ह— (1) श्री तस्मदूतः हुसैन पिता इसुफ अलीजी बोहरा नालवाला के मु० आम श्री सिरयाजघाई पित तस्रंदूक हुसैमजी बोहरा नालवाना निघासी - चांदनी चौक बाखल, रतनामें

(अन्तरक)

- (2) शम्भूदयाल पिता देवीसिंहजी पुरोहिस चाटेड एकाजन्टेन्ट
 - 2. श्रीमती प्रकाण कुमारी पति श्री शम्भुदयालजी पुरोहित निवासी-19 ए रगरेज रोड, रतलाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत मन्यति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ब्विभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर जवत स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास सिनित में किए वा सकरेंगे।

सम्बाकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रय होता, तो उस मध्याय में विमा गया है

मनुसूची

ृष्टीआ पोलो ग्राउन्ड) रतलाम में स्थित हैं।

(वेवप्रिय मन्त) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, घोपाल गंगोरी बिह्डिंग, बौधी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल.

तारीख:- 1-11-1983 मोहारु ध प्रकष् आहें ्र बी ु एस् ु एस् ु-==----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के श्वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 नवम्बर 1983

निर्दोग सं० आई ए० सी०/अर्जन/भीपाल/3931 — -अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सच्या प्लाट नंबर 42, श्रीनगर एक्सटेंगन, है, तथा जो इंदौर में स्थित ह (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22 मार्च, 1983

को प्रोंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम् के स्थमान प्रतिफल के शिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास औरने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मरित का उचित बाजार भूस्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एते स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उपत अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी जाम मा किसी भन मा अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) हैं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थास् :---

(1) श्रीमती महरूनिसा पत्नी अब्दुल अजीज निवासी-8, पिजरा बाखल इंदौर

(अन्तरक)

(2) भुवना का०-हाउसिंग सोसायटी तरफा प्रेजीडेट, श्री के० रामचन्द्रन निवासी-18, बीमा नगर, इंदौर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नम्स में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नमूस्पी

प्लाट नंबर 42, श्रीनगर एक्सटेशन इदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोत्री बिलीडेंग चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 1-11-1983

मोहरः

प्ररूप नाइ. टी. एन , एस.----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 1 नवम्बर 1983

निर्देश स० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3932—अत. मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त किथिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सख्या प्लाट न० 13 जानकी नगर एक्सटेशन है, तथा जो इदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 24 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षता से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित में भारतिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर-अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री राजकुमार पिता श्री गोकुल चंद निवासी -- 3; जानकी नगर एक्सटेणन इंदौर

(अन्तरक)

(2) श्री बत्तात्रय पिता श्री नाथूरावजी वाग निवासी-17/2 स्नेहलता गज इदौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन का लिए कार्यवाही शुरू कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्ति रुण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अनत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अव्याय में दिया गया हैं।

मन्स्यो

प्लाट नंबर 13, जानकी नगर एक्सटशन कालोनी इदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गगोली बिलंडग, चौथी मजिल टो० टी० नगर, भोपाल

तारीख . 1-11-1983

मोहर :

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपालः दिनाक । नवम्बर, 1983

निर्देश में आई ए० सी०/अर्जन/भोषाल/3933 --अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम 1961 '(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का का ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 456 है, तथा जो इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबोन, 8 मार्च, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अतिरिती की गई है अपेर म्पूरे यह धिकाम कार्य का कारण है कि गथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से, ऐसे इदयमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतियक है से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्यत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उम्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बालचंद पिता पोहूमल निवासी-95, बी० के० मिन्धी कालोनी, इंदौर. (अन्तरक)
- (2) श्री प्रकाण पिता श्री नाऊमलजी निवासी-340, साधू वासवानी नगर, इंदौर. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह जाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्होंकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा आरे पर्वा का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में

अनुसूची

मकान एवं प्लाट नंबर 456; सुधार न्यास स्कीम नंबर 31, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राविकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ांगोत्रो बिलंडिंग, चौथी मंजिन, टो०टो० नगर, भोराल

तारीख: 1-11-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 नवम्बर 1983

निर्वोश सं० आई ए० "मी०/अर्जन/भोपाल/3934---अतः मुक्को, देवप्रिय पन्तः

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नंबर 456 है, तथा जो इंदौर सुधार स्कीम न्याम स्कीम नंबर 31, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से त्रणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (ख) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों , अधीत क्ष-

- (1) श्री बानचंद पिता पोहूमलजी निवासी~95, बी० के० सिन्धी कालोनी, इंदौर. (अन्तरक)
- (2) श्री नालचंद पिता नारायणदामजी निवासी-340, साधू वासवानी नगर, इंदौर. (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

हपष्टीकरण: -- इसमें गयुक्त शब्दों और पर्दा का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गमा है।

सन्स्ची

प्लाट नंबर 456, इंदौर सुधार न्यास स्कीम नंबर 31, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ब्रांगोन्नी बिल्डिंग, जौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल.

तारीख: 1-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर, 1983

निर्देश मं० आई ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3935---अतः मर्झे, वेवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या मकान व उससे लगी हुई भूमि म्यु० का० नंबर 6.578 (नया 89) है, तथा जो माधवनगर. उज्जैन म स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण ह्य से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ते ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देख्य से उक्त बन्तरण् भिस्तित में शास्तिक रूप से काँधत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की नामत उकत अधि-गियम के अधीन कड़ दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी कड़ने वा उससे वचने में सुविधा के लिए: भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा औं सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, रिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात 🕒

(1) आणा देवी पहनी राजकुमारजी पाटनी

2. बीरेन्द्र कुमारजी पिता राजकुमारजी पाटनी
निवासी-विश्वविद्यालयमार्गं, उज्जैन.

(अन्तरक)

(2) श्री बनवारी लाल पिता रामगोपाल**जी सिंहल** निवासी-कलिया देह दरवाना, उज्जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपरित के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समापा होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र के प्रकाशन की धारीब धै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग जिस्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्यास्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान व उससे लगी हुई भूमि म्यु० कापोरेशन नंबर (पुराना) 6.578 एवं (नया 89), विश्व विद्यालय मार्ग माधव नगर, उज्जैन म स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोती विल्डिंग, चौथी मेंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 2-11-1983

मोहर 🖰

प्ररूप आई. टी. एन एस. ------

भ्रायकर भ्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोषाम भोषाल, दिनांक 2 नवम्बर, 1983

निर्देश संख्या आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3936---अत मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

शीर जिसकी सख्या मकान म्यु० का० नंबर 5/35, महेण नगर है, तथा जो इंदौर में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 30 मार्च, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिलिन में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की अधित, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करणे या उससे नचने में सुमिधा के लिए, करेंर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः भन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भीं, में उरत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अपीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :----

(1) श्री सॉमरनल िता श्री हरीकिशन जी सोलंकी निवासी-मीनासर तह्० व जिला बीकानेर तरफे प्राम मु० सीताराम पिता हरीकिशन सोलंकी निवासी-5/35 महेश नगर, इंदौर

(2) मैसर्म दिल्ली गोदिया कानपुर ट्रान्सपोर्ट करपोरेणन निवासी—56, डामर गली बाम्बे तरफे पार्टनर रामस्वरूप पिता बिलारामजी भाटिया निवासी—

कानपुर ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकी।

स्पक्तीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिधिनयम, के अध्याय 20-क से परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान (ग्राउन्ड फ्लोर) नंबर 5/35 का एक भाग, महेण नगर, इदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल गंगोली विल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपास

तारीख : 2-11-1983 मोहर : प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3937—अत: सुझें, वेवप्रिय पन्त

बायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी संख्या भूमि, सर्वे० नं० 121 है, तथा जो ग्राम कनाडिया म स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से धींगत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अगरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, "उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्षा क्षा क्षा से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण ते हुद्दं किसी भाष की वाबता, खन्तः अभिनियन में सभीन कर वोने में बन्तरक में बामित्व में कमी करने या उससे बचने में तृषिभा में सिए; शरि/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हुं भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के अधि

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ∴ें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— 6—386GI/83 (1) 1. सत्यनारायण 2. अगवीम पिता बाबूलालजी 3. मीराबाई पत्नी बाबूलालजी नि०-ग्राम अलारिया तह० इंदौर.

(अन्तरक)

(2) कल्याण पिता नाथूलाल 2. मांगीलाल पिता नाथूलाल निवासी—म० नं. 11/2, जवाहर मार्ग, इंदौर. (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और नवाँ का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसः जुदर है।

अनुसूची

भूमि सर्वे० नं० 121, ग्राम कनाडिया तह० ईदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल।

तारीख: 1--11--1983

मोहर 🖟

से भक्षिक है

प्रकृप झाईं ही । एन । एस ---

आमकर पश्चितियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 नवम्बर 1983

निर्देश संख्या आई ए० सी०/अर्जन /भोपास/3938— अत: मुझे, देवप्रिय पन्त धायकर धांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उकन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 न्य के प्रधीन संभाग प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/- क्यमें

श्रौर जिसकी सं० भूमि, सर्वे नं० 121 ई, तथा जो ग्राम कनाड़िया, तह्० इंदौर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 5 मार्च, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण है लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उकत अन्तरमिलिखत में वास्तिक रूप से किथा से किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए; और या
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी घन या ध्रन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ध्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रियाजनाथं ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुधिधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सत्यनारायण 2. जगदीश पिता बाबूलालजी 3. मीराबाई पति बाबूलाल, निवासी-ग्राम अलारिया तह० इंदौर.

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार 2. शंकरलाल पिता नाणूलाल अग्रवाल नियासी-11/2, जवाहर मार्ग, इंदौर. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उरत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 थिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोगे।

स्प्रस्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्वों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि सर्वे नं० 121, ग्राम कनाड़िया तह० इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्स
सक्षम प्राधिका,री
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज, भोपाल ---गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल,
टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 1-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्मृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्न, भोपाल

भोपाल, विनांक 1 नवस्थर, 1983 निर्वेश सं० आई०ए० सी०/अर्जन/भौपाल/3939

अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 125,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 327 पर बना हुआ फ्लैट नंबर 2 (तल मंजिल का) है, तथा जो बसन माह कालोनी हंदीर में स्थित हैं (श्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदीर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का ~16) के अधीन, विनांक 23 मार्च, 1983

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास क्रूरने का कारण है कि मभापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करमें या उससे बचने में सूविधा केलिए: और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री चेटूराम पिता श्री चंचलदासजी तरफे आम मुक्तयार श्री प्रीतमवास पिता श्री चंचलदास निवासी—बी० के० सिन्धी कालोनी 24/2 ईंदौर (अन्तरक)
- (2) श्री विशनदास पिता श्री बसंतमलजी निवासी-मकान नंबर 10, गंजी कम्पाउंड, इंदौर.

(अन्तरिती)

को यह सूपना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित् हैं अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुंगू।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नंबर 327 पर अना हुआ फ्लैट नंबर 2 (तल मंजिल का) बसन शाह कालोनी स्कीम नंबर 31, इंबीर म स्थित हैं।

> वेबप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, गंगोल्ली बिल्डिंग चोथी मंजिल टी०टी० नगर भोपाल)

तारीख: 1-11-1983

मोहर 🖟

प्ररूप आहें. टी. एन. एस., ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3940—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नंबर 327 पर बना हुआ प्लैंट नंबर 3 है, तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना फ्रमांक 31, वसनशास कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रजिस्ट्री-क्तीं अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 मार्च, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्श्वेष्यों से उक्त अन्तरण जिलिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाग्त, उक्त अभिनिय्म के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करूने या उससे वजने में सूविधा के लिए; आर्-र्या
- (w) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः बन् उक्त अभिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ाः— (1) श्री चेट्रमल पिता चंचलदास तरफे आम मुख्तयार, प्रीतमदास पिता चंचलदास निवासी-24/2, बी० के० सिन्धी कालोनी इंदौर

(अन्तरक)

(2) बिशनवास पिता श्री बसन्तमल निवासी-10, गंजी कम्पाउंड, ईंदौर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिचित में किस्र जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नंबर 327 पर बना हुआ फ्लैट नंबर 3, इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना क्रमांक 31, बसनगाह कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज, गंगोली बिल्डिंग, चौथी मेंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल।

तारीख: 1-11-1983

प्रक्रम बाह्रं. टी. एव. एस.------

भायकर कॅिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वृ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक जायकर बाय्क्स (निरीक्ष्य)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 1 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3941—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाव् सम्मत्ति जिसका उचित वाजार मूक्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लट नं० 12, प्पाट न० 327, पर बना है, तथा जो वसन णाह कालोनी, इदौर में स्थित है (झांर इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाँगत है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 17 मार्च, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिसित उव्वदेश से उसते अन्तरण लिसित में यास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे वधीन, निस्न्लिखित अधितराँ,, अर्थात् स्— (1) श्री चेटूराम पिता चंचलदास तरफे आम मु० प्रीतमदास पिता चंचलदास निवासी-24/2, बी० के० सिन्धी कालोनी,

(अन्सरक)

(2) श्री बिशनदास पिता श्री बसंतमल निवासी-10, गंजी कंपाउंड, इंदौर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्रत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुक्षीं

प्लाट नंबर 327 पर बना हुआ फ्लैंट मंबर 12, इंबीर विकास प्राधिकरण योजना क्रमांक 31, वसन शाह कालोमी, इंबीर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, मोपाल) गंगोरी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, मोपास

तारी**व** :---1--11--1983 मोहर :--- प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 1 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० आई ए० सी०/अर्जन/भोपास/3942--अत: मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या खेत, पुराना नंबर 20 नया नंबर 30 है, तथा जो ग्राम हरीवपुरा तह० बुरहान र में विध्त हैं) (और इससे उपबद्ध अनुसूची में आर पुर्ण रूप से विण्त हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 मार्च, 1983

को पूर्वोक्षत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके उपयमान प्रतिफल से, ऐसे उपयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत , उत्तत निभित्तिम के न्थीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कभी कड़ने मा उत्तर्व वचने में सुविधा के लिए; नीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए भा, स्थिपाने में सुविधा से लिए;

जतः जय, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त जिभिनयम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन्, निम्नलिखित स्पवितयों, अधीत् ह

- (1) श्री गोविंदवास डिगमबरवास गुप्ता
 2. श्रीमती नर्बवाबाई पत्नी डिगमबरदास गुप्ता
 3. सी० उमा पति रतिलाल व पुत्र डिगमबरदास
 4. सौ कुसुमपित मोहनलाल व पुत्री डिगमबरदास
 गुप्ता
 नंबर 1 व 2 इतवारा बुरहनंपुर, नंबर 3 ढोली
 वार्ड
 बुरहानपुर, नंबर 4, सनवारा, बुरहानपुर.
 (अन्तरक)
- (2) श्री पंडित व भाई यशवंत पिता रामभाउ पाटिल निवासी—हमीदपुरा तह० बुरहानपुर. (अन्तरिती)

स्त्रेयह सूचना वारी करके पुत्रों क्त सम्वरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखात में किए जा सकेंगे।

मनुसूची

थेंत, पुराना नंबर 20 (नया नंबर 30) हमीवपुरा, तह० बुरहानपुर में स्थित हैं। जिसका सम्पुर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, गेंगोत्री बिस्डिंग, चौथी मंजिल, टी॰ टी॰ नगर, भोपाल.

तारीखं :---1-11--1983 मोहरु छ प्रकृष बाइं.टी.एन.एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक: 1 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3943—अतः मुझे, देवप्रिय पन्तः,

ज़ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं माकन, म्यु पा कि 242, पुराना नम्बर 192 है, तथा जो तिलकपथ, इन्दौर में स्थित है ((और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 26 मार्च, 1983,

को पूर्वोक्स संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ने) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे दण्ने में सुविधा के लिए; बाँद/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त जीभीनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :---

(1) श्री आदित्य प्रताप पिता वीरबहादुर शाह, निवासी—शिव घिला काटील रोड, नागपुर (महाराष्ट्र)

(अन्तरक)

से(2) चन्दूलाल पिता झूलवन्द जी कुरील, निवासी--242, तिलकपथ, इन्दौर।

(अन्सरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पर्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में दिलबलध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान म्यु०पा० फ० 242 पुराना नम्बर 192, तिलकपथ, इन्दौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी०टी० नगर, भोपाल ।

दिनांक : 1-11-83

मोहर्

पकत साद्दी.तो. एस एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

साइव चंड्रकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अक्सूबर 1983

निदेश सं आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/39544—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य, 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति, म्यं,० पुराना नम्बर 19ए० का भाग, नया म्यं,० नं० 1 का भाग, प्लाट नं० 1 है, तथा जो मनोरमागंज इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्णक्ष्प से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. दिनांक 2 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण मिचित में बास्त्विक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाब की वाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरण के श्रीयत्व में कनी करने या उससे क्चने में सुविधा के सिए; बीट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रया भा मा किया जाना चाहिए आ, कियाने में सजिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, भी, उक्का अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, जिल्हा सिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सतीम कुमार, निवासी—24/2, मनोरमागंज, इन्दौर । (अन्तरक)
- (2) रविन्द्रनाथ कांति धन्य हे . निवासी---सी०/1, मनोरमागंज, इन्दौर । (अन्सरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वनत् चुन्युरिष् के बुर्जेन् के सुन्युरुष में कोदी श्री शाक्षोप् :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सविभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्तिया.
- (ब) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्वत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थावत इवारा अभोहस्ताकारी के पाई सिर्धित में किए वा सकोंगे।

स्यक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., यही कर्थ होगा को उस कथ्याय में विया गया है।

मनुस्ची

छः सम्पत्ति, म्यु० पुराना नम्बर 19 ए० का भाग, नया भाग म्यु० नया नम्बर 1 प्लाट नं० 1 पर, मनोरमार्गज में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोस्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 10-11-1983

प्ररूप आर्ड. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक: 1 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3945—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्रविधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं। अधिर जिसकी संव माकन नगरनियम नम्बर 37 है स्था जो सभाव

और जिसकी सं० माकन, नगरिनगम नम्बर 37, है, तथा जो सुभाय मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक मार्च, 1983

्भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान अदिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते य विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह क्रिप्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रीवधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :-7—386GI/83

(1) श्री विलोकनाथ पिता भगतराम जी जुनेजा निवासी—दशहरा मैदान, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती रीतारानी पत्नी अवनीण चन्द्रजी जुनेजा निवामी—मधोनगर, उज्जैन ।

(अन्सरक)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में को**र्ड भी अक्षेप** :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (छ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

मकान का भाग नगर निगम नम्बर 37, मुभाष मार्ग, उज्जैन में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौषी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 1-11-83

भाष्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

TITLE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 तवम्बर, 1983

निर्देश सं० आई० ए.० मी०/अर्जन/भोपाल/3946—अतः मुझो, देवप्रिय पत्म,

भायकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हों), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्यू 25,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं ० प्लाट है, तथा जो देवेन्द्र नगर, रायपुर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णेह्म से वणित हैं), रिजस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 6 मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित, बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्निजितित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दामिरत में कमी करने वा उससे बुखने में सुविधा के तिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) का अधीन हिन्न

 श्रीमती जलजीत कौर पत्नी सुरेन्द्र सिंह मु० आम अमरजीत सिंह 2. सम्पूर्ण सिंह निवासी—-जय रोड, रायपुर ।

(अन्तरक)

से(2) श्रीमती राजेश्री पति सुभाष कुलकर्णी निवासी—मोदहापारा, रायपुर ।

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि से वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह त्वना पारी करके पृवानित सम्पृत्ति के मुर्वन के तिषु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की ताडील हैं, 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्द भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित , है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाके प्रयाह ।

अनुसूची

प्लाट, देवेन्द्र नगर, रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर (आयुक्त) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोबी बिस्डिंग, बौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल र्

दिनांक : 1-11-83

मोहरु 🖫

अस्य **भार^{*} . दी . एन . एस** ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार मामुक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर, 1983

निदेण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3947--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं भूमि खं नं 1781, 1782 एवम् 1783 है, तथा जो आजाद वार्ड नम्बर 19 छिन्दवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबढ अनुसूचों में और पूर्ण के रूप में विणित है), रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्गालय, छिन्दवाड़ा में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, दिनाक 28 मार्च, 1983, को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कस्से का कार्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूथमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्तरित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्तरित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्तरित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्तरित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्तरित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्तरित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्तरित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्तरित्त से वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्तरित से सित्तरित से सित्तरित से सित्तरित से सित्तरित से सित्तरित सित

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के वृथीन कर दोने के बन्तरक के बादिल्ल में कनी करने या उससे बच्चने में सूत्रिका के स्विष्: और/वा
- (वा) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क्रो अधीन निम्बलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री देवेन्द्र कुमार आत्मज लालचन्द जी पाट 2. णाति कुमार आत्मज देवेन्द्र कुमार पाटनी निवामो---गोलगंज, छिन्दवाड़ा ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती भारती जोने अशोक कुमार पाटनी
 - 2. राजकुमार आत्मज सोहनलाल पाटनी
 - 3. होमेन्द्र क्मार आत्मज धीमुलाल पाटनी
 - 4. आणा पाटनी जोजे ललित कुमार पाटनी
 - 5. किरण जैन जौजे प्रवीण कुमार जैन सभी निवासी--छिन्दवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को वह तुन्ता बारी करके पूर्वों कर तम्परित के अर्थन के हिन्द् कार्यवाहियों करता हूं।

टक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अथोहस्ताक्ष्री के पाम निवात में किए का सकोंगे।

स्वाकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निवस को सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि खु० नाबर 1781, 1782 एवम् 1783 में बना मकान, आजाद वार्ड छिन्दवाड़ा में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, गंगोस्री बिल्डिंग, चौथी मजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक: 2-11-1983

प्रकृष बाहे. टी. एन. एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के म्थीन स्थना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक भायकर वाय्वस् (निर्दाक्षण)

अर्जन रेज, भाषाल

भोपाल, दिनाक 1 नवम्बर, 1983

निदेश स० आई० ए० सा०/अर्जन/भाषाल/3948---अत. मुझे, देवप्रिय पन्त,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन संभूम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित् बाजार भूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट न० 284 व उस पर निर्मित अपूर्ण मकान है, तथा जो अरेरा कालोनी, भाषाल, में स्थित है (और इससे उपा-बाद अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, भोषाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्यु से कमु के क्रयमान्
प्रतिफ स के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्द्रह् प्रतिक्षत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों का, जिल्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा के लिए;

बतः सव, उक्त सिंगियम की भारा 269-म के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् ;--- (1) श्री कमल चन्द पुत्र श्री केशरीमल बाकलीवाल निवासी—-73/7,साउथ टी० टी० नगर भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० सी० बतरा बल्द श्री अमितराय तिवासी—ई०-4, 339, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकत संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां हो
- (क) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवाग्र नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 284 एवम् उस पर निर्मित अपूर्ण मकान,ई०-4, अरेरा कालोनी भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, गंगीक्षी बिल्डिंग, नौषी मंजिल, टी० टी० नगर, भोषास

दिनांक : 1~11-1983

प्रकल्प नार्दः टी. एन. एस.------

शायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक मायकर मायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर, 1983

मिवेश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3949---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उपित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट नम्बर 10 सी ० नेक्टर है, सथा जो कोहि-फिजा, भोपाल, म स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्ण में और पूर्ण के रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 16 मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के आविमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत उप्यक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कर्मा करने या उम्से अचने में सुविधा के लिए; जीए/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविभा की लिए;

अतः अन्, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के कनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के मधीन, निम्मिस्चित व्यक्तियों, मधीस् :--- (1) डा॰ रामचन्द्र पिता प्रताप राय मारफत सुरेश एडमरे क्लोनिक, रायल मार्केट, भोपाल । (अन्तरक)

(2) श्रीमती गंगादेवी पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण जी मित्तल निवासी—हमीदिया रोड, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्याक्करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

नप्स्ची

प्लाइ मं ० 10, सी० सेक्टर, कोहाफिजा, भोपाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोन्नी बिस्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 2-11-83

मीहर :

प्ररूप बाइ : टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांदा 1 तत्रम्बर, 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3950--अतः मुझे, देवप्रिय पन्तः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट नम्बर 20 है, तथा जो बी ० सेक्टर, कोह-फिज़ा, भोपाल में स्थित हैं (और इससे उनावद अनुसूची में और पूर्ण के च्या ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, दिनोक मार्च, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिगान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उत्तत अधिनीयम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमर्तः लक्ष्मीबाई प नी श्री गुलावराय निवासो—ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जेबुनिसां अहमद पत्नी श्री मुख्तार अहमद निवासी—नदीम रोङ, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आ़ैर पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 20, बी० सेक्टर कोहेफिज़ा, भोपाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 1-11-1983

मोहर 🖫

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

बायकर ब्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दनांक 12 नवम्बर, 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोप।ल/3951—अत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रु. से विधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नम्बर 45, है, तथा जो डी० सेक्टर कोहे-फिजा, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से क्रिंशत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्रदीप कुमार निवासी—ई०-2/158, अरोरा, कालोनी भोषाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती जेवुनिया अहमद पतनी भुख्तार अहमद निवासी--भोषाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्दः करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 45, डी ० सेक्टर कोहेफिजा, भोपाल में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 2-11-1983

प्रक्य बाह्, टी. एन. एक्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाक 3 नवम्बर, 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/3952--- असः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नम्बर 7 है, तथा जी नयापुरा, लालघाटी, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाफ 22 मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्छ अधि-निवृत्र को अभीन कर दोने को अस्तरक को शावित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविशा को लिये; और/वा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तिकों को, धिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोखनार्थ अन्तरिती व्यारा अकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा की निए;

जतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-प की अप्यास्त्र (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

- (1) श्रीमर्तः ज्योति चतुर्वेदोः,
 2. कु० सवाती बनर्जी पृत्तीगण श्री रवीन्त्र मोहन बनर्जी
 3. श्रीमती भारती मुकर्जी पत्नी एस० मुखर्जी
 निवासी—75, थामसन, रोष्ठः, नई दिस्ली ।
 (अन्तरकः)
- (2) डा॰ परवेज हाइमी वल्द श्री एस॰ सुल्तान अली निवासी—शाहजानाबाद (सुल्तानिया गर्ल्स स्कूल के पास) भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां कडता हूं।

श्रम्य सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी वनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बह्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्थाकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया? गवा है।

वन्सूची

प्लाट नम्बर 7, नयापुरा, लालघाटी, भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्स मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 3~11-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आह्र . टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 नवम्बर, 1983

निदेश सं अपर्ड० ए० सी ०/अर्जन/भोपाल/ 3954—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

- ने और जिसकी सं ० मकान नम्बर 808, निवार्डगं ज, धाक्षितपुर। है, सथा जो जबलपुर में स्थित है (और इसमे उपायद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) में अधीन, दिनांक मार्च, 1983
- को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल न, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---386GI/83

- (1) श्री रामेश्वर प्रसाद गुरू
 - 2. बालेक्वर प्रमाद पिता स्व०पंडित कामता प्रसाद प्रसाद गुरू।
 - 3. गिरजादेवी पत्नी स्व० पंडित जोगेश्वर प्रसाद गुरू द्वारा स्वयं शकुंतला व कचन गुरू निवासी—दीक्षितपुरा, जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लत्ता सोनी पत्नी श्री छे॰ महण प्रसाद सोनी निवासी---दीक्षितपुरा, जबलपुर ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कॉगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भकान नम्बर 808, ब्लाक नम्बर 56, निवार्डगंज, दीक्षितपुरा, जबलपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी०टी० नगर, भोग,स

दिनांक: 3-11-1983

मोह्रुः

प्रकप बाह्रै, टी. एप्. एस.,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तर्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 नवम्बर, 1983

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3955--अतः

25,000/- रत. से अधिक हैं

मुझे, देवप्रिय पन्त, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया - हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य

और जिसकी सं मिकान नम्बर 808, निवाइ गंज दीक्षितपुर है तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उप बैंब अनुसूची में और पूर्ण के रूप से बाणित है) रिजर्स्ट्र कर्ता के अधिकारी के कार्या-लय,जबलपुर में, र्राजस्ट्र हरण अधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के अधान, दिनाक 8 मार्च, 1983

का पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित कि गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिव हहाँ और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथन नहीं किया गया हैं:---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ता किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिंशत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री रामेश्वर प्रसाद गुरू
 - 2. बालेश्वर प्रसाद म्नात्मज स्व०पं०कामता प्रसाद गुरू, दीक्षिप्तापुरा जबलपुर,
 - अभिनती गिरजादेवी पत्नी स्व० प० जागेश्वर गुरू खुद व णकुन्त्रता व कंचन गुरू की तरफ स । (अन्तरक)
- श्रीमती तारा जोज श्रोमप्रकाण व ओमप्रकाण वल्क हनुमान प्रसाद सोनी, हनुमानताल, जबलपुर (श्रन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास जिलित में 150 के राजभा

स्थष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

मकान नम्बर 808, ब्याह नम्बर 56, निवाई गंज दीक्षितपुरा, जबलपुर में स्थित हैं।

> दैवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, गंगोत्रो बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टा०टी० नगर, भोषाल ।

विनांक : 3-11-1983

मोहुरु 🖫

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 3 नवम्बर 1983

निदेश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3956---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-, एउ. से अधिक है

भौर जिसकी सं मकान नम्बर 808. निवार्ड गंज, दीक्षितपुरा है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप में वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983, को

पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृष्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्ये. उसके दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिद्याल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफाल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वा । 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिआ के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कीं, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, शिक्तिविक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (2) गणेशमल पिता मानिकचन्द चौरिडया निवासी---जबलपुर । '(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्इ भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

मकान नम्बर 808, ब्लाक नम्बर 56, निवाइगंज, दीक्षित-पुरा, जबलपुर मे स्थित हैं ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेज, गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोषाल

[†]देनांक : 3-11-1983

प्रकृष माइ.टी.एन.एस.------

बायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के ब्राधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन क्षेस्न, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 3957—अतः मुप्ते, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

धौर जिसकी सं० मकान नम्बर 1084, 1085, 1085/1, 1094 है, तथा जो लाईगंज जवलपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आरिस्तयों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जत∴, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तितयों, अर्थात् :---

(1) श्री मुनीश जैन पिता कमलचन्व जैन निवासी---फैशन हाउस, अन्ध्ररदेव, जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कन्चन धाई पत्नी श्री बी० एल० जैन निवासी---48, लार्डगंज, लाखा भवन पुरानी चरहाई, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथोंकत संपत्ति को अर्थन को विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर प् सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, थो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास- लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तु ' अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषितं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अ**न्त्र**ि

मकान नम्बर 1084, 1085, 1085/1, 1094 (पुराना नम्बर 476) ल्लाक नम्बर 77, प्लाट नम्बर 176/3, लार्ड गंज वार्ड, जबलपुर में स्थित है !

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, घौषी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 3-11-1983

त्ररूप ग्राई० टी ० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीर सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3958——अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० मकान नम्बर 1084/1, 1085 (श्रोल्ड नम्बर 476) है, तथा जो राम मनोहर लोहिया वार्ड, जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जवलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिना 6 2 मार्च 1983,

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके कृष्यकार पर्वेदका से कृष्यकान प्रतिकल का प्रवृद्ध प्रतिकत से बाध के क्षेत्र प्रवृत्यकान प्रतिकल का प्रवृद्ध प्रतिकत से बाध के क्षेत्र प्रवृत्यक (धन्तरकों) औ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरण में दु किया अप भी नावन उकन श्रिधिनियम के पर कर के के कालरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए, और या
- (ख) ऐसो किसी आगणा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय दायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकढ नहीं किया गण या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ें लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मनोज जैन पिता कमलवन्द जैन निवासी—फैशन हाउस, अन्धेरदेव, जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनिता जैन पत्नी प्रमन्न कुमार जैन पिता स्व० श्री बी० एल० जैन निवासी—48, लार्डगंज, पुरानी, चरहाई, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इन मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 जिन की भवित जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका
 व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मकान नम्बर 1084/1, 1085 (पुराना नम्बर 476) लार्डगंज, राम मनोहर लोहिया वार्ड जवलपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पत्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोदी विल्डिंग, चौथी मंजिल टीं० टीं० नगर, भोपाल

दिनांक : 3-11-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस्. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 नवस्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3959-—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 1084 (ओल्ड नम्बर 476), लाईगंज, राम मनोहर लोहिया वार्ड है, तथा जो जबनपुर में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित नाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह ने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- श्री पंकज जैन पिता कमलचन्द जैन निवासी—-फैशन हाउस, अंधेरदेव, जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रेयांस कुमार पिता बीं एल जैन निवासी—478, लार्डगंज. पुरानी चरहाई, जवलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविष्ठियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 1084 (पुराना नम्बर 476) लाउँगज, राम-मनोहर लोहिया बार्ड जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टीं० टीं० नगर, भोंगाल

दिनाक : 3-11-1983

प्रम्प आहाँ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रव, सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 नवम्बर, 1983

निदेश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4027— अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रू. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नम्बर 2176 है, तथा जो सुभाष नगर, राउट टाउन, जालपुर में व्यित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर्में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा कं लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती रामप्यारी बाई नन्होरिया विधवा स्व० डा० हरीबल्लभदास नन्होरिया, निवासी—346, नेपियर टाउन, जबलपुर । (अन्तरक)
- (2) श्री किशोर कुमार भूरा एवम् विजय कुमार भूरा, आत्मज स्व० श्री मगनमल जी भूरा, निवासी—-771, सराफा, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसुची

मकान नम्बर 2176 तथा प्लाट नम्बर 7 (डा॰ प्लाट नं० 81) सुभाष नगर, राइट टाउन, जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोन्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक: 15~11-1983

मोहर 🛭

प्रकृत आइ^{*}. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 नवम्बर, 1983

निदेश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3960—अतः मुक्षे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भग्नान नम्बर 647, मढ़ोताल है, तथा जो जबलपुर में स्थित है, तथा जो (गौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सार्च, 1983,

को पूर्वेक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के श्रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रनिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिवक हम कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के सिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ भन्ने जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भ्हे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूरियभा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री रामसंबक अग्रवाल पिता महादव प्रसाद अग्रवाल स्वयं एवम् मुख्तयार आम श्री स्रोमप्रकाश अग्रवाल पिता रामसेवक अग्रवाल निवासी—मढ़ाताल , जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र किरण भाटिष्ठा पत्नी श्री नेक्षप्रकाण निवासी—655, हरिसिंग क्वार्टर मढ़नाल, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किरी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उद्धन स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

मकान नम्बर 647, मढ़ाताल, जबलपुर में स्थित हैं। (मकान का एक भाग)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, चौषी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 3-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सृष्टना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेण मं० अ।ई० ए० सी०/अर्जम/भोपाल/3961—अतः मुझे, देवप्रिय पन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नम्बर 647 (एक भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण के म्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

- को पूर्वेक्त मपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे दृश्यमान प्रितिफल के पन्नह तिशत से अधिक है और अंतरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्वेष्य से उक्त अंतरण निम्निलिशत उद्वेष्य से उक्त अंतरण निम्निलिशत में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण वे हुई किसी आप की वावत तकत अहि-निष्म के अभीन कर दोने के जन्तरक के दानित्य ने कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; वरि/वा
 - (क) ऐसी किसी बाद वा किसी अन या बन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जायकर जीभीनयम, 1922 (1922 को 11) या उच्त जीभीनयम या अन कार्ड जिभीनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ ज्ञारिती दुवारा प्रकट नहीं किया ज्या वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्

9—386 GI/83

 श्री रामसेवक अग्रवाल पिता महादेव प्रसाद अग्रवाल
 ग्रोमप्रकाश पिता श्री रामसेवक अग्रवाल निवासी—-मढ़ाताल, जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उर्मिला संधिषी पति श्री मनुभाई संधिषी निवासी---399, राइट टाउन, जबलपुर । (अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीत्र पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित

> है, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 647 का एक भाग (प्लाट नम्बर 179, क्लाक नम्बर 82) महाताल, जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौषी मंजिल, टी० टी० नगर, भोषास

विनांक : 3-11-1983

मोहर 🛭

(अन्तरक)

प्ररूप बाह _ टी. एव. एस.-----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्पना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भीपाल, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3962—अतः सुर्वे, देवप्रिय पन्स,

जायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-च के नुभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का अधित नाजार मृज्य 25,000/- राज्य से अधिक है

भौर जिसकी सं ० मकाम नम्बर 647 का भाग, प्लाट नम्बर 179 है, तथा जो मढ़ाताल, जबलपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अमुसूची में भौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निस्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आहर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत जीभिनियम, या भनकार जीभिनियम, या भनकार जीभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गुमा था वा किया जाना आहिए था, जिनाने ने सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कै, कै, अक्त अधिनियमं की धारा 269-मृक्ती उपभादा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों य अर्थात् ६—-

- (1) श्री रामसेवक अग्रवाल पिता श्री महादेव प्रसाद अग्रवाल एवम् श्रोसप्रकाण पिता श्री रामसेवक अग्रवाल निवासी—मढ़ाताल, जबलपुर ।
- (2) श्री मनुभाई संधवी पिता श्री वल्लभजी संधवी निवासी—399, राइट टाउन, जबलपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करने पृशांकत स्मृति के मृतन से जिल्ला कार्यवाहियां करता हुई ॥

जन्म इम्प्रीत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नम्बर 647 का एक भाग जी प्लाट नम्बर 179 पर बना है, मढ़ाताल, जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोक्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक: 3-11-1983

प्ररूप बाइ' व्ही व्यव एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 नवम्बर 1983 निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3063—अतः

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/३। मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 647 का भाग है, तथा जो मढ़ाताल जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान मृतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निमित्त में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कुर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; रि/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी अन या नम्य नास्त्यों को जिन्हों भारतीय सायकर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत सिंधनियम, या भनकर सिंधनियम, या भनकर सिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, स्थिपने में स्विधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैंक उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपंधारा (1), को अधीन, निस्नितिकत अधिकत्यों अवित् ध--- (1) श्री रामसेवक अग्रवाल पिता महादेव प्रसाद अग्रवाल स्वयं वमुख्तार आम श्री ओमप्रकाण अग्रवाल पिता रामसेवक अग्रवाल, नियासी—मढ़ाताल, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण कुमार भाटिया पिता श्री लालचन्द भाटिया निवासी—655, हरीसिंग क्वार्टर, महाताल; जुबलपुर ।

(बन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के िए कार्यमाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याप अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण ु--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गुया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 647 का भाग (प्लाट नम्बर 170) मढ़ाताल जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सुक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज गंगोत्री विस्थिग, जौषी मंजिस; टी० टी० नगर, भोपास

दिनांक : 3-11-1983

मोहर्ध

श्रक्षण् नार्धः टी. एकः, एसः: प्रायक्तर स्वितिनकः 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के स्वीतं सूचवा

भारत सरकार

चार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 नवम्बर, 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3064--अतः मुझ्रो, देवप्रिय पन्त,

नायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि तथा बंगला नम्बर 30 का भाग है, तथा जो कैण्ट क्षेत्र, सागर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पर्नोक्त सम्पत्ति के शिवत बाजार मुक्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रम के लिए पन्तरित की गई है और मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यंवापूर्वोक्त सम्पत्ति का विश्वास करने का कारण है कि यंवापूर्वोक्त सम्पत्ति का विश्वत बाजार मुक्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से; ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पन्तर प्रतिशत से धिक है भीर सन्तरक (धन्तरकों) मोर सन्तरिता (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे सन्तरक के लिए तय पावा गया प्रतिक्रम, निम्नविज्ञित कर्म से क्रमत धन्तरन विज्ञित में वास्तिविक्त कप से क्रमति कहीं किया व्या है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबल, उक्त बिधित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी भारते वा उससे ब्याने में बुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धृन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अभिनियम, या धृन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना जाहिए था, किया ने सृतिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की, जात अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिस्थों, अर्थात् हि—

- (1) श्री अमरेन्द्र नाथ पुत्र श्री सुरेन्द्र नाथ मुखर्जी, निवासी—राइट टाउन, जबलपुर ।
 - 2. एन० नाथ पुत्र श्री सुरेन्द्रनाथ, साल्टलेक, कलकत्ता
 - श्रीमती पूर्णिमा परनी मनेन्द्रनाथ बनर्जी निवासी—पटना (बिहार),
 - श्रीमती अर्पणा चटर्जी पत्नी गणपति चटर्जी निवासी—हजारीबाग
 - 5. ए० बनर्जी परनी अमल्य बनर्जी निवासी—आसनसोल (बंगाल) द्वारा मुखस्यार

खास 2 से 5 श्री अमरेन्द्रनाथ निवासी---जबलपुर ।

- 6. कु० नीलिमा मुखर्जी पुत्री सुरेग्द्रनाथ मुखर्जी निवासी—सागर कैण्ट ।
- 7. मीरा मुखर्जी,
- के. गीता मुखर्जी,
- ध. तपन मुखर्जी,
- 10. अपन मुखर्जी,
- 11. तरण मुखर्जी,

निवासी-इन्दोर द्वारा मुखत्यार खास गोपालदास सीनी (अन्तरक)

- (2) 1. श्री तुलाराम निवासी—वण्डा, जिला—सागर
 - 2. धनीराम पुत्र बालमुकुन्द सोनी, निवासी—बण्डा सागर ।
 - मथुरा प्रसाद पुत्र जमुना प्रसाद सोनी निवासी—वण्डा जिला । सागर

(अस्तरिती)

(3) सहायक सैटलमेण्ट अधिकारी, मध्य प्रदेश शासन, बंगला नम्बर 39, कैण्ट क्षेत्र, सागर । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;

(स) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि तथा बंगला नम्बर 30 का भाग जो कि कैण्ट क्षेत्र, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरतियों द्वारा सस्यापित फार्म नम्बर 37-जी० मे निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, गंगोली बिस्डिंग, चौथी मंजिल,

> > टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 15-11-1983

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्ीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 15 नवम्बर, 1983 निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3965---अतः मुक्षे, देवप्रिय पन्त,

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका जिलत बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि तथा बंगला नम्बर 30 का भाग है, तथा जो कैण्ट क्षेत्र सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

का पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विदरास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त धर्मि-नियम के भ्रश्नीन कर देने के भ्रस्तरक के दायिका में कमी करने या अससे वचने में सुविधा के सिए। भीर/या
 - (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण निकाश नं. एरे. पी. नं. 4696---यतः मुक्ते, जे. एल.-गिरधर,

- (1) 1. श्री अमरेन्द्रनाथ पुत्र श्री सुरेन्द्रनाथ मुखर्जी, निवासी—राइट टाउन, जबलपुर ।
 - 2 एन० नाथ पुत्र श्री सुरेन्द्रनाथ, निवासी—साल्टलेक, कलकत्ता ।
 - 3. श्रीमती पूर्णिमा पत्नी मनेन्द्रनाथ बनर्जी निवासी—पटना (बिहार)
 - श्रीमती अर्पणा चटर्जी पत्नी गणपति चटर्जी निवासी—हजारीबाग (बिहार)
 - ए० बनर्जी पत्नी अमूल्य बनर्जी,
 निवासी—आसनसोल (बंगाल) द्वारा मुखत्यार खास
 2 से 5, श्री अमरेन्द्रनाथ,
 निवासी—जबलपुर ।

- कु० नीलिमा मुखर्जी पुत्री सुरेन्द्रनाथ मुख निवासी—सागर कैण्ट
- 7. मीरा मुखर्जी,
- 8 गीता मुखर्जी,
- 9. तपन मुखर्जी,
- 10. अपन मुखर्जी
- 11. तरुण मुखर्जी,

निवासी—इर्न्बार द्वारा मुखत्यार खास गोपालदास सोनी ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री तुलसीराम पुत्र श्रो मातादीन सोनी, निवासी—देवरी कला, वण्डा, सागर,
 - श्रीमती सुगीला पुत्री शंकरलाल सोनी निवासी—करेली गंज, जिला—नर्रासहपुर ।
 - श्री सुरेन्द्र कुमार पुन्न ताराचन्द, निवासी—सराफा मार्केट, बड़ा बाजार, सागर । (अन्तरिती)
 - (3) सहायक सैटलमेण्ट अधिकारी,
 मध्य प्रदेश शासन,
 बंगला नम्बर 39, कैण्ट क्षेत्र, सागर।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त</u> सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्णन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तथा बंगला नम्बर 39 का भाग जो कि कैण्ट क्षेत्र, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तर- तियों द्वारा मत्यापित फार्म 37-जी० में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, भोपाल

धिनांक: 15-11-1983

मोहरु 🛭

माय्कर भिर्मियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

> अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 15 न्वम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3966--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त, भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके परचात् 'उनत प्रविनियम' कहा नया है); की बारा 269-स

के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मुस्य 25;000/-

से ग्राधिक है

और जिसकी सं० भूमि तथा बंगला नम्बर 39 का भाग है, तथा जो कैन्ट क्षेत्र, सागर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप, संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वीक्स सम्परित के उचित् नाजार मूल्य से कम के कश्यमान प्रतिफल क्षेलिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके बुश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का प्रतिशत से अधिक हे और अन्तर् (यन्तरको) धीर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिपाल, निम्नलिखिन शहरय से स्टेन सन्तरण लिखित में वास्तविक्त रूप से कथित वहीं श्रिया नया है :----

- (क) ग्रन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत उक्त अभिनियम के अक्षीन कर देने के बन्दारक के द विरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या श्विसी वन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धावकर घषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रविनियम, था धन-कर धिशितयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ धम्बरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना चाहिए चा, जिपाने में सुविधा के लिए;

अद्भः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुस्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् हः—

(1) 1. श्री अमरेन्द्रनाथ पुत्र श्री सुरेन्द्रनाथ मुखर्जी, निवासी--राइट टाउन जबलपुर । 2. श्री एन० नाथ पुत्र श्री मुरेन्द्रनाथ, सास्ट लेक, कलकर्सा । 3. श्रीमती पूर्णिमा पन्ती मनेन्द्रनाथ बनर्जी निवासी-पटना (बिहार), श्रीमती अर्पणा घटर्जी पन्नी गणपति घटजी निवासी—हजारीबाम (बिहार) 5. ए० बनर्जी पन्नी अमूल्य बनर्जी निवामी—आसन सोल (बंगाल) द्वारा मुख्यार खास 2 से 5 श्री अमरेन्द्रनाथ

निवासी--- जबलपुर ।

6. कु० नीत्निमा मुखर्जी पूत्री स्रेन्द्रनाथ मुखर्जी निवासी--सागर कैण्ट.

भीरा मुखर्जी, 8. गीना मुखर्जी;

9. तपन मुखर्जी, 10. अपन मुखर्जी 11. तरुण मखर्जी निवासी—इन्दौर द्वारा मुख्ल्यार खास गोपालदास सोनी पुत्र जनन्ताथ प्रमाद मोनी ।

- (2) 1. श्री स्रेन्द्र कृमार पुत्र श्री ताराचन्द जैन, सराफा मार्केट, बंडा बाजार, सागर। 2. स्तील कुमार पुत्र श्री महेन्द्र कुमार जैन, सराफा मार्केट, बडा बाजार, सागर,
 - 3. राजेन्द्र कूमार पुत्र श्री नंदलाल जन, बंडा तहसील मागर।
 - 4. जितेन्द्र कुमार पुत्र श्री नन्दलाल जैन, बंडा तहमील मागर।
 - 5. कुमारी रमा पूत्री श्री हरी प्रसाद सोनी, निवासी---बरिया घाट, सागर । (अन्तरिती)
- (3) सहायक सैटलमेण्ट अधिकारी, मध्य प्रवेश गासन, बगला नम्बर 39, कैण्ट क्षेत्र, सागर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी चरके पृथींक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजवक्ष में प्रकाशन की तारी करे 45 दिन की संबंधि का तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि; जो भी प्रवर्धि बाद में समान्त्र होती हो, के मीतर वृजेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्रक्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदा का, जो उत्त ध्रिनियम के अध्याय 20- में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो सस बच्चाय विया प्रमा है ।

अनुसूची

भूमि तथा बंगला तम्बर 3.9 का भाग जो कि केन्ट क्षेत्र,सागर में स्थित है। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरितयों द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम ग्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

विनांक : 15-11-1983

श्रह्ण आहुँ _ टी _ एन _ एस _- - = ==== आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयक्त अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 नवम्बर, 1983 निर्देश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3967—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि तथा बेंगला नम्बर 39 का भाग है, तथा जो कैण्ट क्षेत्र,, सागर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूषी में और पूर्णक्ष्प से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर मे, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित् वाजार मृत्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित वाजार अल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल् से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिपात अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वर्न के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी अनु या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :--

(1) 1. श्री श्रमरेन्द्रनाथ पुत्र श्री मुरेन्द्रनाथ मुखर्जी,
निवासी—राइट टाउन जबलपुर ।
2. एन० नाथ पुत्र श्री मुरेन्द्रनाथ,
निवासी—साल्टलक, कलकत्ता ।
3. श्रीमती पूणिमा पत्नी मनेन्द्रनाथ बनर्जी निवासी—पटना (बिहार),
4. श्रीमती अपर्णा चटर्जी पत्नी गणपति चटर्जी निवासी—हजारीबाग (बिहार)
5. ए० बनर्जी पत्नी अमूल्य बनर्जी निवासी—आसनसोल (बंगाल)द्वारा मुख्यार खास 2 से 5 मी श्री श्रमेण्न्द्र निवासी—जबलपुर ।
6. कु० नोलिमा मुखर्जी पुत्री सुरेन्द्रनाथ मुखर्ची निवासी—सागर कैण्ट
7. मीरा मुखर्जी

- 8 गीता मुखर्जी,
- 9. तपन मुखर्जी
- 10 अपन मुखर्जी
- 11. तरण मुखर्जी

निवासी—-इंदौर द्वारा म्ब्त्यार खास गोपासदास सोनी । (अन्तरक)

- (2) 1. श्री पवन कुमार सुत्र केवलचन्द जैन, निवासी—-वण्डा बाजार सागर
 - 2. अजीत कुमार पुत्र ओकार प्रमाद
 - 3 राजकुमार पुत्र ज्ञानचन्द जैन
 - 4. मुनील कुमार पुत्र प्रेमचन्द जैन निवामी—-वण्डा बाजार, सागर ।
 - 5. रामप्रसाद पुत्र गंकरलाल सोनी निवासी—करेली
 - 6. कु० रमा पुत्री हरी प्रसाद सोनी निवासी--वारमा घाट, सागर।
 - 7. प्रह्लाद दास पुत्र रामनारायण अग्रवाल,
 - 8 वीरेन्द्रकुमार पुत्र आशाराम
 - 9. माधव प्रसाद पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद सोनी निवासी—सागर । (अन्तरिती)
- (3) सहायक मैटलमेण्ट अधिकारी, मध्यप्रदेश शासन, बंगला नम्बर 39, कैण्ट क्षेत्र, मागर । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्मध्वीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

भूमि तथा बंगला नम्बर 39 का भाग जो कि कैण्ट क्षेत्र, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विघरण अन्तरितियों द्वारा मत्यापित फार्म नम्बर 37—जी० में निहित है

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, घौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

代項布 : 15-11-1983

मोहर 🛭

श्रुक्ष आहाँ वित् एत् तु एस तु------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1983 निदेश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3968——अनः मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक है

और जिसकी सं मकान कटरा बाजार है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में बर्णिम है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अंतरफ
लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरो धचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अगीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) 1. श्री मोहम्मद इसलाम निवासी-केशगंज, वार्ड, सागर।
 - श्री मोहम्मद ईशाक ; निवासी-केशगंज वार्ड, सागर।

- 3. श्री अब्दुल हमीद ।
- 4. श्री मोहम्मद शकील।
- श्री अब्दुर रशीद।
- 6. श्री मोहम्मद णहीद ।
- 7. श्री मोहम्मद रईस ।
- 8. श्री मोहम्मद अनीस (माईनर)।
- .9. श्री मोहम्मद सलीम माईनर, निवामी बाली वार्ड, सागर।
- 10 श्रीमती नूरजहां।
- 11 श्रोमनी जाहिर ।
- 12. श्री आमना निवामी दिलाना वार्ड, सागर।
- 13. श्री विसमिल्ला ।
- 14 श्री ज्वेदा।
- 15. श्री राणिदा ।
- 16 श्री रविद्या, निवासी-वृधवारा, भोपाल।

(अन्तरक)

- (2) श्री विष्णु प्रसाद पिता श्री हरीदास, रेगुब तहमील, रहेली, (सागर)। (अन्तरिती)
- (3) 1. श्री चन्नी लाल पांडें।
 - श्री जस भाई निवासी कटरा बाजार, सागर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं 1]

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी- अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भौत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्यव्दीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिक्षितियम के प्रध्याय 20 क में परिमाधित दें, बही प्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गरा दें।

जनसूची

भूमि व मकान का भाग जो कटरा बाजार, तहसील व जिला सागर में स्थित है। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म मं० 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1983

मोहर 🕹

प्ररूप वार्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोषाल/3969—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25 000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० कटरा बाजार है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजम्ट्रीकरण अधि—नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त-विक हप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री मोहम्मद ईसलाम, निवासी—केणगंज वार्ड, सागर।
 - श्री मोहम्मद ईशाक, निवासी—केशगंज वार्ड सागर।
 - 3. श्री अब्दुल हमीद ।
 - 4. श्री मोहम्मद भकील।
 - 5. श्री अब्दूल रमीद।
 - 6. श्री मीहम्मद गहीद।
 - 7. श्री मोहम्मद रईश।
 - 8. श्री मोहम्मद अनीस, (माईनर) ।

- श्री मोहम्मद सलीम । माईनर निश्वासी——बोली वार्ड, सागर।
- 10. श्रीमती नूरजहां, निवासी——दिवलाना वार्ड, सागर ।
- 11. श्रीमती जाहिरा।
- 12. श्री आमना, निघासी---- दिवलाना वार्ड, सागर।
- 13. श्री बिसमिल्ला ।
- 14. श्रीमती ज्बेंदा !
- 15. श्रीमती राशिदा ।
- 16. श्री रिवस्ना, निवासी——बुधवारा, भोपाल। (अन्सरक)
- (2) श्रीमती निर्मला गौर, पुत्री श्री प्रभृदास गौर. नियासी---रामपुरा वार्ड, तहसील व जिला सागर। (अन्तरिती)
- (3) श्री चुन्नीलाल पांडे।
 - श्री जम भाई, निवासी---कटरा बाजार, सागर। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व मकान का भाग जो कि कटरा बीजार, सहरु व जिला सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसकी विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहिन्न है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 7-11-1983

मोहर:

10 --- 386GI/83

पुरुष् बाद्ै, टी , पृत् , पृद् _-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भधीन सूचना

बारत् शुरुकाड

कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1983 निदेश मं० आर्ड० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/ 3970—अतः मुक्को, देवप्रिय पन्त,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 26/1 से 9 है तथा जो हनुमानगंज मुड़वारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 मार्च, 1983

का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृश्वें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत कि निक्तिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षावत, उक्त अधिनियम कें अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, बिन्हें आरतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

नतः बन, उन्त विधिनयन की थारा 269-म के विपुत्रस्य मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री कमल कुमार जैन बल्द श्री टेकचन्द जैन, निवासी रघुनाथ गंज, कटनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुमील कुमार जैन वल्द श्री टेकचन्द जैन, निवासी रघुनाथ गंज, कटनी ।

(अन्तरिती)

- (3) 1. मै० प्रभात दाल मिल।
 - 2. श्री शाहदेव सत्यानारायण ।
 - श्रीकृष्ण कुमार ब्रजपुरिया।
 - 4. श्री मोहन लाल नामामल।
 - 5. श्री गुलाब राय।
 - गुद्द नानक अनाज भण्डार।
 - श्री हनुमान प्रसाद 21/1, हनुमान गंज, मुंडवारा । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शुन्दों और पर्यों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि व मकान म्युनिसिपल नं० 26/1 से 9 जो हतुमानगंज, मुंडवारा नं० ब० 493 सहसील मुंडवारा में स्थित है। यह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित्त है।

> देवप्रिय पन्त, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 7-11-1983

मोहर ः

प्रकप आ<u>ष</u>्ध ट<u>ी.</u> पुन्_ः एस_{ः ===}-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 नवम्बर 1983

् निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4013--अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो तहसील हुजुर, जिला रीवा में स्थित है और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्गालय, रीवा मे रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अप्रैल, 1983

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिवित् में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तद्रेण से इन्द्रं किसी नाय की वावत, उक्त निभृतिवृक्ष को नभीन कर दोने के अन्तर्क को दायित्व मों कनी करने या उससे बुचने मों सूबिभा के लिए; जीर/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरुग मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित इयिक्तयों, अर्थाद :--- (1) श्री प्रेमनाथ कैला पिता श्री गौरी णंकर जी कैला, निवासी एस० आई० जी० 55, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, बोदा, तहसील हुजूर, जिला रीवा।

(अन्तरक)

(2) अनन्तपुर गृह निर्माण सहकारी समिति, मर्यावित अनन्तपुर द्वारा अध्यक्ष श्री भगवत प्रसाद दुवे, आत्मज श्री सुन्वर लाल दुवे, निवासी अनन्तपुर, रीवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस सूचना के एजपूत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के श्रूजप्त्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावृत सम्पृत्ति में हिसबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्रि के पास निचित्र में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकृत्यः -- इसमें प्रयुक्त कर्का और पूर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कुई होगा को उस अध्याय में दिया गुया है।

अमुस्ची

भूमि नम्बर 57, ग्राम खेरी, तहसील हुजूर, रीवा में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मोपाल

तारीख : 10-11-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारु 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 7 नवम्बर 1983

निदेश म० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/ 3973—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी में परिवर्तित जमीन खमरा ने 477, प्लाट ने 1/9, शीट ने 19 है तथा जो चिरहुलडीह, जिला रायपुर में स्थित है और इमस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालम रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 की 16) के अधीन, तारीख 1 मार्च, 1983

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स बहिशनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दारित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अस, उन्न अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री किशन लाल बल्द श्री मुरलीधर चन्दानी, निवामी—मिविल लाईन्स, रायपुर।

(अन्तरकः)

(2) लोकमान्य सहकारी गृह निर्माण सस्था मर्योदित, रायपुर द्वारा अध्यक्ष . श्री भास्कर काठोटे वल्द श्री जागोवा काठोटे, निवामी—-वौबे कालोनी, रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

पा वितित जमीन खसरा न० 477, प्लाट नं० 1/9, शीट न० 19, मौजा चिरहुल श्रीह, तहसील व जिला रायपुर मे स्थित है तथा मकान ।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 7-11-1983

मोहर 🖟

प्ररूप बाह्", टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) मही भारा 269-च (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 7 नवम्बर 1983 निदेण सं० आई० ए० सी०/अजन/भोषाल/ 3974---अत: मुझे, ेरिप्रय पन्न

... र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ...) पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा .69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का ... ए है कि स्थावर संपति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

नौर जिसकी सं० परिवर्तित भूमि खसरा मं० 477, एलाट न० 1/8, शीट न० 19 है तथा जो मौजा चिरहुन डीस, जिला रायपुर म स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 मार्च, 1983

ां पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्वयमान ती हैं ले के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास जरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कूप, उसके श्वयमान प्रतिफल से, एसे श्वयमान प्रतिफल के न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तर्थ के जिए तम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) बन्तरण संह्रू किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और∕या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या ख्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती य्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अने, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भैं, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभादा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री बृजलाल बत्द श्री हरेगुत दास जादवानी, निवासी अहमदजी कालोनी, रायपुर।

(अन्सरक)

(2) लोकमान्य महकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित, रायपुर द्वारा अध्यक्ष: श्री भास्कर काठोटे वल्द श्री जगोवा काठोट, निवासी चौबे कालोनी, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्य स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास सिक्षित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्सूची

मकान वपरिवर्तित भूमि खसरानं० 477, प्लाटनं० 1/8, षीटनं० 19, चिरहुलडीह, जिला रायपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख ; 7-11-1983 मोहर 🖫 प्ररूप आई. टी. एन. पुस , ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाक ७ नवम्बर 1983

निदेश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3975—अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या मकान है जो तथा प्लाट न० 4 रतलाम कीठी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्क िकसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भूणिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की, अनुसरण में, का, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित अधिकतार्थों, अर्थात् क्ष्

(1) सरदार सन्तोख सिह पिता सरदार अमर सिंह जी, निवासी नेपा नगर, जिलाखण्डवा (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम सिंह पिता श्रीठाकुर सिंह जी, निवासी खातीवाला टैक मकान न० 937, इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मकान तथा प्लाट नं० 4, रतलाम कोठी, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 7-11-1983

माहुद्ध 🖫

प्ररूप आहूँ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 8 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3976--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जो रतलाम कोठी, प्लाट नं० 4-ए, इन्दौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 26 मार्च, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

(1) सरदार मन्तोख सिह पिना श्रीमरदार अमर सिह जी अजमानी, निवासी नेपा नगर, जिला खण्डवा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बन्दुमती पत्नी श्रीविपन कुमार पटेल, निवासी बारासिवनी, जिलाबालाघाट ।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकाँगे।

स्पष्टिकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुस्ची

मकान, रतलाम कोठी, प्लाट नं० 4-- ए पर बनी हुई है इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भीपाल

अत अस, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसित व्यक्तियों, सर्थात् ६—

तारीख: 8-11-1983

प्ररूप मार्थः टी. एत्. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के स्पीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निर**ीक्षण)** अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवस्थर 1983 निदेश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3977---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रा से अधिक है

भौर जिसकी मं० मकान है तथा जो रतलाम कोठी, प्लाट नं० 4-ए इन्दौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम: 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26 मार्च 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी नाम की वायत., उक्त अधिनियम् के सधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अगर या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुनिधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधिन, निम्मलिसित व्यक्तियों, नर्यात् के

(1) सरदार मन्ताख सिह पिता सरदार अमर सिंह जी निवासी नेपा नगर जिला खण्टन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी श्री भूटा मिंह जी निवासी खातीवाला टैक इन्द्रीर।

(अन्तरिती्)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख , 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा, लिकित में किए वा सकीं।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ. अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभौषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में हैं... गया है।

भगुसूची

मकान, रतलाम कोठी जो कि प्लाट नं० 4-ए, इन्दौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगाल

तारीख : 8-11-1983

मोहर 🥫

प्ररूप बाइ. टी. एव. एस. -----

जायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 8 नवस्वर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3978—अतः मुझे, वेविप्रिय पन्त

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 212 है तथा जो श्रीनगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 (1008 का 16) के अधीन, तारीख 8 मार्च, 1083

को पूर्णोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए. था छिपाने में सुविभा के लिए;

(1) 1. श्री हरभजन सिंह पिसा श्री वजीर सिंह,

- श्रीमती सन्तोष कौर परनी श्री वजीर सिंह,
- श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री हरभजन सिंह, निवासी रिवन्द्र नगर, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश कुमार पिता श्री इकमाल शंकर श्रीवास्तव, निवासी 210, श्रीनगर कालोनी, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भूजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

श्याका शिक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिस. गया है।

जन्सूची ्

प्लाट नं० 212, श्रीनगर कालोनी, इंग्वीर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-11-1893

मोष्ठर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भीपाल, दिनांक 8 नवस्वर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/झोपाल/2379—अतः मुझें, देवप्रिय पन्त बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2 हैं तथा जो कैलाश पार्क, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 मार्च, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से विधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित् में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री मैं लेग पन्न श्री विट्ठलदास सेठ, निवासी 21, सिख मोहरूना, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल पुत श्री अनिरुद्ध ए० खोले, निवासी कैलाश पार्क, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियम के अध्यान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

फ्लैट तं o 2, सेठ अपार्टमेंट कैलाग पार्क, इन्दौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पग्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्रंग आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिसित स्योक्तयों, अर्थात् ——

तारीख : 8-11-1993

प्रकप् बाद् .टी. एन्. एस ._-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3980—अतः मुझें, देवप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० पलैंट नं० 8, सेठ अपार्टमेट है तथा जो 7—सी, कैलाग पार्क कासोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 मार्च, 1983

कें। पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुए किसी भाय की वाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922, का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया, चवा था या किया धाना धाहिए था, खिपाने में स्विभा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियाँ अर्थात् :— (1) श्री शैंलेश कुमार पृत श्री विट्ठलदास सेठ, निवासी 21, सिख मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री बुज मोहन वास पुन श्री रतन लाल राठी, द्वारा: राधा सरवेशवर कम्पनी, 26, संयोगिता गंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः ---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्युष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पयों का, वो सन्त अभिनियम, के सभ्याय 20-क में प्रिशाधित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वस्स्वी

फ्लैंट नं० 8, सेठ अपार्टमेंट 7-सी, कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

> वेबप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोस्नी बिस्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर भोपाल

तारीख : 8-11-1983

मोहार 🖯

प्ररूप नाइ". टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/3981—अतः मझें, देवप्रिय पत्स

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लैंट नं० 7, सेठ अपार्टमेंट है तथा जो 7-सी, कैलाश पांके कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 मार्च, 1983

को बुबोंक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नीलिखत उब्वेष्य से उच्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुवाँ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; जाँद्र/या
- (क) एरेती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री शैलेज कुमार पिता श्री विद्वलवास सेठ, निवासी 21, सिख मोहल्ला, इन्बीर।

(अन्तरक)

(2) श्री सस्यनारायण पिता श्री रतन लाल राठी, द्वारा : राधा सरवेश्वर, निवासी 26, संयोगिता गंज,

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त सम्बों और पर्यो का, जो उक्त विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं नर्थं होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

वन्त्री

पलेट नं० 7, सेठ अपार्टमेंट, 7-सी, कैलाश पार्क कालोनी, इंग्वीर में स्थित है।

(देवप्रिय पन्त) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, भोपास

सारीख : 8-11-1083

प्रकृप नार्द्दः ही. एत. एव .-----

नावकार न्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के न्थीन सूचना

भारत बड्रकाड

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 8 नवस्बर 1983

निवेश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3982---अतः मृझ्ने, देवप्रिय क्रत

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 1~7ए, सेठ अपाटमेंट है तथा जो कैलाग पाक, कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रश्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तर्फ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्निसित उद्देषस्य से उचित अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कि शित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, अच्छ बिधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कनी कड़ने ना उद्देश वृषय में दृष्टिया के लिए; औड़/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिये था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

वतः नव, उक्त निर्धितयन की भारा 269-य के बब्दुस्थ को, की, उक्त निर्धितयन की भारा 269-य की उपभारा (1) को बधीन, निर्मितिवत व्यक्तिवीं, अर्थात् हि— (1) श्री कीर्ति कान्त पिता श्री बिट्ठलदास सेठ, निवासी 34, सिख मोहल्ला, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसुमित बन पत्नी श्री रसिक लाल शाह, निवासी 2/6, मनोरमा गंज, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई शक्षिप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यंक्सियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में हिन्स पया है।

मन्स्ची

पलैंट सं० 1-7/ए, (सेठ अपार्टमेंट), कल्म पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय श्वस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, भोपाल

नारीख : 8-11-1983

प्ररूप आर्च, टी. एन्. एस.-----

भायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यां तय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3983---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1-7/बी है तथा जी कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 मार्च, 1983

प्रेंबित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी बाब की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कुटु दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कुटुने या उससे ब्यमे में सुविधा के सिए; आहु/या
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जुब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीम, निम्निजिति व्यक्तियों, अधीत् स्— (1) श्री अशोक कुमार पिता श्री विट्ठलदास सेठ, निवासी 34, सिख मोहरूला, इन्दौर।

(अन्तर्क)

(2) श्री प्रयोग कुभार पिता श्री चन्दू लाल गाह, निवासी पलेट नं० 8, कैलाग पार्क, इन्दौर।

(अन्तरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुत्रची

फ्लैट नं० 1-7/बी, (सेठ अपार्टमेंट), कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-11-1983

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भं.पाल, दिनांक 8 नवम्बर 1983 निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भीपाल/3984—अतः मक्ष, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी मं० नया म्यु० 21-22, (ओल्ड नं० 16/2, 16/3) है तथा जो मानक चौक, इन्धीर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में रिजस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्री रेलू मल पिता श्री गोविन्द राम जी, निवासी म० नं० 9, जघाहर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री हस्ती मल पिता श्रीओंकार लाल झोलावत, निवासी म० नं० 17, शान्ति नगर, जैन कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तंपति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्रिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

नया म्यु० त'० 21-22 (पुराना न'० 16/2, 16/3, मानक चौक, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-11-1983

प्ररूप शार्ड . टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 8 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3985—अतः मुझे, देवप्रिय पंत

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 10, राजगढ़ कोठी, कालोनी है और जो इन्दौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे बर्णित है), र्राजस्ट्रीधर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसं किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत सिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में गविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) शिवम अपार्टमेंट, 10, राजगढ़ कोठी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) शिवम गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, 10, राजगढ़ कोठी कालोनी, गीता भवन रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्षितयों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिनं की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं० 10, राजगढ़ कोठी कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 8-11-1983

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3986—अतः मुझें, देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो महीद भाकिट, ए० बी० रोड, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 16 मार्च, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्रास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित दाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 12—386GI/83 (1) मैं० आर० कें० बिल्डर्स,354, गाकेंत नगर.इन्दौर ।

(भन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी चन्द भगाजी. रजिस्टर्ड पार्टनरिशप. फर्म आम मुख्त्यार श्री टाकोर लाल अमृतलाल राव. 7, शिव विलास पैलेस, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरण: ----इसम् प्रयंक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

दुकान, शहीद भगत सिंह मार्केट, ए० वी० रोड, इन्दौर में स्थित है।

> देत्रप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8+11+1983

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के नधीन स्चमा

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3987—अतः मुझें, देवप्रिय पन्त

हारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एड. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो शहीद भगत सिंह मार्केट, ए० बी० रोड, इन्दौर में स्थित है (भीर इसमे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कत, निम्निचित उद्दर्ध से उक्त अन्तरण कि जन में अप धिक स्थान नहीं किया गया है —-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) मैं० आर० के० बिल्डर्स, श्री पुरुषोत्तम कुमार अग्रवाल, निवासी 354, साकेत नगर, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी चन्द भगाजी, रजिस्टर्ड पार्टेनरिशय फर्म आम मुख्तयार: श्री ठाकोर लाल पिता श्री अमृतलाल राव, 7, शिव विलास पैलैस, इन्धौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सभ्यत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उच्न स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्माण का राष्ट्र का सकीय ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उसक अधिनियम, के अभ्याय 20 का में परिभाजित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

दुकान, शहीद भगत सिंह मार्केट, ए० बी० रोड, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 8-11-1983

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3988—अतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो शहीद भगत सिह मार्केट, लसूडिया मोरी, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 मार्च, 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बन्न में स्थिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. ल्रिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) मै० आर० के० बिर्ल्सड, 354, साकेत नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी चन्द भगाजी, रिजस्टर्ड पार्टनरिशप फर्म, आम मुख्तयार : श्री ठाकोर लाल अमृतलाल, 7, शिव विलास पैलेस, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुकान शहीद भगत सिंह मार्केट, लसूडिया मोरी, इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख :8-11-1983

भोहर :

प्रकप भाई। टी । एन । एस ।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के घतीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 8 नवम्बर 1983

निदेश म० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3989--अतः मझे, देवप्रिय पन्तः,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो शहीद भगत सिंह मार्केट, लसूडिया मोरी, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में र्याजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 मार्च, 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिष्णल के लिए अतिरित की गई हैं और मूझ यह विश्वास करने का हारण हैं कि स्थाप्टेंक्ति स्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिष्ठल से एस दश्यमान प्रतिष्ठल का पढ़ह प्रतिशत ग्रामिक हैं और अपरेक (अतरका) और अतरिती (अन्तिपितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिष्ठल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किशा गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सृथिभा के लिए; वौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जोधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

जतः अब, उन्तरं अधिनियमं की ारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :-- (1) मै० आर० के० बिल्डर्स, निवासी 354, साकेत नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी चन्द्र भगाजी, रजिस्टई पार्टनरियाप फर्म कर्ता, श्री ठाकुर लाल आत्मज श्री अमृत लाल जी, निवासी 7, शिव विलास पैलेस, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक्ष मो प्रकाशन की तारीस सै। 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---६समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही वर्ष होगा, वो उस कृभ्याय में दिवा गया है।

अनुस्ची

दुकान गहीद भगत सिंह मार्केट, लसुडिया मोरी, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज भोपाल

तारीख: 10-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनाक 10 नवम्बर 1983

निदेश म० आई० ए० सी॰/अर्जन/भोपाल/3990--अतः; मझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो राम रहीम नगर, देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दवास में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च. 1983

का पूर्वांक्त सपित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— रजिस्टर्ड फर्म .

श्री केशर लैण्ड एण्ड फाइनेस कम्पनी, रतलाम, भागीदार: श्री सुभाष चन्द्र आत्मज श्री हीरा लाल जैन, रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेखा जैन पति श्रीहुकम चन्द जी जैन, निवासी राजपूत बोधिंग हाऊस, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संप्रित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि अदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्थाष्ट्रीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिस हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि एवंप्लाट नं० 34 है तथा जो राम रहीम नगर, देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोवास

तारीख: 10-11-1983

माहर 😘

प्रकथ बार्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवस्वर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3991—अतः; मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त निर्मानयम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के निर्मान सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- र. से अधिक हैं

और जिसकी भूमि सं० 365 है तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 मार्च, 1983

को पूर्वोक्स संपरित को उपित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पंद्रश्रप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पामा गमा इतिफल, निम्निश्चित उद्देषय से उक्त कन्तरण सिचित में बाल्तीक एसे बेड्निस मुंग है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; जार्द्ध/या
- (अ) वंशी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों की, चिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिहः

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बापूलाल आस्मज श्री देगा जी कुलमी (पट्टीदार), निवासी राजोदा, तहसील देवास ।

(अन्तरक)

(2) ओम नगर गृह निर्माण सहसारी संस्था मर्यादित, 92, रज्जबअली मार्ग, देवास, द्वारा अध्यक्ष : श्री ज्ञानेश्वर आत्मज श्री देवीदास देव्हार, देवास (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-' बब्ध किसी अन्यं व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकी।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

नगुसूची

भूमि सं० 365 है तथा जो कस्बा देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषास्र

नारीका : 10-11-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आहै.टी.एन.एस. -----

आयक इ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्वा

भारत सरकार

कार्यासय, तद्दायक भाग्कर नाग्कत (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3992—अतः, मुझे, वेवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 365 है तथा जो देवास में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 मार्च, 1983

कां प्वोंक्त संपति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्याम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक फल निम्नलिख्त उब्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में गस्तिब्क रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विभा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री बाबू लास आस्मज श्री रूग्गा जी कुलमी (पट्टीबार), निवासी राजोदा, महसील देवास।

(अन्तरक)

(2) ओम नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था मयोवित, 92, रण्णबंभली मार्गः देवास द्वारा अध्यक्ष : श्री जानेस्वर पिता श्री देवीदास देव्हारे-वेवास (मं० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिष् एतद्द्यारा कार्यवाहियां करता हो।

उनत समाति ए पर्जन के संबंध पे कोई भी आक्षेप ।---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनसची

भूमि सं० 365 देवाम सिनियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-11-1983

प्रकेष् आहे. की. एस. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3993—-अतः, मुझे, देवित्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से जिथक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 45, नया प्लाट नं० 257 हैं तथा जो बुधवारा बाजार, वार्ड स्टेणन रोड, खण्डवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खण्डवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 8 मार्च, 1983

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलियत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करदोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अह्मचारिणी चन्द्रकान्ता बाई उपनाम बैबी बाई आह्मजा श्री प्रेमचन्द जी जैन, निवासी रामगंज खण्डवा (पूर्व) निमाइ, पोस्ट खण्डवा।

(अन्तरक)

 (2) 1. श्री राजा बहादुर आत्मज श्री फकीर चन्द जी।
 2 श्री दिलीप कुभार ग्रीवासी रामगंज, 'खण्डवा।

(अन्नरिती)

(3) श्री प्रदीप नारायण तिवारी.
श्री रमेशचन्द्र सीनी,
श्री गोरे लाल,
डा० निगम
श्री हीरा लाल नारायण,
ब्लाक नं० 45,
नयाप्लाट नं० 257,
सुधवारा बाजार वार्ड.
स्टेशन रोड, खण्डया।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्की

भूमि तथा भवन का भाग जो ब्लाक नं० 45, नया प्लाट नं० 257, पुराना प्लाट नं० 218/3, 218/8, 218/9, 218/12, 220 तथा 220/1, बुधवारा बाजार, स्टेशन रोड, खण्डवामें स्थित हैं। इस स्थावर सम्पत्ति में 'न्यूप्रकाश टाकीज नामक सिनेमा भवन भी शामिल है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्री राजा बहादुर द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, भोपाल

तारीखा : 10-11-1983

मोहर 🗉

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1983

निदेण सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोषाल/3994~~अतः, मुझे, देवप्रिय पन्न,

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 110 है नथा जो खडगपुरा वार्ड, खण्डवा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, खण्डवा में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पुर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रहै प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिविक हैंग में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने भें सृविधा के लिए;

अतः वह उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अभीत्: 3—386GI/83 (1) श्री ब्रह्मचारिणी चन्द्र काता वाई उपनाम बेबी बाई अत्मजा श्री प्रेमचन्द जी जैन, निवासी रासगंज, खण्डवा।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री राजा बहादुर । 2. श्री दिलीप कुमार, दोनों पुत्र श्री फकीर चन्द जी,

दोनों पुत्र श्रीफकीर चन्द जी, निवासी रामगंज, खण्डवा।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री प्रताप राय अम्बूलाल।

श्री चौद्य राम नानूमल।
 110, खड़कपुरा वार्ड,
 खण्डवा।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :——
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, अर्भ भी
अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुम्ची

मकान नं० 110, खड़कपुरा वार्ड, खण्डवा में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी मे निहित है।

> देवप्रिय पन्त रुक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगाल

नारीख: 8-11-1983

मोहर ः

प्ररूप नाइ, टी. एन्. एस., ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भीपाल/3995---अतः, मुझे, देवप्रिय पन्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं मकान म्यू नं नया 64 (पुराना नं 42/1) है तथा जो जन्मेजय मार्ग, नागदा मण्डी, जिला उज्जैन में स्थित है (और इपसे उपागद अनुसूची में और पूर्ण च्या से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्वित में वाम्तिक स्प में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; जरि/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम किन्निलिसन् व्यक्तियों, अधीम किन्निलिसन्

(1) श्री महेन्द्र सिंह आत्मज स्व० श्रीकिशन सिंह जी, रघुवणी ठाकुर निवासी 26, निलक मार्ग, नागदा मण्डी, जिला उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल हक पिता
स्व० हाजी अब्दुल गत्फार,
निवासी 16,
जन्मेजय भागे नागदा मण्डी,
जिला उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्बत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान निश्चित भाकिए जा सकर्ग।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसुची

मकान म्यू० न० नया 64 (पुराना नं० 42/1) का एक भाग जन्मेजय मार्ग, म्नागदा भण्डी, तहसील खानरीद, जिला उन्जीन में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 9-11-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन क्षेत्र, भोप।ल

भोपाल, दिनांक 9 नवस्थर 1983

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन / भोपाल/ 3996---अन , मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रठ. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं ० सम्पत्ति ख ० नं ० 394 है, तथा जा महपुरा शाजापुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, शाजापुर में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख 25 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास कि रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आित्रों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुगरण में, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

- 1. श्री शकरलाल पिता श्री द्वारकादास मुजाल निवासी-98, लोधीपुरा, इंदोर। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री सुनील क्मार पिता रमेंश चन्द्र महाजन
 - (2) श्री मंजीव कुमार पिता रमेण चन्द्र महाजन ।
 - (3) श्री राजेश कुमार पितः रमेशचन्द्र महाजन।
 - (4) श्री प्रमोद कुमार पिता रामकृष्ण महाजन।
 - (5) श्री कैलाण चन्द्र पिता बाबूलाल महाजन।
 - (७) श्री प्रहलाद पिता वर्मीलाल महाजन। निवामी—निया रोड, शाजापुर।

(अन्तरिती)

3. डा०. के० सी० मण्डलोई, महूपुरा, शाजापुर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कार्ष्ट भी आक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मा हित-ब्राथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, जो उस बन्याय भें दिया गया है।

अमस ची

सम्पत्ति ख ० नं ० 394.0. 427 हैंक्टयंर, महूपुरा, शाजापुर में स्थित है । (भूमि तथा भवन)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रेंज अर्जन, भोपाल

तारीख: 9-11-1983

प्ररूप आई टी. एन. एस.------

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मजीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 नवम्बर, 1983

निर्देश म० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3997—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं म्यु पा नंबर 17 व नबा नं 23, (प्रथम मंजिल) में स्थित है, तथा जो माणिक चौक, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाऊंड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 मार्च 1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह, विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक छप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

नतः जन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अधीत् :--

1 श्रीमती मूरीबाई परनी स्व० तेजूमलजी निवासी-129, बैराठी कालोनी नंबर 2, इंदौर।

(अन्तरक)

 श्री दिलीप सिंह पिता मोहनलालजी निवासी-71, मल्हारगंज, मेनरोड, इंदौर।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में निष्णु जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया, गया हैं।

अमलची

भवन—म्यु० पा० जूना नंबर 27, व नया नंबर 23 (तल मंजिल), माणिक चौक इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-11-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3998--अत., म्झे; देवपिय पन्त,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० म्य्० पा० जुना नंबर 17 व नया नंबर 23 है, तथा जो माणिक चौ ,इ दौर में स्थित है (और इससे उपाबह अन सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदीर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 24 मार्च 1983

को पुर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रातक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सांपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का ए पन्द्रह प्रतिशाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण गिसार में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की शावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उपसे बचन में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी कि:सी आय या कि:सी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थ:, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसूरण में. में, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------ । श्रीमती सूरीबाई पत्नी स्व० तेजुमलजी निवासी-129, बैराठी कालोनी नंबर 2, इदौर।.

2. श्रीमती रीतादवी पत्नी दिलीप सिंह निवासी-71, मल्हारगज, इदौर।

(अन्तरिती)

का यह सुबना जारी करक पूर्वीक्त संपत्ति के अजन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन को संबंध में कांई भी आक्षेप '---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तासील से 30 विन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पर्वेक्ति न्यन्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मकान का भाग--म्यु० पा० जुना नवर 17, व नया न बर 23, माणिक चीक इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम अधिकागी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भाषाल

तारीख: 10-11-1993

वक्य वार्षं. टी. इन. एव.-----

नायकर बिधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निर्देश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3999—अत , मुझे, देवप्रिय पन्स,

बायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त बीधीनयम' कहा गया हैं) की भारा 269-व को नभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रा. से जिधक है

श्रौर जिसकी सं० भीम ख० नं० 323/2 है, तथा जा ग्राम बाविडिया कला भोषाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोषाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 24 मार्च 1983

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्निचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित में बास्त-विक स्थ से संभित नहीं किया जा है।--

- (क) नलारण वे हुई किची नाम की बावत बचंत व्याप-नियम के नधीन कर बोने के बन्तरक के बाबित्य में कवी करने वा उवचे व्यापे में वृत्तिभा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- ा. (1) श्री जमना प्रसाद।
 - (2) श्री छोगालाल।
 - (3) श्री कैलाण दोनों पुत्र श्री बोंदार निवासी— ग्राम बावडिया कला, जिला भोपाल।

(अन्सरक)

 मैससं पुष्प गृह निर्माण महकारी संस्था द्वारा जनग्ल सेकेटरी एव प्रभारी अधिकारी, भोषाल।

(अन्तरियाः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वीवत व्यक्तियों में किसी स्थित व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को भीतर जक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित में किए वा सकी ।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पद्यों का जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाणित , हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

भूमि ख॰ नं॰ 323/2, ग्राम बाविङ्या कला जिला भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

सारीख: 10-11-1983

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/४०००--अतः मुझे, देवप्रिय पन्न

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मख्या भूमि खु० नं० 88/2/1 है तथा जो ग्राम बाव-डिया कला जिला भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 मार्च, 1983

कां प्तांकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने भा कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रितफल से, ऐसे दश्यमान प्रितिफल का पन्त्रह प्रित्यात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रितिक न, निम्नितिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक स्मा भे किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने म मंजिधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विभा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों अधीन, निम्निलिसिस

श्री पूरनलाल पिता बालिक शन निवासी— धाययिष्ठा कलां, नहसील हजूर जिला भोपाल ।

(अन्तरक)

2 भैसर्म तरुण गृह निर्माण सहकारी समिति निवासी——2/3, प्रणासन अकादमी परिषद, 1100, क्वाटर्म भोपाल द्वारा अध्यक्ष बी०आर०बंसल पिता क्ष्पश्चंद बंसल।

(अन्तरिमी)

को यह सूचना जारी करके पृवेशित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धं 45 दिन की अधिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियाँ में से किसी स्पिक्त दवारा
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मन्द्रीकरणः ---इगर्मे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनत अधिनियम, के अभ्याय 20 के में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याग गें दिया सवा है।

मन्त्री

भूमि खा न । 88/2/1. ग्राम बाविडिया कला तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीखा : 10—11—1983 मोत्तर

प्रकृप बाइं. शी. इन्. एत . ------

भायपार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर, 1983

निर्देण सं० आई०ए०मी०/अर्जन/भोपाल/4001—अत: मुझे. देश्रप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 58/2 है तथा जो चूना भट्टी जिला भोपाल में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण स्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 31 मार्च, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियते उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में गाम्तियक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त गीभनियम के अभीन कर दोने के गन्तरण को शासित्य में कमी करने या उससे अचन में सुविधा थी निए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों की, बिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विभा के किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री दौलतराम पिता केवलराम निवासी—-चूना भट्टी, तहसील हजूर जिला भोषाल ।

(अन्तरक)

2 वानिण गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा अध्यक्ष भोगाल ।

(अन्तरिती)

को यह सुपना चारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यग्राहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितवर स्यावर संपर्ति में हितवर स्यावर संपर्ति में हितवर स्यावन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाद लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनसर्ची

भूमि ख॰ नं॰ 58/2, चूना भट्टी तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 10-11-1983

प्ररूप आई.टी एन.एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुखना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 नवम्बर 1983

निर्देश म० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4002---अतः म्झे. देवप्रिय पन्च

आयकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीरत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

जि की सख्या भूमि खमरा ० न 58/3 है तथा जो च्ना भट्टी, जिला भोपाल में स्थित है (धौर इसमें उपाबद्ध अमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 31 मार्च, 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे कवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियीं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थीत् :--14-386GI/83

अी आमाराम आत्मज श्री मूलचंद, निवासी चूना भट्टी, नहसील हजूर जिला भोषाल ।

(अस्तरक)

2 दानिश गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा अध्यक्ष, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 58/3, चूना भट्टी तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-11-1983

प्ररूप वाइं.टी.एन एस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/४००३—अतः मुझे, वैवप्रिय पन्त

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित-बाजार मृज्य 25,000/-, रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भवन है तथा जो ध्यामला हिल्म, भोपाल में स्थित है, (श्रीर उससें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 मार्च, 1983

भी प्रवेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वाम अरने का कारण है कि यथाप्चोंकत संपरित का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के जन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृद्धिया के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा-269-ए कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्वित व्यक्तियों, वर्षाक्ष :—— श्रीमती मेहरुनिसां पर निवासी—पुराना किला भोपाल ।

(अन्तरक)

 कृष्ण बल्लभ शर्मा पिता बसुधा बल्लभ शर्मा द्वारा वली संरक्षक परमेश्वरी बल्लभ शर्मा चार्टर्ड एका उन्टेंट, लोहा बाजार, भोपाल ।

(अन्तरिती)

क्त यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

भूमि तथा भवन जो कि ध्यामला हिस्स रोध भोपाल, नगर निगम वार्ड नम्बर 26 में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण श्री पी० बी० गर्मा द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित्त है श्रीर जिसके अन्तरण से संबंधित दस्तावेज, उपपंजीयक द्वारा फार्म नम्बर 37-एच में प्रस्तुत सूत्रना के अनुसार, दिनांक 16-3-1983 को कमांक 7339 के श्रंतर्गत पंजीकृत हुआ है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-11-1983

प्ररूप बार्ड . टी., एन . एस् .,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई०००सी०/अर्जन/भोपाल/4004---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि खनं० 53/2, 31, 22, 35 है तथा जो बार्वाइया कलां, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाब अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप स र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 19 मार्च, 1983 में

'को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तिस्यों अर्थास् :---

 श्री बुधा पिता प्यारेलाल निवासी——बाबड़िया कला तहसील हजूर जिला भोपाल ।

(अन्तरक)

अभिनव गृह निर्माण सहकारी सिमिति,
 द्वारा प्रभारी अधिकारी आर० वी०,
 एस० यादव पिता जी० पी० यादव

(अन्तरिती)

का यह सूचना जाड़ी कड़के पृथा कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 विनृके भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त अध्यों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

🧗 भूमि ख॰ नं॰ 53/2, 31, 22, 35 ग्राम बाविड्या कलां जिला भोपाल में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

दिनांक: 10-11-1983

प्रकप आई० टी० एन० एस७-----

भायकर विशिवन, 1961 (1961 का 43) की छार। 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निर्देश सं० श्राई०ए०मी०/अर्जन/भोपाल/४००५—अतः मुझे, देवप्रिय पन्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क्का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि खं नं 221/1 एवं 168/25 है तथा जो ग्राम बरखेरी कलां जिला भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 19 मार्च, 1983

को पृथिनत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तम पाम बन्ध फ़ित्सिल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिविक इन्द्र से किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय भी नायत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बद, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरण वों, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री हरलाल पिता भवानी निवासी—बरखेरी कला नहसील हजूर जिला भोपाल ।

(अन्तरक)

2. अभिनव गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा प्रभारी अधिकारी आर० बी० एस० यार्दंव पिता जी० पी० यादव

(अन्सर्रिता)

को यह मुचना जारो करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारसा हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारी खंस 45 विन की अवधि या तहसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी खंसे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अन सची

भूमि खा० नं० 221/1 एवं 168/25, ग्राम बरकेरी कला तहसील हजूर जिला भोषाल में स्थित है।

्देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

विनोंक: 10-11-1983

प्रकार कार्योः टी. एम. एसः.-----

भायकर भिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज भोपाल

भोणाल, दिनाक 10 नवम्बर 1983

निर्देश सं ॰ आई०ए०मी०/अर्जन/भोपाल/ ४००६—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्स अधिनिधम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख को अधीन संक्षम प्रतिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर संपर्शित किसका उभित बाबार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सख्या प्लाट नबर 35 है नथा जो नादिर कालोनी, श्यामला हिरुस, भोषाल में स्थित हैं (अंग्र इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं)रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोषाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अजीन), दिनाक 9 मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरक़ों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिचित उद्वदेश से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है ----

- (क) बन्तरण से हुंड़ी किसी बाय की बाबस, उक्त अधि-निवंश के ब्योग कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/वा
- (क) एसे किसी अध या किसी अभ या अस्य जारित्यों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

- 1 श्री साहिबजावा यावर रसीद
 - 2 साहिबजादी मेहबानो,
 - 3 साहिबजादा नादिर रशीद
 - 4 माहिबजादी नीलोफर
 - 5 श्रीमती भुरैया रणीद पत्नी रणीद उज्जकर खान निवामी---भोपाल ।

(अन्तरक)

2 श्री डी० एस० पाडेय पिता जी० पाडेय, निवासी भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिव् कार्यवाहिया कम्रतण हुए।

उक्त सम्मत्ति के वर्षम के सम्बन्ध के कार्ड भी कार्डक्र---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पष्टियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी स्विवत् द्वारा;
- (क) इस स्वता के राज्यक में प्रकारण की तारीक से 45 दिस के भीतक उसक स्थायक संबंदित के दिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिक्षकाकारी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त कम्बी और पर्वो का, जो स्वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्तिय है, बहुति अर्थ होना जो अध्याम में विमा गया है।

कर्मची

प्लाट नबर 35, नादिर कालोनी, श्यामला हिल्स, भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

अत: अवा, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

नारीख: 10-11-1983

प्ररूप आई.टी एन.एस.------

बावकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृषना

WITE STATE

कार्यालय, सहायक मायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 नवम्बर 1983

निर्देश स० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4007---अतः मुझे देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सख्या भूमि स० न० 170/1,170/2, 172 हैतथा जो ग्राम मालनता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जान में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, होसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक़ों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विका क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के वायित्व में कमी कर्म या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं उदात अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती नगरीबाई पत्नी ओकारलाल मीना कुमारी पुरुषोत्तम लाल निवासी—उज्जैन।

(अन्तरक)

 क्षिप्रोजली गृह निर्माण सहकारी संस्थान, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में विए जा सके गा।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि सं० नं० 170/1, 170/2, 172, ग्राम मालनवामा, उज्जैन में स्थित है । जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्य पित फार्म नंबर 37 जी मे निहित है।

देवप्रिय मन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

नारीख: 10-11-1983

मोहरः

प्रकृप वार्ड: दी. एन. एस. ------

अ। यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के बभीन तुमना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निर्देश मं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4008---अतः मुझे, देवप्रिय पन्स

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से सिक है

और जिसकी संख्या भूमि सं० नंबर 170/1, 170/2, 172 है तथा जो ग्राम मालनवर्मा में स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निर्मित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ते- विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, जनस्य जीपनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक जी दायित्व में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ करे, चिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियं , 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियंस, या भनकर अभिनियंस, या भनकर अभिनियंस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया आना आहिए था जिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- 1. श्रीमती नगरीबाई पत्नी ओकारला ।
 - 2. धमन्ना बाई पुत्र ओंकारलाल निवासी---उज्जीन।

(अन्भरक)

 क्षिप्रांजली गृह निर्माण सहकारी संस्था, उज्जैन । (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृथाँकत सन्दरित के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ मा तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों नज् स्थितयों में से किसी स्थितर द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्रश्रीकरणः - इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि मं ० नं ० 170/1, 170/2, 172, ग्राम मालनवासा म स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,भोपाल

तारीख: 10-11-1983

भोहर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 'गरा 269-**घ (1) के अधीन मूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्भाक्षण) अर्जनरेज, भोपाल

भीपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निर्देश मं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4009—अत मझे. देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-मा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी स० भूमि मंठ नं० 170/1, 170/2, 172 है नथा जो ग्राम मालनवामा में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1998 क. 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पत्सह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आर्थ या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था 'या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिचित व्यक्तियों, अधित् :——

- श्रीमती नगरीबाई पत्नी ओकारलाल
- मुकेश कुमार पत्नी वसतीलाल निवासी—उज्जीम ।

(अन्तरक)

 क्षिप्राजनी गृह निर्माण सहकारी समिति उज्जीन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुंबाए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

भूमि सं० नं० 170/1, 170/2, 172, ग्राम मालनवामा में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, भोपाल

सारीख: 10-11-1983

प्ररूप बार्ड, टीं. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निर्देश संव आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4010—अतः मझ, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि मं० नंबर 170/1, 170/2, 172 है, तथा जो ग्राम मालनवामा में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1983

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उदत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः——
15—386GI/83

(1) 1. श्रीमती नगरीबाई पस्नी ओंकारलाल 2. राजेन्द्र कुमार पिता बसंतीलाल निवासी-उण्जैन.

(अन्तरक)

(2) क्षित्रांजली गृह निर्माण सहकारी समिनि उज्जैन.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिभिनयम् के अध्याय् 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।]

अमृस्ची

भूमि सं० नं० 170/1, 170/2, 172 ग्राम मालनवाम। में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोक्षा बिल्डिंग, चौथी मंजिल', टी० टी० नगर, भोपाल

सारीखा :--10-11-1983

प्ररूप. जाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4011—अमः मुझो, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि सं० नंबर 170/1, 170/2, 172 है, तथा जो ग्राम मालनवामा में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जीन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल, निस्निलिखित उब्बदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से मृतिधा के लिए।

मत. भभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्षिन व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) 1. श्रोमतो नगरीबाई पटनी ओकारलाल
 - 2 कुसुम कुमारी पिता पुरुषोत्तमलाल निकासी—उज्जैन

(अन्तरक)

(2) क्षिप्राजली गृह िमाण सहकारी समिति उज्जैन.

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए न कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काहे भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि सं० नंबर 170/1, 170/2, 172 ग्राम मालनवामा में स्थित है।

देवप्रिय पत्न सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मोपाल गंगोत्री विल्डिंग चौथी मंजिल, टी० टी० नगर भोपाल

नारीख ---10-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन्.एस,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 10 नवम्बर 1983

निर्देश संख्या आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4012---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि सं० नंबर 170, 170, 172 है, तथा जो ग्राम मालनवामा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो मे और पूर्ण रूप सर्वाणन है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वारित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

जतः जन, उक्त जिभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ह— (1) 1. श्रीमती नगरीबाई पत्नी ओंक।रलाल 2. मीना कुमारी पिता पुरुषोत्तनलाल निवासी—उज्जैन

(अन्तरक)

(2) क्षित्रांजली गृह निर्माण सहकारी समिति उज्जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वीक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्ति।

स्पाककीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, शही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृजुर्जी

. भूमि सं० नंबर 170, 170, 172 ग्राम मालनगामा, में स्थित **है**।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिस, टी० टी० नगर, भोपास

तारीख:---10-11-1983. मोहर द प्ररूप बाई ुटी, एन, एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 10 नवम्बर 1983

निर्वेश संख्या आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 4014--अत. मुक्ते, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि नं० 1229, 1230, 1231, 1235, 1236, 1237, 1242 है, तथा जो ग्राम अनन्त-पुर नहसील हुजूर जिला रीवा में स्थित हुँ (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हुँ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रीवा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई हैं, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दश्यान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्सिचित उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्नित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाम की नामत उक्त अधि-निक्स के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे नमने में तुनिभा के सिए; नीर/या
- (च) ऐसी किसी आयु मा किसी भन या अन्य आस्तिमों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्री रामगोपाल सिंह 2. श्री रामविश्राम सिंह 3. श्री रामप्रसन्त सिंह 4. श्री रामप्रकाश सिंह, आत्मज श्री हीरामणि सिंह, निवासी बरा तहसील हुजूर जिला रोवा (म०९४०)

(अन्सरक)

(2) अनन्तपुर गृह निर्माण सहकारी समिति मयोदित, अनन्तपुर तहसील हुजूर जिला रीवा (म० प्र०) माध्यम से श्री बी० पी० दुबे, अध्यक्ष (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भीरक अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकत किसी प्रम्य व्यक्ति दारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितें हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नं० 1229, 1230, 1231, 1235, 1237 एवं 1242 है, तथा जो ग्राम अनन्तपुर तहमील हुजूर जिला रोवा में स्थित है।

> वेवप्रिय मन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोषाल

नारीख :--- 10-- 11-- 1983

प्रकल काई, टी. एन., एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नित्रीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भौपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सो ०/अर्जन/भोपाल/4015—अत: मझे. देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि नं० 1229, 1230. 1231. 1235, 1236, 1237, 1242 है, तथा जो ग्राम अनन्तपुर तहसील हुजूर जिला रीवा में स्थित हैं (और इसमे प्रपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सर्वाणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रीवा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिष्त बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आपूर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री राजरूप सिंह, आस्मज श्री मारकण्डेव सिंह, निवासी बरा तहसील हजूरजिलारीवा (म०प्र०)

(अन्तरक)

(2) अनन्त गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादिस अनम्तपुर तहमील हुजूर जिला रोवा द्वारा अध्यक्ष श्री बी० पी० वृबे, निवासी अनन्तपुर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सै 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

भूमि नं ० 1229, 1230, 1231, 1235, 1236, 1237 एवं 1242 है तथा जो ग्राम अनन्तपुर तहसील हुजुर जिला रीवा में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोन्नो बिल्डिंग, घौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल.

तारी**ख:---**10-11-1983

प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)। अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 नवम्बर 1983

निर्देश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4016---अतः म्से, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें शिक्से परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 1229, 1230, 1231, 1235 1236, 1237, एव 1242 है, ध्या जो ग्राम अनन्तपुर, तहसील हुजूर, जिला रोवा में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोवा मे, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को साक्तिक रूप से कथिस नहीं किया ग्या है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत, उमत अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के तिए;

जतः क्रज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) श्री भगवानबीन सिंह, आत्मज श्री मारकण्डेव सिंह, निवासी बरा, तहसील हुजूर, जिला रीवा (म० प्र०)

(अन्सरक)

(2) अनन्तपुर गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यावित, अनन्तपुर तहसील हुजूर जिला रीवा (म० प्र०) हारा अध्यक्ष श्री बी० पी० दुबे, निवासी अनन्तपुर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नं० 1229, 1230, 1231, 1235, 1236, 1237, एवं 1242 हैं, तथा जो ग्राम अनन्तपुर तहसील हजूर जिला रीवा में स्थित हैं।

> वेवप्रिय मन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोरी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल.

तारीख :--10-11-1983. मोहर 5 rea F

प्रकृप कार्ष. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन मुचना

भारत संरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अजन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश संख्या आई० ०० सो०/अर्जन/भोपाल/4017---अतः मुझे, देवप्रिय पन्न,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नंबर 69 है, तथा जो देवाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म स्विधा के लिए;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, भें, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी संस्था देवास, ज्ञारा अध्यक्ष भीख् भाई मंछाराम सालंकी देवास (म० प्र०)

(अम्तरक)

(2) श्री प्रकाण वामोदर जोणी, ईदगाह मार्ग देवास (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींकत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंग।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

मन्सूची

प्ताट नम्बर 69 देशाम स्थित।

देविष्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल गगोन्नो बिल्डिंग, जौथी मजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख :--- 11-11-1983 मोहर :--- प्रश्प आहूर. टी. एन. एस ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की। धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोगाल, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश म० आई० ए० मी०/ अर्जन/भोपाल /4018---

अस मुझे, देवप्रिय पन्न

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

श्रीर जिनकी स० प्लाट नम्बर 71 है, तथा जो देवास में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरितं की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पेवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (आक) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अत नव उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(ा) सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी संस्था, वैधास द्वारा अध्यक्ष श्री भीखू माई, मछाराम सौलकी देवास (म० प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र दामोदर जोशी, ईदगाह रोड, देवाम (म॰ प्र॰)

(अन्यरिती)

को यह सुभाना जारी. करके पुर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति एवादा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 71 देवाम में स्थित है।

वेवप्रिय पन्त ॄैमक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गगोब्री बिल्डिंग चौथीमजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख -- 11-11-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4019— अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विद्रशस करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या प्लाट नम्बर 70 है, तथा जो देवास में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रोक्तरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिताने मो संविधा के लिए;

(1) सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी संस्था, देवास द्वारा अध्यक्ष श्री भीखूभाई मंछाराम सोलंकी देवास (म० प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार पुत्न श्री दामोदर जोशी, निवासी देवास (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में ाकश्चन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्यस्वन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर गम्पत्ति में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए ज सकेगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट ऋमांक 70 देवास स्थित ।

देवप्रिय पन्स 'सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगौत्री बिडिल्डा, चौर्या मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख:- 11-11-83 मोहर:- प्रस्प काइ^र, टर्न, एन, ए**स**.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी० अर्जन/भोपाल/4020---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

ण्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या प्लाट कमांक 113, देवास स्थित है, तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वर स्थितियों, कर्षांत् :— (1) सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी (सस्था देवास अध्यक्ष श्री भीखूभाई मंछाराम मोलंकी देवास के द्वारा।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र पुत्र गांकर लाल महाजन 140, एम० जी ० रोड देवास (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिश की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिश की जविध, यो भी जविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी बन्ध स्थावस इवाध अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लाष्ट नम्बर 113 जो कि देवास स्थित है।

देवाप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोर्झ। बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी०टी० नगर, भोपाल

तारी**क :-** 11-11-1983 **मोहर** : प्रकार कार्य । द्वी । प्रकार प्रकार -----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के मधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

. अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जन /भोपाल/4021----स्रतः मझे देवप्रिय पन्त

बायकर .अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्ने इसमें इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ को अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान्र सम्मति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25,000/- रूप से अधिक हैं

मौर जिसकी सं ० प्लाट कमांक 114 है, तथा जो वेवास में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेवास में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन मार्च 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के इत्यमान वित्तक के लिए जन्तरित की गई है जार मृक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्या, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुवं किसी बाय की वायत, उपक जिथिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे व्यने में सविवा के निष्; अरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्दा अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

(1) सर्वोदय गृह निर्माण सहकारो संस्था देवास द्वारा अध्यक्ष भीखुभाई मच्छाराम सोलंकी देवास (म० प्र०)

(अन्सरक)

(2) श्रीमती नीलिमा महाजन पत्नी श्री अशोक कुमार महाजन निवासो 140, महात्मा गांधी मार्ग देवास (म० प्र०)

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के व्यक्तियों में से कि ती अयिक्त बुवारा;
- (ण) इस मुणना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स में 45 दिन के भीतर उयत स्थावर सम्पत्ति में हित-भव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्या करणः —— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ अक्त विभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्लाट कमांक 114 देवास में स्थित है।

देवप्रिय परा सक्षम अधिकारो सहायक आयकर आयक्त (निर्देक्षण) . अर्जन रेज, भोपाल गंगोन्नी बिल्डिंग, चौथी मजिल, टी० टी० नगर, भोपाल,

मैंति: बंधे, उनते अधिनियम कौ भारी 269-ग की अनुसरण में, में उनते अधिनियम की भारी 269-म की उपधारी (1) को अभीन निम्नुनिधित स्पृक्तियों, अवस्ति :---

नारीखा .— 11—11—83

मोहर

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा · 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर 1983 निर्देश सं० आई ए० सः०/अर्जन/मोपाल/4022--अत: मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया ही), को धारा 269 ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उणित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लाट नं० 115 है, तथा जो देवास में स्थित हैं (और इसमें उपाबह अनुसूर्या में और पूर्ण स्था से विगा है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यात्य, देवास में, रिजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम 1908 (1908 ना 16) के अधीन, मार्व, 1983

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथल नहां किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सृविधा के लिए;

- (1) सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी सस्था देवास, द्वारां अध्यक्ष भीखूभाई मंछाराम सोलंकी, देवास (म०प्र०)। (अन्तरक)
- (2) श्रोमती कुसुम पत्नी राजेन्द्र कुमार महाजन 140 पम० जो० रोड देवास (म० प्र०)। (अन्तरिर्त

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पिट्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी सन्य स्थावर त्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट कमांक 115 देवास स्थित।

देवप्रिय पन्न सक्षम ग्रिधिकारी निर्राक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोषाल) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथो मंजिल, टो० टा० नगर, भोषाल

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिसित स्योक्तियों अर्थात् ः—

तारीख :---11-11-1983

मोहर:--

प्ररूप आहाँ. टी. एत. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-च (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश स० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4023—अतः मुझे, देशीय पत्त

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लाट नं० 79 है, सथा जो देवास में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रकर्ता अधिकारों के कार्णालय, देवास में, राजस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरिक्तियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी अस्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सर्वोदय गृह निर्माण सहशारी संस्था, देवास पारा अध्यक्ष भाखूभाई मंछाराम सोलंकी, देवास (म० प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्री तरुण पम० परीख 163, जावरा कम्पाउड, दुन्दौर (म० प्र०) (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना क राजपत्र मं प्रकाशन की शारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 79 देवास स्थित।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी गहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख :--14-11-1983

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. - - --

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश म० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4024--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 78 है, तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रम्नरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुन्द किसी नाय की नावत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कभी करने या उत्तसे नचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सूनिधा को सिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ६—

- (1) सर्वोदय गृह निर्माण महरु।रा। संस्था देवास द्वारा अध्यक्ष भीखूभाई मंछाराम सोलको, देवास । (अन्तरक)
- (2) श्रोमती माधुरो एन० परंख 63 जावरा कम्पाउण्ड इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारक पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

ध्लाट कमान 78, देवास स्थित ।

वेवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेज, भोगाल गेगोली विल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर भोषाल

नारीखा: 14-11-1983

प्ररूप बाइ, टी. एन. एस.-----

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोप।ल

भोपाल, दिनांक 15 नथम्बर 1983

निदेश सं० आई०ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4025—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रह. स आधक है धौर जिसकी सं प्लाट है, तथा को देवास में स्थित है (धौर इससे जपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्णक्प में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983, को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जिसत बाजार मृल्य से कम के द्वर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का जिसत बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतस्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकत उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिकत में कास्तिक रूप से किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की वावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए।

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी संस्था देवास द्वारा अध्यक्ष श्री भीखूभाई मन्छाराम सोलंकी , निवासी—-बालगड़, देवास (म० प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्री के० एस० परीख, निवासी—जालगढ़, देवास (म० प्र०) । (अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

नम्सूची

प्लाट देवास में स्थित है।

देवप्रियं पन्त सक्षम अधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोसी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर भोपाल ।

दिनांक : 15-1-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्तं (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक : 15 नवम्बर, 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4026—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25.000/- रु में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 6 है, तथा जो देवास में स्थित हैं (श्रीर इसमें जपाबड़ अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिफन्न के लिए अंतरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाना गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—— (1) सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी संस्था, देवास अध्यक्ष श्री भीखूभाई मन्छाराम सोलकी, देवास (म० प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीप कुमार आत्मज श्री जगदीशचन्द्र परीख, निवासी—देवास (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकत्यों में से किसी स्थिकत द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उद्गत स्थायर सम्पत्ति में हिनयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 6, ^{प्र}देवास स्थित ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जेन रेज, भोपात गगोद्री बिल्डिंग, चौथी मजिल, टी० टी० नरग, भोपाल

दिनांक : 15-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनाक 10 नवम्बर, 1983

निदेश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3953—अत मुझे, दबप्रिय पत्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क्रों अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० मकान नम्बर 8/1290 का एक भाग (तल मजिल) है, तथर जो दही मर्डा लक्कर, खालिएर में स्थित है (धार इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णम्प म विणत है), रिजम्हीकर्ना अधिकारी के वर्धालय, खालियर में, रिजम्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 2-4-1983, को पूर्वोक्त सपृत्ति के उधित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (कं) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में मिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निन्धित व्यक्तियों, उर्धात् :--17--386GI/83

- (1) श्रीमती विमला कुमारी पत्नी श्री हरीराम निवासी—न्यथमीबाई कालोनी, लक्कर, ग्वालियर । (अन्तरक)
- (2) श्री भागचन्द पिता तेजूमल जान शर न्द्रन्ता निवासी—साधोगज, लम्कर, ग्वालियर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति सुवारः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाधनी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी यथा परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा, जा उस अध्याय मी दिया गया ही।

मनुस्धी

मकान नम्बर 8/1290 कप एक माग, दहीं मण्डी, लण्कर, खालियर में स्थित हैं ।

दर्याप्रय पन्त सत्तम प्राधिकारी विरोधी सहायक आग्रकर अप्युक्त अजन रेज, भोगाल गगाली बिल्डिंग, चोथी मजिल, टी० टी० नगर, भोगाल

दिनाक . 10-11-1983

मांहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्गन क्षेत्र, भोपाल

भाषाल, दिनाक 15 नवम्बर 1983

निदेश स० आई० ए० मी०/अर्जन/भोवाल/3971—अत मुझे, देवप्रिच पन्त,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि है, तथा जो कोरबा में सिणत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यलय, कोरबा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अप्रैल, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य में उक्त अंतरण निषित में बाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मं हुई किर्ता आय की बाबत, उत्ता अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री पौराराम आत्मज श्री छुट्टूलाल,
 2. भूरीबाई बन्ना श्री छुट्टूलाल,
 3. मौतीलाल आत्मज श्री छुट्टूलाल निर्जन
 - मानालाल अत्मित्र श्री छट्टूलाल निर्जन निदासी—-गाइर कोरबा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० मी० झ्यामुदल, आत्मज श्री पी० जे० चाको, निनामी—कोरवा ।

ु(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

नकत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45. दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट्छ-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान विस्तिन में किए जा सकेंगे।

स्पध्दोकरण .---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतसर्घी

भूमि-ह० सम्बर 21, खमरा नम्बर 119/2, 3/1 जी० कारबा मे स्थित है ।

दंबप्रिच पत्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनाभ : 15-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3972—अत. मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट नम्बर 119/2. 3/1 है, तथा जो कोरवा जिला विलासपुर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणात है), रिजल्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्जालय, कोरबा में, रिजल्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अप्रैल, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरका) और अंतरिती (अतिरितिया) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित म वास्तिकर हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री पोरा राम पिता फुट्लाल
 - 2. श्रीमती मुरीबाई पत्नी फुट्लाल
 - 3. श्री मोतीलाल
 - 4 वागाराम पिता निरंजन निवासी—-ग्रंगम कोरवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वी० वर्गिस पिता एम० जे० वर्गिस कार्यालय—बैक आफ इण्डिया. कोरबा मेन रोड़, कोरबा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यचाहिया करता हु।

उक्त सम्पित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र से प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर समाति में हितबद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्यारा अ गहरूताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण — सममे प्रयक्त शब्दों और पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट, भूमि ख० नं० 149/2, 3/1 पी० एच० नम्बर 21, कोरबा जिला बिलासपुर में स्थित हैं ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, गंगोत्री बिडिंग, चौथी मजिल, टी०टी० नगर, भोपाल

र्दिनाक : 7-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983 निदेश सं० ए० पी० नं० 4859—यतः मृझे, जे० एस० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रॉर जिसकी स० जैसा कि जन्सूची में लिखा है) तथा जो फगवाडा में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रॉर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपरित का उचित आजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधों को लिए।

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :--- (1) श्री विनोद कृमार पुत्र अनोखा राम फगवाडा मुख्त्यारे आम श्री फतेपाल सिंह पुत्र सुरिन्द्र सिंह वासी—-हदीयाबाद, फगवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पिशोरी लाल पुत्र बरकत राम श्रीमती प्रिनम प्यारी पन्नी पिशोरी लाल, प्रशोत्तम दास पुत्र पिशोरी लाल अनुराधा पुत्री प्रशोत्तम दास वासी—लोहा मण्डी, फगवाडा ।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अग्रिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर गंपित्स में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2882, दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्घर

दिनांक : 11-11-1983

मोहर 🥲

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनाक 11 नवम्बर 1983 निदेण मं० ए० पी० नं० 4860——यन: सृझे०,•जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिख्य है) जो तलवण्डी माबो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सलवण्डी साबो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण्से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अत⁻, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्भात :--- (1) श्री अमर सिंह, जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र अवन सिंह वासी---नलवण्डी साबो ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलबीर चन्द, भोलाचन्द मुपुत बन्त राम बिन्दर सिंह, नायब सिंह सुपुत्र दनारसी दास पता—दन्त राम पुत्र सरजन दास पीछे डी०ए०वी० कालिज भटिटा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके दारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अर्थात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी व से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रुम्पस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनस्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3099 दिमांक मार्च 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नलवण्डी साक्षो ने लिखा है।

जे० एस० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जाल धर

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप आहाँ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज जानन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 तथरबर 1983

निदेश स० ए० पी० न० ४८६१—-अन मुप्ते जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

द्यार जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जलवण्डी साबों में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबद अनुसूवी में और पूर्णतप स विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलवण्डी साबों में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अधीत, दिनाक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरित्यों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अभग मिह पुत बचन मिह वासी---नलवण्डी माबो

(अन्तरक)

(2) श्री रोणन लाटा, राष्ट्रमन दास मुपुत्र बन्त राम, मासू चन्द, लाट् चन्द सुपुत्र बनारसी दान पतः—बन्त राम पुत्र सुरजन दास पीछे डा० ए० बी० कालिज चन्दसर बस्ती भटिया ।

(अन्तरिनी)

(3) जैसा कि ऋपर न० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पन्ति से रिच रखना है (वह व्यक्ति, जिनके बारे से अधोहम्हाक्षरी जानना है कि वह सम्पन्ति से हिनका है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जून के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना क. राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 3123 दिनाक साच, 83 ता र्राजस्ट्रीकर्ना अधिकारी तलवार्या साथों ने लिखा है जे० एल०गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक अधिकर अधिकर अधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालस्प्रह

दिनाक 11-11-8 र भोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983 निदेश स० ए० पी० न० 4862——यनः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी संव जैसाकि अनुभूची में लिखा है) तथा जो तलवण्डी साबों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीयर्ता आधकारी के कार्यालय नलवण्डी साबों में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों अने जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

बतः गब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के दम्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अधीत् १(1) श्री मुरजीत रिह पृत्र बचन सिंह बामी—न्तलवर्णी साबो

(अन्तरक)

(2) श्री भोलाचन्द्र, बलबीर चन्द्र मुपुत्र बन्धराम बिन्द्र सिह्, नायत्र सिह मुपुत्र बनारमी दास पता बन्तराम पृत्र श्री मुरजन दास पीछे डी० ए० वी० कर्गलज चन्द्रसर बस्ती, भडिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति हिच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पन्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख न० 3213 दिनांक मार्च, 1983 को रिजम्ट्रीकर्नी अधिकारी तलवण्डी साबो लिखा है।

> जे० एत० गिरधर रक्षम अधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-83

गिरधर,

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत् सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश मंं ०/ए० पीर० नं० 4863—यतः मुझे, जे० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुः से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवण्डी साबों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवण्डी माबों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक माच, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल में, एके स्रयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उपत अंतरण लिखित में बास्तिक स्प में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा कें लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री जीत सिंह पुत्र बचन सिंह, तलवण्डी सोबो

(अन्तरक)

(2) श्री बिन्दर सिह नायब सिह सुपुत्र बनारमी दास; भोला चन्द, बलबीर घन्द सुपुत्र बन्त राम प्रा—बन्त राम पुत्र सुरजन दास पीछे द्वा० ए० दी० कालिज धन्दसार बस्ती भटिण्डा ।

(अन्तर्रिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति समीपत्त में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समात्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 3252 दिनांक मार्च, 83की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवण्डी सावो ने लिखा है।

> ने० एत० गिण्धर सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रींज, जालन्धर

दिनाक : 11-11-1983

प्रकप् भाइ . टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 नवम्बर 1983 निर्देश न०/ए० पी० न० 4864 और 4865—यत मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिमकी मि जैमा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो गाव जोधपुर बगगा अलीआम फल्लारा में स्थित है (और इससे उपाबछ अनुसूची में और पूर्ण म्हण से बिणित है) रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवण्डी। साबों में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, अप्रैल 1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ब्ल्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिधिनियम के बभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए, और/या.
- (क) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती चुवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च कि उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्थिक्तमों, अर्थात :→ 18—386G1/83

(1) श्री जगन नाथ पुत्र कर्ना मल गाव जीवपुर वग्गा अलीआम तहि० फल्लाग नगलन्दी। सप्तो ।

(अन्तरकः)

(2) श्री दिदार सिंह नेत्र हज्या सिंह गाव जोधपुर वग्गा उर्फ फल्लाया तहि० तलवण्डी राबो ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्वान्ति संपित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु:।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अभ्याय में दिया गया।

अन्स्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि घिलेख नं ० 3100 और 165 दिताक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवण्डी सायो मे लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर मक्षम अधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

दिनाक 11-11-1983 सोक्षर

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस. ------

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेण सं० /ए० पी० नं० 4866—यन मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जोधपुर बगगा अलीयाम फल्लार में स्थित है. (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलवण्डी साबों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जुन, 1983

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक हैं (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किमी बाय या किसी धन या अन्य आम्तियों जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसम्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिक्षित व्यक्तियों, अर्थास :--- (1) श्री जगन नाथ पुत्र करना मल गांव-जोधपुर वश्गा अलीयास फल्लारा तहसील नलवण्डी साबी।

(अन्तरफ)

(2) श्री दीदार सिंह पुत्र हजूरा सिंह श्रीमती जनपाल कौर पत्नी दीदार सिंह बासी-गाव जोधपुर बग्गा अलीयास फल्लार तहसील-तलवण्डी साबो ।

(अन्तरिसी)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति मे रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जन्ता। है कि वह सम्पत्तिमे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) ध्रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पच्चीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसुची

मम्पति तथा ध्यक्ति जैसा कि धिलेख नं ० 1217 दिनांक जून. 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवण्डी साम्रों ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

मांहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर दिनाक 11 नवम्बर 1983

निदश स० /ए० पी० न० ४८६७—यत मुझे, ज० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

ग्राँर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो मार तहसील तलवण्डी साबा में स्थित है (ग्रौर इसस उपाबंड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप म वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवण्डी साबों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक माच, 1983

कैं। पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल को पद्धह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबंक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों ,अर्थात :--

- (1) श्री जगीर सिंह पुत्र बिशन सिंह वासी—मारू खुर्द तहमील तलवण्डी साबा। (अन्तरक)
- (2) श्री अमर नाथ, मंगराज सुपुत्र श्री वंद प्रकाश वासी—मारू मण्डी तहसील तलवण्डी साबो। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर स० 2 मे है (बह व्यक्ति, जिसके अधि भाग में मर्स्पत्त है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति मे किच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारी सा 45 विन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पर्योक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अस स 45 दिन के भीतर उन्तत स्थावर सपत्नि मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण.—-इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय म दिया गया है।

अपुत्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 3179 दिनाक मार्च, 1983 वा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवण्डी साबा न लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनाक 11-11-1983 माहर प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 नवम्बर 1983

निदेण सं०/ए० पी० न० 4868—यत. मुझे, जै० एल० गिरवर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विरवस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रांग जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो रामपुरा फूल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983

को पूर्वांक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के दर्गमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उधित बाजार यूल्य, इसके दर्गमान प्रतिफल से, एसे दर्गमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आघता, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गुरदयाल मिह पुत्र बसावा सिह वासी—-रामपुरा फूल

(अन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह पुन्न बचन सिहं वासी---रामपुरा फृल ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर स० 2 मे हैं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पन्ति में रिच रखता है र् (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन क निए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसा-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 4104 दिनाक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्रक्ष भाइ . टी. एन. एस. - - - ----

नायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 नवम्बर 1983 निदेश स०/ए० पी० न० 1869—स्यत मुझे, जै० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा स अधिक है

श्रीर जिसकी म० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा फूल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्णम्य संविध्य है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक माच, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए।

ज्ञतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मो., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री काका सिंह पुत्र काहन सिंह वासी—रामपुरा फ्ल

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री अणोक कुमार पुत सतपान
 - 2 सतपाल पुत्र जारा सिंह
 - उ अमीरचन्द
 - 🗜 फर्फारचन्द
 - 5 अमृत लाल
 - लखपत राथे,
 - 7 जगात राये, सदा लाल, युपुत्र महण चन्द मारफत मसर्म अमरचन्द लखपत राये क्लाथ मरचेट रामपुरा फुल ।

(अन्तरिन्।)

- (3) जैसा कि ऊपर न० ८ में हैं (वह व्यक्ति, जिसके अधि- भाग में सम्पत्ति है)
- (4) जा व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

का यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यप्राहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अभिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उधन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्भी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 4286 दिनाक मार्च, 1983 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपुरा फूल में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, जालन्बर

दिनाक 11-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्धालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश स०/ए० पी० नं० 4870—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा फूल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरा फूल में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अभने यें सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुरिधा के लिए:

ज्ञतः अय, उक्त अधितियम, की धारा 269-घ को अनुभरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) श्री जाय सिंह श्रीर सीन सिंह वासी-गिल कलां

(अन्तरक)

- (2) श्री मेजर सिंह पुत्र भगत सिंह वासी-गिल कला तहसील रामपुरा फूल (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर त्या क्तर्यों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की धारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य स्थावत व्वारा सभाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 4306 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपुरा फूल ने लिखा है। जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

नामकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जासन्धर जासन्धर, दिनांक 11 नवम्बर, 1983 निदेश मं०/ए० पी० नं० 4871—यन, मझे, जे० एस० गिरधर.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मरू 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव त्गवाली जिला भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबड़ अनसूची में श्रौर पूर्णम्प में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नथाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्थ में कामी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्प्रियान में स्विथा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसन स्यक्तियों, अधीन :-- (1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र जंग सिंह मुज्यारे आम बलो श्री गंजन सिंह पुत्र जैसले सिंह गोत्र—तुगबाली जिला—श्रिटण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह, गृरजंद सिंह सृपुत्र अर्जन सिंह, नैव सिंह, वलविन्य सिंह सृपुत्र जरनैल सिंह गांव--तूगवाली, जिला-भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अर्धि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो र्व्याक्त सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अश्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवह है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की जबिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुत्त्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1838 दिनोक्त मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है। जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी

सक्षम आधकारा सहायक आयकर (आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक 11-11-1983 मोहर: प्ररूप बाईं, टी एन एस -----

याप कर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश मं०/ए० पी० नं० 4872—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इममें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिज-स्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्यति के उचित बाजार सूस्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुमे यह विश्वास करनें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिश्वित उदेश्य से उन्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिश्वित उदेश्य से उन्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिश्वित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे मृथिया के तिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या कियी घन या भ्रम्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठितयम, या घन-कर भ्रिष्ठितयम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री जुगराज सिह पुत्र ठाकर सिह चन्दसर पस्ती, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

- ्(2) 1 श्री हरप्रीत सिंह पूर्व हरमीत सिंह
 - 2. शकुतला देवी पत्नी हरीचन्द
 - 3. मल मिह पुत्र फतेह मिह
 - 4. राजकुमार पुत्र कर्मचन्द
 - 5. श्रोम प्रकाश पुत्र श्री राम
 - 6. श्रीमती प्रकाणदेवी पत्नी रामजी दास
 - 7. विजय कुमार पुत्र अमर ताथ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (म) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाणित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्वा

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 7010 दिनांक मार्चे. 1983 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा । जे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर, 1983 निदेश स०/ए० पी० नं० 4873—यनः मुझे, जे० एल० ारधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है:

श्रीर जिमकी मं० जैमा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीय इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्णस्य में वर्णात है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूबिया के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीतः——

(1) श्री बलदेव सिंह पुत्र जीर सिंह मुलतानिया रोष्ठ, भटिण्डा ।

(अन्यरक)

(2) श्रीमती लाजबन्ती पत्नी नेज राम, श्री मनमोहन सिंह पुत्र राम सिंह, मुख्त्यार सिंह पुत्र भगा सिंह गाय—पक्का कला भटिण्टा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , को भी अगिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेष्ठस्ताक्षरी के पास निम्बित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7102, दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप नाहैं. टी. एन. एस. -----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनाक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4874--- यतः मुझें, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (भौर इससे उपाबड़ अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थममान प्रतिफल से एसे स्थममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री गुरमेल सिह पुत्र जगीर सिह भुलतानिया रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती अवतार कौर पत्नी हरवेब सिंह
 - 2. इन्द्रपाल सिंह पुत्र शंकर देव सिंह
 - क्रुपाल कौर पत्नी र्शकर देव सिंह
 - 4 श्री गुरदेव सिंह पुत्र हरनाम सिंह
 - 5 जामियत सिंह पुत्र कर्म सिंह पता—बलदेव सिंह चाहाल, पुराना बस अडडा मेहता चौक रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ननुतुची

सम्पत्ति तथा ू्रें व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7015 दिनोक मार्च, 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्थर

विनोक : 11-11-1983

प्ररूप आइ. टी. एत. एस. -----

आयकर अभिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक : 11 नवम्बर, 19

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4875—यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से कीथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की वाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे वजने में बृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी नाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए।

बतः जन उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के बेम्बरण को, मी, उक्त विधिनियमं की पास् 269-ण की उपवास् (1) को विधनि निम्नतिवित व्यक्तियों, वर्षातः— (1) श्री गुरबचन सिंह चोटीय लम्बरदार मुलतानिया रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री भ्रंगरेज सिंह, जगीर सिंह, सुरजीत सिंह सुपुत्र गुरदेव सिंह, श्री मलकीत सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह गांव—फूस मण्डी, तहि० भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिस के अधि-भोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस बूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्थळांकारण :—इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

नम्स्यो

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7176 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 11 -11-1983

प्ररूप आई टी एन एस -----

योग्यार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ममीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 नवम्वर, 1983

निदेश र्सं \circ/\overline{v} े पी० र्नं \circ 4877—यत मुझे, जी० एल \circ गिरध τ ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी र्सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (स्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पान्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त रत्यक के अधार कर दे के अव्यय गढ़ाविस्त में में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं स्विधा के लिए।

भतः ग्रज्ञ, उना भित्रितियम को जारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उनत भित्रियम को भारा 269-घ की उपधारा (1 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री र्श्रगरेज सिह पुत्र कपूर सिह वासी---हजूरा कपूरा बसती नजदीक रोज गार्डन, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरबन्स सिह पुत्र भाग सिह गाव-पटी तिहि० तरनतारन । 2 तिजन्द्र सिह पुत्र मेहत सिह गाव-पटी तिहि० तरनतारन 3 जसवीर कौर पत्नी प्रमिन्द्र सिह, गाव-तीयाबाली , तिहि० मुक्तसर बलदेव सिह पुत्र जोगिन्द्र सिह गाव-सारेबान, तिह० मुक्तसर ।

(अन्तरिती

- (3) जैसा कि ऊपर स॰ 2 मे है (वह व्यक्ष्ति, जिसके अधि-भोग मे सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

सम्पत्ति । या व्यक्ति जैगा कि विलेख न० 7197, दिनाक मर्न्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्ड। मे लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक 11-11-1983 मोहर

प्ररूपु आर्थः दी. एन . एस . - - - ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 नवम्बर, 1983

निवेश मः /ए० पी० न० 4878—यत मुझे, जे० एल० शिरधर,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीत, जिसका उचित नाजार मूस्य 25.,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो मबसा रोड भटिण्डा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में विणित है), रिजर्स्ट्रीकतों अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिंखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्नविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, भिम्नलिवित व्यक्तियों, अधित :-- (1) श्रीमती चन्द कौर विधवा बिशन सिंह नजदीक रोशनलाल आयल मिल्ज, मानसा रीड भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलबन्त सिह पुत्र अजमेर सिह गाय-चोकर तहसील मुक्तसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर स० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति मे रूचि ग्खता हैं (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्थन कं लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के पास विखित में किए जा सकी

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 7209 दिनाक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

विनाक : 11-11-1983

मोइर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाद्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक : 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं०/एँ० पी० नं० 4879—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो मानसा रोड, भटिण्डा में स्थित है (भीर इससे उपाबब अनुसूची में भीर पूर्ण स्प में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूर्यमान प्रतिफल सं, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत बिधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

बतः वयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के बन्सरण भें. में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती चन्त्र कौर विश्ववा विश्वन सिंह नजदीक रोशन लाल आयल मिल्ज मानसा रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजन्स सिंह पुत्र अजमेर सिंह गांव---चोकार तहसील-मुक्तसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि अपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में उसम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के सिएं कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन की विविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियाँ यो भी वर्षाच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्प्रति में हिन्बद किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सक्ति।

स्यष्टिकिश्ण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया हैं।

वन्त्र्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि त्रिलेख नं० 7210 दिनांक मार्च, 198 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिणीं ने लिखा।

> जें० एस० गिरघर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालकार

विनोक : 11-11-1983

मोहर ः

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-------आयकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निवेश सं०/ए० पी० नं० 4880---यत मुझें, जें० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है) तथा जो मानसा रोड, मटिण्डा में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोंक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिदं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती चन्द कौर विधवा विशन सिह नजदीक रोशन लाल आयल मिल्ज मानसा रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजमेर सिंह पुत्र सुच्ना सिंह गांव--चोकार तहसील मुक्तसर।

(अन्तरिसी)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवों का, औं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्जी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7211 विनोक मार्च, 1983 का रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी (महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

मोहर 😗

प्रकथ बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक : 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4881—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- द० से प्रक्षिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा रोड, भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिक्ष लिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाब की दावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ल) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सूबिधा के खिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री मति। चन्द कौर विधवा विश्वन सिप्त नजदीक रोशन लाल आयल मियज मोनसा रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलवन्त सिंह पुत्न अजमेर सिंह गांव-चोकार तहसील मुक्तसर ।

(अन्तरिती)

च्चे मेह तुचना चारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकासन की तारीय है 45 जिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7215 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

मोहरः

प्ररूप आहू . टी एन . एस . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 11 नवम्बर, 1983 निर्देश सं०/ए० पी० नं० 4882—यतः मुक्षे, जे० एल**०** रधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983.

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और भूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वेद्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की भावत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उसस अपन में सृविधा को सिए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीर किमानिकार व्यक्तियों., अधित् :--- 2—386G1/83

(1) श्री संता सिंह पुत्र अमर सिंह गांव-गिल पटी जिला भटिण्डा।

(अन्तरक)

- (2) श्री कृष्ण कांत डीकसर पुत्र नरजन सिंह,
 - 2. श्रीमती सुनीता गोयल पत्नी नोराता राम
 - 3 रवि गोयल पुत्र श्रोम प्रकाश
 - 4 श्रीमती सरवजीत कौर पत्नी तरलोक सिंह
 - 5. सतनाम सिंह
 - 6. जदविन्द्रा सिंह सुपुत्र रूप सिंह

का जवानका तिह सुपुत्र रूप तिह वासी—भटिण्डा मारकत सब-रजिस्ट्रार भटिण्डा । (अस्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राजप्य में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की जबािन या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 विन की जबिभ, जो भी व्यक्तियाँ में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्यापा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

नगुसूची

सम्मिल तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 7224 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं $\circ/$ ए० पी० नं० 4883—यतः मुझे, जैं० एल० गिरधर,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसवें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी म० जैमा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निम्नलिशित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिवक स्प से किया गया है "---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 17) या उक्त अभिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्निधित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्रीमती सबिन्द्र कौर विधवा हरमोहिन्द्र सिह वासी माकन न० 1083 मोहल्ला न्याज महल, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 मे है (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वृह बृज्ना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित से वृद्यंत्र से क्षिक कार्यवाहियों करता हुं।

डक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिश्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वापः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित,में किए जा सकेंगे।

लाकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति नथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7262 दिनाक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक ; 11-11-1983

मोहर 🕫

प्ररूप नाइ", टी. एन. एस.-----

वायंकरं विभिनियस, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

निदेश स०/ए० पी० नं० 4884—यतः मुझे, जे० एल० निरक्षर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1983

- की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफंस के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्रत अन्तरण लिखित से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन कहर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; बौर/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सूनिधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमती सुदेश कुमारी त पत्नी राज कुमार मारफत सब-रजिस्ट्रार, भटिण्डा

(अन्तरक)

(2) श्री वरिन्द्र कुमार पुत्र प्रकाश चन्द वकील, सिविल कोर्ट, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 7323, दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी भटिण्डा में निखा है ।

> जे० एन० गिरधर मक्षम अधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालक्ष्यर

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4885---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित साजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्ति जिस्ती व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुदेश कुमारी परनी राजकुमार मारफत सब-रजिस्ट्रार, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल पुत्र बनारसी दास भारफत प्रकाशचन्द वकील, सिविल कोर्ट, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर स॰ 2 मे है (बह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग मे सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रूघि रखना है (बह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति, जैमा कि विलेख न० 7324 दिनाक मार्च 1983 को रजिस्टीकर्ता अधिकारी भटिण्डा मे लिखता है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

विनाक . 11~1'-1983 मोहर ध प्रस्थ बाइ. टा. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 नवम्बर, 1983 निदेश सं ϕ/σ ० पी० न० 4886—याँ. भुक्के, जे० पुल गिरधर,

कायकर जिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वाभ करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य; उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनयम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और अ
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में., में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों • अर्थात् :— (1) श्रीमती बलबीर कीर पत्नी अजमेर सिह ढिल्लो मुख्त्यारेआम आफ हरसन गुरचरण सिह पता—अजमेर सिह ढिल्लो एडवोकेट, मिविल कार्ट भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती महिन्द्र कौर पत्नी गुलजारा सिह वासी—गली सामने कृष्ण काटन फैक्ट्री, बीबी वाला रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (बह ब्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में रूचि रग्नता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सर्पास्त के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उसत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवीध या नत्यवदी व्यक्तियों पर सूचना की नामील स 30 दिन की अविधि, जो भी सर्विध नाद में ममाप्त शानी हों, को भीनर पूर्वोक्त व्यक्ता में स्वीक के स्वीध नाद में स्वीक के स्वीक के स्वीध नाद में स्वीक के स्वीक के
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं पर्यं होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया स्या है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 7325 दिनाक भार्च, 1983 को रजिस्द्रीकर्ता जिधकारी भटिण्ड**ए** ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनाक : 11-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीत स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 नवम्बर, 1983 निदेश स०/ए० पी० न० 4887—यत मुझे, जे० एल० रिधर.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी स॰ जैसा कि अनुसूची म लिखा है) तथा जो मानसा रोड, भटिण्डा मे स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक क्षेप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की वाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वसूने में सुविधा के के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री अजमेर सिंह ढिल्ली एडवोकेट, सिविल कोर्ट, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(4) श्री गण्डा सिंह पुत्र गण्जन सिंह गाव-मण्डी कला तहसील कूल

(अन्तारती)

- (3) जैसा कि ऊपर स० 2 मे है (बह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति है रूचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना कारी करके पृथाँक्त सम्मरित के अर्थन् के निए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपृत्ति के बुर्वन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृथ्विकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्दों का, को अवस्य विधिनवम् के वश्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं वर्ध होगा वो उस वश्याय में विधा गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख न० 7326 विनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक अथिकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज जालन्धर

दिनाक : 11-11-1983

मोहर

प्ररूप काइं. टी. एन. एस.----

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत् बुदकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

आलन्धर, दिनांक 11 नवम्बर, 1983 निदेश सं०|ए० पी० नं० 4888——यतः मुझे, जें० एल० ग्रेन्सर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो मानसा रीड़ भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पिति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के शिवित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी वन या वन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अविनियम या धनकर अविनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवीकनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा वा या विया जाना चाहिए वा कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्तिसिख व्यक्तियों, सर्थात् :---

- (1) श्रीमती वरिन्द्र कौर डिल्लो पुत्री अजमेर सिंह डिल्लो एडवोकेट सिविल कोर्टस भटिण्डा ।
- (2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी गुरनाम सिंह (अन्तरक)

गांव---मोही तहसील श्रौर जिला लुधियाना । (अन्तरिती)

- (3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि उपर नं 2 है (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री/श्रीमित/कुमारी जो व्यक्ति सम्पति में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

का यह स्वना बारी क्रुवी पूर्वीक्त स्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रभूकत मान्यौ और पर्यो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7333 दिनांक मार्च, 1983 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 11-11-1983

मीहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयक्तर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक : 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4889—~यत: मुझे, ओ० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो गिल पट्टी भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रित्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री प्रताप सिंह नरपंच ग्राम पचायत गांव-गिल पट्टी जिला भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू मिंह पुत्र निहल सिंह गांव—गिल पट्टी तहसील भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु⁺।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7360 दिनांक ंमार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक : 11 नवम्बर, 1983

निदेश मं०/ए० पी० नं० 4890—यतः मुझे, जं० एल० गिरधर

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो गिल पट्टी भटिण्डा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोभत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास अगरने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :——
21—386GI/83

(1) श्री प्रताप सिंह सरपंच, ग्राम पंचायत गाव-गिल पट्टी जिला भटिण्डा ।

(अन्तरक)

- (2) श्री मेजर सिंह पुत्र चन्द्र सिंह गांव गिल पट्टी जिला भटिण्डा (अन्तरिनी)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखना है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय के विया गया है।

अनुसुची

सम्पिक्ति तथा व्यक्ति जैस कि विलेख नं० 7361 दिनांक मार्च, 1933 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जै० ंग्लं० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्रकृष आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर, 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4891—यत. मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा गिल पट्टी, भटिण्डा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गह है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंग्री किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निलिसित व्यिक्तियों, अर्थातः :--

- (1) श्री प्रताप सिंह, सरपंच, ग्राम पचायत गांच--गिल पट्टी जिला-भटिडा । (अन्तरक)
- (2) श्री मुख्य्यार सिंह पुत्र चन्द सिंह गांच---गिल पट्टी जिला--मटिण्डा । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग मे सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना को राजपण में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील को 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7362 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज. जालन्धर

दिनांक : 21-11-1983

प्ररूप आइं.टो.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की; धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 नवम्बर, 1983

निदेश स०/ए० पी० न० 4892--यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर कम्पीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको स० जैना कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो गित पट्टी भटिण्डा में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वणित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

का प्योक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अनिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

(1) श्रो प्रताप सिंह, सरपंच, ग्राम पंचायत गांव---गिन पट्टो, जिला-- भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री णियदेव सिह पुत्र जंगीर सिंह, गांव—गिल पट्टी जिला—भटिण्डा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जितके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, धों भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारी ख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7363, दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : : 11--11--83

मोइर :

प्ररूप आहूरं . टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4893--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इस के पश्चातु 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है)। की धारा 269-ख के प्रधीन सेक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल चिम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिवक कर न कि दृश्ही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क निग्; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्र्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सावधा के लिए;
- जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्रीमती कृष्णा पुत्री सुरज भान मारफत कृष्णा झाल विद्यालय, सामने कोर्ट, भटिण्डा (अन्तरक)
- (2) श्रोमती बनबीर कौर सिन्धू पत्नी निरमे सिंह गांव-वजूयाना तहसील नथाना ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके के वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-- - -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पदू सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, क्री भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिद्धा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पर्दों का, जो उ... सिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7369 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश स०/ए० पी० नं० 4894—यतः मुझे, जो० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के ध्रष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो मानसा रोड भटिण्डा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वा कत सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वे कित संपर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योचय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्यू से कथित नहीं किया गया है :—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन्या अन्य आस्तियों को, जिम्ही आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :--- सोहर:

(1) श्री पुष्पिंद्र सिंह पुत्र अजमेर सिंह ढिल्लो एडवोकेट, मिविल कोर्टन, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

- (2) श्री आत्मा सिंह पुत्र हजूर सिंह वासी---मण्डी कलां तहसील कूल । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति जितके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति, में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा वत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोए :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैपा कि बिलेख नं० 7372 विनांक मार्च, 1983 को र्राजस्ट्रोफर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> ज० एन० गिरधर, मझम प्राधिकारी (महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अजन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •-

आयकर अंधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269÷व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4895---यतः मुझे, जे० एल०, गिरधर

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क. से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा रोड, भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति च उचित बाजार पूरा से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निर्प्रतिकारी को गई है प्रीर नुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवासुकोंका समानि का उचित बाजार मूल्य, उनक दृश्यमान प्रतिकत न ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रीर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुररण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रोमती बलबीर कौर पत्नी अजमेर सिंह ढिल्लो एडवोकेट, सिविल कोर्टस भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री गंडा सिंह पुत्र सज्जन सिंह गांव—-मण्डी कला तहसील कूल ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है) वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किस्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7373, दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्रकम बाइ .टी. एन. एस. -----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालम्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4897---यनः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/-क. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानस रोड, भटिण्डा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रामान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की जायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें बचने में मृविधा के निए; और/या
- (स) एंसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घरिहण, था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री अजमेर सिंह ढिल्लो एडवोकेट, सिविल कोर्टस भटिण्डा।

(अन्तरक)

- (2) श्रो रमेण कुमार पुत्र चरणदास एस० डी० ओ० (सिविल) फरीदकोट । (अन्नरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 7375 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मझन प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11--11 1983

मोष्ठर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निवेश सं० /ए० पी० नं० 4896--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उवित बाजार म्ह्य 25,000/-का से मिधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा रोड, जालन्धर में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के सिय अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्र ह प्रतिशत से प्रतिक है धीर प्रस्तरक (ध्रस्तरकों) धीर ध्रस्तरिती (ध्रश्तरितयों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रस्तरण मिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया संविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमतो बनबीर कौर पत्नी अजमेर सिंह एडवोकेट सिविल कोर्टस, भटिण्डा मुख्त्यारे आम उसका अपना पुत्र गुरचरण सिंह

(अन्तरक)

(4) श्री रमेश कुमार पुत्र चरण दास एस० डी० ओ० (सिविल) फरीदकोट

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संप्यास्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किस् ी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्तीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समानि गया व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7374, दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक 11-11-1982

मोहर् 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4898--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा रोड, भटिण्डा में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दर् प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचन में मृविधा के लिए, और/या
- (३) एना किल गाप या हिसः धन या प्रत्य आस्तियों का, जिल्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विद्या है जिए:

(1) श्री अजमेर सिंह ढिल्लो वकील, सिविल कोर्टस, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री लाभ सिंह पुत्र जागर सिंह रामपुरा फूल।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवा क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त-स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 7380, दिनांक पार्च, 1983 को रिनिस्ट्रोकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> ज० एतः गिरधर संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्रकृप बाइ .टी .एन . एस . -----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवस्थर, 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4899—यत: मुझे, छे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा रोड, भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्स सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्नलिसित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरभ ते हुई फिसी बाव कर्ष्ट्र थावत, उचत विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कभी करने या उत्तस्त देवने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी अजमेर सिंह विलो बकील सिविल कोर्ट, मुख्त्यारेशाम आफ पुत गुरचरन सिंह

(अन्तरक)

- (2) श्रीहरजस सिंहपुत्र आस्मासिंह गांव मण्डी कला तहि० रामपुराफूल । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 मे है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति से रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवढ़ है)

को ग्रह स्थान आरी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति में वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर संपत्ति में हित- बक्भ किसी अन्य ब्यक्ति क्यारा, अभोज्ञस्ताक्षरी के पास किकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जसाकि विशेष नं० 7381, दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जानन्धर

विनोक : 11-11 1983

प्ररूप आहें, टी. एन. एस., -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं०/ए० पी० न० 4900---यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक मार्च, 1983

को पूर्वित सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वित संपर्तित का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:----

- '(क)' अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलीखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अशोक कुमार पुत्र हरी राम भटिण्डा पता -एस० आर० मटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री सुदेश जिन्दल पत्नी डा० अशोक जिन्दल पता-जिन्दल मशीनरी स्टोर, मानसा 2. राज कुमारी पत्नी मोहिन्द्र मोहन, 3. मोहिन्द्र मोहन पुत्र भगवन्त राम पता--मोहिन्द्र मैडीकल हाल धुरी रोड, संगरूर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिश के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुजुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 1 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

मोहर 🏻

प्रकप्त, नाइं, टी., एन., एस., -----

मायकर मिश्रीनयम,, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निर्ीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4903, 4904 श्रीर 4905— यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं जैसा किअनुमूची में लिखा है) तथा जो गिल पट्टी, भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिशांक मार्च, 1983

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के ब्रुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को सिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति अधिनतयों, अर्थात् क्ष्--- (1) श्री प्रताप सिंह सरपंच ग्राम पंचायत गिल पट्टी जिला-भटिण्डा

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू सिंह पुत्र निहाल सिंह गिल पट्टी, जिली-भटिण्डा।

(अम्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसवद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के रांबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 4, 5 धौर 6; दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 11-11-1983

प्रकप बाइ टी. एन. एस. ~~~~

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणः) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983 निदेश स० /ए० पी० न० 4901—-यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जा गिल पट्टी, भटिण्डा में स्थित है (भ्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शित का उधित बाजार मूल्य, उस के दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अध्यक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रति-फल, निस्तिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक्ष रूप से किथित नहीं किया गया है :----

- (क) जल्तरण घेहुइर किसी बाय की बावता, अवस्त जिथिनियम के जुत्रीम कर येने के अल्द्रक के वास्तिय में कभी करने या अवसे वचने में सुविधा में लिए; जोर्-या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थलना चाहिए था ज्याने में सुविधा के सिए;

अतः अत्र उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिख्त व्यक्तियों, मुर्थात्ः— (1) श्री प्रताप सिंह , सरपंच ग्राम पंचायत पट्टी गिल जिला-भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू सिंह पुत्र निहाल सिंह गांव-गिल पट्टी जिला-भटिण्डा ।

(अन्सरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में हैं (बह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्विकः, सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सबतु सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्षित्भः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रयोक्ता, जो उक्क जिम्मियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित् ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

भन्सुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2 दिनांक मार्च 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15-11-1983

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4902—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गिल पट्टी, भटिण्डा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाव की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए औड़/या
- (क) ऐसी किसी लाग या जिंकसी धन वा लन्म लास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर लिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत लिधिनयम, या धनकर लिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ लन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अव, उन्त अधिनियम की भाष 269-य के अनुसरण मो, भी, उन्त अधिनियम की भाष 269-थ की उपधारा (1) को अधीम, निम्नसिखित व्यक्तियों, जर्थात उ— (1) श्री प्रताप सिंह सरपंच, ग्राम पंचायत गिल पट्टी जिला-भटिण्डा ।

(अन्तरम)

(2) श्री सुखदेव सिंह पुत्र जंगीर सिंह गांव-गिल पट्टी जिला-भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभ्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबझ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3 दिनांक मार्चे, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जें० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज: जालन्मर

दिनांक : 11-11-1983

मोहर 🛭

प्रकप काइ . दी., एन , एस . - - - ----

नायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की आय 269-न (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 11 नवम्थर 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० ४९०६—यतः मुझे, जे० एल०, गरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा रोड, मटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) कुमारी वरिन्दर कौर पुत्री अजमेर सिंह ढिल्लों एडबोकेट, सिविल कोर्टस, भटिण्डा । (अन्तरक)
- (2) श्री गिम्द्र सिंह पुत्र आगर सिंह रामपुरा फूल

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अव्धिया तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेकित स्थितियों में से किसी स्थित व्यास्त;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 37, दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4907—-यतः मुझे, जै० एल० गिरघर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्या 25.000/रूप से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा रोड, भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापृशोंक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है किया स्राप्त के स्थान के स्थान की स्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी अजमेर सिंह ढिल्लों एडवोकेट, सिविल कोर्टम, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री गंगा सिह पुत्र अजमेर सिंह कोटली तहसील तलवण्डी साबी

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रूचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यार;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 38 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिण्डा ने लिखा।

जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश नं० /एँ० पी० नं० ४५०८ — यत: मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का किरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो .जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यान्य जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरित्यां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ग्विधा के लिए;

(1) डा० मदन मोहन पुत्र बनवन्त राय वासी न्यू कोर्टस रोड जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नाथ जोशी पुत्र सालिंग राम और चन्द्र रानी पत्नी प्रेम नाथ वासी भोगपुर जिला जालन्धर

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए अन सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

वन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्तिजमािक विलेख नं० 8335 दिनौंक मार्च 83 को रिजस्ट्रीमर्ता अधिकारी जालच्धर ने लिखा।

> जे० एल० गियधर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

23 -- 386GI/83

नारीख : 9-11-1983

प्ररूप मादी. टी. एन. एस.------

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मंभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश नं० / ए ० पी० नं० 4909 --- यसः मुझे जे० एस० गिरधर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन स्थाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के दृश्यमाल प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विक्वास करने का कारण है कि यभाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से वृधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल कि नम्नलिखित उव्योच्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक स्वयं से कारित की कारित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुर्द किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक कै वायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधाय (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधितः—

(1) डा० मदन मोहन पुत्र बलवन्स राय और नीलम रानी पस्नी डा० मदन मोहन स्यू कार्टस रोड जानन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री जितन्दर नाथ ब्राहमिन्द्र नाथ निरन्द्र नाथ मोहिन्द्र नाथ सुपुत्र प्रेम नाथ वासी भोग पुर जिला जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए , कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किये स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र विषय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 8368 दिनोक मार्च 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धरः

तारी**ख** : 11-11-1983

प्रकृप नाईं.टी.एम.एत.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 11 नवम्बर 83

निर्देण नं० /ए० पी० नं० 4910 -- यतः मुझे जे० एल० गिरधर

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 296 का को अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

स्रोर जित्रको सं जैसा कि धनुसूची में है तथा जो जालन्धर्दुमें लिखा स्थित है (और इत्रसे उपायन्न अनुसूची में और पूर्ण रुप न विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन विनांक मार्च 1983

्को पृषां कत संपत्ति के उचित बाजार मृज्य सं कम के दृश्यमान र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवास अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और रिती (अंतरितिया) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियंत्र, अधिवधीन कर बोने के जन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-केर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना वाहिए था, क्रियाने के स्विधा के लिए;

बतः सन, अक्त नीधनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में ,में उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

- (1) श्री हरभजन सिंह पुत्र स्व० श्री दीवान सिंह 439 रैनक बाजार जालन्धर और श्री० जसलोक सिंह 476 ओ० एन० जी० सी० फर्लेंट गुलण्ड बाम्ब और पारी कौर पुत्र स्व०, दीवान सिंह और पत्नी सन्त सिंह शापेकीपर, बाम्बे लाहोरी गेट अमृतस लीगल हास्टल भो दीवान सिंह उत्तराधिकारी
- (2) श्री लक्षापत राम पुत्र ज्याला दास, 381 लाजपत नगर, जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वान के ट्राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 विन की अव्धि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ष किसी बन्म व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकारी की पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्त किपिनयम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कुर्य होगा, जो उस कथ्याय में विमा वृद्या है।

नन्स्भी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 8373 विनांक मार्च 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर को लिखा।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 11-11-1983

बरूप आई.टी एन.एस ------

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 नवम्बर 1983

निर्देश न० /ए० पी० न० 4911—यन मुझे जे० एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिस्की स० जैसा कि स्रनुसूची में लिखा है सथा जा जालन्धर रामगुरा फून में स्थित हैं (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामगुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मार्च 1983

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्बलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मास्टर बाबू सिह पुत्र जीत सिह वासी रामपुरा फूल

(अन्तरक)

(1) श्री देय राज पुत्र दिवान चन्द वासी मकान न० 6i-24/34, माल गोदाम रोड, रामपुरा फूल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी गाओप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिस की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उस्ते अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया ही।

अमलची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि त्रिलेख नं ० 4086 दिनाक मार्च 1983 को राजस्ट्रोक्ति अधिकारो रामपुरा फूल ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) / अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक . 11-11-1983

प्रकथ आहे. दी. एन. एश्व.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश नं० /ए० पी० न० 4912---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर .

कायकर निर्मित्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात 'उक्त निर्मित्समें कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25.000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० है तथा जो रामपुरा कुल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय रामपुरा कूल में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक मार्च, 1983

को पूर्विक्ष संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्च प्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी अाय की बाबता, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के यायित्व में कमी करने या उससे अचने से सुविधा के निए; और/बा
- (च) ऐसी किसी नाय वा किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम कीधारा 269-ग की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मास्टर बाबू सिंह पुत्र जीत सिंह वासी रापुरा कूल।

(अन्तरक)

(2) श्री भूषण कुमार पुत्र दीवान चन्छ वासी मकान न० 24/34, माल गोदाम रोड, रामपुराकूल। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृषांकित सपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपरित के वर्जन के संबंध मा कांड़ भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर प्रांकत स्यक्तियों में में किसी स्यक्ति दुवारा,
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास . स्विक्त में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित ही, वहि कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया इति।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं 21 विनांक मार्च 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपुराकूल ने लिखा है।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा : 11-·11-83

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालव, सहायक नामकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 अक्तूबर 1983

निर्देश नं० /ए० पी० नं० 4836--यतः मुझे, जे० एन० गिरधर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० है तथा जो बूट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनाक मार्च 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के धीक ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंपत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

- (1) श्री हरप्रताप सिंह गिल्ल पुत्र प्रताप सिंह जनरल अटोरनी ऑफ जोगिन्द्र सिंह जसबीर सिंह अमनदीप सिंह वासी 168/4, सेन्ट्रल टाऊन, जालन्धर (अन्तरक)
- (2) शानो नाना पत्नो सतिन्द्र कुमार वुबलीण वासी 185- लाजपत नगर, जालन्धर

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पक्तीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्तवी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8458 दिनांक मार्च 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,जालन्धर

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारी**ख** 28-10-83 मोहुरु अ प्रकृप काइ. टी. एत. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 अक्तबर 1983

निवेश नं०/ए० पी० नं० 4837—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 25,000/- रठ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो बस्तीयेख जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) र जिल्ड्रोसर्ना अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक मार्च 1983

करें पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिकल से, एसे एरयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिम्मिन्यस के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा क लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, खिपाने में मृविधा के सिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्

(1) श्री मलिकयत सिंह पुत्र इन्द्रजीत सिंह घासी बस्ती शेख जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री गुरमीत सिंह रतन सिंह, श्रीर सरवन सिंह स्पुत्र करनैल सिंह बासी पद्धे बेट तहसील कपूर-थल

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कररता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि तिलेख नं० 8503 दिनाक मार्च 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख :-- 28-10-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन म्चना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक, 28 अक्तूबर 1983

निदेश नं० /ए० पी० नं० 4838—यतः मुझें जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो बस्ती शिख जालन्धर में स्थित हैं। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित पातार मृल्य., उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की पायस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसने अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिशा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-त के अनुसरण जै, जै उक्त अधिनियम की भारा 259-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र गुज्जार सिंह खुद मुखितयार ग्रर्जन सिंह, करपार सिंह, ग्रजीत सिंह मूचा सिंह वासी बस्ती शेख जालन्धर ।

(अन्तरक)

- (2) (1) हरवन्त सिंह पुत्र हजारा सिंह वासी 5767—सी चडीगढ़
 - (2) पुणिष्य सिंह पुत्र करतार सिंह वासी इन्कलैंव—III, गली कणमीरियन पंजपीर जालन्धर।

- (3) सरोज कुमारी पत्नी सुरिन्द्र कुमाग मकान नं० 763 टागवाली गली माडल हाउस जा०
- (4) मुदेश रानी कलमी पत्नी कुलदीप राय 120, रेलवे कालोनी जागाधरी।
- (5) जसविन्द्र कौर पत्नी परमजीत सिंह 57, लाजपन राय नगर, जालन्धर
- (6) कुलबीर कौर पत्नी गुरवीप सिंह मुलनान पुर लोधी
- (7) अमर कौर पत्नी जरनैल सिंह सामने स्टोर बैक कालोनी माडल हाऊस, जालन्धर
- (8) जोगिन्द्र पाल पुद्ध शंकर दास अस्पती शेखा, जालन्धर
- (9) इन्द्र जीत सिंह पुत्र राम सिंह 2--यू, माङल हाऊस, जालन्धर
- (10) प्रगट सिंह पुद्र गोपाल सिंह 3/4 बनाक-ए, माइल हाऊस, जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बवाध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मनुस्ची

सम्पति तथा व्यक्तिक जैसा कि विलेख न० 8507 विनांक मार्च 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 28-10-1983

प्ररूप आइं.टी.एन.एस -----

नायकर मिपिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थान

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

जालन्धर, विनोक 7 नवम्बर, 1983

निदेश नं०/ए०पी०नं० 4844—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जेतू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, बिनोक मार्च 1983,

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिक का निम्नलिचित उद्वेष्य से स्वत अन्तरण सिचित में वास्तिवक स्प म कि भित्त नहीं किया ग्या इंट्रेड=

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उत्तर्स क्वनं में सुविधा के जिए; बॉर/था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुस्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १०——
24—386GI/83

(1) श्री अपनन राम पुत्र बन्सी राम वासी पृष्टी कमरा जेतु।

(अन्तरक)

- (2) श्री सुरजीत सिंह पुन्न हजारा सिंह वासी रेयवाला-कलां (जेतू)
 - (2) बूटा सिंह पुंच्न कर्म सिंह वासी गांव गुरूसर (जेतू)
 - (3) प्रेम नाथ पुत्र मांगे राम वासी गांव जेसू (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि यां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्विध्यों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: --- इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्वो का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1628 विनांक मार्चे 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी जेंतू ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,जालन्धर

नारीख: 7-11-83

मोहर 🛭

त्ररूप बाद् . टी. एत. एस., -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक, 7 नवम्बर 1983

निर्देश नं०/ए० पी० नं० 4845—यतः मुझे, जे० एल० शिरधर

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो जेतू में स्थित है (और इससे उवाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप में वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जेतू में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियस 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च. 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिक्क कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण ते हुई किसी भाग की वावस, संबंध अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उत्तरहे वच्ने में सुविधा के जिए; और/वा
- (ब) एसो किसी आय ज्ञा किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाडा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िखनार्न में सविधा के लिए,

मतः अब उक्त विधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की रपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:→ (1) श्रीमती निहाल कौर विद्यवा हरनाम सिंह वासी पट्टी काडो जेतू श्रौर सर्व श्री० स्वर्ण गिह जसकरण सिंह सपुद्र हरनाम सिंह वासी पट्टी काडो, जेत्र

(अन्तरक)

(2) श्री जंग मिह पुत्र जसकरण मिह वासी पट्टी काडो, जेतू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषामित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन को अनिभ, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां हो
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर जनत स्थायर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, बही अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया भ गया है।

मनस्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1584 विनांक मार्च 83 को र्राअस्ट्रीकर्ता अधिकारी जेतू ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जा*तन*धर

विनांक . 7-11 1983

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निर्वेश नं० /ए० पी० नं० 4846--यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं श्रनुसूची के अनुसार है तथा जो गुरुतेगबहादुर नगर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में आर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार-मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनिषम की भारा 269-ग के अमृतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधित् ह— (1) श्री दर्शन सिंह पुत्र दोदार सिंह मुख्तयार-खास बासो घंगाला, जालन्धर घराण सिंह पुत्र गुरमुख सिंह 29-गुरूनानक नगर जालन्धर असल मालिक उर्रामल सरोन पत्नी जी० आर० सरीन 147, लाजपत नगर, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री सतीम कुमार दस्ता पुन्न प्यारा लाल गांव तथा डाकखाना ज्येंडियाला, जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब. से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

मन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8575 दिनांक मार्च, 1983 को र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जासन्धर ने लिखा है

> जै० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्वर

तारीखा : 9-11-83

मोहर ः

प्रकृष पाइ. टी. एन. एस.-----

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजे, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निर्देश सं० /ए० पी० नं०/4847—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है अनुसूची के अनुसार तथा जो बस्ती शेख जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1983

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान अस्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) श्री जगदीण नारायण पुत्र गुरवीत्ता मल मुख्तयार आफ हरोदियाल सिंह पुत्र बेला सिंह वासी बस्ती नई, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री प्राणनाथ गुता पुत्र बिहारीलाल वासी 90 स्यू अक्षहर नगर, जालन्धर

(अर्त्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनु सूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 7911 दिनोक मार्च 1983 को रॉजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 9-11-83

प्रकप बाइं. टो. एत. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 9 नवम्बर 1983

निर्वेष सं० /ए० पी० नं० 4848—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच। में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदियों से उक्त अंतरण लिखत मे बास्तियक रूप से किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान मा स्विद्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन,

(1) किशान गोपाल पुत्र बदरी नाथ वासी चक हुसैना, जासन्धर

(अस्तरक)

(2) श्री बलदेश राज पुत्र बंदरी नाथ वासी न्यू ज्वाहर नगर, जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8558 दिनौक मार्च 1983 को रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-11-83

प्ररूप आई. टी. एन एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-9 (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 9 नवम्बर 1983

निर्देश न० ऐ० पी० न०/4849—यत. •मुझे, जे० एल० गिरधर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी स॰ जैसाकि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो वस्ती शेख जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक, मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रो रमेश चन्द्र पुत्र टेकचन्द वासी बस्ती नई जालन्धर मुख्तयार ग्राफ हरदयाल सिंह (अन्तरक)
- (2) श्री विनोद महाजन पुत्र चमन लाल वासी जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य, व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 7812 दिनाक मार्च 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 9-11-83

मोहर 🛭

प्ररूप आहूरे. टी. एन. एस. -----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 4850—यसः मुझो, जे० एस० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्यः 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख, जालन्धर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री मनमोहन कालिया पुत्र अमीर चन्द मुख्तयार आफ हरिदयाल सिंह, पुत्र खेला सिंह वासी जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री ससार चन्द बडेरा पुष्त फतेह चन्द बडेरा बासी, जालन्क्षर

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

. सम्पति प्रथा व्यक्ति जैमाकि विलेख नं० 7881 दिनांक मार्च 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालम्धर

तारीख: 9-11-83

मोहर 🗓

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस्.,----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश नं०/ए०पी० नं० 4851—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं .
और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूर्वा में लिखा है) नथा जी गडा

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूर्च। में लिखा है) तथा जो गड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के जीच एस अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

न्यू फाइनेन्स एण्ड केडिट कारपोरेशन (प्रा०)
 लि०, जालन्धर द्वारा राम कुमार भारद्वाज।
 (अन्तरक)

 कृष्ण लाल पुन्न प्यारा लाल वासाः मकान नं० 75, ज्योति नगर एक्सटैक्शन. जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति इंतरा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

सम्यति तथा व्यक्ति जैसा हि जिलेख नं ० 8172 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी जानन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सन्नम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, जालन्धर

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धरा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख [:] 9—11—83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 9 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4852—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वासं करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसनो सख्या जैमा पि अनुसूची में लिखा है) जो बडाका म स्थित है (और इनसे उनाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय, जालन्ध्य में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनाक मार्च

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पभे यह िश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निगाः और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुचित्रा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिशाम की धारा 269-व की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री रामजीलाल ज्नेजा पुत्र दौलतराम वासी 99-विजय नगर, जालन्धर।

(अन्तर₹)

2. श्री जगमोहन सिंह पुत्र गजेन्दर सिंह वासी डब्ल्यू-०122, अली मोहल्ला, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अयिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची '

जनीन तथा व्यक्ति जैता कि विलेख न० 8041 दिनात मार्च. 1983 को रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जे० एक० गिरबर सत्रोम प्राधिकारी महायत्र आकर अ युक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज, अलस्टर

़ हारीख : 9-11-1983

भोहर :

25_386GI/83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 9 नवम्बर 1983

निर्वेश नं ० ए०पी ० नं ० 4.853—यदाः मुझे, जे ० एल ० गिरधर आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो रेक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणा है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए बंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे चचने में सृदिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व स्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विजया जाना चाहिए था, व्हिणाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री केदल ग्रन्ण पुत्र कुन्दन लाल वासी दयाल नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

 श्री अर्जीत सिह, दर्णन सिह सुपुत्र तारा सिह वासी बस्ती भरेखान, जीलन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहम्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित् है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसी ग्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यंक्ति जैसा कि विलेख नं० 8158 दिनांक मार्च 1983 को राजस्ट्रोकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

नारीख: 9-11-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश नं० ए० पो० नं० ४८५४--प्रयः मुझे, जे० एल० द्रांगरत्र,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

आंर जितको पद्मा जैसा कि अनुपूर्वा में लिखा है, तथा जो गांव रेरू में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुपूर्व में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जालन्वर में रिजस्ट्रोकरंग अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधोन, दिनांक मार्च, 1983

- ंको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री मेंहगा राम पुत्र मोहन लाल वासी गांव रेस तहमील, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री रतन चन्द पुति खीना राम और देव राज हंस राज पुत्र भगान राम, रसीला राम, भागीराम, सुपुत्र बेली राम वासी प्रीत नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अँर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्ष्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्मति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल 10 मरले जो गांव रेखं में स्थित है जैना कि विनेख नं० 8149 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो, जालन्बर में लिखा गथा है।

> जे० एल० **गिरधर** सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

ন্ন্ৰ: 9–11–83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. जालन्धर

जालन्बर, दिनांक 10 नवम्बर, 1983

निदेश नं ० ए० पे ० नं ० 1855— यतः मुझे, जे ० एल ० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसको संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो अमर गार्डन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिदारों के दार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रान्जरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16 के अधीन) दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त 'अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

 श्रो हरिकशित लाल पुत्र सत्तताम दास मुहितियार खास महेश चन्द्र मुहत्त्वार-ग्-अतम करम सिह पुत्र दलीप सिह वासी 66, सत नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रामती बनीना रान्। पत्नी महेश चन्द्र और मनोहर लाल पुत गंगा राम बामो 169/2 शहाद उधम सिंह, नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसूची

सम्मत्ति तथा व्यक्ति जमोन एरिया 2 कनाल जे अमर गार्डन जालन्धर में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 8082 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एत्न० गिरधर, सक्षम अधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

• अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

तारीखं: 1-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० पी० न० ४८५६——अतः मुझे, जे०एल० गिरधर,

कायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रह. से अधिक है

और जिसकी सं ० जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो जसवन्त नगर, जालन्वर में स्थित है (और धमसे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर भ रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायक,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिय व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्रो अशोक कुमार पुत श्री ओम प्रकाश, वासी घन्दन नगर, जालन्धरं।

(अन्तर्क)

(2) कुमारी प्रेम काता पुती
श्री राम प्रकाश नैय्यर,
और (पत्नी श्री बहादुर सिंह),
वासी I जसवन्त नगर,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकदूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त अन्यों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीत्रुं18 मरले 74 स्के० फोट जो जसवन्त नगर, जालन्धर में स्थित है जैसा विलेख नं० 2835 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना अधि— कारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (तिकक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

तारी**ण** : 9-11-1983

प्ररूप आई टी. एन. एस.- - -

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश मं० ए० पी० नं० 4857---अनः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैंमा कि प्रानुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए हय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण औ, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री कण्मीर सिंह पुत्र श्री मलूक सिंह, मुख्तयार खाम: श्री गुरजीत सिंह पुत्र श्री अमर जीत सिंह, गांव गुह्या गेरी, जिला जालन्धर, मुख्तयार ए आम श्रीमती बलजीत कौर पत्नी श्री प्रताप सिंह।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशील खरबन्दा पत्नी
श्री विजय खरबन्दा,
5-33, ई-इन्डस्ट्रीयल एरिया,
जालन्धर और
श्रीमती मुकशाम लता पुत्री
श्री हरी किणन डब्न्यू० एम०-103,
बस्ती गुंजा, जालन्धर और
श्रीमती जसवन्त कौर पुत्री श्री करतार सिंह,
वासी डब्ल्यू० जी० 111, ईस्लाम गज,
जालन्धर और श्रीमती विजय रानी पत्नी
श्री बलबीर कुमार, श्रीमती कमल जीत पत्नी

(अन्तरिर्ता)

का यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति कं अजन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हा।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 4 कनाल जो गाउँ किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख न० 7975 दिनाक मार्च, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है ।

> जें० एल० गिरधर सदाम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तार्राख: 9-11-1983

भोहर:

प्ररूप आर्इ. टी. एन एस. ------बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 10 नवम्बर 1983

निदेश स० ए० पी० न० 4858—-अत मुझे,जे०एल० जिल्हार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं अंगा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गुरु तेग बहादुर नगर, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पजीकृत को गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एरेंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थीत् ---

(1) श्री सन्तोष कृमार पुत श्री अमर नाथ, एस० सी०, दिलकुश मार्कीट, जालन्धर, मुख्तयार ऐ आम श्री तरलांचन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, गुड मण्डी, पटियाला ।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती नतीश कुमारी बेटी श्री हरनाम दास, वासी सरकुलर रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 मरले जो गुरु तेग बहादुर नगर, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख स० 8111 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर मे लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारी**ख**ं 10 83 मोहर प्ररूप आहा. टी. एन. एस. ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० ४९१३——अतः मुझे, जे०एल० गिरधर

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मृल्य 25,000/- रुपये ने प्रधिक हैं और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाव किनया वाली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तमर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983

को पूर्वेकित संस्पिति के उपित बाजार मृल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्यत अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनीर्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्यिंभा के लिए;

जतः, जब, उक्त जिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को जधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सन्तोष सिंह पुत्र श्री केहर सिंह. वासी गाव कनियां वाली. तहसील मुक्तसर।

(अन्तरक)

(2) श्री रणजीत सिंह पुत श्री मुखदेव सिंह, वासी गांव खानगड़ भीरत झुरा, तहसील सभाना, जिना पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बैन्ध में कांई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास (लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

नम्यति तथा व्यक्ति 114 कनात 3 मण्ले जो गांव कनियाबाली में स्थित है जैहा कि शिवेश्व मं० 3382 दिनांक मार्च, 1983 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जांवे चर में विज्ञा गया है ।

> जै॰ एत० गिरधर सनत प्राविकारी • सहायक आपकर आपुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जानन्बर

नारोब : 14-11-1983

प्रक्य वार्ड . दी . एव . एक . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-न (1) के अधीन स्पना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4914---अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का न″ कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृश्य 25.000 / रा. से बिधक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्दरण निगंबत में वास्तिबक कम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय कं यकर लिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर विधित्वम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्थ जन्दिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया थाना वाहिए वा, कियाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिलित व्यक्तियों अर्थात् :--

26 --- 386GI/83

(1) श्री गुरवियाल सिंह पुत्र श्री दिलीप सिंह मुख्तयार ऐ आम : श्री रजिन्द्र सिंह, वासी गांव ऊछा, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्द्र कुमारी बेटी श्री चौधरी आस्मा राम, वासी गांव ऊछा, तहसील जालग्धर।

(अम्तरिती)

- (3) और 1 यूनाइटेड इण्डस्ट्रीयल कार्पोरेशन ।
 - 2 मै० प्रियाएजेंसी।
 - 3. श्री यशेपाल मलहोता ।
 - बुरकेस फर्मकुटीक्लस आस आकुपेंट्स आफ बी आई० X-2/2492/ए-4, सहदेव मार्किट, जस्लन्धर ।

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशक की तारीन से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद मों सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 विन को भीतर उनत स्थानर सम्परित में हित-बब्ध जिसी जन्य स्थानत स्थान, जभोहस्ताक्षरी के पास शिचित में किए वा सकोंगे।

स्पक्कि रण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, जो उक्त निध-नियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं नर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया गया है।

जन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 7818 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्खर में लिखा गया है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्द्रार

तारीख : 14-11-1983

मोहर

प्रकल आई टी.एन.एस/-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

ं निदेश सं० ए० पी० नं० 4915/——अतः मुझो, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित याजार म्हण 25,000/- रह से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लाड़ी वाली रोड, जालन्धर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983 को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्वस्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वस्थमान प्रतिफल से एसे द्वस्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत विभक्त हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्था से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

नत[.] अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण जे. मैं. उक्त अधि⁶नयम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती सुरिन्द्र रानी द्वारा : श्री कुलविन्द्र सिंह अटोर्नी, वासी बाग करम बैन्स, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरिन्दर सिंह पुत्र श्री धानन सिंह, ल० कालोनी वासी सिविल लाइन्स, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्यियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के भर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव निवित में किए या सकोंगें।

स्यव्यक्तिरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनसर्पी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 8 मरले जो लाडो वाली रोड, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 8626 तारीख मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-11-1983

इक्स बार्च डॉ. एन: एव.---

भावकर वीभीनवन्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनाक 14 नवम्बर 1983

निवेश वं० ए० पी० नं० 4916—-अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्ब 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लाडो वाली रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मृस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्थ, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कार्यका कर से कार्यक नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विध-नियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बॉर/बा
- (थ) एवी किसी बाब या किसी थन वा बन्य शास्तियों कार्., जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विद्य:

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुरिन्द्र रानी द्वारा श्री कुलविन्दर सिंह, वासी बाग कर्म बैक्स, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलजीत सिंह पुत्र श्री चानन सिंह लि॰ कलोती, वासी सिनिल लाइन्स, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यावस व्याप्त
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिण हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अमुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 8 मरले जो लाडो वाली रोड. जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख सं० 8627 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 14-11-1983 मोहरु :

शक्य बाइं.डी. एन. एवं. ---=-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त किरीक्षण अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4917—अतः मुझे, जे० एल० निरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम आधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो इंग्डस्ट्रीयल एरिया में स्थित है

(और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वे क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके बहरमान प्रतिफल से, एसे बहरमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेच्य से उच्त अन्तरण सिचित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कसी करने या उससे यचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी शाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भग्रतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राज कुमार जैन, श्री खजान चन्व जैन 109, शहीद उधम सिंह नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार जैन पुत श्री ज्ञान चन्द, वासी 533, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह त्यता चारी करके प्वांक्ति सम्पत्ति के कर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन है सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विस की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्यों आरं पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति 1/2 फैक्टरी गं० ई०-34 (1608 स्के० यार्ड) जो इण्डस्ट्रीयल एरिया, जालन्धर में स्थित है। जैसा कि विलेख गं० 8029 तारीख मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-11-1983

माहर :

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4918—-अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैंसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पोत्त को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धृन मा अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री राम लाल श्री श्रोम दत्त श्रीर श्री ध्याम सुन्दर सुपुत श्री विद्या प्रकाश, वासी गाव मलिकयत, तहसील नकोदर अब वासी : बी० आई० 1282/आई० एफ०, होशियारपुर रोड़, जालन्धर ।

(असरक)

(1) श्री अणोक कुमार श्रीर श्री राकेश कुमार सुपुत्र श्री शिव लाल, वासी शिव आयल मिल्स, मण्डी रोड़, जालस्थर।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख स० 8633 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासम्धर

नारीख : 14-11-1983

मोहर 🛚

प्ररूप मार्डं .टी. एन . एस . -----

भागकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० पीं० नं० 4919—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची मैं लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विज्ञात है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) बंतरण से हुई किती बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्ने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नसिष्टित स्पिक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्रीमती ज्ञानवती पन्नी श्री विद्या प्रकास, वासी बी० आई 1282 आई० एफ०, होशियार पुर रोड़, जालम्बर।

(अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार श्रीर श्री जगदीश कुमार सुपुत श्री शिव लाल, पता—शिव आयल मिल्स, मण्डी रोड़, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसूची

सम्मत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 86311 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है ।

> जें० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-11-1983

माहरु 🖫

प्रकृप काई.टी.एन.एस.-----

मायक्तर श्रीविविवन; 1961 (1961 का 43) की आरी 269-थ (1) के श्रीवन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर, 1983

निदेण सं० ए० पी० न'० 4920—अतः मुझें, जे०एल० 'गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उर्वित वाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (श्रीर

इससे उपाब अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उच्च अंतरण लिचित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण संदूर्व किसी आम की वाब्त,, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के जन्तरक के दायित्व् में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

जतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती शानवती पत्नी श्री विद्या प्रकाश, वासी बी० आई० 1282/आई० एफ०, होशियारपुर रोड़, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार श्री राकेश कुमार सुपुत श्री शिव लाल, पता—शिव आयल मिल्स, मण्डी रोड़, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविभ, को भी जविभ काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृषारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, वशोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंने।

श्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवाँका, को उक्त कथि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियस भ्या है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 192 विनाक अप्रैल, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालम्बर

तारीख : 14-11-1983

मोहर 🖫

प्रस्थप आर्डा. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

मिदेश सं० ए० पी० नं० 4921--अतः मुझे, जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

धीर जिसकी सं० है तथा जो जालन्धर स्थित में है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजि-स्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण्से हुइ किसी बाय की वाबत उपत अधिनियम के अधीन कर वोते के अन्तरक के वरियल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; कॉर्ट/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों मैं।रतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राम लास, श्रीर . श्री शाम सुन्दर सुपृत श्री विद्या प्रकाण, वासी बी० आई० 1282/आई० एफ०, होणियार पुर रोड़, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार श्रौर श्री जगदीश कुमार सुपुत्र श्री शिव लाल, पता—शिव आयल मिल्स, मण्डी रोड़, जालम्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 193 विनांक अप्रैल, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-11-1983

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-थ (1) को अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश स० ए० पी० न० 4922--अनः मझे, जे० छल० गिरधर

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो गांव लाम्बी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लाम्बी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, लारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफता के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अकः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ----- 27---386GI/83

(1) श्री उत्तम सिंह पुत्र श्री रतन सिंह, वासी गाव लाम्बी तहसील मुक्तसर । (अन्तरक)

(2) श्री गुण्यचन सिंह पृव भाग सिंह. वासी गांव लाम्बी. मुक्तसर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की सारी **सं** 45 दिन की अविधि या तत्सं वंधी व्यक्तियाँ परु सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दवारा;
- (स्व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारां से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्रुष्ठ कि सी अन्य व्यक्ति त्वारा अनेहम्ताक्षरी के गास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो अरे पत्नो का, जो उत्कत अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अन्स्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1165 दिनांक मार्च, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लाम्बी ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्यर

नारीख : 14-11-1983

प्रकृष बाह्यं दो हु द्वृ एस्. :--:---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज् (1) के स्थीन सृच्ना

भारत ब्रकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर,दिनांक 14 नवन्बर 1983

निदेश सं० पी० नं० 4923—अतः मुझे, जै० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो गांव मिखवाला में स्थित (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लाम्बी में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है —

- (क) अस्तरण से शुरू किसी आय की वाबत, उसते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे जवने में सुविधा के शिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) दे नधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री णियं नारायण पुत श्री गंगला, गांव सिखं थाला, तहसील लाम्बी, मुक्तसर।

(अन्तरक)

(2) श्री साहिब राम,
श्री देवी लाल,
श्री पिरथवे राम सुनेत
श्री मुर्जा राम,
वासी गांव सिख वाला,
सब तहसील साम्बी,
तहसील मुक्तसर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से ≯ 45 विन को भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिखित में किए जा सकारी।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1206 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लाम्बी में लिखा है ।

> त्रे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 14-11-1983

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस. ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) में अभीन सुचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश स० ए० पी० नं० 4924—अतः मुझे, फो० एल०गिरधर

भायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं है तथा बस्ती नई, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बात में वास्तिक कम से किया गया है र—

- (वा) अन्तरण से हुइ किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री भूषिन्दर कुमार पुत्र श्री रामनान बासी 274, बस्ती गुंजा, जानन्धर स्पेशन अटानी श्री सुरिन्दर पाल पुत्र श्री मुंशीराम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता रानी माता श्री भूषिन्दर कुमार, बासी मकान नं० 274, बस्ती गुंजा, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोए भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पण्डोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 8095 विनांक मार्च, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> ं जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-11-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आपकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाभ 14 नवम्बर 1983

निदशस्य ए० पो० न० 1925—अन मुझॅ, जे० एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा मं अधिक है

और जिसकी में है तथा जो बस्ती शेख, जालन्धर में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख माच 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एस दश्यमान प्रतिफल का पहर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवनं में सुविधा के सिए, और/या
- (क्ष) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिषाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री मिलक्यित सिह पुक् श्री इन्द्र सिह, वासी बस्ती शेख, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री चरण जीत सिंह पुत्र श्री दियाल सिंह और श्री विरेन्द्र कुमार पुत्र श्री रोणन लाल, तासी एन० एन० 10, गोपाल नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिनी)

कार्यक्ष स्वना आरो करके पृत्रोंकत सपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस स्वन के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्म ज्यक्ति क्यारा अध्यक्ति के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पम्पत्ति तथा व्यक्ति नैमा कि विलेख स० 8410 दिनाक मार्च, 1983 को रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालम्धर

नारीख · 14-11-1983 मोहर :

प्रकप बाइ, टी. एस. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनाक 14 नवण्वर 1983

निदेश में ० ए० पी० नं० 4876---अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है .

और जिसकी मं है तथा जो जालन्धर मे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप से वर्णित है), रिजस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पुर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझं यह बिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नानस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बजराज चड्ढा पुत्र श्री नन्द लाल, ईण्को 53, फगवाड़ा गेट, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह सिंधू पुत्र श्री जगत सिंह और श्रीमती सुखिबन्दर कोर पनी मोहिन्दर सिंह और श्री अमर दीप सिंह , श्री गुरबीन्दर सिंह सुपुत्र श्री मोहिन्दर सिंह, वामी खोजेकीपुर, सलाला, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब प्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 8343 दिनांक मार्च, 1983 की राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मौं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख : 15~11~1983

माहर

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 15 नवम्बर 1983

निवेंग सं० ए० पी० न० 4926—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो गांव हिंदया बाद, फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थार् :---

(1) श्री विद्या वती विधवा स्व० श्री चन्दू लाल, वासी मदियाबाद, फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र जीत पुत्र श्री चुन्नी लाँल, वासी घटियाबाध, सहसील फ़गवाड़ा ।

(अन्तरि सी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 2883 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है ।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-11-1983

मोह्यर :

प्र**कथ् आह**ै. टी. एन. **एस**ु

जायकर जिम्मिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4927—अतः मुझो, जे० एल गिरधर

जायकर ज्भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मित्ता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से जिथक है

और जिसकी मं० है तथा जो ह्दियाबाद, फगवाड़ा में स्थित ई (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाडा मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात मे अधिक है और अंतरक (अंतरकों) अहर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिचित उक्वेष्य से उक्त जन्तरण मिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के स्थीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्श कर्दि/का
- (स) एेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्थिश के लिए;

(1) श्रीमती विद्यावती विश्ववा स्व० श्री चन्द्र लाल, वासी हिंदयाबाद, फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीचुकी लालपुत श्रीठाकुरदास, वासीहिष्याबाद, तहसीलफगवाड़ा।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्परित में नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध या तरसंबंधी अविनयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर जक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमा कि विलेख गं० 230 दिनांक मई, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी [सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—ः

तारीख: 15-11 :1983

मोहरु 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनांक 16 नवम्बर 1983

निदेश स० ए० पी० नं० 1929---अन मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो प्रेमगड मोहल्ला, होणियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होणियारपु में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख मार्च, 1983

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक म्ल्प से किथत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिगाने में सूरिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —

(1) श्रीमती काता रानी पत्नी श्री तिलक राज, वासी प्रेम गढ, मोहल्ला न्य् जगत पुरा, होणियारपुर

(अन्तरक)

(2) श्री हरजीत सिह पृत श्री हरी सिह, वासी मुनहरी चौक, होणियारपर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुन्।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में कि मी व्यक्ति द्वारा.
- (म) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपि में हिल्बय्ध किमी अन्य व्यक्ति देवारा अधोत्रस्नाक्षरी के पास निस्ति मो किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अनसची

मम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख मं० 5259 दिनांक मार्चे, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशियारपुर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेज, जालन्धर

तारीख : 16-11-1983

मोहर.

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर,दिनांक 16 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० पी० नं 4929—अत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्रेमगढ़, मोहल्ला, नया जगत पुरा है तथा जो होशियारपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विश्य के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में म्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियस की धारा 269-ग के अनुरण में, में, अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: रिम्स्लिमित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 28—386/83 (1) श्रीमती कांता रानी पत्नी श्री तिलक राज, वासी प्रेमगढ़ मोहल्ला. नया जगतपुरा, होणियारपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रिजन्द्र कौर पत्नी श्री हरजीत सिंह, वासी सुनेहरी रोड, होशियारपूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1753 दिनांक जुलाई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशियारपुर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-11-1983

प्रकप आइं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ছ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आय्क्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर 1983

निदेश सं० पी० ए० नं० ४९३०--अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रेमगढ़ मोहल्ला नया जगतपुरा, है तथा जो होशियारपुर में स्थित है (ग्राँर इससे जपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख अगस्त. 1983

को पृवंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसकं दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुवाँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधः के जिए; और/या
- (स) एसी किसी आय दा किसी पन दा प्रता अपिन्छां की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किस स्या था था या किया जाना चाहिए था छिपाने हो स्विशा के लिए;

थतः अब, उदन अधिनियमं की धारा 269- के अन्मरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269- च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमती कांता रानी पत्नी श्री तिलक राज, वासी प्रेमगढ़, नया जगतपुरा, होणियार पुर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजीत सिंह पुत श्री हरी सिंह, वासी जगतपुरा, होशियारपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाहियां करना हु।

उक्त संपरित के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वों कत न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पिन में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो गुक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2134, दिनांक अगस्त, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होणियारपुर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-11-1983

प्ररूप आहा, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आरकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 16 नवम्बर, 1983

निदेश स० ए० पी० न० 4931—-अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर राम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रा. स जायक ह और जिमकी स० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो वकअरनी वाला, तहसील फाजिलका में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में बांजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलालाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्तीत दा उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्वेदमों से उक्त अन्तरण लिखत रे वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जत. अब उक्त अधिनियम की भार 269-ग क अन्यरण में, भैं, उक्त अधिनियम की भार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री मंगल सिंह पुत्र श्री बुद्ध सिंह, चक अरनी बाला, तहसील फाजिलका, श्री सुरिन्द्र सिंह, श्री बलविन्दर सिंह, श्री जगत सिंह ।

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह,
श्री सतपाल सिंह,
श्री कुलबन्त सिंह,
श्री गुरमीत सिंह सुपुत
श्री चन्दर सिंह,
वासी चक अरनी वाला,
तहसील फाजिलका ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जारे उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्भ दुरेगा जो उस मध्याय में दिया गया हैं।

अनस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 2767, विनांक मार्च, 1983 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जलालाबाद ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** : 16--11--1983 मोहर : श्रक्ष बाईं.टा.एन.एस.-----

बायक र बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 16 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4932—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्हे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो चक अरनी वाला, फाजिलका में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलालाबाद में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित वाजार मुल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एंगे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें आधानक्र, या पर्वक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) इं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात :— (1)श्री मगल सिह पुत श्री वृद्ध सिह, गांव चक अरनी वाला, तहसील फाजिलका ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द सिह, पुत्र श्री मंगल सिह, गांव चक अरनी वाला, तहसील फाजिलका ।

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारा करक पूर्वाक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यग्रीहरू करता हा।

उक्त सम्पात्त को अजन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षा --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र म प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 2768, दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलालाबाद में लिखा है।

> जं० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख : 16-11-83 मोहर : प्ररूप आई. टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-ए (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, नालन्धर

जालन्धर, दिनाक 17 नवम्बर 1983

निदेश स० ए० पी० न० 1933—अन मझे, जे० एल० गिरधर

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रन्स्ची में लिखा है तया जो गोनियाना मण्डी, जिला भटिडा में स्थित है (श्रोर इससे उपावड अनुमूचा में श्रोर पूर्ण हप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्जेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फेयह दिश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हे और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गा प्रतिपाल, निम्नितिसित उद्दश्य में उक्तरण लिखित में वास्तिविक स्प से किथत नहीं किथा गया है —-

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमर नाथ, वासी बी-1/83, वार्ड न० 11, गोनिमाना मण्डी जिला भटिडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री वद पकाश पुत्र श्री तिलक राज, नासी बी-1/83, नार्ड न० 11, गोनियाना मण्टी, जिला भटिंडा ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पृत्रोंकत मम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख स० 7247, दिनाक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख 17-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे

पुणे, दिनांक 14 अक्तूबर, 1983

निर्देश स० सी०ए० 5/37-ईई/83-84--यत. मुझे. शिश कात कृलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट गं० 208, हिस्सा नं० 8ए, डोनीवली (ईस्ट) क्षेत्र-22000 स्क्वेयर फीट है तथा जो डोनीवली (ई) में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूणे म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्विक्त सपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिभल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रतिकल है तोर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तियक रूप में किथात नहीं किया गमा है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- मेसर्स दूबे ब्रद्सं,
 286, कालवादेवी रोड,
 बम्बई-400002 ।

(अन्तरक)

 श्री एस० ए० अहूजा चीफ प्रमोटर, नबीन गीरव का० ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, विवेख चोवे, डोनीवली (ई)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पृत्रों क्त सभ्यत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हा

उक्त सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध मं कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत क्या क्तयों मा गं किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंग ।

स्पन्दोकरणः---इसम् प्रयोकत शब्दों और पदाका, जो उक्स अधिनिधम को अध्याय २०-क मा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय मी दिया गया दें।

अनुसूची

प्लाट स० नं० 208, हिस्सा न० 8/ए, डोनीवली (ई) क्षेत्रफल 22000 स्क्वेयर फीट । (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 31-ईई/लि०ए० 5/83-84 दिनाक 26-4-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> गशिकात कुलकर्णां मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख . 14-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-2 (1) ने अभीन ससरा

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूर्ण पूणे, दिनांक 19 अक्तबर, 1983

निर्देश सं० त्रि०ए० 5/37-ईई/83-84-277-यत: मुझे, शशिकांत कूलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उपत ाकार-भ' बात गया है), की धारा 269-ख के अधीन गधार परिवासनी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, । जसका उचित बागार म्लय 25,000 /- मे लीयह ही

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट र्न० 406-414 फ्लोर सेंटर विग इन गुलमोहोर, 2420, जन० थिमय्य। रोड, पूना-411001, क्षेत्र--1073 स्क्वेयर फीट है तथा जो पूरा-411001 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्टीवर्ता अधिकारी के कार्यानय, महायक आयकर आयक्न (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 जुन, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति को लिचत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित वी गर्टी हैं और मफे वह विश्वास करने का कारण ह कि थ्था है कि संगीत का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिथा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक पाने तथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए, यौर /या
- (ख) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किए ना स्टिश धा, जिसे स सविधा के लिए:

अत. अय उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनमरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. मेससं विश्वामित्र एंड राठी कन्स्ट्वशन हाउस, 796/189 बी, भांबरकर इन्स्टीटंयुट रोह, पुना-411004।

(अन्तरक)

2 श्री विजयकुमार सुमतीलाल गहा मार्फन दि पुना होलसेल स्टोर्स 537 सरदार पटेल स्ट्रीट, पुना-411001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जौ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 406:4था फ्लोर, सेंट्रल विग इन गुलमोहोर 2420. जन० थिमय्या रोड, पूना-411001, क्षेत्र 1073 स्क्वेयर फीट। (जैमे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37-ईई/1026/83-84/

दिनांक 27-6-1983 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> णणिकात कुलकर्णी सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयक्न (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख 19-10-1983

प्ररूप आई. टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संघना

 मेसर्स श्री साई जिल्डर्स, 48, मृक्टूदगगर, पृता-37।

(अन्तरक)

2 श्री एन० पी० अलझन, 216, नारायण पेट, पून(-30 ।

(अन्तरिसी)

नारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाक 25 अक्तूबर, 1983

निर्देश सं० सी० 5/37ईई/288/83--84---यतः मुझे, शश्चिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की शारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 216, नारायण पेठ, पूना-30 में है तथा जो पूना-30 में स्थित है (भीर इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नं० 2848/मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य में कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृशेक्ति नग्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अनुसारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में अभी करने था उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलियित स्प्रिक्तियों, अधीत :--

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि ताद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्थादिकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं अर्थ हारण जो उस अध्याय मा विद्या गया हाँ।

अम्सूची

फ्लैट 216, नारायण पेट, पूना 30। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2848/मार्च, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> गगिकांत कुलकर्णी मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख * 25-10-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 अक्तूबर, 1983

निर्देश मं० श्राई० मी० ए० ५/37-ईऽ/289/83-94--यदः मझे, णशिकांत क्लकर्गी

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या सब प्लाट नं० 79, सं० नं० 2, चिचवर, पूना-33 क्षेत्र-6272 स्क्वेयर फीट है तथा जो चिचवर, पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अश्रीन, दिनांफ 24-1-1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (कर) अन्तरण से हुं प्रिती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपार में मुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 29--386GI/83 सुनंदा दिगंबर गुपचूप, विष्णु लक्ष्मी बसाहत, फ्लैट नं० 79, पत्रनातगर चिचवप, पूना-411033।

(अन्तरक)

 श्री जयंन भांकर जोशी श्रीर अन्य विष्णु लक्ष्मी वसहात, फ्लैंट न० 79, पयनानगर, जिल्लवर, पूना-411033।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपोत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

सब फ्लैट नंबर 79, सं० नं० 2, चिचवर, पूना-33----क्षेत्र-6272 स्क्वेयर फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नंबर 37-ईई/1317/83-84/ पूना दिनाक 24-1-1983 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> णणिकांत कृलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

नारीख: 20-10-1983

प्ररूप बाह' टी एन. एस.----

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना पूना, दिनांक 25 अक्तूबर, 1983

निर्देश मं० सी० ए०5/37 ईई/290/83-84--यतः मुझे, शशिकांत रुदक्षी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या प्लैट नं० 106, 1453 सुकवार पेठ, पूना-2 क्षेत्र 318 इक्वे० फीट) तथा जो पूना में स्थित है (स्रौर इस उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूणे रूप से विशित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1983 (नं० 2845)

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तार्गित्यों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल कि निम्निलिखित स्द्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क.) न्ताः शहुइ िक्रमी अप्य की बावन, उक्त प्रियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-व्या व्यक्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भारति किया जाना साहिए था व्यक्तियों में मृविधा के लिए,

कत कव, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मै० श्री साई विल्डर्स ,
 48, मुकुंदनगर,
 पूना–37 ।

(अन्तरक)

श्री बी० वी० पटवर्बन,
 1453, शुक्रवार पेठ, पूना-2।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए वार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस मुचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 3) दिन की अवधि जो भी उबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यध्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1453, शुक्रवार पेठ, पूना-2। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2845/मार्च, 1983 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा ई।

> शशिकांत कृलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारीख: 25-10-1983

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 नवम्बर 1983

निदेश सं० देहली/51/83-84--यतः मुझे,आर० के० भयाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि 124 कनाल 3 मरले है तथा जो गांव नसीरपुर जिला अम्बाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत ई), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दहली में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जून 1983

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से क्षियत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससं बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जीवनदाय उपनाम दीनानाय पुत श्री निहाल चन्द, नि० 2241/2 अम्बाला अब नि० बी--1/632, जनभपुरी नई दिल्ली अब नी--14/833 लोधी, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) 1. अधिन्दर सिंह पुत्र सरदार सूरत सिंह मार्फत में ० शेर गुल राइस मिल, खन्ना, जिला लुधियाना।
- गुरिन्दर सिंह पुत्र गुलजार सिंह नि० बदीनपुर, जिला पटियाला ।
- वरीन्द्र सिंह पुत्र बलकार सिंह नि० समान मथिडी जिला पटियाला ।

- श्रीमती परिम देर कौर पत्नी खुणवन्त सिंह नि० बदीनपुर जि० पटियाला।
- साहिव सिंह पुत्र बूटा सिंह नि० खेडी सैदान जि० कुरुक्षेत्र ।
- 6. प्रकाश कौर पुत्री स० उजागर सिंह नि० धीन्गाना तहसीक्ष मुक्तसर (फरीदकोट)।
- मुख्यविन्दर सिंह पुत्र अवतार सिंह निवासी घानोर जिला पिटयाला।
- 8. सुरिन्द्र कौर पुत्री समुन्द्र सिंह निवासी 113 ए माँडल टाउन, पटियाला ।
- 9. गुरदीप कौर पुत्री स॰ अमरीक सिंह निवासी मांडल टाउन, लुधियाना।
- मुरिन्द्र कौर पुत्री उत्तम सिंह निवासी माँडल टाउन, पटियाला ।
- 11. गुरमीत कौर पुत्री हरी सिंह निवासी इन्द्रा कालोनी, सुनाम, जिला संगरूर।।
- 12. वीरानवती पुत्री राम चन्द निवासी अम्बाला शहर।
- 13. ओम प्रकाश पुत्र दुनी चन्द निवासी अम्बाला।
- 14. मुरेण कुमार पुत्र औम प्रकाश निवासी अम्बाला ।
- 15 सन्तोष कुमारी पुत्री राम नारायण निवासी रोहतक।
- मुखदेव सिंह पुत्र प्रीतम सिंह निवासी कोरलाली,
 जिला रोपड़ (श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्रे भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ध 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 124 क० 3 म० गांव नसीरपुर जिला अम्बाला में स्थित है जिसका अधिक विषरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण संख्या 1000 विनांक 30-6-83 पर विया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 21-11-1983

प्रकप् बाइं. टी. युन्, युन्.------

बायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 नवम्बर 1983

निदेश सं० देहली/130/82-83--अतः मुझे आर० के०

भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

अरेर जिसकी सं० भूमि 124 कनाल 3 मरले हैं तथा जो गांव नसीरपुर जिला अम्बाला में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बाणत है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय देहली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 6) के अधीन तारीख मार्च, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूमें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रतिकल किन्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री जीवन साह उपनाम दीना नाथ पुर श्री निहालवन्द्र निवासी 2241/2 अम्बाला अब नि० बी०-1/632, जनकपुरी नई दिल्ली अब बी०-14/833 लोधी कालौनी, दिल्ली। (ग्रंतरक)
- (2) 1. स० जसविन्दर सिंह पुत्र सूरत सिंह मार्फत गर गुल राईम मिल, खन्ना, लुधियाना 2. गुरिन्दर सिंह पुत्र गुलजार सिंह नि० बदीन पुर जिला पटियाला।

- 3. वरिन्द्र सिंह पुत्र स० वलकार सिंह निवासी समानागन्डी, जिला पटियाला
- परिमन्द्र कौर पत्नी खुणवत सिंह निवासी बदीनपुर जिला पटियाला
- जसविन्दर सिंह पुत्र जगजीत सिंह निवासी। न्यू माडल टाउन, सुधियाना
- प्रकाण कौर पुत्रां स० उजागर मिह निवासीं डिन्गाना, नहसील मुक्तसर।
- सुखिविन्दर िमह पुत्र अवनार सिंह निवास भौनोर जिला पिटयाला
- 8 मुरेन्द्र कोर पुत्री समुद्ध सिंह नि० 113 ए मौडल टाउन, लुधियाना
- गुरदीप कौर पृती असरीक सिंह निवासी टाउन, लुधियाना
- सुरिन्द्र कौर पुत्री उत्तम सिंह निवासी माडल टाउन, पटियाला
- गुरमील कौर पुत्री हरी सिंह निवासी इन्द्रा कालोनी, सुनाम जिला संगरूर
- 12. उत्तम सिंह पुत्र दयाल सिंह निवासी माडल टाउन, पटियाला
- 13. औम प्रकाण पूर्व दुनी चन्द्र निवासी अम्बाला
- 14. सुरेश कुमार पुत्र औम प्रकाश निवासी अम्बाला
- 15. सन्तोष कुमारी पुत्री राम नारायण निवासी रोहतक
- 16. सुख्येव सिह पुत्र प्रीतम सिह निवासी कोरत नानी जिला रोपइ । (अन्निर्रत्त)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवागः;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए ता सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अभूसची

सम्पत्ति भूमि 124 कनाल 3 मरले गाव नसीरपुर जिला अम्बाला में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय देहली में राजिस्ट्री संख्या 550 दिनांक 31-3-83 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अगन रेंज, रोहतक

नारीख: 21-11-1983

मोहर 🖰

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीम स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सङ्घायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, अमृतमर

अमृतसर, दिनांक 31 नवम्बर, 1983

निवेश मं० अमृतसर/83-84/250—-यनः मुझे, सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गाव नगल कोटली, गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूथमान प्रतिफल सं., एोगे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण में लिखित वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमे उचार में सविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- अतिल कुमार,
 अरुण कुमार पुत्नान श्री राज पाल,
 वासी गुरवासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री परस महाजन पुत्र विनोद महाजन वासी गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

- (3) जैमा ऊपर स० 2 में कोई किराएवार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी -हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूजना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरू असी के पार लिखित मो किए जा गवाँगे

स्मध्दीकरणः -- इसमे प्रयानत शक्यों और पर्यों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

अनुस्ची

भृमि जो गांव नंगल कोटली जिला गुरवासपुर मे है जैसा सेल डीड नं० 7591/14-3-83 रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी गुरदामपुर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों भक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

तारीख: 30-11-1983

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 14th November 1983

No. 2/20/82-Admn.—Consequent on his selection as Research Officer in the Commission on Centre-State Relations on deputation basis, Shri L. Yegnanarayanan, permanent Sr. Personal Assistant of this Commission (officiating Research Officer) has relinquished the charge of the office of Research Officer in the *forenoon* of 14th November, 1983.

The 26th November 1983

No. 2/1/83-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. C. Kapoor, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650 (710)—30—740—35—810— LB —35—880—40—1000— EB —40—1200 with effect from 31-10-83 to 28-1-84 or until further orders, whichever is earlier.

The 30th November 1983

No. 2/8/83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri M. L. Juneja, a permanent Personal Assistant in this Commission as Sr. Personal Assistant in an officiating capacity on ad hoc basis in the scale of pay Rs. 650—1040 with effect from 31-10-83 to 28-1-84 or until further orders, whichever is earlier.

The 1st December 1983

No. 2/17/83-Adm.—The Central Vigilauce Commissioner hereby appoints Shri Suraj Prakash Khurana, a permanent Section Unicer of the Flection Commission of India, as Section Officer in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity on deputation basis with effect from the forenoon of 14th November, 1983 until lurther orders in the scale of pay of Rs. 650—1200 plus deputation (Du y) Allowance as admissible in terms of Ministry of Finance O.M., No. 10(24)-E. iII (B)/60 duted 4-5-1961 as amended from time to time.

No. 2/17/83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shii P. S. Rathore, Assistant Civilion Staff Officer of the office of Chief Administrative Officer, Ministry of Defence, as Section Officer in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity on deputation basis with effect from the forenoon of 24th November, 1983, until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—1200 plus Deputation (Duty) Allowance as admissible in terms of Ministry of Finance O.M. No. 10(24)-E. III (B)/60 dated 4-5-61 as amended from time to time.

K. L. MALHOTRA

Under Secv.

for Ceneral Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd December 1983

No. A-20023/11/83-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Bharat Singh Raghuvanshi as Public Prosecutor, C.B.I. with effect from the forenoon of 14-11-83 in a temporary capacity.

R. S. NAGPAL

Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110003, the 28th November 1983

No. F-2/41/83-Estt (CRPF)—The President is pleased to confirm Doctors in the following grades with effect from the

dates indicated again t early. Tab dates of confirmation will have no effect on their inter-se -seniority:—

will ita	ve no enect on the	201 1111	61-70	-20HI	ority;		
Senlor	Medical Officer						
1. Dr	. Shatanjay Gupta						3-11-82
Genera	l Duty Officer Gra	de—I					
1. Dt	S.P. Mishra						24-9-82
2. Dı	. P. K. Dash						10-2-8 3
3. Dr	. Satyananda Patna	aik					2)-1-33
Genera	l Duty Officer Gra	de-II					
1. Dr	. (Mrs) Sneh Gupta	a					30-8-82
2. Dr	. (Mrs) Usha Jain						1-8-82
3. Di	. (Mrs) Jyotsnamai	Nay	ık				12-7-82
4. Dr	. Anil Kumar						4-11-8
5. Dr	. Vijay Bahadur					•	3-11-82
6. Dr	. H. R. Raghvan						5-3-83
7. Dr	, Sadanand Kumai						18-3-83
8. D r	T. K. Vijayasarth	У					31-3-83
9. Dr	. K. Narsimha Rac)		,			15-7-82
10. Di	. Surenger Pal						4-7-32
11. Dr	. Caandra Bhal						19-6-82
12. Dr	K. K. B. Dhem						28-2-83
[3, Dr	, Dilip Parate						12-7-82

The 29th November 1983

No. O. 11-1890/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Govind Singh Rauthan as General Dury Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the CKPF in a temporary capacity with elice, from the tolenoon of the 15th November, 1983, subject to his being declared medically fit.

The 30th November 1983

No. O. 11-1705/82-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Prafulla Kumar Botah as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-noc basis with effect from the forenoon of the 2nd November, 1983 for a period of three months or tid regular incumbents join, whichever is earlier.

No. O. II-1783, 83-Esit.—The President is pleased to accept the resignation of Di. K. Siikrishna Pathrulu, GDO Gd-II (Ly. S.P./Coy. Commander) in the CRPF with effect from the afternoon of the 1st November, 1983.

The 1st December 1983

No. F. 2/35/83-Estt-I.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. S. K. Mishra, GDO Grade-I (Asstt. Commandant) as senior Medical Officer (Commandant) in Central Reserve Police Force in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 19th November 1983, until further order.

The 3rd December 1983

No. O. II-1761/82-Esit.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. (Mis.) Puratama Pradhan as Junior Medical officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 5th July 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whicheven is callier.

No. O. 11-1761/82-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Purarama Pradhan as Junior Medical Olincer in the forenoon of 6th October 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI

Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 24th November 1983

No. E-32099/2/83-GA. II.—On attaining the age of supernnuation Shri Y. P. Jogewar relinquished charge of the post

of Asstt. Commandant, CISF Unit, BIL Bhilai, w.e.f. the afternoon of 30th September, 1983.

> SURENDRA NATH Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, dated the 5th December, 1983

No. 11/102/79-Ad. I (2)—In continuation of this office Notification of even number dated the 23rd June, 1983, the President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Assistant Directors of Census Operations to the post of Deputy Director of Census Operations in States as mentioned against their names, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto the 29th February, 1984 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions :--

Sl. Name of Officer No.	Office in which working						
1 2	3						
1. Shri C. D. Bhatt	. Director of Census Operations, UT, Chandigarh, Chandigarh.						
2. Shri S. L. Bahl	. Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh.						

No. 13/9/83-Ad. I.—Consequent on his retirement from the Government Service on attaining the age of superannuation, Shri K. K. Prabhakar relinquished the charge of the tion, Shri K. K. Prabhakar relinquished the charge of the office of the Research Officer in the Office of the Registrar General, India, New Delhi from the afternoon of the 31st October, 1983.

V. P. PANDEY

Joint Registrar General, India

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT New Delhi-110001, the 1st December 1983

No. 24/13/74-Adm. I.—The President is pleased to appoint Shri Santokh Singh Assistant Govt. Examiner of Questioned Documents, Simla as Government Examiner of Questioned Documents, Calcutta with effect from the forenoon of 14th November 1983 in the pay scale of Rs. 1100-50-1600 until

further orders.

B. R. KALYANPURKAR

Director General

WHEN WHEN THE THE THE GRANT THE THE WAY SHOW HE WE AT THE SECTION OF THE WHEN THE MANAGEMENT AND THE MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF REVENUE) CUSTOMS EXCISE & GOLD (CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 1st December 1983

F. No. 345(6)-CEGAT/82.—Shri T. V. Sr nivasan, Assistant Registrar, Customs, Fxcise & Gold (Control) Appellate Tribunal, New Delhi, who was formerly working as Exam ner of Central Excise, Internal Audit Department Madras, retired from Govt, service with effect from the afternoon of 30th November, 1983 on attaining the age of superannuation.

F. No. 346(2)-CEGAT/82.—Shri Manohar Singh, Technical Officer. Customs, Excise and Gold (Control), Appella c Tribunal, Delhi Benches, New Delhi, who was formerly working as Superintendent of Ceneral Excise, Delhi Collectorate, New Delhi retired from Govt. Service with effect from the afternoon of 30th November, 1983, on attaining the age of superannuation,

No. F. 6-CEGAT/83.- Shri Harbans Lal, formercly Assistan Director, Directorate of Estates, Ministry of Works and Housing, New Delhi assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise and Gold (Control), Appellate Tribunal, New Delhi in the forenoon of 1st December, 1983.

F. S. GILL

President

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 1st December 1983

THE STANDARD CONTRACTOR OF THE STANDARD PARTY OF THE STANDARD PART

No. 8FC 2(30)-A/82.—Shri R. L. Khanna, Audit Officer of the Office of the Director of Audit, Central Revenues and on deputation as Research Officer in the Eighth Finance Commission retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th November, 1983, on attaining the age of superannuation.

T. C. NANDA

Administrative-cum-Accounts Officer

TO THE SHEET WHEN WITH A PROPERTY OF THE PARTY OF THE PAR

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPTT.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (I), BIHAR (I.. A. WING)

Ranchi, the 28th November 1983

No. 1 A-Admn. I-Estt. I-3752.—The Accountant General, Bihar (I), Ranch. has been pleased to promote Sii Kishto Kumar Pandey, a substantive Section Officer of Local Audit Wing to officiate as an Assistant Examiner with effect from the 25th November, 1983 (F.N.) until further orders.

D. MUKHERIEE

Examiner of Local Accounts, Bihar

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, N.F. RAILWAY Maligaon, the 30th November 1983

Admn./5-16/79/35A/7394 - S/Shri B. Mukhopadhvay and M. M. Shikdar permanent members of the Sec ion Officers service of the Office of the Director of Aud't, N.F. Railway, Cauhati-11 have been promoted to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 12-8-83 until further orders.

> B. L. BOIPAI Director of Audit

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 14th November, 1983

No. AN/1/1401/4/Ist-The President is pleased to appoint the undermentioned Accounts Officers to the Indian Defeates Accounts Service, to officiate in the Junior Time Scale Rs. 700 1300) of that Service with effect from the date shown against their names, until further orders.

SI. Name No.			Date fr om which appointed
S/Shri		 	 <u> </u>
 A. Janakiraman 			02-05-83
2. Pravesh Kumar Saiga	1		02-96-83
3. Man Singh .			24-03-83
4. L N. Nathamuni			25-08-83
5. Jyoti Lal .			29-08-83
6. D. Krishnamurthy			02-06-83
7. Lachha Singh			02-06-83

SI. Name No.	Name			Date from which appointed		
S/Shii						
8. T.M. Krishnan		i			30-08-83	
Satish Chandra					18-08-83	
10. Ram Rattan					01-09-83	
11. C. R. Mazumdar					02-06-83	
12. E. R. Chakravarthy					26-08-83	
13. A. Jambunathan					29-08-83	
14. K. V. Varghese					22-08-83	
C. Suryanarayana					02-06-83	
16. D. K. Kar					02-06-83	
17. T. S. Madhavan					11-08-83	
18. N. R. Ramanathan					17-08-8	
19. Surinder Mohan Mall	notra				30-08-83	
20. Mahedra Singh-I					23-08-83	
21. P. K. Thevan					20-08-8	
22. Radhey Shiam Pal					19-08-8	
23, S. M. Dube					22-08-83	
24. C. Radhakrishnan					12-09-8	
25. Trilok Singh Nayar					29-08-83	
26. A. Madaswamy					18-03-83	
27. V.N. Ram					18-08-83	
28. Rati Ram					11-8-83	
29. Mahendra Singh-II					16-08-8	
30. Shiva Charan Singh					09-09-8	
31. Jagan Nath					30-08-83	
32. V. G. Datar					17-08-83	
33. K. V. Ramanan			٠		05-09-83	
34. R. M. Joshi					18-93-93	

V. S. JAFA Addl. Controller General of Defence Accounts.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

The 30th November 1983

No. A-19018(632)/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri V. Raghavendran, Chargeman (Gr. I) (Mech), (Ordnance Factory, Ambaihari, Nagpur as Assistant Director (Gr. I) (Mech) at Extension Centre, Attingal under the Directorate of Production Centre, Etumanur, Ketala with effect from the forenoon of 14th October, 1983 until further orders.

No. A-19018(702) /83-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Sunil Sarvahi, Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation) Small Industries Service Institute, Kanpur as Hindi Officer on ad-hoc deputation basis at the same Institute with effect from the forenoon of I-11-1983.

The 3rd December 1983

No. A-19018(42)/73-Admn.(G),—Consequent on his proceeding on deputation on foreign assignment to Zambia under the ITEC Programme of the Ministry of External Affairs New Delhi for a period of two years Shri V. Muralcedharan relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (EI 'PI) at Small Industries Service Institute, Hyderabad on the afternoon of 19-9-1983.

The 5th December 1983

No. A-19018(188)/75-Admn.(G).—Consequent on his proceeding on deputation on foreign assignment under ITEC

Programme of the Ministry of External Affairs to Zambia for a period of two years Shir R. N. Shorma relinquished charge of the post of Deputy Director (Chemical) at Small Industries Service Institute Bangalore on the afternoon of 19th September, 1983.

C. C. ROY

Dy. Dr. (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION-6)

New Delhi-110001, the 28th November 1983

No. Λ -6/247(614)—The President is pleased to appoint Shri P. F. Miller. Inspecting Officer (Textiles) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Textiles Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Textiles) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Textiles Branch) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 31-10-1983 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri P. F. Miller is also subject to final decision on the three L.P.A.s Nos. 67 83, 68/83 and 69/83 in Civil Writ Petition Nos. 1457/81, 1590 81 and 1973/81 pending in the High Court of Delhi.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri P. F. Miller will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Miller relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Textiles) in the Director of Inspection, N. I. Circle, New Delhi in the forenoon of 31-10-1983 and assumed charge of the office of Dy. Director of Inspection (Textiles) at Headquarters office, New Delhi also with effect from the forenoon of 31st October, 1983.

The 3rd December 1983

No. A-17011/228/83-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri I. K. Sharma, Examiner of Stores (Engineering) in the office of Director of Inspection, Northern Inspection Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on purely ad-hoc basis in the Calcutta Inspectorate under this Directorate General with effect from the forenoon of 10th October, 1983 until further orders.

S. L. KAPOOR

for Director General, Supplies & Disposals
CORRIGENDUM

No. A-6/57(8) Vol.X.—In this Directorate General Notification of even No. dated 5-7-83, the name of the officer against S. No. 42 may be read as ("Sisir Kanti Basu" instead of "Sisit Kanti Basu".

S. L. KAPOOR Dy. Dir. (Admn.)

New Delhi, the 1st December 1983

New Delhi-1, the 30th November 1983

No. A-1/1(292).—Shri R. N. Sethi, permanent Director (Gr. I of Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, retired from Government Service with effect from the afternoon of 30-11-1983 on attaining the age of superannuation.

The 1st December 1983

No. A-1 (1(1225).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri P. N. Guha, J.F.O. in the office of DS&D, Calcutta, to officiate on purely ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same office with effect from the forenoon of 3-10-1983.

The ad-hoc appointment of Shri P. N. Guha as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri Guha relinquished charge of the post of J. P. O. In the office of Director of Supplies & Disposals, Calcutta on 3-10-1983 (FN) and assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) in the same office at Calcutta with effect from the forenoon of 3-10-1983.

The 1st December 1983

No. A-1/1(1226).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri V. Margabandhu, I.P.O. in the office of Director of Supplies & Disposals, Madras, to officiate on purely ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay with effect from the forenoon of 9-11-1983.

- Assistant Director (Gr. II will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Margabandhu relinquished charge of the post of J.P.O. in the office of Director of Supplies & Disposals, Madras on 31-10-1983 (AN) and assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay with effect from the forenoon of 9-11-1983.

S. BALASUBRAMANIAN Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 25th November 1983

No. 9369B/A-32014(2-AG(I)/81/19B.—The following S.T.A. (Geophysical W/S), Geological unrvey of India have been appointed on promotion by the Director General GSI as Assistant Geophysicist (Insttn.) in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12-9-83 until further orders.

- 1. Shri S. P. Chowdhury
- 2. Shri S. K. Roy

The 30th November 1983

No. 9513B/A-19012(3-M1)/83-19B.—Dr. Moh. Ishaq has appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24-9-83, until further orders.

No. 9531B/3-19012(3-GN)/83-19B.—Shri Gautam Neogi is been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30-9-1983, until further orders.

A. KUSHARI

Dir. (Personnel)

Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 2nd December 1983

No. A19011(66)/83-Fstt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of Departmental Promotion Committee. Shri G. N. Sinha, Mineral Economist Intelligence) to the post of Superintending Mineral Economist (Intelligence) in Indian Bureau of Mines in an officiating canacity with effect from the forenoon of 5th November, 1983.

No. A.19011(335)/83-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission, Shrl V. S. Kundurkar, Assistant Mining 30—386 GI/83

Geologist, Indian Bureau of Mines, to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capicity with effect from the forenoon of 11th Noovember, 1982

A. R. KASHAV Sr. Administrative Officer Indian Bureau of Mines for Controller General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 29th November 1983

No. A.12026/5/83-Estt.—The Director of Advertising and visual Publicity appoints Shri R. S. D. Tayal. ad-hoc Senior Accountant, to officiate on ad-hoc basis as Accounts Officer in the Regional Office of this Directorate at Bangalore with effect from the forenoon of 15th November, 1983 in the leave vacancy of Shri R. D. Charl, Accounts Officer granted long leave.

S. L. BHARDWAJ Dy. Dir. (Admn.) for Directorate of Advertising and Visual Publicity

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
Faridabad, the 2nd December 1983

No. A-19023/5/82-A.III.—The ad-hoc appointment of Shri S. S. Bimbra to the post of Marketing Officer (Group IIII) in this Directorate at Nagpur has been extended for a further period of 9 months w.e.f. 28-3-83 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19023/7/83-A.III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri V. K. Sharma is appointed to officiate as Marketing Development Officer (CSR) in the Directorate at Faridabad, with effect from 12-10-83 (FN), until further orders.

He has been relieved of his duties from New Delhi from the post of Asstt. Marketing Devt. Officer in the afternoon of 11-10-1983.

> G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

FOREST SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 1st December 1983

No. 4-4/79-Admn.—The Services of Shri S. S. Pandey, Assistant Conservator of Forests, Maharashtra State, who was working as Assistant Director in Forest Survey of India Central Zone, Nagpur. on deputation basis, have been replaced at the disposal of the Government of Maharashtra with effect from the forenoon of 2nd April, 1983.

N. K. AGRAWALA Director

BHABHA ATOMIC RESFARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 14th November 1983

No. PA/76(1)/83-R-III/290.—Controller Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Kishorchandra Mathuradas Dhandha, temporary Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in this Research Centre with effect from October 10, 1983 (AN) until further orders.

O. P. BATRA Dy. Establishment Officer

Bombay-85, the 1st December 1983

No. PA/43(2)/83-R-IV/1510.—The Offrertor, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. Punya Brata Dobe

as Resident Medical Officer in Variable Energy Cyclotron Centre of the Bhabha Atomic Research Centre on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of September 1, 1983 to the afternoon of August 11, 1984.

B. C. PAL Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT ATOMIC ENERGY CONTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 23rd November 1983

No. C&SG/A/2(6).—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri N. P. Ganesan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in Construction & Services Group in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 31, 1983 until further orders.

No. CFD/A/2/16.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri R. B. Pillai, permanent Assistant Accountant in BARC and officiating Assistant Accountant in C&S Group. Department of Atomic Energy as Assistant Accounts Officer in this Group, with effect from the forenoon of 20th October, 1983 to 3rd December, 1983, vice Smt. N. S. Rajadhaksha proceeded on leave.

H, V. AWATRAMANI Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 22nd November 1983

No. DPS/2/1(26)/83-Adm./37635.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri N. S. Pillai, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on a regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-ER-35-880-40-1000-ER-40-1200 with effect from 11-11-83 (FN) until further orders in the same Directorate.

The 30th November 1983

No. DPS/41/2/83-Adm./38519.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. C. Roy, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200 from 8-8-1983 (FN) to 23-9-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri M. S. Ganganaik, Assistant Stores Officer promoted as Stores Officer.

P. GOPALAN Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 30th November 1983

No. PAR/0704/3986.—Dy. Chief Executive (A), NFC, appoints Shri C. R. Prabhakaran, Asstt. Accountant, to officiate as Asstt. Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad hoc basis from 23-11-83 to 22-12-83 or until further orders, whichever is earlier.

A. W. KHAN Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRFCTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th November 1983

No. A.32013/5/83-F.1.—In continuation of this Office Notification No. A 32013/5/83-EI, dated the 26th August, 1983, the President is pleased to continue the adhoc appointment of Shri Y. P. Bawa to the post of Deputy Director (Research and Development) for the period from 5-10-1983 to 4-4-1984, or till the date the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

O. P. JAIN Asstt. Dir. of Admn.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 28th November 1983

No. 35/83 C. No. 1041/89/83.—Shri V. N. Bhatli, lately posted as Superintendent Gr. 'B' of Central Excise Collectorate, Meerut, assumed charge of the post of Inspecting Officer, Group 'B' in the North Regional Unit, Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, Ghazinbad with effect from 2-11-83 (FN) this Directorate's letter C. No. 1041/50/82, dated 24-9-83.

A. C. SALDANHA Director of Inspection

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 25th November 1983

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 7/1983.—Shri R. C. Verma permanent Chemical Assistant Gr. I has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the New Central Excise Laboratory, Bombay with effect from 30-4-83 and until further orders.

No. 8/1983.—Shri Parimal Das, permanent Chemical Assistant Gr. I Central Revenues Control Laboratory, New Delhl has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from 7-11-83 and until further orders.

[C. No. II(3)(1)/83-Estt.]

S. P. ANAND.
Deputy Chief Chemist,
For Chief Chemist
Central Revenues Control Laboratory

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 28th November 1983

No. A-19012/947/81-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B). Chairman Central Water Commission appoints Shri Dhrup Nath Singh, officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineer, on ad-hoc basis in the Central Water Commission on a regular-basis in the same post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 9-8-1982.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

S. MAHADEVA AYYAR
Under Secy.
Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 28th November 1983

No. 27-S/P(6) /71-ECSII.—The President is pleased to accord ex-post-facto permission to the accentance of the notice of retirement dated the 20th December, 1979 given by Shri H. P. Parel, Superintendent Engineer (Civil) of this department for voluntary retirement from service. Accordingly Shri H. P. Patel retired from service with effect from 19th March 1980 (A.N.).

Smt. NEFNA GARG Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Burmah-Shell Properties Private Limited,

Bombay-400 002, the 19th November 1983

No. 651/18655/560 (3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Burman Shell Properties Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Venko Chemicals Private Limited.

Bombay-400 002, the 19th November 1983

No. 648/15410/560 (3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Venko Chemicals Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Neela Properties Private Limited.

Bombay-400 002, the 19th November 1983

No. 653//15182/560 (3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Neela Properties Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Wymac Components Private Ltd.

Bombay-400 002, the 19th November 1983

No. 660/15573/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Wymac Components Pvt. Ltd. unless causes is shown to the contrary, will be struck of the Register and the said company will be dissolved.

Bombay-400002, the 19th November 1983

No. 667/4747/560(4).—Whereas The Ravei General Stoics Pvt. Ltd. having its registered office at 524 Raver Estate, Khandesh is being wound up:

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of The Raver General Stores Private Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

O. P. JAIN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Balaji Credit Private Limited
Patna, the 28th November 1983

No. (1059)560/318.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Balaji Credit Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and Magadh Tourist Hotel Private Limited Patna, the 28th November 1983

No. (1151)/560/321.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Magadh Tourist Hotel Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and Nilratan Shaw & Company Private Limited Patna, the 28th November 1983

No. (1168)/560/325.—Notice is hereby given pursance to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Nilratan Shaw & Co. Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and Inland Vessels Manufacturers Pvt. Ltd.

Patna, the 29th November 1983

No. 1342/560/328.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereby the name of the Inland Vessels Manufacturers Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and Calben (India) Limited

Patna, the 29th November 1983

No. 1352/560/331.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Calben (India) Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and Pushpanjall Investment Private Limited Patna, the 29th November 1983

No. 1380, 560/334.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Pushpanjali Investment Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and Bihar Chromates Private Limited

Patna, the 29th November 1983

No. 1403/560/337.—Notice is hereby given pursuance to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bihar Chromates Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Registrar of Companies Bihar, Patna

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th November 1983

C.R. No. 62/37975/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6, situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 3812/82-83 on 7-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. C. Kumar, Someswara Extn., Opp. Govt. College, Tunkur.

(Transferor)

(2) Shri N. K. Aswath Ram, No. 1175/32, IV Cross, Srirampuram, Bangalore.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3812/82-83 dated 7-3-1983) All that property bearing No. 6, in No. 7/14 situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri M. C. Kumar, Someswara Extension, Opp. Govt., College, Tumkur.

Bangalore-51.

(2) Shrı Assadulla Khan, No. 4, E. No. 1, Street, Shivaji road cross, (Transferor)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th November 1983

C.R No 62/37976/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 4 on No 7/14 situated at 31d c1038, Jayabha1athinagar, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar under documents No 3813/82-83 on 7-3-83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 3813/82-83 dated 7-3-1983) All that property bearing site No 4, in 7/14, situated at 31d cross, Jayabharathinagar, Bangalore

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-11-1983

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 9th November 1983

C.R. No. 62/37977/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3, III Cross, Iayabharathinagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar on 7-3-1983,

Shivaji Nagar on 7-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. C. Kumar, Someshoara Extension, Opp. Government College, Tumkur.

(Transferor)

 Shrimati Ayesha Begum,
 E. No. 1 street, Shivaji Road Cross, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3814/82-83 dated 7-3-1983) Vacant site No. 3, in M. No. 7/14, III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-11-1983

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th November 1983

C.R. No. 62/37978/82-83/ACQ/B.—Whereas 1, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I, III Cross, Jayabharathi Nagar situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar on 7-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri M. C. Kumar, Someshwara Extension, Opp. Govt. College, Tumber.

(Transferor)

(2) Shri M. Taj Mohammed Khan, 43-44, Mackan Road, Eangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3815/82-83 dated 7-3-1983) Vacant site No. 1, in M. No. 7/14, III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th November 1983

C.R. No. 62/37979/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 2 situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 3816/82-83 on 7-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. C. Kumar, Someswar Extension, Opp. Govt. College, Tumkur.

(Transferor)

(2) Shi Syed Murtuza, No. 10, Davis Road, Richards town, Bangalore-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3816/82-83, dated 7-3-1983) All that property bearing No. 2, in No. 7/14 altuated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Author tv
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th November 1983

C.R. No. 62/37980/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Section 2614 elevated at 3rd excess Javabasettics.

No. 8 on 7/14 situated at 3rd cross, Jayabharathinagar,

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 3817/82-83 on 7-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen present of such apparent consideration and that

than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 31-386GJ/83

(1) Shri M. C. Kumar, Someswara Extension, Opp. Govt. College, Tumkur.

(Transferor)

(2) Shri Yarab Khan, Shivaji road Cross. Bangalore-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3817/82-83 dated 7-3-1983) All that property bearing No. 8, in No. 7/14, situated at 3rd cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-11-1983

Scal:

 Shri M. C. Kumar, Someswara Extension, Opp. Govt. College, Tumkur.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th November 1983

C.R. No. 62/37981/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to-as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7, situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrnig Officer at

Shivajinagar under document No. 3818/82-83 on 7-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 [11] of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Richards Town, Bangalore

(2) Shri Syed Murtara,

No. 10, Davis Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 3813/82-83 dated 7-3-1983)
All that property bearing No. 7 in No. 7/14, situated at
III Cross Jayabharathinagar, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiat proceedings for the acquisition of the iterasaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date , 9-11-1983

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M. Chinnappa, No. 33/2, Thamboo Chetty Road, Cox town, Bangalore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri N. K. Shashidhar, No. 1175/32, IV Cross, Srirampuram, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th November 1983

C.R. No. 62/37964/82-83/ACQ/B.--Whereas I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office; at Shivajinagar under document No. 3803/82-83 on 7-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3803/82-83 dated 7-3-1983)
All that property bearing No. 9, in No. 7/12 situated at III Cross, Jayabharathinagar. Bangalore.

· (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th November 1983

C.R. No. 62/37965/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant site No. 12, in Municipal No. 7/12, III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivaji Nagar on 7-3-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri M, Chinnappa, No. 3312, Thamboo Chetty Road, Cox-Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shri Sri K. Sathyanarayan, No. 1175/32, IV Cross, Srirampuran, Bangalore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 3804/82-83 dated 7-3-1983) Vacant site No. 12, in Municipal No. 7/12, III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-11-1983

Seal:

 M. Chinnappa, No. 33/2, Thamboo Chetty Road, Cox town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal, No. 56, II Main road, Ramachandrapuram, Bangalore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th November 1983

C. R. No. 62/37966/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Ttax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No. 10, situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Under document No. 3805/82-83 on 7-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3805/82-83 Dated 7-3-83] All that property bearing No. 10, in 7/12 situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 9-11-1983

Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th November 1983

C. R. No. 62/37969/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/act bearing No. 4, situated III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Shivaiinagar, Under document No. 3806/82-83 on 7-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M. Chirnappa, No. 33/2, Thamboo Chetty Road, Cox town, Bangalore.

(.Transferor)

(2) Shri H. Hirachand, No. 41, K.B.G. Road, Nagappa Block, Srirampurani, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3806/82-83 Dated 7-3-83]
All that property bearing No. 4 in No 7/12 situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-11-1983

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th November 1983

C. R. No. 62/37970/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2 in No. 7/12, situated at III Cross, Jayabharathmagar, 49th Division,

situated at III Cross, Jayabharathmagar, 49th Division, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Under document No. 3807/82-83 on 7-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. Chinnappa, No. 33/2, Thamboo Chetty Road, Cox town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Miss Santosh Kumari, No. 64, III Cross. Srirampuram, Bangalore-21

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3807/82-83 Dated 7-3-1983]
All that property bearing No. 2, in No. 7/12, situated at III Cross, Jayabharathinagar, 49th Division, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-11-1983

Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th November 1983

C. R. No. 62/37971/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Under document No. 3808/82-83 on 7-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. Chinnappa,
No. 33/2, Thamboo Chetty Road,
Cox town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Parasmal Surana, Chickpet. Bangalore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3808/82-83 Dated 7-3-83]
All that property bearing No. 3, in 7/12, situated at III, Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-11-1983

Seal:

PART ILI-SEC. 1]

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th November 1983

No. 62/37972/82-83/ACQ/B - - Whereas MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. 18. Stuated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivaunagar, Under document No. 3809 82-83 on 7-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—32-386GI/83

M. Chinnappa, No. 33/2, Thamboo Chetty Road, Cox town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Parshmal Surana, No. 27, Khaleel Building, Chickpet, Bangalose.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
- (b) by any other person niterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3809/82-83 Dated 7-3-83]
All that property bearing No. 8, in 7/12, situated at III, Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M. Chinnappa, No. 33/2, Thamboo Chetty Road, Cox town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Tarachand, No. 1257/42, V Cross, Srirampuram, Bangalore.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th November 1983

C. R. No. 62/37973/82-83/ACQ/8.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Ttax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
7, situated at III Cross, layabharathinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred lightly the Registration Act. 1908 (16 of

7, situated at III Cross, layabharathinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Shivajinagar, Under document No. 3810/82-83 on 7-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforessad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3810/82-8 Dated 7-3-83]
All that property bearing No. 7, in No. 7/12, situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said tet 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 9-11-1983

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th November 1983

C. R. No. 62/38303/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Ttax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 131, situated at B. M. Kaval Village, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. under document No. 7359/82-83 on 17-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. Galappa
Smt. Devarammna,
Smt. Narasamna,
Smt. Jayanıma,
Tataguni Village, Agara Dakhila,
Kengeri Hobli,
Bangalore South Tq.

(Transferor)

(2) Al-Ehsan Foundation, No. 31, Infantry Road, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 7359/82-83 Dated 17-3-83]
Property at Sy. No. 131, situated at B. M. Kaval Village,
Kengeri Hobli, Bangalore, South Tajuk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1983

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Janab PA Niyamathulla, No 19/1, Ranasinghpet, Bangalore City.

(Transferor)

(2) Shri S Venkateshappa, 197, Thilaknagar, IV Block, Jayanagai, Bangaloie-11

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th November 1983

C R No 62/38340/8283/ACQ/B—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commussioner of Income-Tuex, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961, 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Corpn. No 25 (old No 16) situated at Maston Scheb Road, Ranasinghpet, Bangalore City, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Crandhinagal under document No 134/82-83 on 5-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the conceanment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 134/83-84 Dated 5-5-83]
All that property bearing No 25, (old No 16) situated at Maston Saheb Road, Ranasinghpet, Bangalore City

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inscreeting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition.Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date · 5-5 1983 Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th November 1983

C. R. No. 62/38304/82-83/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Ttax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sy. No. 131, situated at B. M. Kaval Village, Kengeri Hobli, Bangalore

South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Bangalore South Tq. under document No. 736C/82-83 on 17-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) S/Shri Hanumanarasaiah,
 - Ramanarasappa,
 - 3. Munihanumaiah,
 - Vajrappa,
 - Gangappa, Smt. Chickamma 6.
 - Kariyappa
 - Rangappa,
 - 9. Muninarasappa, 10. Thimmahamumaiah,
 - 11. Giriyappa,
 - 12. Marappa,
 - Thimmanna, 14. Kempanna,

(Transferor)

Tataguni Village, Agara Dakhila, Kengeri Hobli, Bangalore South Tq.

(2) Al-Ehsan Foundation, No. 31, Infantry Road, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 7360/82-83 Dated 17-3-83]
Property at Sy. No. 131, situated at B. M. Kaval Village,
Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th March 1983

C. R. No. 62/38305/82-83/ACQ/B.-Whereas 1, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Ttax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 131, situated at B. M. Kaval Village, Kengeri Hobli,

Bangalore South Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore South Tq. Under document No. 7361/82-83 on 17-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infreen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) 1. S/Shri Hanumanarasaiah,

Ramanarahappa,

3. Munihaunmaiah,

4. Vajrappa,

5. Gangappa,

6. Chickamma, Kariyappa,

8. Rangappa,

9. Muninarasaiah,

10. Thimmahanumaiah, Giriyappa,

12. Marappa,

13. Thimmanna.

Kempanna, Tataguni Village, Agata Dhakhila, Dhakhila,

Kengeri Hobli.

Bangalore South Tq.

(Transferor)

(2) Al-Ehsan Foundation. No. 31, Infantry Road, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 7361/82-83 Dated 17-3-83] Property at Sy. No. 131, situated at B. M. Kaval Village, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-11-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3927.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. House No. 106 (Old 84), Jawahar Marg,

Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering
Officer at Indore in 30-3-83
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Chandrasen Rao S/o Govind Rao Matkar, R/o 3, Residency Area, A.B. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Vimal W/o Shri Janaidan Mahashabde, C/o Smt. Saila W/o late Shyamnaiayan Nagu, 106 (Old No. 84) Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 106 (Old No. 84) situated at Jawahar Marg, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-11-83

FORM I.T.N.S ---

(1) Kanhaiyalal S/o Kishorılalji Mıttal, R/o 61-62, Pecigali, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Yedvantibai W/o Sh. Chhogalalji and Smr. Kalavatibai W/o Prakashchundu, R/o 57, Ramganj (Jinsi), Main Road, Indore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3928.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No. Plot No. 21 at Sita Ram Park Colony,

Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 9-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 21 situated at Sita Ram Park Colony, Indore,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-11-83 Seal:

(1) Pradeepkumar S/o Chandmal Gandhi,

R/o Sendhwa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vinayakrao S/o Shyamrao, R /o Sendhwa.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3929.-Whereas, I. D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House situated at

Sendhwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Sendhwa on 4-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been utily stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-33-386GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storyed house at Sendhwa.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 1-11-22

Seed:

(1) Tasduhussain S/o Isufaliji Bohra Talwala Mukhtyare Aam Shri Sirajbhai S/o Tasdukhussainji Bohra Talwala R/o Chandani Chowk Bakhal, Ratlam.

(Transferor)

1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shambhudayal S/o Devisinghji Purohit, Chartered Accountant, 2. Smt. Prakashkumari W/o Sh. Shambhudayalji Purohit, R/o 19-A, Rangrej Road, Ratlam.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bhopal, the 1st November 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3930.—Whereas, I,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Plot No. 12/493 situated at Mitra Nivas Road, Ratlam (and mures fully described in the Schedule approved besets)

Explanation:—The terms and expressions used herein as

in that Chapter.

situated at Mitra Nivas Road, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 26-3-83

Officer at Ratlam on 26-3-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. (Municipal 12/493 situated at Mitra Nivas Road, (Chhoua Pologround), Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-11-83 Seal:

(1) Meharunissa W/o Abdul Aziz, R/o 8, Pinjara Bakhal, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhuvana Co. Operative Housing Society, Tarfe President, Shi K. Ramchandran, R/o 18, Bima Nagar, Indoge,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3931.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 42. Stinagat Extension, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

and/or

1908) in the office of the Registering
Officer at Indore on 22-3-83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 42 situated at Stinagat Extension, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3932.-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 13 at Janki Nagar Extension, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred pader the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Indose on 24-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the storesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the seduction of evasion of the liability to pay tax under the said Act. in arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Rajkumar S/o Sh. Gokulchand, R/o 3, Janki Nagar Extension, Indore.

(Transferor)

(2) Dattatriya S/o Sh. Nathuraoji Wagh, R/o 17/2, Snehlataganj, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13 situated at Janki Nagar Extension Colony, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 1-11-83

(1) Balchand S/o Sh. Pohumal R/o 95, B. K. Sindhi Colony, Indore.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Prakash S/o Sh. Naumalji R/o 340, Sadhu Wasvani Nagar, Indore.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3933.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 456 situated at

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Indore on 8-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Plot No. 456 situated at Indore Sudhar Nyas Scheme No. 31, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-83

Seai ;

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhoral, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3934.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot No. 456 situated at

Indore Sudhar Nyas Scheme No. 31 Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Indore on 8-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Balchand S/o Pohumalji, R/o 95, B. K. Sindhi Colony, St. No. 1, Indore.

(Transferor)

(2) Lalchand S/o Narayandasji, R/o 340, Sadhu Wasvani Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 456 situated at Indore Sudhar Nyas Scheme No. 31, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 1-11-83 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acgn/Bpl/3935.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. House and attached land---Municipal Corpn. situated at Madhav Nagar Ujjain No. 6.578 (New 89)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Ashadevi Wd/o Rajkumarji Putni
 2. Vitendrakumar S/o Rajkumarji Patni
 R/o of Vishva Vidhyalaya Marg, Madhav
 Nagar, Ujjain.

(Transferors)

(2) Banwarilal S/o Ramgopalji Sinhal, R/o Kaliya Deh, Darwaja, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and attached land—Municipal Corporation No. (Old) 6:578 and (New) 89 situated at Vishva Vidhyalaya Marg, Madhav Nagar, Ujjain,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 1-11-83

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 2nd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3936,--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. House Muncipal Corpn. No. 5/35 at Mahesh Nagar, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-3-83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sanwarmal S/o Sh. Harikishanji Solanki R/o Minasar Teh. & Distt. Bikaner Tarfe Khas Mukhtiyare Sitaram S/o Harikishan Solanki, R/o 5/35, Mahesh Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Delhi Gondiya Kanpur Transport Corporation R/o 56, Dambar Gali, Bombay Tarfe Partner Rameswaroop S/o Billaramji Bhatia, R/o Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of-House (Ground floor) No. 5/35 situated at Mahesh Nagar, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-11-83

(1) 1. Satyanarayan 2. Jagdish S/o Babulalji 3. Mecrabal W/o Babulalji R/o Gram Jhalariya, Teh. Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kalyan S/o Nathulal 2. Mangilal S/o Nathulal R/o House No .11/2, Jawahar Marg, Indore. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. JAC/Acq/Bpl/3937,—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land: Survey No. 121

situated at Gram Kanadia, Teh, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at on 5th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land-Survey No. 121 situated at Gram Kanadia Teh. Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—34—386GI/83

Date: 1-11-1983

Babulalji 3. halariya Teh. (1) Shri Satyanarayan 2. Jagdish S/o Babulal Mirabai W/o Babulal R/o Gram Jhalariya Indore,

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3938.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land, Survey No. 121, situated at Gram Kanadia Teh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Indose on 5th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

(2) Shri Ashok Kumar 2. Shankarlal S/o Nathulal Agarwal, R/o 11/2, Jawaharlal Marg, Indore. (Transferees)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the arcresate persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land-Survey No. 121 situated at Gram Kanadia Ten Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 1-11-1983

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Cheturam S/o Shri Chanchaldasji Tarfe Aam Shri Cheturam S/o Shri Chanchaldas Mukhtiyar Shri Pritamdas S/o Shri Chanchaldas R/o B. K. Sindhi Colony (No. 24/2), Indore.
Transfror(s) Chanchaldas

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vishandas S/o Shri Basantmalji R/o House No. 10, Ganji Compound, Indore. Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3939.--Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Flat No. 2 (Ground Floor) on plot No. 327
situated at Vasan Shah Colony, Indore
(and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering at Indore on 23rd March, 1983

at Indore on 23rd March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2 (Ground Floor) constructed on plot No. 327 situated at Vasan Shah Colony, Scheme No. 31 Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 1-11-83

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3940.-Whereas I, D. P. PANTA,

tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. Flat constructed on Plot No. 327 (Flat No. 3) situated at Indore Vikas Pradhikaran Yojna Kramank 31,

Wasan Shah Colony, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at Indore on 28th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesald proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shr Chetumal S/o Chanchaldas Tarfe Aam Mukhtyar Pritamdas S/o Chanchaldas R/o 24/2, B. K. Sindhi Colony, Indore.

Transfror(s)

(2) Shri Vishandas S/o Shri Basandmal, R/o 10 Ganji Compound, Indore.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat No. 3 constructed on Plot No. 327 situated at Indore Vikas Pradhikaran Ki Yojna, Badshah Colony, Indore.

D. D. PANTA Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: I-11-1983

(1) Cheturam S/o Chanchaldas Tarfe Aam Mukhtiyar Pritamdas S/o Chanchaldas R/o 24/2, B. K. Sindhi Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vishandas \$/o Shri Vasandmal R/o 10, Ganji Compound Indore. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

Bhopal, the 1st November 1983

Ref No. IAC/Acqn./Bpl/3941.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Ftat No. 12 on plot No. 327

situated at Vasan Shah Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 on Plot No. 327 situated at Indore Vikas Pradhikaran Yojna No. 31, Vasan Shah Colony, Indore.

D. D. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3942.-Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ bearing

No. Khet, Old No. 20, New No. 30 situated at Gram Hamidpura Teh. Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rogistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Burhanpur on 31st March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Govinddas Digamberdas Gupta.
 Smt. Narbadabai W/o Digamberdas Gupt,
 Subhagyawati Uma W/o Ratilal & Digamberdas
 Subhagyawati Kusum W/o Mohanlal & D/o Digamberdas Gupta.

No. 1 and 2 Itwara, Burhanpur, No. 3 Dholi Ward, Burhanpur No. 4 Sanwara, Burhanpur. (Transferors)

(2) Pandit & Brother Yashwant S/o Rambhau Patil, R/o Hamidpura Teh. Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein "as are defined in Chapter XXA of the said 'Act, shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Khet, Old No. 20 (New No. 30) situated at Hamidpura Teh. Burhanpur of which all the details are furnished in Form No. 37-G certified by the Transferee,

> D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 1-11-1983

FORM ITNS (1) Shri Aditya

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3943.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. House, Municipal Corpn. No. 242, Old No. 192 situated at Tilakpath, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of pransfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Aditya Pratap S/o Shri Veerbahadur Shah, R/o Shiv Vilas, Katol Road, Nagpur (Maharashtra).

(Transferor)

(2) Shri Chandulal S/o Shri Jhoolchandji Kuril, R/o 242, Tilakpath, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, Municipal Corpn. No. 242, Old No. 192, Tilakpath situated at Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 1-11-1983

Scal:

(1) Dr. Satishkumar, R/o 24/2, Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Ravindranath Kantichand Dey, R/o C-1, Manoramaganj, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3944.—Whereas I, D. P. PANTA,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Property, Part of Municipal Old No. 19A, New No. 1, Plot No. 1 situated at Manoramagani, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2nd March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of tre property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property Old No. 19A, New No. 1, Plot No. 1 situated at Manoramaganj, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1983

FORM ITNS ------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn Bpl/3945.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. House, Nagar Nigam No. 37 situated at Ujjain
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ujjain on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—386GI/83

(1) Shri Triloknath S.o Shri Bhagatramji Juneja, R/o Dashehra Maidan, Ujjain.

(Transferoi)

(2) Shrimati Ritarani W/o Shri Avanishchandraji Juneja, R/o Madhonagar, Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House, Nagar Nigam No. 37 situated at Subhash Marg. Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar. Bhopal

Date : 1-11-1983

Şeal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3946.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Plot situated at Devendra Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 6th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Baljeet Kaur W/o Shri Surendra Singh Mukhtyare Aam Shri Amarjeet Singh.
 Shri Sampooran Singh, R/o Jai Road, Raipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Rajeshwari W/o Shri Subhash Kulkarni, R/o Modahapara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if eny, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Devendra Nagar, Rainur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T, T. Nagar, Bhopal

Date: 1-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 2nd November 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3947.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land: Kh. No. 1781, 1782 & 1783 situated at Azad Ward No. 19 Chhindwada,

and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908(in the office of the Registering Officer at Chhindwada on 28th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following: persons, namely:-

(1) 1. Shri Devendrakumar S/o Shri Lalchand Patni, 2. Shi i Shantikumar S/o Shri Devendiakumar Patni,

R/o Golganj, Chhindwada,

1. Smt. Bharti W/o Shri Ashokkumar Patni,
 2. Shri Rajkumar S/o Shri Sohanlal Patni,
 3. Shri Hemendrakumar S/o Shri Ghisulal Putni,
 4. Shri Asha Patni Joje Lalitkumar Patni,

5. Kiran Jain Joje Pravinkumar Jain, All R/o Chhindwada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Land Kh. No. 1781, 1782 & 1783 situated at Azad Ward, Chhindwada.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 2-11-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Kamalchand S/o Shri Kesharimal Bakaliwal, R/o 73/7, South T. T. Nagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri R. C. Batra S/o Shri Jamiatrai, R/o B-4, 339, Bhopal,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3948.—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 284 & constructed thereon an incomplete house situated at Arera Colony, Bhopal

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 25th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 284 and an incomplete house constructed thereon situated at E-4, Arera Colony, Bhopal.

> D P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 2nd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3949.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 10, C Sector, situated of Kohi Fiza, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 16th March, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Ramchandra S/o Shri Prataprai, Marfat Suresh Edmare Clinic, Royal Market, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Gangadevi W/o Shri Laxminarayanji Mittal, R/o Mamidia Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10, 'C' Sector, situated at Kohe Fiza, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 2-11-1983

FORM ITN9 ----

(1) Smt. Laxmibai W/o Shri Gulabrai, R/o Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jebunnisa Ahmed W/o Shri Mukhtar Ahmed, R/o Nadim Road, Bhopal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 1st November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3950.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 20, situated at Kohi Fiza, Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on March, 1983

Bhopal on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 20, B Sector situated at Kohe Fiza, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 2nd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3951.—Whereas, f. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 45, situated at 'D' Sector, Kohe Fiza, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 2nd March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pradeepkumar, R/o E-2/158, Arora Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Jebunnisa Ahemad W/o Mukhtar Ahemad, R/o Bhopal,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45, 'D' Sector Kohe Fiza, situated at Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 2-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3952,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 7, situated at Nayapura, Lalghati, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 22nd March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. Jyoti Chaturvedi,
 - Ku. Sawati Banerji D/o Shri Ravindra Mohan Banerji.
 - (3) Smt. Bharti Mukherji W/o Shri S. Mukherji, R/o 75, Thampson Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Parwej Hashmi S/o Shri S. Sultan Ali, R/o Shahajanabad Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Nayapura, Lalghati situated at Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 3-11-1983

FORM ITMS-

NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 3rd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3954.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 808, Niwardganj, Dixitpura, situated at Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:—36—386GI/83

(1) (1) Shri Rameshwar Prasad Guru,

- (2) Shri Baleshwar Prasad S/o Late Pandit Kamta Prasad Guru,
- (3) Srat. Girjadevi Wd/o Late Pandit Jageshwar Prasad Guru, through seit Shokuntala and Kanchan Guru, R/o Dixitpura, Jabalpur.

 (Transferor)
- (2) Smt. Lata Soni W/o Shri Mahesh Prasad Soni, R/o Dixitpura, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Cufficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 808, Block No. 56 situated at Niwardganj, Dixitpura, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Arquisition Range
4th Floor, Gangotri Bulling
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 3-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 3rd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3955.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

House No. 808, Niwardganj, Dixitpura, situated at

Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 8-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be tween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Rameshwar Prasad Guru,
 - (2) Shri Baleshwar Prasad Guru S/o Late Pandit Kumta Prasad Guru R/o Dixitpura, Jabalpur,
 - (3) Smt. Girjadevi Wd/o Lake Pandit Jageshwar Guru through self, Shankuntala and Kanchan Guru.

(Transferor

(2) Smt. Tara Joje Om Prakash and Om Prapash S/o Hanuman Prasad Soni, R/o Hanumantal, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Charter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House No. 808, Block No. 56 situated at Niwardganj, Dixitpura, Jabalpur,

D. P. PANTA
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom tax
Arquisition Range
4th Floor, Gragotri Bul'ding
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 3-11-1983

LANCE CONTRACTOR OF THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE PARTY

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 3rd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3956.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act i have reason to believe that the minute able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beart g No. House No. 808, Niwardganj, Dixitpura, situated at

Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) na, been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabaipar on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followpersons, namely:--

(1) (1) Shri Rameshwar Prasad Guru,

(2) Shri Baies..... ... பயய ம/o Late Pandit Kamta Prasad Guru,

R/O Dixiipura, Jabalpur,
(3) Smt. Girjaaevi Wd/o Late Pandit Jageshwar
Piasad Guiu through self, Shakuntala and Kanchan,

(Transferor)

(2) Shri Ganeshmal S/o Shri Manikchand Chouradia, R/o Jabalpur.

(Transf, rec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from he d to of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 808, Block No. 56 situated at Niwardganj, Dixitpura, Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Arquisition Range
> 4th Floor, Gongo'ri B ilding
> T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 3-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 3rd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3957.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 1084 & 1085, 1085/1, 1094 (Old No. 476) situated at Lordganj, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 2-3-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shri Munish Jain S/o Komalchand Jain, R/o Faishon House, Andherdeo, Jabaipur. (Transferor)
- (2) Sint. Kanchánskai Wd/o Shri B. L. Jain, R/o 48, Lordganj, Lakha Bhawan, Purani Charhai, Jabalpur.

(Tran feree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1084 & 1085, 1085/1, 1094 (Old No. 476) Block No. 77, Prot No. 176/3, situated at Lordganj Ward. Jahalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, G ngotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 3-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd November 1983

Ret. No. IAC/Acqn/Bpl/3958.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing House No. 1084/1, 1085 (Old No. 476) situated at Lordganj, Ram Manob.r Lohiya Ward, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at fabalpur on 2-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manoj Jain
S/o Shri Komalchand Jain,
R/o Faishon House,
Andherdeo, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Anita Jain W/o Prasannakumar Jain, S/o Yate Shri B. L. Jain, R/o 48, Lordganj, Purani Charhai, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 flays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House No. 1084/I, 1085 (O'd No. 476) situated at Lordgani, Ram Manohar I ohiya Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 3-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3959.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 1084/1, 1085 (Old No. 476) situated at Lordganj. Ram Manohur Lohiya Ward, Jabalpur.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 2-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Shri Pankaj Jain S/o Shri Komalchand Jain, R/o Faishon House, Andherdeo, Jabaipur.

(Transferor)

(2) Shri Shreyanskumar S/o late Shri B. L. Jain, R/o 48, Lordganj, Purani Charhai, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1084/1, 1085 (O'd No. 476) situated at Lordganj, Ram Manohar Lohiya Wurd, Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor. Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '-

Date : 3-11-1983

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4027.—Whercas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2176 situated at Subhash Nagar, Wright Town, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at aJbalpur on March, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rampyaribał Nanhoriya Wd/o late Dr. Harival abh Nanhoriya, R/o 346, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Kishorekumar Bhoora and Vijaykumar Bhoora, S/o late Shri Maganmalji Bhoora R/o 771, Sarafa, Jaba.pur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 2176 on Plot No. 7 (DIV Plot No. 81) situated at Subhash Nagar, Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangetri Bu'lding
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-11-1983

I ORM 1.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3960.—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent authority under Section. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 647, Marhatal situated at Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at House No. 647, Marhatal situated at Jabalpur.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income __rising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of they income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the alloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramsewak Agarwal
S/o Shri Mahautoprasad Agarwal,
Self and Mukhuyar Shri Ompilakash Agarwal
S/o Ramsewak Agarwal,
R/o Marnatal, Jabaljur.

(2) Smt. Chandrakıran Bhatia W/o Shri Nebuprakash R/o 655, Harisingh Quarter, Marhatal, Jabalpur.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 647 situated at Marhatal, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-11-1983

Seaf:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3961.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 647, (A Part) situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—37—386G183

(1) Shri Ramsewak Agarwal

S/o Shri Mahadeoprasad Agaiwal,

Self and Mukhtiyar Shri Omprokash Agarwal

S/o Ramsewak Agarwal,

R/o Marhatal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Urmilu Sanghvi W/o Manubhai Sanghvi, R/o 399, Wright Town, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of house No. 647 (Plot No. 179, Block No. 82) situated at Marhatal, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-11-1983

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3962.—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 647, on plot situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Ramsewak Agarwal S/o Shri Mahadeoprasad Agarwal, & Omprakash Agarwal R/o Marhatal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Manubhai Sanghvi S/o Vallabhji Sanghvi, R/o 399, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of-House No. 47 on Plot No. 179 situated at Marhatal, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 1-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3963.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

House No. 647, situated at Marhatal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely :--

(1) Shri Ramsewak Agarwal

S/o Shri Mahadeoprasad Agarwal. Self and Mukhtiyar Shri Ompitakash Agarwal

S/o Ramsewak Agarwal, R/o Marhatal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Sureshkumar Bhatia S/o Shri Lalchand Bhatia, R/o 655, Harisingh Quarter, Marhatal, Jabalour,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 647 (Plot No. 179) situated at, Marhatul Ward, Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3964.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Land and Bunglow No. 39 situated at Cantt Area, Sugar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registernig Officer at Sagar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Amrendranath S/o Surendranath Mukherjee,
 - R. o Wright Town, Jabalpur,
 2. Shri N. Nath S/o Surendranath Saltlak, (Calcutta),
 - Smt. Purnima W/o Shri Manendranath Banerjee, R/o Patna (Bihar),
 - 4. Smt. Arpana Chatterjee Jauje Ganpati Chaterjee,
 - R/o Hazari Bag (Bihar),
 Shri A, Banerjee Jauje Amulya Banerjee,
 R/o Asansol (Bengal) Care Mukhtiyar Khas
 Transferor 2 to 5 Shri Amarendranath
 - R/o Jabalpur, 6. Ku. Neelima Mukherjee d'o Surendurnath Mukherjee R/o Sagar Cantt,
 - Smt. Meera Mukherjee Wd/o Gajendranath,
 - 8. Geeta Mukherjee Jauje G. Nath,
 - 9. Shii Tapan Mukherjee,
 - 10. Apan Mukherjee,
 - 11. Tarun Mukherjee R/o Indore Care Mukh. Khas Gopaldas Soni.

(Transferor)

- (2) Shri Tularam R/o Banda Tch. & Distt. Sagar 2. Shri Dhaniram S,'o Balmukund Soni, R/o Banda Teh. & Distt. Sagar,
 - 3. Shri Mathura Prasad S/o Jamnaprasad Soni, R/o Banda Tch. & Distt. Sagar.
- (Transferee) (3) Assistant Settlement Officer, Government of M.P., Bunglow No. 39, Cuntt Area, Sagar. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :~-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and part of bunglow number 39 situated in the Cantt Area, Sagar. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferees.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269(D1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3965.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Land and Bunglow No. 39 situated at Cantt Area,

Sagar.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sagar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Amrendranath S/o Surendranath Mukherjee,
 - R/o Wright Town, Jabalpur,
 2. Shri N. Nath S/o Surendranath Saltlak, (Culcutta),
 - 3. Smt. Purnima W/o Shri Manendranath Banerjee, R/o Patna (Bihar),
 - 4. Smt. Arpana Chatterice Jauje Ganpati Chaterice,
 - R/o Hazari Bag (Bihar),
 5. Shri A. Banerjee Jauje Amulya Banerjee,
 R/o Asansol (Bengal) Care Mukhtiyar Khas Transferor 2 to 5 Shri Amarendranath R/o Jabalpur,
 - 6. Ku. Neelima Mukherjee d/o Surendranath Mukherjee R/o Sagar Cantt,
 - 7. Smt. Meera Mukherjee
 - 8. Geeta Mukherjec,
 - 9. Shri Tapan Mukherjee,
 - 10. Apan Mukherjee,
 - 11. Tarun Mukherjee R/o Indore Care Mukh. Khas Gopaldas Soni.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Tulsiram S/o Matadeen Soni R/o Dewri Kala, Banda, Sagar,
 - 2. Smt. Sushila d/o Shankarlal Soni R o Kareliganj Distt. Narsinghpur, 3. Shri Surendrakumar S/o Taruchand
 - R/o Sarafa Market, Bada Bazar, Sagar.

(Transferee) (3) Assistant Settlement Officer, Government of M.P.,

Bunglow No. 39, Cuntt Area, Sagar. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sadi property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the card Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and part of bunglow number 39 situated in the Centt Area, Sagar. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferees.

D. P. PANTA Competent Authority Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-11-1983

scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3966,—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. part of land and Bunglow No. 39 situated at Cantt. Area Sagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923), or the said Act, or the Wealth &r Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Amrendranath S/o Surendranath Mukherjee, R/o Wright Town, Jabalpur,
 - 2. Shri N. Nath S/o Surendranath Saltlak, (Calcutta),
 - 3. Smt. Purnima W/o Shri Manendranath Banerjee, R/o Patna (Bihar).
 - 4. Smt. Arpana Chatterjee Jauje Ganpati Chaterjee, R/o Hazari Bag (Bihar).
 - Shri A. Banerjee Jauje Amulya Banerjee, R/o Asansol (Bengal) Care Mukhtiyar Khas Transferor 2 to 5 Shri Amrendranath R/o Jabalpur,

 6. Ku. Neelima Mukherjee d/o Surendianath
 - Transferor 2 to 5 Shri Amrendranath
 7. Smt. Meera Mukherjee Wd/o G. Nath

 - 8. Geeta Mukherjee Jauje G. Nath,
 - 9. Shri Tapan Mukherjee,
 - 10. Apan Mukherjee,
 - 11. Tarun Mukherjee R/o Indore Cure Mukh. Khas Gopaldas Soni.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Surendrakumar S/o Tarachand Jain,
 - Sarafa Market Bada Bazar, Sagar, 2. Sunilkumar S/o Mahendrakumar Jain Sarafa Market, Bada Bazar, Sagar,
 - 3. Rajendra Kumar S/o Nandlal Jain, Banda Teh. Sagar,
 - Jitendrakumar S/o Nandlal Jain,
 - Banda Teh. Sagar, 5. Ku. Rama D/o Hariprasad Soni R/o Baria Ghat, Sagar.

(Transferce)

(3) Assistant Settlement Officer, Government of M.P., Bunglow No. 39, Cantt Area, Sagar. [Person(s) in accupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and part of Bunglow Number 39 situated in the Cantt. Area Sagar. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferees.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acgn /Bpl/3967,—Whereas, I. D. P. PANTA,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of I and and Bunglow No. 39 situated at Cantt Area,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- Shri Amrendianath S/o Suaendranath Mukherjee, R o Wiight Town, Jabalpur,
 Shii N. Nath S/o Surendranath Saltlak,
 - (Culcutta),
 - 3. Smt. Purnima W/o Shri Manendranath Banerjee, R/o Patna (Bihar),
 - 4. Smt Aparna Chatterjee Jauje Ganpati Chaterjee.
 - R/o Hazari Bag (Bihar),

 5. Shi A. Banerjee Jauje Amulya Banerjee,
 R/o Asansol (Bengal) Care Mukhtiyar Khas
 Transferor 2 to 5 Shri Amarendranath
 - R/o Jabalpur.
 Ku. Neelima Mukherjee d/o Surendranath Mukherjee R/o Sagar Cantt,
 Smt. Meera Mukherjee Wd/o Gajendranath,

 - Geeta Mukherjee Jauje G. Nath, Shri Tapan Mukherjee,

 - 10. Apan Mukherjee, 11. Tarun Mukherjee R/o Indore Cure Mukh. Khas Gopuldas Soni.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Pawankumai S/o Kewalchand Jain R/o Banda Bazar, Sagar
 - Shri Ajitkumar S/o Onkarprashad, Shri Rajkumar S/o Gyanchand Jain,
 - Shii Sunilkumar S/o Piemchand aJin R/o Banda Bazar, Sugar (Banda Teh), Shii Rampiasad S/o Shankerlal Soni

 - R/o Kateli,
 - Ku Rama Do Haripiasad Soni,

R/o Waria Ward, Sagar,

- Shri Prahladdas S'o Ramnaiain Agarwal R/o Sagi, Shri Virendiakumar S/o Asharam Jain.
- Sh Madhav Prasad S/o Jagannath Prasad Soni, R/o Sagar

(Transferee)

(3) Assistant Settlement Officer, Government of M.P., Bunglow No 39 Cuntt Area, Sagai [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Part of bungalow Number 39 situated in the Cantt. Area Sagar. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferees.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhorul, the 7th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3968,--Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/and bearing No.

House situated at Katra Bazar Sagar

Ward, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sugar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the tra useror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- I. Mohd. Islam R/o Keshganj Ward Sagar,
 Mohd. Islam R/o Keshganj Ward, Sagar
 Abdul Hamid 4. Mohd. Shakil
 Abdul Rashid 6. Mohd. Shahid
 Mohd. Rahish 8. Mohd. Anis (Minor)

 - 9. Mohd. Salim (Minor) R/o Bali Ward, Sagar, 10. Noorjahan 11. Johera 12. Amnla
 - R/o Diwalana Ward, Sagar 13 Bismilla
 - 14. Jubeda 15. Rashid, 16. Raiba R/o Budhwara, Bhonal.

(Transferor)

(2) Shri Vishnu Prasad Haridas Reguwa Tchsil Raheli (Sagar).

(Transferce)

(3) 1. Chunni Lal Pande 2. Jas Bhai R/o Katra Bazar, Sagar.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house and land situated at Katara Bazarfi Teh. & This is the immovable property, which has Distt. Sagar. been described in the Form No. 37 G verified by the transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-11-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhoful, the 7th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Hpl/3969.—Whereas, l, D P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Katra Bazar situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sagar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said anstrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—38—386GI/83

(1) 1. Mohd. Islam R.o Keshganj Wurd, Sagar, (2) Mohd. Ishaq R/o Keshganj Ward, Sagar, (3) Abdul Hamid (4) Mohd. Shakil (5) Abdul Rashid (6) Mohd. Shahid (7) Mohd. Rahish (8) Mohd. Anis (Minor), (9) Mchd. Salim, (Minor) R/o Bhai Ward Sagar (10) Noorjahan (11) Johera (12) Amna R/o Diwalana Waid, Sagar (13) Bismilla (14) Jubeda (15) Rasida (1) Rabia R/o Budhwara, Bhopal.

(Transferor)

2. Shri Jas Bhai R/o Katra Bazar, Sagar. R/o Rampura Ward Teh. & Distt. Sagar.

(Transferee)

(3) 1. Shri Chunni Lal Pande
 2. Shri Jas Bhai R/o Katra Bazar, Sagar.
 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house and land situated at Katra Bazar, Teh. & Distt. Sagar. This is the immovable property, which has been described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-11-1983

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/3970.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 261/1 to 9 situated at Hanumangani, Mudwara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Katni on 3rd March, 1983.

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- fb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-the persons, namely:—

 Shri Kamalkumar Jain S/o Sh. Tekchand Jain, R/o Raghunathganj, Katni.

(Transferor)

(2) Sh. Sushilkumar Jain S/o Shri Tekchand Jain, R/o Raghunathganj, Katni.

(Transferee)

(3) 1. Prabhat Dal Mill (2) Sahadeo Satyanarayan (3) Krishnakumar Brijpuria (4) Mohanlal Namamal (5) Gulabrai (6) Gurunanak Anaj Bhandar (7) Hanuman Prasad, 26/1, Hanumangani, Mudwara. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Sazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and house Municipal No. 26/1 to 9 situated at Hanumanganj, Mudwara N. B. 493, Tehsil Mudwara. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Insecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4013.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Teh. Huzur Distt. Rewa

Land situated at Teh. Huzur Distt. Rewa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewa on 5th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Premnath Kela
 S/o Latt Gourishanker Kela,
 R/o LIG., 55 Housing Board Colony, Boda,
 Teh. Huzur Distt. Rewa.
- (Transferor)
 (2) Anantpur Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit,
 Anantpur through President
 Shri Bhagwatprasad Dube
 S/o Shri Sundarlal Dube
 R/o Anantpur, Rewa.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 57 at Gram Kheri Teh, Huzur Distt. Rewa,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3973.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the mome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Λ ct'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said the figure reason to believe that the infinovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Diverted Land Kh. No. 477, Plot No. 1/9, Sheet No. 19 situated at Chirhuldih Diett Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raipur on 1st March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195? (27 of 1957);

(1) Shri Kishanlal S/o Murfidhar (handani R/o Civil Line, Raipur.

(Transferor)

(2) Lokmanya Sahkari Grah Nirman Sanstha Maryadit, Raipur through President Bhaskar Kathothe S/o Jagova Kathothe R/o Choube Colony, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the afore aid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Diverted land Kh. No. 477, Plot No. 1 '9, Sheet No. 19 situated at Mouza Chirhuldth Teh. & Distt. Raipur,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICL OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION! R OF INCOMETAX,

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M P

Bhopal, the 7th November 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl, 3974 —Whereas, I, D. I. PAN $\Gamma\Lambda$

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Diverted Land Kh No 477, Plot No 1 8, Sheet No 19 situated at Mouza Chuhukdih, Distt Raipur

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Rappur on 1 t March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as gforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part es has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atomatical property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Shii Brijlal
 S/o Hargundas Jadwani
 R/o Ahemadji Colony,
 Raipur

(Transferor)
(2) Lokmanya Sahkari Grih Numan Sansiha Maryadit
Raipui through President Bhaskar Kathote
S/o Jagova Kathote
R/o Choube Colony,
Raipur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defired in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

House and Diverted Land Kh No 477, Plot No 1/8, Sheet No 19 situated at Chirhuldth Distt Raipui

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building
T T Nagai, Bhopal

Date 7-11-1983 **Seal:**

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M P

Bhopal, the 7th November 1983

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3975—Whereas, I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

House on Plot No 4 situated at Ratiam Kothi, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sardar Santokhsingh S/o Sardar Amarsinghji R/o Nepanagar, Distt Khandwa.

(Transferor)

(2) Shyamsingh S/o Thakursinghji R/o Khatiwala Tank, House No. 937, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Ratlam Kothi, Plot No 4-A, Indore

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T T Nagar, Bhopal

Date: 7-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3976.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House situated at Ratlam Kothi, Plot No. 4-A, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 26th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, mamely:-

(1) Shri Sardar Santokhsingh yo Shri Saidai Amaisinghji Ajmani R/o Nepanagar, Distt. Khandwa.

(Transferor)

(2) Smt. Indumati W/o Vipinkumar Patel R/o Bara Shivani, Distt. Balaghat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Ratlam Kothi on plot No. 4-A situated at Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M, P.

Bhopal, the 8th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3977.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Ratlam Kothi on Plot No. 4-A, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 26-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sardar Santhokhsingh S/o Sardar Amarsinghji R/o Nepanagar, Distt. Khandwa.

(Transferor)

Smt. Indrajitkaur
 W/o Butasinghji
 R/o Khatiwala Tank,
 Indore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Ratlam Kothi on Plot No. 4-A situated at Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M P

Bhopal the 8th November 1983

Ref No IAC/Acqn/Bpl 3978—Whereas J D P PANTA

being the Computent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/ and bearing

Plot No. 212 situated at Shrifagai Colony Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Resistation Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Inodic on 8th March, 1983

for an apparent consideration which is 1 ss than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (L) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer e for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pisons namely:—39—386GI/83

(1) 1 Shii Haibhajansingh S o Waziisingh

2 Smt Santosh Kaur W o Shii Wazirsingh

3 Smt Manjit Kaui W o Shri Harbhajansingh R o of Rivindianagar Indore

(Iransferor)

(2) Shri Kailashkumai S o Iqbalshanker Shrivastava R/o 210, Shrinagar Colonv Indore

(Iransferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officia: Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHIDLIE

Plot No 212 situaed at Shripagai Colony Indore

ID P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income 'ax
Acquisition Range
4 h Thoi Ga gotti Building,
1 I Nich Bhop. 1

Date 8 11-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 Or 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th November 1983

Ref. No. IAC/Acqv/Bp¹/3979.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Flat No. 2 situated at Kailash Park, Ladore

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 17th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the tansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shailesh

8 to lear yearholds Sheth

Roo 21, Sikh Mohalla,
Ladore.

(Transferor)

(2) Shri Aril S/o Shri Anireddha A. Khole R/o Kailash Park, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Sheth Apartment situated at Kailash Park, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisi:ion Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-11-1983

5..1:

FORM ITS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACF, 1961 (43 OI 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

O. HICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF THE TAX

VC GOLILIOA S 7

blo if the 8 h November 1 52

R 3 LAC/Mar Smi/3 of or 3 DP i will

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax. Act, *61 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to 1 love that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,600/ad braining No.

I thoosen a summare that the constant of the sum of th

(nlino e fully described in the Schill and I have o) he our an food

- the the Registre on A 4 1008 (16 o 1008) in the off of the Registering Offic r
- at Irdo e on 18th March 1983

market value of the atoresaid propert, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the irrensferor to pay tax under the said Act, in respect of any irrense arising from the tailsfer, and/or
- (b) factitating the conceatment of any income of any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the s id Act I hereby invite proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(Smi Shaileshki moi 5 0 S. I. Vitth agas Si-in 10 0 21 Shin Mohit Indoc

(Transferor)

(2) Sh i Enimoral d 2/0 Pati al Run C/2 Redha Sarveshwai Co 26 S ryogit La ij Irdo e

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in de in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dr 5 from the date of publication of this notice in the Official Cazette of a period of 30 days from the service of some or the respective persons, if elever period expired later;
- o) by any other mison interested in the said immoving able proporty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

sto is Shill is ment shilted at 7 C Kellash Park Colon, Indo-

D P PANTA
Competent Authority
The citiz A tent Commissioner of Income tax
Acquisition Range
I floor Ginsot i Buldin
I i Nager B opil

Date & 11-1983 Sail

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3981.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 7, Sheth Apartment situated at 7-C Kailash Park Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Saileshkumar S/o Vitthaldas Sheth R/o 21, Sikh Mohalla, Indore.

(Transferor)

Shri Satyanarayan
 S/o Ratanlal Rathi
 Ro Radha Sarweshwar Co.,
 R/o 26, Sanyogitaganj,
 Indore.

(Transferee¹

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Sheth Apartment situated at 7-C Kailash Park Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3982.—Whereas, I, D. P. PANTA,

oring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 'hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1-7A (Sheth Apartment) situated at Kailash Park Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kirtikant S/o Vitthaldas Sheth 34, Sikh Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Jasumatiban W/o Shri Rasıklal Shah R/o 2/6, Manoramagani, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1-7A (Sheth Apartment) situated at Kailash Park Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ashokkumar S/o Vitthaldas Sheth R/o 34, Sikh Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Pravinkumar S/o Chandulal Shah R/o Flat No. 8, Kailash Park Colony, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3983.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1-7B situated at Kailash Park Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908)

of 1908)
In the office of the Registering Officer at
Indore on 7th March, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (i) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1-7B (Sheth Apartments) situated at Kailash Park Colony, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Bulding
> 1. T. Nagar, Phopul

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-nersons, namely: persons, namely :-

Date: 8-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3984.—Whereas, I, D. P. PANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
New Municipal No. 21-22 (Old No. 16/2, 16/3) situated at

Manak Chowk, Indore fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Salid Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Relumal S/o Govindramji R o House No. 9, Jawahar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Hastimal S/o Shri Onkarlalji Jhelawat R/o House No. 17, Shantinager Jain Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of not ce on the respective persons, whichever period expires la er.
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the dat eof the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the sa'd Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. (New 21-22 (Old) 16/2, 16/3 situated at Manak Chowk, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1983

Rcf. No. IAC/Acqn/Bpl/3985.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 10 situated at Rajgarh Kothi Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shivam Apartment 10, Rajgarh Kothi Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shivam Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit 10, Rajgarh Kothi Colony, Geeta Bhawan Road, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10 situated at Rajgarh Kothi Conoly, Indore,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rangee
4th Floor, Gangotri Building
T. F. Nagar, Bhord

Date: 8-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3986.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop situated at Shahid Bhagatsingh Market, A. B. Road, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—386GI/83

(1) R. K. Builders R/o 354, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Laxmichand Bhaggaji Registered Partnership Firm Aam Mukhtiyar Thakorlal Rao R/o 7, Shiv Vilus Palace, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Shahid Bhagatsingh Market situated at A. B. Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) R. K. Builders, Purushottam Kant Agarwal, R/o 354, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Laxmichand Bhaggaji Regd. Partnership Firm Aam Mukhtiyar Thakorlal S/o Amritlal Rao 7, Shiv. Vilas Palace, Indorc.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3987.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Shop situated at Shahid Bhagatsingh Market, A.B. Road, Indore

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in March, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

transfer with the object :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Shop at Shahld Bhagatsingh Market situated at A.B. Road, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Buildin,
> T. T. Nagar, Bhops

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-11-1983

Soal:

 R. K. Builders, R/o 354, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Laxmichand Bhaggaji Regd. Partnership Firm Aam Mukhtuyar Through Amritlal Rao 7, Shiv Vilas Palace, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3988.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop situated at Shahid Bhagatsingh Market Lasudia Mouri,

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 5th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop atShahid Bhagatsingh Market, situated at Lasudia Mouri, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-11-1983

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Mpl/Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Shop situated at Shahid Bhagatsingh Market,

Lasudia Mouri, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the catealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. Builders. R/o 354, Saket Nagar, Indore.

S/o Shri Amritlalji

(2) Shri Laxmichand Bhaggaji Regd. Partnership Firm Karta: Shri Thakorlal

(Transforce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Shahid Bhagatsingh Market, situated at Lasudia Mouri, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Bullding T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date :: 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Regd. Firm Shri Keshar Land & Finance Co. Ratlam—Partner Subhashchandra S/o Hiralal Jain, Ratlam.

(2) Smt. Surekha Jain W/o Shri Hukamchanji Jaiu, R/o Rajput Boarding House, Ratlam.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISCOMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3990.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Ram Rahim Nagar, Dewas

Land situated at Ram Rahim Nagar, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the solid Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Plot No. 34 situated at Ram Rahim Nagar, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

 Shri Bapulal S/o Ruggaji Patidar R/o Rajoda Teh. Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 (2) Oam Nagar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit,
 92, Rajjabal: Marg, Dewas through President Gyaneshwar S/o Devidas Devhare, Dewas.
 (Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1983

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl3991.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land S. No. 365 situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 26th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land S. No. 365 situated at Kasba Deway,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3992.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land S. No. 365 situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 24th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bapulal S/o Ruggaji Kulmi (Patidar)
 R/o Rajoda Teh. Dewas.

(Transferor)

 (2) Oam Nagar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit,
 92, Rajjabali Marg, Dewas through President Gyaneshwar S/o Devidas Devhare, Dewas.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 365 situated at Dewas Senior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3993.—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 45, New Plot No. 257 situated at Budhwara Bazar Ward, Station Road, Khandwa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 8th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 n-1) Brahmacharini Chandrakantabai alias Babybai D/o Shri Premchandji Jain R/o Ramganj, Khandwa.

(Transferor)

Raja Bahadur S/o Shri Fakirchandji
 Shri Dilipkumar
 Ramganj, Khandwa.

(Transferee)

(3) Shri Pradcep Narain Tiwari, Rameshchandra Soni, Gorelal, Dr. Nigam, Hiralal Narain, Block No. 45, New Plot No. 257, Budhwara Bazar Ward, Station Road, Khandwa.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Land and building at Block No. 45, New Plot No. 257, Old Plot No. 218/3, 218/8, 218/9, 218/12, 220 and 220/1 at Budhwara Bazar, Station Road, Khandwa. The property includes a Cinema building known as New Prakash Talkies. This is the property described in Form No. 37-G verified by Shri Raja Bahadur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3994.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

25,000/- and bearing
House No. 110, situated at Khadagpura Ward, Khandwa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Khandwa in Morch 1983

of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (to of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—386GI/83

(1) Brahmacharini Chandrakantabai alias Babybai D/o Shri Premchandji Jain R/o Ramganj, Khandwa.

(Transferor)

 Raja Bahadur
 Shri Dilipkumar both sons of Shri Fakirchandji, R/o Ramganj, Khandwa.

(Transferec)

(3) 1. Pratap Rai Ambulal
2. Choith Ram Nanumal
110, Khadagpura Ward, Khandwa.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 110, situated at Khadagpura Ward, Khandwa. All the details are furnished and verified by the Transferee in Form No. 37-G.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nngar, Bhopal

Date: 8-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3995.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing House Municipal No New 64 (Old No. 42/1) situated at Janmejai Marg, Nagda Mandi, Distt. Ujjan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ujjain in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) Shri Mahendrasingh S/o late Kishansinghji Raghuvanshi Thakur R/o 26, Tilak Marg, Nagda Mandi, Distt. Ujjain.
- (2) Abdul Haq S/o late Haji Abdul Gaffar R/o 16, Janmejai Marg, Nagda Mandi, Distt. Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of house Municipal No. New 64 (Old No. 42/1) situated at Janmejai Marg, Nagda Mandi Teh. Khachrod Distt, Ujjain.

D. P. PANTA Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3996.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Property Kh. No. 394 situated at Mhowpura, Shajapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shajapur on 25th March, 1983

which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectin 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Shankarlal S/o Shri Dwarkadas, Muchhal, R/o 98, Lodhipura, Indore.
- (2) 1. Sunilkumar S/o Rameshchandra Mahajan,
 - Shri Sanjeevkumar S/o Rameshchandra Mahajan
 Shri Rajeshkumar S/o Rameshchandra M.hajan
 - 4. Shri Pramodkumar S/o Ramk ishna Mahajan Shri Kailashchandra S/o Babulal Mahajan
 - Shri Prahlad S/o Bansilal Mahajan
 - R/o Naya Road, Shajapur.

(Transferce)

(3) Dr. K. C. Mandloi,

Mhowpura, Shajapur.
(Person's) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kh. No. 394, 0.427 Hectre situated at Mhopura, Shajapur. (Land and building).

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3997.-Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Municipal No. 17 & No. 23 (1st floor) situated at Manak

Chowk, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24th March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Suribai W/o La.e Tejumalji R/o 129, Bairathi Colony, No. 2, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Dilipsingh S/o Mohanlalji R/o 71, Malharganj, Main Road, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building---Municipal (Old) No. 17 and (New) No. 23 (Ground floor) situated at Manak Chowk, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983 Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3998.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Municipal Old No. 17 and New No. 23 situated at Manik Chowk, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 24th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Suribai W/o Late Shri Tejumalji, R/o 129, Bairathi Colony No. 2, Indore.

(Transferor)

(2) Shrimati Reeta Devi W/o Shri Dilip Singh, R/o 71, Malharganj, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house-Municipal Corpn. Old No. 17 & New No. 23 situated at Manik Chowk, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-11-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3999.-Whereas I, D. P. PANTA,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land-kh No. 323/2 situated at Gram Bavadiakala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 24th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A.t. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Jamanaprasad,
 - Shri Chhogalal,
 - 3. Shri Kadash, both Ss/o Shri Bondar, R/o Gram Bavadiakala Distt. Bhopal.

(Transferor)

(2) Pushpa Grih Nirman Sahkari Sanstha through General Secretary & Officer Incharge, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land-Kh. No. 323/2 situated at Gram Bavadiakala Distt. Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-11-1983

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4000.—Whereas 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 88/2/1 situated at Gram Bavadiya Kala,

Distt. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 7th March, 1983 for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inltlate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Pooranlal S/o Shri Balkishan, R/o Bayadiya Kala, Teh. Huzur, Bhonal.

(Transferor)

(2) Tarun Grih Nirman Sahkari Samiti, R/o 2/3, Prashasan Akadami Parishad, 1:100, Quarters, Bhopal through Prosiders: Shri B. R. Bansal S/o Shri Roopchand Bansal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—Kh. No. 88/2/1 situlated at Gram Bavadiya Kala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1933

Shri Daulatram S/o
 Shri Kewalram, R/o
 Chuna Bhatti, Teh. Huzur Distt. Bhopal

(2) Danish Grih Nirman Sahkari Sanstha through President, Bhopal.

(Transferee)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/4001.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land—Kh. No. 58/2 situated at Chuna Bhatti, Distt.

Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Bhopal on 31st March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper y, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—Kh. No. 58/2 situated at Chuna Bhatti, Teh. Huzur, Distt. Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

scal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAI

Bhopal, the 10th November 1983

Ref No IAC/Acqn/Bpl/4002 —Whereas I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh No 58/3 situated at Vill Chuna Bhatti Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any become arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
42—386GI/83

(1) Shri Asaram S/o
Shri Mulchand, R/o
Giam Chuna Bhatti, Teh Huzur, Bhopal.
(Tiansferoi)

(2) Danish Housing Co-operative Society Ltd, Care President, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh No 58/3 situated at Village Chunh Bhatti, Teh Huzur, Distt Bhopal

D P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
T T. Nagar, Bhopal

Date · 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4003.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000) and bearing No.

Land & House situated at Shyamla Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 16th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimuti Meharunnisa W/o Shri M. A. Majid, R/o Purana Kila, Bhopal,

(Transferor)

(2) Shri Krishnavallabh Sharma S/o Shri Vasudhavallabh Shurma, Care Wali Sansrakshak Parmeshwari Vallabh Sharma, Chartered Accountant, Loha Bazar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Shyamla Hills Road, Bhopal, Nagai Nigam Ward No. 26. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by Shri P. B. Sharma and the document for the transfer of which has, according to the information furnished by the Registering Officer in Form No. 37-H, been registered on 16-3-1983 under No. 7339.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range.
> 4th Floor, Gangatri Building.
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4004,—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Land—Kh. No. 53/2, 31, 22, 35 situated at Bavadiakala, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 19th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section $\angle 69D$ of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Budha S/o
 Shri Pyatelal, R/o
 Bavadia Kala, Teb. Huzur, Distt. Bhopal.
 (Transferor)
- (2) Abhinav Gib Nirman Sahkarl Samiti, through Officer Incharge R. B. S. Yadav S/o Shii G. P. Yadav. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—Kh. No. 53/2, 31, 22, 35 situated at Gram Bavadia Kula, Distt. Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl '4005.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No. Land—Kh. No. 221/1 & 168/25 situated at Gram Barkhedi Kala Distt. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 19th March, 1983

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harlal S/o
 Shri Bhavani, R/o
 Barkhedikala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal.
 (Transferor)

 (2) Abhinay Grih Nirman Sahkari Samiti

 Abhinay Grih Nirman Sahkari Samiti through Officer Incharge Shri R. B. S. Yadav S/o Shri G .P. Yadav.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—Kh .No. 221/1 & 168/25 situated at Gram Barkhedikala, Teh. Huzur, Distt. Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4006.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 35 situated at Nadir Colony, Shyamala Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 9th March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as sforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Sahibiada Yavar Rashid,

2. Shri Sahibjadi Mehbano,

Sahibjada Nadir Rashid,
 Sahibjdi Nilofer,

5. Smt. Suraiyya Rashid W/o Shri Rashid Ujjafatkhan, R/o Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri D. S. Pandey S/o Shii G. Pandey, R/o Bhonal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 35 situated at Nadir Colony, Shyamala Hills, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissionel of Income-Tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-11-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC Acqn/Bp1/4007.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land—S. No. 170/1, 170 2, 172 situated at Gram Malanyasa

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Shrimati Nagaribai W/o Shri Onkarlal, Shrimati Meenakumari W/o Shri Puruthottamlal, R. o Ujjain.

(Transferor)
(2) Kshipranjali Grih Nirman Sahkati Sanstha,
Ujjain.

(Transferce)

Obcctions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 170/1, 170/2, 172 situated at Gram Malanvesa Ujjain. All the details are furnished in verified Form No. 37-G.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Nagaribai W/o Shri Onkarlal 2. Kumari Dhamannabai D/o Shri Onkarlal R/o Uiiain.

(Transferor)

(2) Kshipranjali Grih Nirman Sahkari Sanstha, Uiiain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSOINER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/BpI/4008.-Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land—S. No. 170/1, 170/2, 172 situated at Gram Molanyana.

Malanwama

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ujjain on Maich, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Land S. No. 170/-, 170/2, 172 situated at Malanwamn. All the details are furnished in Form No. 37-G verified by the Transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagai, Bhopal

Date: 10-11-1983

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Λcqn/Bp1/4009.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land—S. No. 170/1, 170/2, 172 situated at Gram Malanwama Malanyasa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partits has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Nagaribai W/o Shri Onkarlal,
 Shri Mukeshkumar S/o Shri Basantilal, R/o Ujjain.

(Transferor)

(2) Kshipranjali Grih Nirman Sahkari Samiti Ujjaln.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Land—S. No. 170/1, 170/2, 172 situated at Gram Malan-wama.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl '4010.—Whereus I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Land—S. No. 170/1, 170/2, 172 situated at Gram Malanwama

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

43-386 GI/83

 Shrimati Nagaribai W/o Shri Onkarlal,
 Shri Rajendrakumar S/o Shri Basantılal, R/o Uliain

(Transferoi)

 Kahipranjali Grih Nirman Sahkati Sanstha Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sad property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—S. No. 170/1, 170/2, 172 situated at Gram Malanwama.

D. P. PANTA
Competent Authority
necting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4011.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land-S. No. 170/1, 170/2, 172 situated at Gram Malanwama

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Nagaribai W/o Shri Onkarlal, Kumari Kusumkumari D/o Shri Purushottumlal, R/o Ujiain.

(Transferer) (2) Kshipianjali Ciih Nirman Sahkhari Samiti, Uijain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - I've terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—S. No. 170/1, 170/2, 172 situated at Gram Malanwama.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti Building, T. T. Nagar, Bhoral

Date: 10-11-1983 l :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4012.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land—S. No. 170/1, 170/2, 172 situated at Gram Malanwama

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Nagribai 2. Meenakumari D/o Shri Purushotumlal, R/o Ujjain.

(Transferor)

(2) Kshipranjali Grih Nirman Sahkari Samiti Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—S. No. 170/1, 170/2, 172 situated at Gram Malanwama.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/4014.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land No. 1229, 1230, 1231, 1235, 1236, 1237, 1242 situated at Gram Anantpur Teh. Huzur Distt. Rewa (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Rewa on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Shri Ramgopul Singh,
 Shii Rambishram Singh,
 Shri Ramprasanna Singh,
 Shri Ramprakash Singh, S/o
 Shii Hiramani Singh, R/o
 Bara Teh, & Distt, Rewu.

(Transferor)

(2) Anantpur Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit Anantpur Teh. Huzur Distt. Rewa M. P. through President Shri B. P. Dube, Anantpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peirod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 1229, 1230, 1231, 1235, 1236, 1237 and 1242 bit Anantpur, Tehsil Huzur, Distt. Rewa.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-11-1983

FORM J.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4015.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land No. 1229, 1230, 1231, 1235, 1236, 1237, 1242 situated at Gram Anantpur Teh. Huzul Distt. Rewa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rewa on March. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajroop Singh S/o Markandey Singh, R/o Bara Teh. & Distt. Rewa.

(Transferor)

(2) Anantpur Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit Anantpur Teh. Huzur Distt. Rewa through President Shri B. P. Dube R/o Anantpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 1229, 1230, 1231, 1235, 1236, 1237 & 1242 situated at Gram Anantpur Teh. Huzur Distt. Rewa.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 10-11-1923

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1933

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/4016 —Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No Land No. 1229, 1230, 1231, 1235, 1236, 1237, 1242 situated at Gram Anantpur Teh. Huzur Distt. Rewa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rewa on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,-

- (1) Shri Bhagwandcen Singh S/o Markandey Singh. R/o Bata Teh Huzur Distt. Rewa.
- (Transferor) (2) Anantpur Gilh Nirman Sahkari Samiti Maryadit Anantpur Teh. Huzur Distt. Rewa through President Shii B P Dube R/o Anantpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- 'N —The terms and expressions used herein as tre defined in Chapter XXA of the said EXPLAN Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 1229, 1230, 1231, 1235, 1236, 1237 and 1242 at Gram Anantpur, Tehsil Huzur, Distt R.wa.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sarvodaya Grih Nirman Sahkari Sanstha, Dewas through President Bhikhubhai Mansharam Solanki, Dewas (M.P.)

(Transferor)

(2) Shii Prakash Damodar Joshi. R/o Idgah Marg, Dewas (MP.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

AUQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4017.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Plot No. 69 situated at Dewas

(and more ully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under

the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Dewas on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective present the property of the control of the cont pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Plot No. 69 situated at Dewas.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-11-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendra Damodir Joshi, R/o Idgah Road, Dewas (M P.)

Dewas (M.P.)

(Transferor)

Dewas

(Tiansferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 11th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl, 4018 — Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 71, situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair ma Let value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income of may moneys or other usets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Secton (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Sarvodaya Grih Nirman Sahkari Sanstha.

through President Bhikhubhai Mansharam Solanki,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANARION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 71 situated at Dewas.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 11 11-1983.

 Sarvodaya iGrih Nirman Sahkari Sanstha, Dewas through President Bhikhubhai Mansharam Solanki, Dewas (M.P.)

(Transferor)

(2) Shri Sunilkumar S/o Shri Damodar Joshi, R/o Dewas (M.P.)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4019.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 70 situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule toppeved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the garties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said it, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269 I) of the said Act, to the following raons, namely:—

-386 GT/83

THE SCHEDULE

Plot No. 70 situated at Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAI.

Date: 11-11-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4020.-Whereas f, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 113, situated at Dewas (and more fully described in the Schodule exceeding the control of the Schodule exceeding the control of the Schodule exceeding the state of the s

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the legistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Dewas on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(1) Sarvodaya Grih Nirman Sahkari Sanstha, through President Bhikhubhai Mansharam Solanki, Dewas (M.P.)

(2) Shii Suieshchundra S/o Shankailal Mahajan, R/o 140, M. G. Road, Dewvs (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 113 situated at Dewas.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-11-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sarvodaya Grih Nirman Sahkari Sanstha, Dewas through President Bhikhubhar Mansharam Solanki, Dewas (M.P.)

(Transferor)
(2) Smt Nihma Mahajan W/o Ashokkumai Mahajan,
140, Mahatma Gaadhi Maig, Dewas (M.P.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4021.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 114, situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the sald Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Plot No 114 situated at Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 11-11-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4022.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 115 situated at Dewas (and more fully described in the School and pore fully described in the School and the

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sarvodaya Grih Nirman Sahkari Sanstha, Dewas through President Bhikhubhai Mansharam Solanki, Dewas (M.P.)

(Transferor)

(?) Smt. Kusum W/o Rajendrakumar Mahajan, 140, M. G. Road, Dewas (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 115 situated at Dewas.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Date: 11-11-1983.

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sarvodaya Guh Nirman Sahkari Sanstha, Dewas through President Bhikhubhai Mansharam Solanki, Dewas (M.P.)

(Transferor)

Shri Tarun M. Patikh, R/o 163, Jaoia Compound, Indore (M.P.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4023.-Whereas I, D. P. PANTA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 79, situated at Dewas

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act. 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Plot No. 79 situated at Dewas.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FINE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th November 1983

Rei No. IAC/Acqn/Bpl/4024 —Whereas I, D P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Plot No. 78, situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (r) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Satvodaya Grih Nirman Sahkari Sanstha, Dewas through President Bhikhubhar Mansharam Solanki, Dewas (M.P.)

(Transferor)

(2) Smt Madhuri N. Parikh, R/o 63, Jaoua Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 78 situated at Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 14-11-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4025.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sarvodaya Giih Nirman Sahkari Sanstha, Dewas through President Bhikhubhai Mansharam Solanki, Dewas (M.P.)

(Transferor)

(2) Shri K. S. Parikh. R/o Balgarh, Dewas (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Dewas.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4026.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sarvodaya Grih Nirman Sahkari Sanstha, Dewas through President Bhikhubhai Mansharam, Dewas (M.P.).

(Transferor)

(2) Shri Pradipkumar S/o Jagdishchandra Parikh, R/o Dewas.

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 situated at Dewas, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th November 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3953.—Whereas I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 8/1290 (Ground Floor) situated at Dahi Mandi, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 2-4-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weahh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Bimla Kumari W/o Shri Hariram Arora R/o Laxmibai Colony, Lashkar, Gwalior,
- (Transferor) (2) Shri Bhagchand s/o Tejumal, Jandar Khaona Madhoganj, Lashkar, Gwa'ior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 8/1290 situated in Dahi Mandi Lashkar, Gwalior.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor Gangoui Building T. T. Nacar BHOPAL

Date: 10-11-1983

Seal :

45-386GI/83

- (1) 1. Potaram S/o Chhuttulal Bhuribai Wd/o Chhuttulal
 Motilal S/o Chhuttulal Niranjan,
 - R/o Gandar, Korba.

(Transferor)

(2) Shri P. C. Samuel S/o P. J. Chako, R/o Korba,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th November 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3971.--Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Korba on April 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—H. No. 21, Kh. No. 149/2, 3/1G situated at Korba.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti Building T, T. Nagur, BHOPAL

Date: 15-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP

Bhopal, the 7th November 1983

Ref No IAC /Acqn/Bpl/3972 —Whereas I, D P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Plot 149/2, 3/1 situated at Koiba Disti Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Korba on April 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) 1 Shri Pora Ram S/o Fatulal
 - 2. Smt Muri Bai W/o Futulal
 - 3. Motilal
 - 4. Bagaram S/o Niranjan R/o Vill Korba

(Transferoi)

(2) Shri M V. Veighese S/o M J Veighese, O/o Bank of India, Korba Main Road, Koiba

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land at kh No 149/2 3/1 & PH No 21 at Korba Distr Bilaspur

Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangoth Bulding T. T. Nagar, BHOPAL

Date 7-11 1983 Sual :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4859.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or an mencys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195/ (27 of 1957);

- (1) Shri Vinod Kumar S/o. Anokha Ram, Phagwara, Mukhtiare-am Shri Fatah Pal Singh S/o Surinder Singh R/o. Hardiabad, Phagwara.
- (2) Shri Pishori Lal S.o. Barkat Ram, Smt. Pritam Pyari W.o. Pishori Lal, Parsotam Dass S.o. Pishori Lal, Ann Radha D.o. Parsotam Dass R.o Loha Mandi, Phagwara,

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2882 of March, 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref No. A.P. No. 4860.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceannent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Amar Singh, Joginder Singh SS/o. Bachan Singh R/o Talwandi Sabo.

(Transferor) (2) Sti Balbir Chand, Bhola Chand Ss/o Bant Ram, Binder Singh, Naib Singh Ss/o Banarsi Dass C/o Bant Ram S/o. Surjan Dass, Back Side D.A.V. College, Bhatinda.

(Transferec)

(3) As per S1. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3099 of March, 1983 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

R.G. No. A.P. No. 4861.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on March 1983

Talwandi Sabo on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Amar Singh S/o Bachan Singh R/o Talwandi Sabe.
- (Transferor)

 (2) Shri Roshan Lal, Lachman Dass SS/o Shri Bant Ram, Mamu Chand, Labhu Chand SS/o. Banarsi Dass C/o Bant Ram S/o Surjan Dass, Back Side DAV College, Chandsar Basti, Bhatinda.

 (Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(11411314143)

(4) Any other person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3123 of March, 1983 of the Registering Authority, Talwardi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax,
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAI.ANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4862.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a first reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Talwandi Sabo on March 1983 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Surjit Singh S/o. Bachan Singh R o Talwandi Sabo.

(Transferor) (2) Shri Bhola Chand, Balbir Chand SS/o. Shri Bant Ram, Binder Singh, Naib Singh SS/o. Banarsi Dass C/o Bant Ram S/o Shri Surjan Dass, Back Side DAV College, Chandsar Basti, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acr, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3213 of March, 1983 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-

Date: 11-11-1983

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4863.—Whereas, I, I. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Talwandi Sabo
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Talwandi Sabo on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jit Singh S/o. Bachan Singh, Talwandi Sabo. (Transferor)

(2) Shri Binder Singh, Naib Singh SS/o Banarsi Dass, Bhola Chand, Balbir Chand SS/o. Sant Ram C/o Bant Ram S/o Surjan Dass, Back Side DAV College Chander Basti, Bhatinda.

(Transferee

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3252 of March, 1983 of the Registering Authority, Talwnadi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No 4864 & 4865.—Whereas, I J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
As per schedule situated at V. Jodhur Bagge, alias Phallar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Talvandi Sabo on March, April, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-46-386GI/83

- (1) Shri Jagan Nath S/o Karta Mal V. Joghpur Bagga Teh. Talwandi Sabo. (Transteror)
- (2) Shri Didar Singh S/o Hazura Singh V Jodhpur Bagga alias Phallar Teh. Talwandi Sabo.
- (3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3100 & 165 of March & April, 1983 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4866.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having 3 fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. as per schedule situated at V. Jodhpur Bagga alias Phollar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on June, 1983 z for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagan Nath S/o Karta Mal V. Jodhpur Bagga alias Phallar Teh. Talwandi Sabo. (Transferor)
- (2) Shri Didar Singh S/o Hazura Singh,
 Smt. Jaspal Kaur W/o Didar Singh R/o V. Jodhpur Bagga alias Phallar Teh. Talwandi Sabo.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1217 of June, 1983 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

Scal:

23009

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4867.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Maur Teh. Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwardi Sabo on March 1983

Talwandi Sabo on March, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jangir Singh S/o Bishan Singh R/o Maur Khurd Teh. Talwandi Sabo.

(2) Shri Amar Nath, Megh Raj SS/o Sh. Ved Parkash, R/o Maur Mandi Teh. Talwandi Sabo.

(Transferce)

(Transferoi)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3179 of March, 1983 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquis tion Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4868.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at Rampura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Rampura Phul on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

((1) Shri Gurdial Singh S/o Basavha Singh R/o Rampura Phul.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Shri Balbir Singh S/o Bachan Singh R/o Rampura Phul.

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme vable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4104 of March, 1983 of the Registering Authority Rampura Phol.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4869.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per scheduled situated at Rampura Phul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul on March, 1983

for an apparent consideration which is less than 16.2 fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds as apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Kaka Singh S/o Kahan Singh R/o Rampura Phul.

(Transferor)

(2) 1. Ashok Kumar S/o Sat Pal,

2. Sat Pal S/o Sh. Zora Singh,

3. Amir Chand, 4. Faquir Chand,

5. Amrit Lal

Lekhpal Rai,
 Sada Lal

Ss/o Mehar Chand, C/o
M/s. Amir Chand Lekhpat Rai,

Cloth Merchant, Rampura Phul.

(Transferee)

interested in the property)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4286 of March, 1983 of the Registering Authority, Ram Pura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4870.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Rampura Phul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rampura Phul on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propert yand I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said agreement of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'acid Act' to the following persons, namely:—

 Shri Jai Singh and Sean Singh R/o Gill Kalan.

(Transferor)

(2) Shri Major Singh S/o Bhagat Singh R/o Gill Kalan, Teh. Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(1) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this action in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4306 of March, 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4871.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Vill. Tungwali Distt. Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nathana on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surjit Singh S/o Jang Singh Mukhtiare-am Walo Sh. Gajjan Singh S/o Sh. Jaimal Singh V. Tungwali Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Karnail Singh, Gurjant Singh Ss/o Sh. Arjan Singh Naib Singh, Balwinder Singh SS/o Jarnail Singh Vill. Tungwali Distt. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1838 of March, 1983 of the Registering Authority, Nathana.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4872.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No a per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Jugraj S'ngh S/o Thakar Singh, Chardsar Basti, Bhatinda.

(Transferor)

- (Transi 2) 1. Sh. Harprit Singh S/o Harmet Singh, 2. Shakuntla Devi W/o Hari Chand, 3. Mal Singh S/o Fateh Singh, 4. Raj Kumar S/o Karam Chand, 5. Om Parkash S/o Siri Ram, 6. Parkash Devi W/o Ramji Dass, 7. Vijay Kumar S/o Amar Nath C/o Sub-Registrar, Tehsil Office, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as ment oned in the Registeration sale deed No. 7010 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4873,-Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authornty under Section 2020 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule saturated at Bhatmda

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofShri Baldev Singh S/o Jangir Singh, Multania Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Lajwanti W/o Tej Ram, Manmohan Singh S/o Ram Singh, Mukhtiar Singh S/o Bhanga Singh Vill, Pacca Kalan, Teh Bhatinda Teh. Bhatinda,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

. Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the Registration sole deed No. 7102 of March 1983 of the Registering Autholty. Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—47—386GI/83

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4874.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gurmel Singh S/o Jangir Singh, Multania Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) 1. Avtar Kaur W/o Hardev Singh,
2. Inder Pal Singh S/o Shankar Dev Singh,
3. Kirpal Kaur W/o Shankar Dev Singh,
4. Gurdev Singh S/o Harnam Singh,
5. Januar Singh S/o Kour Singh

C/o Baldev Singh Chahal, Old Bus Stand to Memia Chowk Road, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7015 of March. 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namtly:-

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIQNER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4875 —Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more tury described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gurbachan Singh Chotia, Lambardar, Multaina Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Angrej Singh, Jangir Singh, Sarjeet Singh Ss/o Gurdev Singh, Malk at Singh S/o Gurdial Singh Vill. Phoos Mandi, Teh. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7176 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4877.--Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoved the income that the immovement of the income that the able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on March, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Shri Anglej Singh S/o Kapoor Singh R/o Hazoora Kapura Basti near Rose Garden, Bhatinda.

(Transferor)

(2) 1. Harbans Singh S/o Bhag Singh,
 V. Patti Teh. Tarantaran.
 2. Tejinder Singh S/o Sh. Mehat Singh,
 V. Patti Teh. Tarantaran,
 3. Jasvir Kaur W/o Parminder Singh,
 V. Tipanwali Teh. Muktsar.
 4. Baldev Singh S/o Joginder Singh,
 V. Sarawan Teh. Muktsar.

V. Sarawan Teh, Muktsar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7197 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A. P. No./4878.—Whereas, I,). L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bhatinda on March, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faciliating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoms did property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shrimati Chaud Kaur Wd/o Shri Bishan Singh, Near Roshan Lal Oil Mills, Mansa Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shii Balwant Singh S/o Shri Ajmer Singh, Vill. Chokar Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7209 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A. P. No./4879.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Chand Kaur Wd/o Shri Bishan Singh, Near Roshan Lal Oil Mills, Mansa Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh S/o Shri Ajmer Singh, Vill. Chokar Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7210 of March, 1983 of the Registering authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A. P. No./4880.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Murch, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Chand Kaur Wd/o Shri Bishan Singh, Near Roshan Lal Oil Mills, Mansa Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ajmer Singh S/o Sucha Singh, Vill. Chokar Teh, Muktsar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7211 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :---

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A. P. No./4881.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Chand Kaur Wd/o Shri Bishan Singh, Near Roshan Lal Oil Mills, Mansa Road, Bhatinda.

(Transferor)

 Shri Balwant Singh S/o Shri Ajmer Singh, Vill. Chokai Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7215 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatlada.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A P. No./4882.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lumovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—48—386GI/83

(1) Shri Santa Singh S/o Shri Amar Singh, Vill. Gill Patti, Distt. Bhatında.

(Transferor)

Shri Krishan Kant Dixit S/o Shri Niranjan Singh,
 Sunita Goel W/o Norata Ram,
 Sarbjit Kaur S/o Om Parkash,
 Sarbjit Kaur D/o Tarlok Singh,
 Satnam Singh,
 Yadvindra Singh
 R/o Bhatinda
 C/o Sub-Registrar,
 Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7224 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range, Jelandhar

Date: 11-11-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A. P. No./4883.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under Registration Act, 1908) in the office of the Registering Officer Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Sabinder Kaur W/o Harmohinder Singh, R/o H. No. 1085, Mohalla Niaz Mohal. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Sukhjit Kaur W/o Sukhdarshan Singh C/o Primary Land Morgage Bank, Rampura Phool, Distt. Bhatinda.

(Transferce

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or Bhatinda.

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7262 of March, 1983 of Registering Authority

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jalandhai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following paragraphy: following persons, namely :-

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A. P. No./4884.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registering Officer

at Bhatinda on March, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shrimati Sudesh Kumari W/o Raj Kumar C/o Sub-Registrar, Bhatinda.

(Transferor)

 Shri Varinder Kumar S/o Parkash Chand Advocate, Civil Courts, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7323 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 11-11-1983

 Shrimati Sudesh Kumari W/o Raj Kumar
 C/o Sub-Registrar, Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

'2) Shn Mohan Lal S/o Banarsi Dass C/o Parkash Chand Advocate, Civil Courts, Bhatinda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A. P. No./4885.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

bility

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 7324 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. I., GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jelandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A. P. No./4886.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bhatinda on March, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfet with the object of .—

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shrimati Balbir Kaur W/o Ajmer Singh Dhillon Mukhtiare-am of her son Gurcharan Singh C/o Ajmer Singh Dhillon Advocate, Civil Courts, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Mohinder Kaur W/o Gulzar Singh, R/o Street Opp. Krishna Cotton Factory, Bibiwala Road, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As pci Sr No. 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration! sale deed No. 7325 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jelandbar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

Date: 11-11-1983

FORM I.T.N.S.--

 Shri Ajmer Singh Dhillon, Advocate, Civil Courts, Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ganda Singh S/o Gajjan Singh Vill. Mandi Kalan, Teh. Phool,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Jalandhar, the 11th November 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. A. P. No./4887.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda. (and mans fully described in the Schedule property having)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given

No. as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on March, 1983 for an apparent consideration

at Bombay on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferend/or

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 7326 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jelandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1983

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 11th November 1983

Ref. No. A. P. No./4888.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ('1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Varinder Kaur Dhillon D/o Sh. Ajmer Singh Dhillon, Advocate, Civil Courts, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimatı Surjit Kaur W/o Gurnam Singh Vill. Mohi Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 7333 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistent Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhau

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1983

FORM ITNS

 Shri Partap Singh, Sarpanch, Gram Panchayat, Vill, Gill Patti, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A. P. No./4889.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1983,

Bhntinda on March, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(2) Shii Baboo Singh S/o Nihal Singh, Vill, Gill Patti, Teh. Bhatinda,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 7360 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref No AP No 4890—Whereas I J L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

No as per schedule situated at

Gill Patti Distt Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee fo the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely.

49---386GI/83

(1) Shri Paitap Singh, Sarpanch. Gram Panchayat, Village Gill Patti Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Major Singh S/o Shri Chand Singh, Village Gill Patti Distt. Bhatinda

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 7361 of March 1983 of the Registering Authority, Bhatinda

J. I GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jalandhar

Date · 11-11-1983

Seal.

(1) Shri Partup Singh, Sarpanch, Gram Panchayat, Village Gill Patti Distt. Bhat.nda.

(Transferor)

(2) Shri Mukhtiar Singh S/o Shri Chand Singh, Vill, Gill Patti Distt. Bhatinda.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Person whom the undersigned knows to be interes-

(3) As per Sr. No. 2 above.

ted in the property).

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. AP. No. 4891.—Whereas, I J L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at

Gill Patti Distt. Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sole deed No. 7362 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. I., GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 11-11-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4892.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at

Gill Patti, Distt. Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Partap Singh, Sarpanch, Gram Panchayat, Village Gill Patti Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Shivdev Singh S/o Shri Jangir Singh, Vill. Gill Patti, Distt. BBhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7363 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4893, —Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at

Bhatinda

(and n.ore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Krishna D/o Shri Suraj Bhan, (/o Krishna Bal Vidyala, Opp. Fort, Bhatinda. (Transferor
- (2) Smt. Balbir Kaur Sidhu W/o Shri Nurbhay Singh, Village Bajuana Teh. Nathana.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wiiting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the cate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7369 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-11-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE TALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4894.—whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the send Act), have reason to believe

that the immovable prperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at

Mansa Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer

at Bhatinda in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pushpinder Singh S/o Shri Ajmer Singh Dhillon, Advocate, Civil Courts, Bhatinda.
 (Transferor)
- (2) Shii Atma Singh S/o Shii Hazoor Singh, R/o Mandi Kalan, Teh. Phool.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 7372 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 11-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE -OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4895,--Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Balbir Kaur W o Ajmer Singh Dhillon Advocate, Civil Courts, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ganda Singh S/o Gajjan Singh Vill Mandi Kalan, Teh Phool.

(Transferee)

(3) As per Sr. No 2 above.

(Person in occuptaion of the property)

(3) Any other person interested in the property.

Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this n tice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No 7373 of March, 1983 of the Registering Autho-11ty. Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-11-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OLITICE OF THE NSPLCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4897.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No, as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the [fability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajmer Singh Dhillon, Advocate, Civil Courts, Bhatmda.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar S/o Shri Charan Dass, S D O. (Civil) Faridkot.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7375 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 11-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SI-CTION 269 (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4896.—Whereas, I, J L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing
No. as per schedule situated at Mansa Road. Bhating.

Mansa Road, Bhatinda • (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act () the following persons, namely :---

(1) Smt. Balbir Kaur W/o Shri Ajmer Singh Advocate, Civil Courts, Bhatinda, Mukhtiaic-am of her son Sh. Gurcharan Singh.

(Transferor) (2) Shri Ramesh Kumar S/o Shii Chaian Dass, S.D.O. (Civil) Faridkot

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be mad in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

HXPI VNATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 7374 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. 1 GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhatin I.

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4898.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
No. as per schedule situated at

Mansa Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-50-386GI/83

(1) Shri Ajmer Singh Dhillon, Advocate, Civil Courts, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Labh Singh S/o Shri Jaggar Singh, Rampura Phool.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration le deed No. 7380 of March, 1983 of the Registering sale deed Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4899.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Mansa Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Baibir Kaur W/o Shri Ajmer Singh Advocate, Civil Courts, Bhatinda, Mukhtiare-am of her son Sh. Gurcharan Singh. (Transferor)
- (2) Shri Harjas Singh S/o Shri Atma Singh, Village Mandi Kalan Teh. Rampura Phool. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) ty any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7381 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4900 .-- Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officeof the Registering Officer at Bhatinda on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ashok Kumar S/o Shri Hari Ram, Bhatinda C/o S. R. Bhatinda.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Sudesh Jindal W/o Dr. Ashok Jindal,

C/o Jindal Machinery Store. Mansa,
(2) Snit. Raj Kumari W/o Shri Mohinder Mohan,
(3) Shri Mohinder Mohan S/o Shri Bhagwant Rai C/o Mohinder Medical Hall, Dhuri Road, Sangrur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested.) ted in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A. P. No. 4903, 4904 & 4905.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at

Bhatinda on March, 1983

Village Gill Patti Distt. Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Shri Partap Singh, Sarpanch, Gram Panchayat, Village Gill Patti Distt. Bhatinda.
- (Transferor) (2) Shri Baboo Singh S/o Shri Nihal Singh, Village Gill Patti Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -I he terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed Nos. 4, 5 & 6 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 11-11-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4901.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Partap Singh Sarauch, Gram Panchayat, Village Patti Gill, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

 Shri Baboo Singh S/o Nihal Singh Village Gill Patti, Distt. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, If any, to the acquisition of the said properly, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2 of March, 1983 of the Registeing Authority, Bhatinda.

J. I.. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4902.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Village Glli Patti, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

 Shri Partap Singh Sarpanch Gram Panchayat, Village Gill Patti, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh S/o Jangir Singh, Village Gill Patti, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4906.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the theome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Mansa Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Varinder Kaur D/o Ajmer Singh Dhillon, Advocate, Civil Courts, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ginder Singh S/o Jaggar Singh Rampura Phool.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Porson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Propery and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 37 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

(1) Smt. Balbir Kaur W/o Ajmer Singh Dhillon Advocate, Civil Courts, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ganga Singh S/o Amai Singh Village Kotli Teh, Talwandi Sabo.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per St. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4907.—Wheeras, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Mansa Road, Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, EXPLANATION :shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Propery and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 38 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RRNGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4908.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51 - 386GI/83

 Dr. Madan Mohan S/o Balwant Rai R/o New Courts Road,, Jalandhar.

(Tansferor)

(2) Shri Prom Nath Joshi s/o Salig Ram and Chand Rani W/o Prem Nath R/o Bhogpur Distt, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUE

Property land 1/2 of 6 Marlas 6 9. ft., situated at New Courts Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 8335 of March, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

9. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RRNGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4909.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Dr. Madan Mohan S/o Balwant Rai and Neelam Rani W/o Dr. Madan Mohan, R/o New Courts Road, Jalandhar.
- (Tansferor
 (2) S/Shri Jatinder Nath, Brahminder Nath,, Narinde
 Nath, Mohinder Nath
 Sa/o Prem Nath
 R/o Bhogpur Distt Jalandhar.

(Transferee

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the prope-

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned Lto be interested in the propert

Objections, if any, to the acquisition of the said prov. .

- (b) by any other person interested in the said insuable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gaz...

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1/2 of 6 Marlas 6 S. ft. situated at New Courts Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 8368 of March, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

Seal t'

TCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RRNGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4910.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, the Competent Authority under Section 269B of the -tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 'he 'said Act'), have reason to believe that the immovable y having a fair market value exceeding Rs. 25,000/nd bearing No.

per Schedule situated at

lalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), , been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair Let value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeconsideration therefor by more n fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of fer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Ast, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Harbhajan Singh S/o Late Shri Dewan Singh, 439, Rainak Bazar, Jalandhar and Shri Jaslok Singh 476, ONGC Flat East Mulund, Bombay and Pari Kaur D/o Late Dewan Singh and W/o Sant Singh Shopkeeper, Inside Lahote Gate, Amritsar Legal heirs of Shri Dewan Singh

(Tanaferor)

(2) Shri Lakhpat Rai S/o Jawala Dass, 361, Lajpat Nagar, Jelandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property sho No EQ-327 situated in Ramak Bazar, Jalanthar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 8373 of March, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. I. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhai

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RRNGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4911.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Rameura Phul

Rampura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Master Babu Singh S/o Jit Singh R/o Rampura Phul.

(2) Shri Dev Raj S/o Diwan Chand R/o H. No. B-24/34, Mall Godown Road, Rampura Phul.

(Transferee)

(Tansferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Peson whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4086 of Mach, 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RRNGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4912—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per Schedule situated at

Rampura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rampura Phul on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which, ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Master Babu Singh S/o Jit Singh R/o Rampura Phul.

(Tansferor)

(2) Shri Bhushan Kumar S/o Diwan Chand R/o H. No. B-24/34, Mall Godown Road, Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Peson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Properly and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 21 of April, 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RRNGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4836.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per Schedule situated at Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 -(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Harpartap Singh Gill S/o Partap Singh General Attorney of Joginder Singh, Jas Bir Singh, Amardeep Singh R/o 168/4, Central Town,

(Tansferor)

(2) Smt. Veena w/o Satinder Kumar Dublish R/o 185 Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Peson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 27 Mrls situated in V. Boot and persons as mentioned in the registration sale deed No. 8458 of March, 1983 of the Registrating Authority, Jalandhar.

> J. 1.. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-11-1983

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RRNGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 28th October 1983

Ref. No. A.P. No. 4837.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at

Basti Sheikh, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Malkiat Singh S/o Inderjit Singh, R/o Basti Sheikh, Jalandhar.

(Tansferor) (2) Gurmeet Singh, Rattan Singh and Sarwan Singh Sa/o Karnail Singh R/o Padhe Bet, Tehsil Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per \$r. No. 2 above. (4) Any other person in occupation of the property)
(Person in occupation of the property)
(Peson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 16 Mls, 138 s. ft. situated in Basti Sheikh Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 8503 of dated March, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RRNGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 28th October 1983

Ref. No. A.P. No. 4838.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per Schedule situated at

Basti Sheikh, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between th parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mohinder Singh \$/o Cullar Singh R/o Basti Sheikh, Jalandhar, Self and Mukhtiar of Arjan Singh, Kattar Singh, Ajit Singh & Sucha Singh.

(Tansferor)

 Shri Harwant Singh S/o Hazara Singh R/o 576, 7-C Chandigarh
 Pushpbinder Singh S/o Kartar Singh, 2. Pushpoinder Singh S/o Kartar Singh, EL-111, Gali Kashmirian, Panjpir, Ialandhar.
3. Sujas Kumari W/o Surinder Kumar, H. No. 763, Tangawali Gali, Model House, Jalandhar, 4. Sudash Rani Kolsi W/o Kuldia Pai 4. Sudesh Rani Kalsi W/o Kuldip Rai, 120, Railway Colony, Jagadhari. 5. Jaswinder Kaur W/o Paramjit Singh, 57 Laipat Rai Nagar, Jalandhar. 6. Kulbir Kaur W/o Gurdip Singh, Sultanpur Lodhi. 7. Amar Kaur W/o Jarnail Singh, Opposite State Bank Colony, Model House, Jalandhar. 8. Joginder Pal S/o Shankar Dass, Basti Sheikh, Jalandhar.
9. Inderjit Singh S/o Ram Singh,
2. New Model House, Jalandhar. Pargat Singh S/o Gopal Singh.
 Block A, Model House, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.
(Peson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 85 Mals 92 s. ft. situated in Basti Sheikh, Ialandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 8507 of dated March, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-10-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 7th November 1983

Ref. No. A. P. No/4844.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaitu on March, 1983

Jastu on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Chanan Ram S/o Bansi Ram r/o Patti Kamra, Jaitu.

(Transferor)

(2) 1. Shri Surjit Singh S/o Hazara Singh r/o Rayawala Kalan (Jaitu) 2. Shri Buta Singh S/o Karam Singh 1/0 V. Gurusar (Jaitu). 3. Shri Prem Nath S/o Mange Ram r/o V. Gurusar (Jaitu),

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(3) As per S. No. 2 above

(4) Any other person interested in the Property. (Person whom the undersigned interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property land 5 K-18 Mls. situated in V. Jaitu and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1628 of March, 1983 of the Registering Authority, Jaitu.

THE SCHEDULE

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jullandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-52-386G1/83

Date: 7-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 7th November 1983 Ref. No. A. P. No. /4845.—Whereas, 1. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the L.T. Act, 1961 in the office of the Competent Auhorlty, at Jaitu on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Nihal Kaur Wd/o Harnam Singh r/o Patti Kado, Jaitu, and S/Shri Sawaran Singh, Jaskaran Singh Ss/o Harnam Singh r/o Patti Kado, Jaitu.

(Transferor)

(2) Shri Jang Singh S/o Wasakha Singh r/o Patti Kado, Jaitu.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the Property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 24 Kls. situated in Jaitu and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1584 of March, 1983 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jallandh.r.

Date: 7-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 9th November 1983

Ref. No. A. P. No/4896.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Gurteg Bahadur Nagar, Jalandhag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Jalandhar on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Darshan Singh S/o Didar Singh Mukhtiar-Khas Charan Singh R/o Bhangala Distt. Jalandhar S/o Gurmakh Singh, 29-Guru Nanak Nagar, Jalandhar. Asal 'Malik' Sarin w/o D. R. Sarin, 147-1, Lajpat Nagar Jalandhar.

 (Transferor)
- (2) Shri Satish Kumar Datta S/o Piara Lal, V. & P.O. Jandiala Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the Property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made ni writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 10 Mls. 180 S. ft. situated in Gurteg Bahadur Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 8575 of March, 1983 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authorrity
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jallandhar.

Date: 9-11-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 9th November 1983

Ref. No. A. P. No./4847.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 and the agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Jalandhar on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagdish Narain S/o Gurditta Mal Mukhtiar of Hardial Singh s/o Bela Sigh 1/o Basti Nau, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Pran Nath Gupta
 S/o Behaii Lal
 r/o 9—New Jawahai Nagar, Jalandhar.
 (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 39 Mls. situated in Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration slae deed No. 7911 of March, 1983 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jallandhar.

Date: 9-11-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 9th November 1983

Ref. No. A. P. No./4848.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhai (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely :---

(1) Shri Kishan Gopal S/o Badri Nath r/o Chak Hussaina, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Raj S/o Badri Nath r/o New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the Property.
(Person whom the undersigned knows to be interested

in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 6 Kls. situated in Basti Sheikh. Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed o. 8558 of March, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jallandhar.

Date: 9-11-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 9th November 1983

Ref. No. A. P. No./4849.—Whereas. I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramesh Chander S/o Tek Chand r/o Basti Nau, Jalandhar Mukhtiar of Hardial Singh.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Mahajan S/o Chaman Lal

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the Property.

Any other person interested in the Property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-VILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 1 K.—19 Mls. situated in Basti Sheikh Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7812 of March, 1983 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jallandhar.

Date: 9-11-83.

The same of the sa FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 9th November 1983

Ref. No. A.P. No. /4850.—Whereas. I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

and bearing No as per schedule situated

at Basti Sheikh, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the saw Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Manmohan Kalia S/o Amir Chand Mukhtiar of Hardial Singh S/o Bela Singh r/o Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shii Sansar Chand Vadera S/o Fateh Chand Vadera r/o Jalandhar.

(3) As per S. No. 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1-19 Mls. situated in Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7881 of March, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaland

Date: 9-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 9th November 1983

Ref No. A.P. No./4851.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No as per schedule situated at V. Garha and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be lisclosed by the transferee for the purposes of th Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s New Finance & Credit Corporation Pvt. Ltd., Ja'andhar through Ram Kumar Bhardwaj. (Transferor)

- (2) Shri Krishna Lal S/o Piara Lal x/o H. No. 75. Jyoti Nagar Extension, Jalandhar. (Transfer.e)
- (3) As per S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 1617 S. ft situated at abadi Jyoti Nagar, Garha and persons as mentioned in the registration sale deed No. 8172 of March, 83 of the Registering Authority, Authority, 1 Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-11-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 9th November 1983

Ref. No. A.P. No./4852.—Wherens, 1, J. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at V. Badaka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ialandhar on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—53—386GI/83

 Shii Ramji Lal Juneja S/o Daulat Ram. R/o 99-Viiay Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jagmohan Singh S/o Grjinder Singh r/o WQ-122, Ali Mohalla, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Badala and poisons as mentioned in the registeration sale deed No. 8041 of March, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Jalandhar,

Date: 9-11-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 9th November 1983

Ref. No. A.P. No./4853.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rq. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at V. Reru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Inlandbar on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Kewal Krishan S/o Kundan Lal R/o Dyal Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Jagmohan Singh C/o Gajinder Singh R/o Basti Bhure Khan, Jalandhar,
- (3) As per S. No. 2 above

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 30 Mls. in V. Rcru and persons as mentioned in the registeration sale deed No 8158 of March, 83 of the registering authority. Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-11-83,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 9th November 1983

Ref. No. A.P. No./4854.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at V. Reiu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

(1) Shri Mahanga Singh S/o Mohan Singh r/o V. Reiu Teh, Jalandhai.

(Transferor)

(2) Shii Ratten Chand S/o Khma Ram and Dev Raj, Hans Raj Ss/o Baghan Ram, Rasila Ram, Bhagirath Ss/o Belt Ram 1/o Prit Nagar, Jalandhar.

(1ransferee)

(3) As per S. No. 2 above

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1K-10 Mls. situated in V. Reru and persons as mentioned in the registration sale deed No. 8149 of March, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-11-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhai, the 9th November 1983

Ret. No. A.P. No./4855,---Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Amar Garden, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhai on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Harkishan Lal S/o Satnam Dass Mukhtiai Khas of Mahesh Chandea Mukhtiar-ai-am of Karam Singh S/o Dalip Singh r/o 66, Sat Nagar, Jalandhar.

(Fransferor)

(2) Shrimati Vaneeta Rani W/o Mahesh Chander and Manohar Lal S/o Ganga Ram 1/0 169/2, Shaheed Udjam Singh Nagar, Jalandhar.

(Fransferce)

(3) As per S. No 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 2 Kls. situated in Amar Guiden, Jalandhai and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 8082 of March 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-11-83.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, TALANDHAR

Jalandhar, the 9th November 1983

Ref. No. AP. No. / 4856.—Whereas. I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and

bearing No. As per Schedule situated at Jaswant Nagar, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Jalandhar on March 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under *ubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ashok Kumar S/o Om Parkash R'o Chandan Nagai, Jalandhii.

(Transferor)

(2) Piem Kanta D.o Ram Patkash Nayyar (W/o Sh. Bahadut Singh) R/o I-Jaswant Nagar, Jalandhat

(Transferce)

(3) As S. No 2 above.

(Petson in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this motive in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE CCHEDULE

Property land 18 Mls 74 S. It. situated in Jaswant Nagar, Garha and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7835 of March, 83 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-11-83

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 9th November 1983

Ref. No. A.P. No./4857,—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

bearing No. As per schedule situated at

V-Kingta

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kashmir Singh S/o Malook Singh, Mukhtiar-Khas of Guipt Singh S/o Amarjit Singh of V, Guga Share Distt, Jalandhar, Mukhtiar-ai-am of Baljit Kaur W/o Partap Singh.
- (2) Sushil Kharbanda W/o Vijay Kharbanda S-33, Industrial area, Jalandhar and Smt. Suksham Lata D/o Harikishan WM-103, Basti Guzan, Jalandhar and Smt. Jaswant Kaur D/o Kaitar Singh R/o WG-111, Islam Ganj, Jalandhar and Smt. Vijay Rani W/o Balbir Kumar, Smt. Kamaljit W/o Baldev Singh R/o Jalandhar

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7975 of March 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 9-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar the 10th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4858 -- Whereas, T. I I GIRDIIAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and

bearing No. As per schedule situated at Giri Tee Bahadur Nagar, Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Jalandhar on March 1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Santosh Kumar S/o Amar Noth, 5C-Dilkusha Market, Jalandhar Mukhtiar-ar am Tarlochan Singh S/o Kartar Singh, Ciui Mandi, Patiala

(Transferot)

(2) Notish Kumari D/O Harnam Dass R/o Cucular Road, Jalandhar,

(Transferec)

(3) As S No 2 above

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the; Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 9 Mls situated in Gui Teg Bahadur Nagai, Islandhar and persons as mentioned in the registeration deed No. 8111 of March 83 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J L GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-11-83

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A.P. No. 4913.—Whereas, I J.L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule at V. Kanianwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering

Officer at Muktsar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respec of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefrore,, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely(1) Shri Santokh Singh S/o Kehar Singh R / o V. Kanianwali Teshsil Muktsar.

(Transferor)

(2) Ranjit Singh S. o Sukhdev Singh R/o V. Kahankgarh Bhirtaura Teh, Samana Distt. Patiala (Transferee)

¹(3) As s. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person inuterested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in th esaid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 114 Kls. 3 Mls. situated in V. Kanianwali persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3382 of March, 1983 of the registering Authority, Muktsar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jalandhar

Dade: 14-11-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A.P. No./4914.—Whereas, I, J.L. GJRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on March 83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—54—386GI/83

(1) Gurdial Singh S/o Dalip Singh Mukhtair-ai-am of Rajinder Singh R/o V. Ucha Teh, Jalandhar,

(Transferor)

(2) Smt, Surrinder Kumari D/o Chaudhry Atma Ram R/o V, Ucha Teh, Jalandhar,

(3) As S No 2 above & I. United Indl. Corporation 2. Priya Agencies 3. Yash Paul Malhotra 4. Brukes Pharmaccuticals all occupants of BIX-2/2492/A-4, Sehdev Market. Jalandhar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7818 of March, 83 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-11-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A.P. No./4915.-Whereas, I, J.L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. As per Schedule situated Ladowali Road, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regististering

1908) in the Office of the Regististering Officer at Jalandhar on March 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Surrinder Rani through Kulwinder Singh Attorney R/o Bagh Karam Bax, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Narinder Singh S/o Chanan Singh, Lt. Col. R/o Civil Lines, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 8 mls. situated at Lado Wali Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 8626 of March, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authorities Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-11-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A.P. No./4916 -Whereas, J.

J.L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at

Lado Wali Road, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Jalandhar on March 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Surrinder Rani through Kulwinder Singh R/o Bagh Karam Bux, Jalandha!. (Transferor)
- (2) Baljit Singh S/o Chanan Singh, Lt. Col. R/o Civil Lines, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 8 Mls. situated at Ladowali Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 8627 of March, 83 of the registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-11-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A.P. No./4917.—Whereas, I, J.L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per schedule situated at Indl. area, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on March 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Raj Kumar Jain S/o Khazan Chand Jain, 109, Saheed Udham Singh Nagar, Julandharm.

(Transferor)

(2) Surrinder Kumar Juin S/o Gian Chand R/o 533, New Jawahar Nagar, Julandhar.

(Transferee)

(3) As SI. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the the undersigned know to be (interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 factory No. E-34, (1608 S. Yds) situated at Indl, area, Jalandhai and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 8029 of March, 83 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-11-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A.P. No./4918.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Jalandhar on March 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

(1) Ram I al, Om Datt & Sham Sunder Ss/o Vidya Parkash R/o V. Malsian Tehsil Nakodar now R/o Bl-1282/IF, Hoshiai pur Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Ashok Kumar & Rakesh Kumar Mandi Road, Jalandhar. Road, Jalandhar.

(Transferec)

(3) As SI, No. 2 above.

(Person in occupation of theproperty)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knowns to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bld. No. BI-1282/IF (Portion) situated Hoshiarpur Road, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 8633 dated March, 83 of the registering authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-11-83

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No AP No /4919—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing No
As per schedule situated at Jalandhai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on March 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fait market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wiring from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Gian Wati W/o Vidya Parkash R/o BI-1282IF, Hoshiiarpur Road, Jalandhar

(Transferor)

(2) Pawan Kumai & Jagdish Kumai Ss/o Shiv Lal C/o Shiv Oil Mills, Mandi Road,

(Transferee)

(3) As \$1 No.2 above

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knowns

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Bldg BI-1282/IF(portion) situated at Hoshiarpur 10ad, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 8634 of March, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhai

Date . 14-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A.P. No./4920,—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

bearing No. As per Schedule situated at

Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering
Officer at Jalandhar on April 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

- (1) Gian Wati W/o Vidya Parkash R/o BI-1282/1F, Hoshiarpur Road, Jalundhar (Transferor)
- (2) Ashok Kumar, Rakesh Kumar Ss/o Shiv Lal C/o Shiv Oil Mills, Mandi Road. Jalandhar.

(Transferec)

(3) As Sl. No.2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knowns to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property Bldg. BI-1282/IF (Portion) situated at Hoshiarpur Road, Jalandhar & persons as mentioned in the registera-tion, sale deed No. 192 of April, 1983 of the Registering Authority, Jalandher.

> J. L. GIRDHAR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A.P. No./4921.—Whereus, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at

Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on April 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ram Lal, Om Datt & Sham Sunder Ss/o Vidya Parkash R/o Bl. 1282/IF, Hoshiarpur Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Pawan Kumar & Jagdish Kumar Ss/o Shiv Lal C/o Shiv Oil Mills, Mandi Road, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knowns

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Bldg. No. BI-J282/1F (portion) situated at Hoshiatput Road, Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 193 of April, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhat.

Date: 14-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A. P. No./4922.—Whereas, 1, J. L. GIRDH/R, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 89 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Lambi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lambi on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (1) Shri Uttar Singh S/o Ratten Singh R /o V. Lambi Tehsil Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Gurbachan Singh S/o Bhag Singh, R/o V. Lambi Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As Sl No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer; and /or
- (b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property land 32K-16 Mls. situated in V. Lambi and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1165 of March. 83 of the Registering Authority, Lambi.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhui

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the esaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following _ns, namely :-55-386GI/83

Date: 14-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A. P. No./4923.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ar the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Sikh-Wala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lambi on March, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shiv Narain S/o Gangla,

R/o V. Sikhwala Sub Tehsil Lambi, Tehsil Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Sahıb Ram, Devi Lal, Pırthi Ram Ss/o Surja Ram R/o V. Sikhwala Sub Teh. Lambi, Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As Sl No, 2 above.

above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be intelested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 70 Kls.14 Mls situated in V. Sikhwala and persons as mentioned in the registration saledeed No. 1206 of March, 83 of the registering authority, Lambi.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandl**

Date: 14/11/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A. P. No./4924.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'seid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situation at Basti Nan, Jalandhai (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

.(1) Shri Bhupinder Kumar S/o Ram Lal, R/o 274-Basti Guzan, Jalandhar Special Attorney Shri Sat Pai S/o Munshi Ram,

(Transferor)

(2) Shrimati Geeta Rani M/o Bhupinder Kumar, R/o H. No. 274, Basti Guzan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 19 Mls. 42 S.ft. situated in Basti Nau, Jalandhar annd person as mentioned in the registration sale deed No. 8095 of March, 83 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14/11/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1983

Ref. No. A. P. No./4925.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on March, 1983.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Malkiat Singh S/o Inder Singh, R/o Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Singh S/o Diyal Singh & Varinder Kumar S/o Roshan Lal, R/o NN-10, Gopal Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 14; Mls. situated in Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 8410 of March, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 14/11/83

Scal:

(1) Shri Baij Nath Chadha S/o Nand aLl, R/o EK-53, Phagwara Gate, Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th November 1983

Ref. No. A. P. No. 4876 .- Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

No. as per schedule situated at Ialandhar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ja'andhar on March, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument if transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1,-

(2) Shri Mohinder Singh Sindhu S/o Jagat Singh and Smt. Sukhminder Kaur W/o Shri Mohinder Singh Sindhu and Amardeep Singh, Gurpinder Singh SS/o Mohinder Singh, R/o V. Khojkipur Salala, Teh. Jalandhar.

(Transferec)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Bldg. situated at Phagwara Gate, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 8343 of dated March, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhur

Date: 15/11/83

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th November 1983

Ref. No. A. P. No./4926.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Hadiabad Tch. Phagwara. (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Phagwara on March, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimti Vidya Wati Wd/o Sh. Chandu Lal, R/o Hadiabad Teh, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit S/o Chunl Lal, R/o Hadiabad Teh. Phagwara.

(Transferce)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2883 of March, 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely:—

Date: 15/11/83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th November 1983

Ref. No. A. P. No./4927.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) · (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Illadiabad Teh. Phagward. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on May, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Vidya WatiWd/o Sh. Chandu Lal,R/o Hardiabad Teh. Phagwara.

(Transferor)

 Shri Chum Lal S/o Sh. Thakar Dass, R/o Hurdiabad Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As 5 no 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 230 of May, 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhur

Date: 15/11/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1983

Ref. No. A. P. No./4928.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Premgarh Moh. New Jagat

Pura, Hoshiarpur.

(and more fully described in the Scheduel annexed heveto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hoshiapur on March, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Kanta Rani W/o Tilak Ran R o Premgarh Moh. New Jagat Pura, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Harjit Singh S/o Harr Singh, R/o Suterhi Chowk, Hoshiapur.

(Transferce)

(3) As s, no 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Crazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5259 of March, 1983 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhan

Date: 16/11/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalundhar, the 16th November 1983

Ref. No. A. P. No./4929.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 48 per schedule situated at Premgarh Moh. New Jagat

Pura, Hoshiarpur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons, namely :--56-986GL/83

(1) Shrimati Kanta Rani W/o Tilak Rai R o Premgarh Moh. New Jagat Pura, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Smt. Rajinder Kaur W/o Harjit Singh, R/o Sutehri Road, Hoshiarpur.

(3) As s. no. 2 above.

(Transferce)

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be into-

rested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1733 of July, 1983 of the Registering Authority. Hoshiarpur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhut

Date: 16,11/83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1983

Ref. No. A. P. No./4930.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. his per schedule situated at Premgarh Moh. New Jagat Pura, Hoshiarpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Kanta Rani W/o Tilak Raj R/o Premgarh Moh. New Jagat Pura, Hoshiarpur.

(Transfecor)

(2) Shri Harjit Singh S/o Hari Singh, R/o Jagatpura, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2154 of Aug., 1983 of the Registering Authority, Hoshlarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16/11/83

FORM I.T.N S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th November 1983

Ret. No. A. P. No./4931.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated ut V. Chak Arniwala Teb Fazilka.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jallabud on March, 1983

for an apparent consideration which is less market value of the aft resaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mangal Singh S/o Budh Singh V. Chak Arniwala Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) S/Shri Surinder Singh, Balwinder Singh, Jagjit Singh, ohan Singh, Sat Pal Singh Kulwant Singh, Gurmit Singh, SS/o Sh. Chand Singh, R/o Chak Arniwala Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same merning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2767 of March, 1983 of the Registering Authority. Jallalabad.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16/11/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalundhar, the 16th November 1983

Rci No A P No 4932 - Whereas J, J L GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No as per schedule situated lat V Chak Arniwala Teh Fazılka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jallabad on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely

(1) Shri Mangal Singh S/o Budh Singh Chak Arniwala Teh Fazilka

(Transferor)

(2) Shri Chand Singh S/o Mangal Singh Vill Chak Amiwala Teh Fazilka

(Transferee)

(3) As s no 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 2768 of March, 1983 of the Registering Authority, Jallalabad

> J L GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Islandhai

Date 16 11/83 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 17th November 1983

Ref. No. A. P. No./4933.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule at Goniane Mandi Distt. Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—
57—386GI/83

(1) Shri Amar Nath R/o B-I/83, Ward No. 11, Goniana Mandi Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash S/o Tilak Ram R/o B-I/83, Ward No. 11, Goniane Mandi, Distt, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7247 of March, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17/11/83

NOTICE UNDER SECTION 20919(1) OF THE INCOMETAX ACT 100 43 OF 1961)

CHOVER SMELS OF INDIA

OFFICE OF THE INS. TING ASSISTANT COMMISSION I DE INCOME-TAX

Punc 1 1983

Ref. No. CAS/37F1 / 16/8 9 6 percas, I SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Aur 25 dv + for Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (3 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have read to a create that the immovable property, having a fair and the immovable property, having a fair and the immovable property.

Plot No. 208 Hissa No. 8 \ No. 1 to a (1) situated at Dist Thane

(and more fully described in the Smedule annexed hereto), has been transferred and the first in Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the first Cofficer at IAC, Acqn, Pune on 26 4

for an apparent conside . When s less than the fair market value of he are in . And I have reason to believe that the fair mail . And I have reason to be mail that the consideration for such app reason to the fair mail . And I have reason to be mail that the consideration have that the consideration for such app reason to the fair mail that the consideration have that the fair mail that the consideration to such that the fair mail that the consideration have that the fair mail that the consideration have that the fair mail that

- (a) facilitating the condition of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any the said fining from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other is such have not been or which ough to be a. C. t b the nansferee for the purposes of the line of line income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) or 1987)

Now, therefore, in press of the said Act, I hereby initial and a requisition of the aforesaid property that the sail section (1) of Sc to the following persons, namely:

(1) M/s Lubay Brothers 286 Kathadevi Road Bombay 400 002

(2) S s Ahuj (hict promoter,

Yavin Goura Co-op Hsg Society Village Chole Dombivili(E)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (1) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot S No 208 Hissa No 8 A, Dombivili(E) Area—22000 sq ft
(as described in the register of office of the I.A.C., Acquisition range Pune No 37FF/CA5/83-84 dt 26-4-1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date 11 10 198 Seal:

(1) M/s Vishvamitra & Rathi Construction House, 796/189 B, Bhandarkar Institute Road, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vijaykumar Sumatilal Shah C/o The Poona Holesale Stores, 537, Sardar Patel Street, Poona-411 001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune, the 19th October 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/277.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 406, 4th floor, Central wing in 'Gulmohar', 2420, Gen. Thimavia Road, situated at Pune-411 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn, Pune on 27-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:--58-386GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th floor, Central Wing in 'Gulmohor', 2420, Gen. Thimava Road, Poona 411 001. Area—1073 sq. ft. (as described in the register of I.A.C., ACQN. RANGE, Pume bearing No. 37EE/1026/83-84/Pune, dt. 27-6-83)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 19-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th October 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84/288.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 216, Narayan Peth situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range Pune on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Shri Sai Builders, 'Amogh' 48, Mukundnagar, Puns-411 037. (Transferor)

(2) Mr. N. P. Albal, 216, Narayan Peth, Punc-411 030.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at C.T.S, No. 216, Narayan Peth, Pune-30. (Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2848 in the month of March, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Date: 25-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune, the 20th October 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84/289.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

S. No. 2, Plot No. 79, Vishnu Laxmi Bldg., Chinchwad situated at Pune-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on March, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Mrs. Sunanda D. Gapchup, Vishnu Laxmi Vasahat, Plot No. 79 Pavananagar, Chinchwad, Pune-33.

(Transferor)

(2) Shri Jayant Shankar Joshi, Mrs. Rama Jayant Joshi, Vishnu Laxmi Vasahat, Plot No. 79 Pavananagar, Chinchwad, Pune-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 2, Plot No. 79, Vishnu Laxmi Bldg. Chinchwed, Pune-33.

(Property as described in the sale of agreement which is registered under No. 1317 in the month of March, 83 with the I.A.C. Acqn. Range, Pune-4)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 20-10-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Shri Sai Builders, Amogh 48, Mukundnagar, Pune-37.

(Transferor)

(2) Mr. B. V. Patwardhan and Mrs. K. B. Patwardhan, 1453, Shukrawar peth, Pune-2. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune, the 25th October 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-EE/83-84/290.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Shiv parvati Apts., 1453 shukrawar peth situated at Pune-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shiv parvati Apts., 1453, Shukrawar peth, Pune-411 030. (Area—318 sq. ft.)
(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2845 in the month of March, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Poona

Date: 25-10-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 21st November 1983

Ref. No. DIL/51/83-84.—Whereas, I, R, K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 124 kanals 3 maria situated at Village Nasir Pur Distt. Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less thon the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Jeewan Shah alias Dina Nath s/o Late Shri Nihal Chand r/o 2241 Ambala City, now at r/o B-1/632, Janakpuri, New Delhi & now B14/833, Lodhi Colony, New Delhi-110003.

(Transferor) (2) 1. Sardar Jaswinder Singh s/o Sh. Surat Singh

c/o Sher Gul Rice Mills, Khanna Distt. Ludhiana.

2. Sh. Gurvinder Singh s/o Sh. Gulzar Singh

r/o Samana Mandi Distt. Patlala.

3. Sh. Varinder Singh s/o Sardar Balkar Singh r/o Saman Mandi Distt. Patiala.

4. Smt. Parminder Kaur w/o Sh. Kushwant Singh

Sint, Farminder Kauf W/O Sn. Kushwant Sing r/o Badipur Distt. Patiala.
 Sahib Singh s/o Boota Singh r/o Vill. Kheri Syedan Distt. Kurukshetra.
 Smt. Parkash Kaur d/o Sardar Ujagar Singh r/o Dhingana Teh. Mukatsar Distt. Faridkot.
 Sh. Sukhvinder Singh s/o Avtar Singh r/o Chapar Diett Patiala

r/o Ghanor Distt. Patiala.

8. Smt. Surinder Kaur d/o Samunder Singh, r/o 113-A, Model Town, Ludhiana.
9. Smt. Gurdip Kaur d/o Sardar Amrik Singh,

r/o Model Town, Ludhiana.

Surinder Kaur d/o Uttam Singh, r/o Model Town, Patiala.
 Gurmeet Kaur d/o Sh. Hari Singh,

r/o Indira Colony, Sunam Distt. Sangrur.

12. Viran Wati d/o Ram Chand,
r/o Ambala City.

13. Sh. Om Parkash s/o Duni Chand,

r/o Ambala. 14. Sh. Suresh Kumar s/o Om Parkash r/o Ambala.

15. Smt. Santosh Kumari d/o Sh. Ram Narain,

r/o Rohtak.
16. Sh. Sukhdev Singh s/o Sh. Pritam Singh, r/o Korali Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have no feed a period of the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 124 kanals 3 marla situated at village Nasir Pur Distt. Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1000 dated 30-6-1983 with the S.R. Delhi.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 21-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 21st November 1983

Ref. No. DLI 130/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B et the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 124 kanals 3 marla situated at Village Nasir Pur Distt. Ambala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Jeewan Shah alias Dina Nath s/o Late Sirl Nil al Chand r/o 2241 Ambala City, now at r/o B-1/6.2, Janakpuri, New Delhi & now B14/833, Lodhi Colony, New Delhi-110003.

(Transferor)

(2) 1. Sardar Jaswinder Singh s/o Sh. Surat Singh c/o Sher Gul Rice Mills, Khanna Distt. Ludhlana.

Sh. Gurvinder Singh s/o Sh. Gulzar Singh r/o Bad'n Pur Distt. Patiala.
 Sh. Varinder Singh s/o Sardar Balkar Singh 1/o Samana Mandi Distt. Patiala.

Smt. Parminder Kaur w/o Sh. Kushwant Singh r/o Badjpur Diatt. Patiala.
 Sahib Siegh a/o Boota Singh r/o Vill. Kheri Syedan Distt. Kurukshetra.
 Smt. Pa kash Kaur d/o Sardar Ujagar Singh r/o Dhingana Teh. Mukatsar Distt Farldkot.

- 7. Sh. Sukhvinder Singh s/ Avtar Singh
- r/o Ghanor Distt. Patiala.

 8. Smt. Surinder Kaur d/o Samunder Singh,
- Smt. Strinder Kaur d/o Santutuder Singd, r/o 113-A, Model Town, Ludhiana.
 Smt. Gurdip Kaur d/o Sardar Amrik Singh, r/o Model Town, Ludhiana.
 Surinder Kaur d/o Uttam Singh, r/o Model Town, Patiala.
 Gurmeet Kaur d/o Sh. Hari Singh,
- r/o Indira Colony, Sunam Distt. Sangrui. 12. Viran Wati d/o Ram Chand,
- r/o Ambala City. 13. Sh. Om Parkash s/o Duni Chand,
- r/o Ambala. 14. Sh. Suresh Kumar s/o Om Parkash, r/o Ambala.
- Smt. Santosh Kumari d/o Sh. Ram Narain, r/o Rohtak.
 Sh. Sukhdev Singh s/o Sh. Pritam Singh, r/o Korali Distt. Ropar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property being land measuring 124 kanals 3 marla situated at village Nasir Pur Distt. Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at No 550 dated 31-3-1983 with the Sub Registrar, Delhi.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 21-11-1983

FORM I.T.N.S.-

(1) S/Shri . ss/o Sh r/o Gu

NOTICE UNDER SECTION 369D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pa s/o Shi r/o Gu

GOVERNMENT OF INDIA

- (3) As at S

(4) Any other

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 30th November 1983

Ref. No. ARS/83-84/250 —Whereas, I. C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Vill Nangal Kotli, Gurdaspur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Gurdaspur on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Objections ______, to the undersign may be made in writing to the undersign.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Vill. Nangal Kotli, Distt. Gurdaspur, as mentioned in sale deed No. 7591 dt. 14-3-83 of registering authority Gurdaspur.

C S GAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-11-1983

I ITNS--

1)

(1) Shri M. C. Kumar, Someswara Extn., Opp. Govt. College, Tumkur.

THE INCOME

(Transferor)

(2) Shri N. S. Krishaaiah Setty, No. 1175,32, 1V Cross, Srirampuram, Bangalore.

(Transferce)

SESTANT

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the air '

being the Competent Authority under Section 269B of the knowne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5, situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 3811/82-83 on 31-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the earvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3811/82-83 dated 31-3-1983) All that property bearing No. 5, on 7/14 Situated at III Cross, Jayabharathinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, manely:—

Date: 9-11-1983

Seal:

AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1983